



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1 PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 7] नई दिल्ली, सोमवार, मई 6, 1985/वैशाख 16, 1907
No. 7] NEW DELHI, MONDAY, MAY 6, 1985/VAISAKHA 16, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ दहया दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

साधारण आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेज-2

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचनाएं

वर्म्बई, 1 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10008/84/85.—अतः मुझे
लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है
की धारा घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी
सं. फ्लैट नं. 607, जो 6 वीं मंजिल, मोन्टाना सी-इमारत,
प्लॉट नं. 4, एम. नं. 41 (अंश), 4 वंगलोज, वसोवा,
अधेरी (र), वर्म्बई 58 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वर्म्बई में रजिस्ट्री
है तारीख 14/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,

ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और
अन्तरक/अन्तरको और अन्तरिती/अन्तरिनियो के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न- लिखित उद्देश्य में
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के
शीर्षक में कमी करने या उसमें बढ़ने में मरिधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की जिन्हें भारतीय आयदा अधिनियम, 1922 (1922 का
11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मरिधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमती/कुमारी—मेमर्स लोखडवाला प्रिमायसेस प्रायवेट
लि.

—(अन्तरक)

श्री/श्रीमती/कुमारी—श्रीमती, फरीदा इब्रहीम शेमता—
(अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी— (यह व्यक्ति या व्यक्तिगत सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी—यसमें ओशिवरा लैंड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट लि.) (यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में गिरावट है)

को यह सच्चा पता करने योग्य सम्पत्ति की अर्जत के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जत के संबंध में कोई भी टाक्षे —

(क) इस सच्चा के गजपत से प्रकाश की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सच्चा की तारीख 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सच्चा के राजपत्र से प्रकाश की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त गजपत सम्पत्ति से निम्नलिखित व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकते हैं।

सम्पत्ति-हस्ताक्षर—यसमें प्रयुक्त बच्चों और पदों का जो उल्लेख अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अधिसूची

“फ्लैट नं. 607, जो, 6वीं मंजिल, मोन्टाणा-में इमारत, प्लॉट नं. 4, एस. नं. 41 (अंश), 4 ब्रिगलोउ बसोवा, अंधेरी (प) एच.ई.-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अर्ज-2/37ईई/10008/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

तारीख . 1/4/1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

OFFICE OF THE INSPECTING ASS'T. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQN. RANGE-II

Notices under section 269D(1) of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961)

Bombay, the 1st April. 1985

Ref. No. AR-II/37EE/10008/84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 607, 6th Floor, Montana, C. Building, Plot No. 4, S. No. 41(Pt), Four Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-400058 (and more fully described in the schedule annexed to this) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property in question is less than the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Private Ltd.
(Transferor)
2. Smt. Farida Ebrahim Shemna (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 607, 6th Floor, Montana, C-Building, Plot No. 4 (Part) Four Bunglows, Versova Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10008/84-85 on 14-8-1984

Date : 1-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निदेश म. आई-2/37ईई/8953/84/85.—अतः मुझे तत्सम आयाकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उक्त पञ्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है") की धारा 2 के अन्तर्गत मन्त्रालय प्राधिकारी को यह विश्वास है कि कारण है कि उपर मरम्मत, जिसका उचित दावा मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसमें फ्लैट नं. 301, जो 3री मजिल इमारत होम कोर्ट, फ्लैट नं. 336, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज वर्सावा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (आर उक्त उपावृद्ध अनुसूची में आर पूरा रूप में वर्णित है) आर जिसका कारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब्र क अर्थात् मन्त्रालय प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रातफल के लिए अन्तर्गत की गई है आर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रातफल में ऐसे दृश्यमान प्रातफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है आर अन्तरक(को) आर अन्तरता(ता) के बीच ऐसे अनरण के लिए तय पाया गया प्रातफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(ग) अन्तरण में हुई किसी आय की वजह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने का सुविधा के लिए और/या

(र) ऐसे किसी आयाकारी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तर्गत नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269 के अन्तर्गत से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 की उप-धारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तिओं को —

1. मेमस हाउसिंग प्राइवेट लि. (अन्तरक)
2. श्रीमती सावित्री टाटो (अन्तरता)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. मेमस ओशिवरा लैंड डेव्लोपमेंट क० (प्रायवेट) लि. (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करवाता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संदर्भ में कोई भी आक्षेप —

(ग) उक्त सूचना के अन्तर्गत प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्समवर्ती व्यक्तियों पर

सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(र) उक्त सूचना के अन्तर्गत प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त सूचना में हितवद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

रजिस्ट्रेशन.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 301, जो, 3री मजिल, इमारत होम कोर्ट, फ्लैट नं. 336, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सावा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि न. स. आई-2/37ईई/8953/84-85 आर जो मन्त्रालय प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख. 1/4/1985

मोहर.

(जा लागू न हो उस काट दिया)

Ref. No. AR-II/37EE/8953/84-85.—Whereas, I, LAXMIAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000, and bearing Flat No. 301, HOME COURT, 4, Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.
(Transferor)
2. Mrs. Mavis Tatti
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Development Co.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, HOME COURT, Plot No. 336 of S. No. 41 (Part), 4, Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8953/84-85, on 4-8-1984.

Date : 1-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8915/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है") की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1102 जो, 11वीं मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स, प्लॉट नं० 351 एम. नं० 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है) और इसमें उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है

तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्गत (क) और अन्तर्गती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए पर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत में, से उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं अर्थात् —

1. मेसर्स लोकडवाला इस्टेट्स एण्ड डेवेलोपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि. । (अन्तर्गत)

2. श्री जितेन्द्र मेहता (अन्तर्गती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. मेसर्स ओशिवरा लैंड डेवेलोपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि. । वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी बन्द व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं 1102, जा. 11वीं मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स प्लॉट नं 351 एस नं 41 (अंश) 4 बंगला, ज. बर्सोवा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।”

अनुसूची जैसा कि स आर्डी-2/37/ईई/8915/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 1-4-1985

माहूर

(जा लागू न हो उसे काट दिजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8915/84-85.—Whereas i, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1102, 11th floor, PREMIUM TOWER, 4, Bungalows, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- M/s Lokhandwala Estate Development Company Private Limited (Transferor)
- Mr. Jitendra Sehgal (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- M/s. Oshiwara Land Development Co. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later.
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No 1102, 11th floor, PREMIUM TOWERS, Plot No. 351 of S No 41 (Part), Four Bungalows, Verswa, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8915/84-85, on 4-8-1985.

Date: 1-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश स आर्डी-2, 37-ईई/8915/84-85—अन मुझे दृश्यमान आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम कहा गया है”) की धारा 269B के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु में अधिक है और जिसकी म फ्लैट नं 604, जो 6वीं मंजिल, इमारत हम्मनी-वी, प्लॉट नं 343 एस नं 41(अंश), 4 बंगला, बर्सोवा, अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है (आर हमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 1/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अनुरित की गई है और हमसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रमाणों के जविक है और अनुरव(को) और अनुरव(या) के बावजूद यह अनुरव के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरव निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अनुरव से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अनुरव के दायित्व में कमी करने का उद्देश्य से सन्निधि के लिए और/या

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-II/37EE/8992/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 602, 6th floor, HOME COURT, four Bungalows, Andheri(W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Yasmin Corporation (Transferor)
2. Mr. Baldev Dhawan (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Development Co. Pvt. Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of

notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor, HOME COURT, Plot No. 336 S. No. 41 (Pt), Versova, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-II/37EE/8992/84-85 on 4-8-1984.

Date : 1-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37-ईई/8990/84-85 —अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे, इसमें हमने पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 369 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी प्लॉट नं. 101, ज. पड़ल मजिन, हमारन होमलैन्ड्स, प्लॉट नं. 341 एम. नं. 41 (अंश), 4 बगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपायद्व अनुगृही में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 369क, ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क(कों) और अन्तर्गती(यो) के बीच ऐसे अन्तर्ग के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ग विखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तर्ग से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्क क दावत से कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य दावतियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृहिष्ठा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स लोकहन्डवाला प्रिमायसेस प्राइवेट लि. (अन्तरक)
2. अशोक मेहता और निरा मेहता (अन्तरिनी)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. मैसर्स ओशिवरा लैंड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि. ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके परोक्ष सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर परोक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 101, जो, पहली मंजिल, इमारत होमलैंड्स, प्लॉट नं. 341, एम. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्मोवा, अंधेरी(प), बम्बई - 58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क. स. आई-2/37ईई/8990/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 1-4-1985

संहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8990/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), 166 GI/85—2

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 101, 1st floor, HOMELANDS, Plot No. 341, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri(W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.
(Transferor)
2. Ashok Mehta and Neera Mehta
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Development Co. Pvt. Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, HOMELANDS, Plot No. 341, S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8990/84-85 on 6-8-1984.

Date : 1-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई.-2/37-ईई/8956/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 1502 जो, 15वीं मंजिल, इमारत मंगनम टॉवर्स, प्लॉट नं. 357, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वसोँवा, अंधेरी (प.) बम्बई-58 में स्थिति है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4-8-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अन्तरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उमसे बढ़ने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैमर्स लोखंडवाला इस्टेट्स एण्ड डेवलपमेंट (अन्तरक) कंपनी प्राइवेट लि.
2. श्री धिरजलाल भगतवाल दामानिया (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
1. मैमर्स ओशिवरा लैंड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट लि.)
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तमची

“फ्लैट नं. 1502 जो, 15 वीं मंजिल इमारत मंगनम टॉवर्स, प्लॉट नं. 357, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वसोँवा, अंधेरी (प.), बम्बई-58 में स्थिति है।

अनुसूची जैसाकी क्र. सं. आई.-2/37ईई/8956/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए।)

Ref. No. AR-II/37EE/8956/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1502, 15th floor, MAGNUM TOWERS, 4 Bunglows, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Lokhandwala Estate & Development Company Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Mr. Dhirajlal Bharatlal Damania (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Development Co. Pvt. Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

the notice on the respective persons which ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1502, 15th floor, MAGNUM TOWERS, Plot No. 357, S. No. 41 Part, Four Bunglows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-II/37EE/8956/84-85 on 4-8-1984.

Date : 1-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई.- 2/37-ईई/8955/84-85.—अतः : मुझे, लक्ष्मणदास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् क्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 10,00,00 रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट. नं. 1501 जो, 15वीं मंजिल, इमारत मैग्नेम टॉवर्स, प्लॉट नं. 357, एस० नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सावा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाचय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वये में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स लोकखडवाला इस्टेट्स डेवलपमेंट (अन्तरक)
कंपनी प्रायवेट लि०

2. श्रीमती गीता धिरजलाल दामानिया (अन्तर्गती)

3

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. मैसर्स ओशिवरा लेन्ड डेवलपमेंट
कंपनी (प्रायवेट) लि.

(वह व्यक्ति जिस के बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जनता है, की वह
सम्पत्ति में हितवद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पब्लिक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध
में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 1501, जो, 15वीं मंजिल, इमारत
मंगम टावर्स, प्लॉट नं. 357, एस नं. 41 (अश),
4 बंगलोज, वसोबा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई./8955/
84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा
दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/371.E. 8955/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS, being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of
1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing Flat No. 1501, 15th floor, MAGNUM
TOWERS, Plot No. 357 of S. No. 41 (Part),
Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more
fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the
Office of the Competent Authority at Bombay on
4-8-1984 for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefore by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said Instrument of
Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act, in respect of any income arising
from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income
or any money or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of
the said Act, I hereby initiate proceedings for acqui-
sition of the aforesaid property by the issue of this
notice under sub-section (1) of Section 269D of the
said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Lokhandwala Estates and Develop-
ment Co. Pvt. Ltd. (Transferor)

2. Mrs. Geeta Dhiralal Damania (Transferee)

3. — (Person in occupation of the property)

4. M/s. Oshiwara Land Development Co.
Pvt. Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said
property may be made in writing to the under-
signed :—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publi-
cation of this notice in the Official Gazette
or a period of 30 days from the service of
the notice on the respective persons which-
ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1501, 15th floor, MAGNUM TOWERS, Plot No. 357 of S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Andheri (W) Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE. 8955/84-85 on 4-8-1984.

Dated : 1-4-85

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. आई० 2/37-ईई/8954/84-85.—
अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. में अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं० 1101, जो, 11वीं मजिल, इमारत प्रिमियम टावर, प्लॉट नं० 351 एस. नं० 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सावा, अधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल में ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (को) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की शबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सहायता के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्ग में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स लोखंडवाला इस्टेट्स एण्ड डेवलपमेंट

कंपनी (प्रा०) लि० (अन्तरक)

2. श्रीमती आशा महगल (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. मैसर्स ओशिवरा लैंड डेवलपमेंट

कंपनी (प्रायवेट लि.)

(वह व्यक्ति जिस के बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 1101, जो 11वीं मजिल, इमारत प्रिमियम टावर, प्लॉट नं० 351, एस. नं० 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सावा, अधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37 ईई/8954/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू नहीं हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE, 8954/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1101, 11th floor, PREMIUM TOWERS, Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Lokhandwala Estates and Development Co. P. Ltd. (Transferor)
2. Mrs. Asha Sehgal (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Development Co. Pvt. Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1101, 11th floor, PREMIUM TOWERS, Plot No. 351, S. No. 41 (Pt), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE, 8954/84-85, on 4-8-1984.

Dated : 1-4-85

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/8918/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट सं० 603 जो 6वीं मंजिल, इमारत हरमनी-बी, प्लॉट नं० 343 एस० नं० 41 (अंश) 4 बंगलीज, वर्सोवा (प०) बम्बई-58 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतराती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शबद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों में अर्जन —

1. मैसर्स लोकहन्डवाला प्रिमायमस प्राइवेट लि० (अन्तरक)
2. श्री सी० एम० लाला (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. मैसर्स ओशिवाला लैन्ड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि०
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूची

“फ्लैट नं० 603, जो 6वीं मंजिल, इमारत हरमनी-बी प्लाट नं० 343, एस०नं० 41(अं), 4 बंगलीज वर्सोवा अंधेरी(प०) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि क्र०सं० आई-2/37ईई/8918/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9855/34-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 603, 6th floor HARMONY-B, Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian

Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.
(Transferor)

2. Mr. C. M. Lala (Transferee)

3. —

(Person in occupation of the property)

4. M/s. Oshiwara Land Development Co. Pvt. Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor. HARMONY-B, Plot No. 343, S. No. 41 (Pt). Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE. 8918/84-85 on 4-8-84.
Dated : 1-4-85

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० आई-2/37ईई/10313/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 304, जो, 3री मंजिल, प्राईम रोड इमारत, प्लॉट नं० 318, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगलोज, बर्मोवा, अंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 21-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरकों और अन्तरिती/अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सहायता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी :—मैसर्स लोखंडवाला (अन्तरक) प्रिमायसेस प्राईवेट लि०
2. श्री/श्रीमती/कुमारी :—श्री मोहन बाय, गांधी (अन्तरिती) और श्रीमती, सकिना मोईस गांधी।
3. श्री/श्रीमती/कुमारी :—
(वह व्यक्ति जिस के अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी :—मैसर्स ओशिवरा लैट डेवेलोपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि०।

(वह व्यक्ति, जिस के बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि श्राव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं० 304, जो, 3री मंजिल, प्राईम रोड इमारत, प्लॉट नं० 318, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगलोज, बर्मोवा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र०सं० आई-2/37-ईई/10213/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10213/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 304, 3rd Floor, Prime Rose Building, Plot No. 318, S.No. 48 (Pt) Four Bunglows, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd;
(Transferor)
2. Shri. Moiz Y Gandhi, and Smt. Sakina Moiz Gandhi
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Development Co Pvt. Ltd;
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of

the notice on the respective persons whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd Floor, Prime Rose Building, Plot No. 318, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10213/84-85 on 21-8-1984.

Dated : 1-4-85

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं० आई-2/37ईई/8971-84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, जो 3री मंजिल, पर्व इमारत, अंबोली मावठाणा, प्लॉट नं० 398, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269C के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण की गई गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतर्गति (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की दान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें दान से मुक्ति के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री इस्माईल अब्दुल्ला चुनावाला (अन्तरक)
2. श्रीमती वृशाली सुभाष खेटले (अन्तरिती)
3. अन्तरिती ।
(वह व्यक्ति जिस के अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. - (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को गृह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त अधोहस्ताक्षरी में, हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 11, जो, 3री मंजिल, पले इमारत, अंबोली गोवठाण, प्लॉट नं० 398, अंधेरी (प.) बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० आई-2/37ईई/8971-84/85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE. 8971/84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11, 3rd floor, PFARL Amboli Gauthan, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Ismail Abdulla Chunawala (Transferor)
2. Mrs. Vrishali Subhash Khete (Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd floor, Pearl, Amboli Gauthan, Plot No. 398, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE. 8971/84-85, on 4-8-1984.

Dated : 1-4-85

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं० आई-2/37ईई/8972/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, जो 2री मंजिल, इमारत पर्ल, प्लॉट नं० 398, अंबोली गावठाण, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका दायित्व आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री इस्माईल ए० चुताबाला (अन्तरक)

2. श्री विलास गंगाराम घाटगे (अन्तरिती)

3. अन्तरिती।

4. वह व्यक्ति जिसके अधिभोग) में सम्पत्ति है)

(यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 7, जो, 2री मंजिल, पर्ल इमारत, प्लॉट नं० 398, अंबोली गावठाण, अंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/8972/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8972/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 7, 2nd floor, Pearl, Plot No. 398 Amboli Gauthan, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Ismail A. Chunawala (Transferor)
2. Mr. Vilas Gangaram Khatle (Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd floor, PEARL, Plot No. 398, Amboli Gauthan, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE. 8972/84-85 on 4-8-1984.

Dated : 1-4-85

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/8945/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दान आयर अडिनिस्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् "इक्त अधिनियम" कहा गया है) की द्वारा 269B के अधीन लक्ष्मण प्राधिकारी को यह विवक्षा करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विगत उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु० से अधिका है और शिवाजी रोड फ्लैट नं० 106, जो, 1ला मंकिंग, "सी" बिल्डिंग, मुन्दर पार्क, वॉन देगार्ड रोड, आफ अंधेरी वसोवा रोड, अंधेरी (ए०) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका वसोनामा आयर अडिनिस्म की धारा 269B के अधीन लक्ष्मण प्राधिकारी के द्वारा, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरण की गई है और मुझे यह विवक्षा करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अंतरण(को) और अंतर्गती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं दिया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायत, आयर अडिनिस्म, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयर अडिनिस्म, 1922 (1922 का 11) या आयर अडिनिस्म, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उद्घाटित :-

1. मैसर्स रमेश बिल्डर्स (अन्तरंग)
2. इला अरुण अग्रवाल (अन्तर्गामी)
3. (वह व्यक्ति जिसने अधिमोक्ष ले सम्पत्ति है)
4. (वह व्यक्ति जिसने ज़ारे में अयो-हस्ताक्षरों प्राप्तता है, को यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आशय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं० 106, जो, 1ली मंजिल, “सी” विंग, सुंदर पार्क, वीरा देसाई रोड, आफ अंधेरी-वर्सोवा रोड अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37ईई/8945/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दाजिये)।

Ref. No. AR-II/37EE. 8945/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 106, 1st floor, C-Wing, Sunder Park, Veera Desai Road, Off Andheri-Versova Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Ramesh Builders (Transferor)
2. Ila Arun Agrawal (Transferee)
3. (Person in occupation of the property)
4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 106, 1st floor C-Wing, SUNDER PARK, Veera Desai Road, Off Andheri Versova Road, Andhrei (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE. 8945/84-85 on 4-8-1984.

Dated : 1-4-85

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं० आई-2/37ई/8991/84-85 ---अतः मुझे नत्थसण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसी पञ्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन गक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु० में अधि है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, जो, 1ली मंजिल, इमारत सिम्फोनी-बी, प्लॉट नं० 344, एन० नं० 41, (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है) और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका ब्यवहारतमा आयकर अधिनियम की धारा 269घ के अधीन गक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में लाभ के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधि है और अंतरः (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

1. मैसर्स लोखंडगाला प्रिमायसेग प्राइवेट लि० (अन्तरः)
2. श्री मरुत सुभनदेसाई और इला बी, दनार्ट (अन्तरिती)
3. -- (यह व्यक्ति जिन के अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. मैसर्स अणिररा लैंड डेवेलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि० ।
(यह व्यक्ति जिनके बारे में अवाह्यताक्षरी जानना है, को वह में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 103, जो, 1ली मंजिल, इमारत सिम्फोनी-बी, प्लॉट नं० 344, एन० नं० 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37ई/8991/84-85 और या गक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

दिनांक : 1-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE. 8991/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing Flat No. 103, SYMPHONY-B, 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s Lokhandwala Premises Private Limited (Transferor)
2. Mr. Bharat Suman Desai and Mrs. Ila B. Desai (Transferee)
3. -Do- (Person in occupation of the property)
- 4 M/s. Oshiwara Land Development Co. Pvt. Limited. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor, SYMPHONY-B, plot No. 344 of S. No. 41 (Pt.), 4 bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE. 8991/84-85, on 6-8-1984.

Dated : 1st April, 1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई- 2/37-ईई/ 10404/84-85 :-

अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. कमरा नं. 51, जो. 1ली मजिन रोशन लाल अग्रवाल शॉपिंग आर्केड, प्लॉट नं. 49, 50, 65, 66, एस. नं. 41 (अंश), आफ जे. पी. रोड, लोखंडवाला काम्प्लेक्स के पास, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 28/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पदार्थ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्नीसवीं नमूना प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

उक्त यह उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वये में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के प्रति —

1. मैसर्स आर. एन. ए. बिन्डर्स। (अन्तरक)
2. श्री नरसिंगदाम एन. अदनानी (एच. यु. एफ.) (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“कमरा नं. 51, जो, 1 ली मंजिल, रोशनलाल अग्रवाल शांतिग्राउंड, प्लॉट नं. 49, 50, 65, 66, एस. नं. 41 (अंग), आफ जे. पी. रोड, लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स के पास बसोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई.-2/37ईई/ 10404/ 84-85 और जो सशम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।

Ref. No. AR-II/37EE/10404/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Room No.51, 1st floor Roshanlal Agarwal Shopping Arcade, Versova, Andheri (W) Bombay-58 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. R. N. A. Builders (Transferor)
2. Mr. Narsingdas Nadnani (HUF) (Transferee)
3. -Do- (Person in occupation of the property)
4. -Do- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Room No. 51, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Plot No. 49, 50, 65, 66, S. No. 41 (pt.) Off J. P. Road, Near Lokhamawala Complex, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37FE/10404/84-85, dt. 28-8-1984.

Dated : 1-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10359/ 84-85 :- अंत. मुझे लक्ष्मण दाम अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विवरण करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 71, जो, 7वीं मंजिल, ओम निकेतन, ओम मार्ग, 314, पानी राम रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क. ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है. तारीख 25/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विवरण करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (का) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दत्तने में गड़बड़ा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा 166 GI/85-4

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उद्देश्य :-

1 ओम बिन्डस प्राइवेट लि. । (अन्तरक)

2 श्री. भरत मोनाजी पंड्या । (अन्तरिनी)

3 -----
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. -----
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 71, जो, 7वीं मंजिल, ओम निकेतन, ओम मार्ग, 314 पानी राम रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37 ईई/ 10359/ 84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

तारीख : 1/4/1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे फाट दें)

Ref. No. AR-II/37EE/10359/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 71, 7th floor, OM NIKETAN, 31, Om Pali Ram Road, Andheri (W) Bombay-58 and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Om Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Shri Bharat Momaji Pandya (Transferee)
3. -Do- (Person in occupation of the property)
4. -Do- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 71, 7th floor, Om NIKETAN, Om Marg, 31 Om Pali Ram Road, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37FF/10359/84-85, dt. 25-8-1984.

Dated : 1-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37- ईई/10355/84-85 :- अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं. 5, जो, ग्राउंड फ्लोर, "पिक अपार्टमेंट्स, (7 बंगलोज, गार्डन के पास, वर्मोवा, बम्बई-61 में स्थित है) और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारारनाम आयकर अधिनियम की धारा 269 क. ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के आयत्व में कमी करने या उससे बढ़ने से स्विद्धा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विद्धा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. मैसर्स वर्धन एस्टेट्स प्राइवेट लि. (अन्तरक)
2. श्री चंदैया पोंकरा बंगेरा मनाहर। (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“दुकान नं. 5, जो, ग्राउंड फ्लोर, “पिंक अपार्टमेंट्स”, 7 बंजोरा, गार्डन के पार्क, वर्सोवा बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/ 10355/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1/4/1985

मोहर :

(जो लागू नहीं उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37FE/10355/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 5, Gr. floor, PINK APARTMENTS, 7 Bunkalows, Versova, Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Vardhan Estates Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Sri Chhandaya Pokra Bangera Manohar (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 5 on Gr. floor in 'PINK APARTMENTS' Bungalow, near Garden, Versova, Andheri, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10355/84-85, dt. 25-8-1984.

Dated : 1-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/ 8884/84-85 अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 5 के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु से अधिक है और जिसकी प्लेट नं० 202 जो, 2 री मजिल, फागमेट-ए, इमारत, प्लॉट नं० 334, एम. नं० 41 (अंश), 4 बंगलोज, बर्मीवा, अंधेरे (प), बम्बई-58 करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कब के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 3-8-1984 को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अन्तरितों/अन्तरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वार्षिक रूप से कथित हो किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने से गृहिष्ठा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की जितने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से गृहिष्ठा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269 के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

2. श्री/श्रीमती/कुमारी -- मैसर्स लोखन्वाला प्रिमायसेस प्राइवेट लि । (अन्तरक)

2. श्री/श्रीमती/कुमारी -- श्री जोसफ़ डो. मेडेस और श्रीमती राज जे. मेडेस । (अन्तरितों)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी -- (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी -- मैसर्स ओशिवरा लैण्ड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि. । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी आमत है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके परोक्ष सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर परोक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

साष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अन्तर्मुखी

प्लेट नं० 202 जो, 2 री मजिल फागमेट-ए, इमारत प्लॉट नं० 334 एम. नं० 41 (अंश) 4 बंगलोज बर्मीवा अंधेरे (प) बम्बई-58 में स्थित है ।

अन्तर्मुखी जैसा कि क. सं अई-2/ईई/8884/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3/8/1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

तारीख 1/4/1985

साहू

*जो लागू न हो उसे काट दिजिये ।

Ref. No. AR-II/37EE/8884/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 202, 2nd floor, Crossgates-A, Versova, Andheri, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Mr. Joseph Diogo Mendes & Mrs. Rose J. Mendes (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Development Corporation (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Crossgates-A, Plot No. 334 of S. No. 41 (pt.), Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8884/84-85, dt. 3-8-1984.

Dated : 1-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8883/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास आचकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें हमके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 7 के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 303, जो 3रा मंजिल प्राईम रोड इमारत प्लॉट नं. 318 एस. नं. 41(अंण) 4 बंगलोज वर्सोवा अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और हममें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आचकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 3/8/1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरितो/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दक्षत, आचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मदद के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आचकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मदद के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री/श्रीमती/कुमारी :- मैसर्स लखंडवाला प्रिमायर्स प्राइवेट लि.

-(अन्तरक)

2. श्री/श्रीमती/कुमारी. - श्री कौलाश चंद्र बोहरा - (चलनरितो)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी. - ———

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग से सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी. - मैसर्स ओशिवारा लैंड

डैवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि. (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति से हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 303 जो 3री मंजिल, प्राइम रोस हम्बरन प्लॉट नं. 318, एम. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज वर्सोवा अंदेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. म. अई-2/37ईई/8883/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिया जाये)

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Private Ltd. (transferor)
2. Mr. Kailash Chandra Bohra (Transferee)
3. Do. (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Development Corporation (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor, PRIME ROSE, Plot No. 318 of S. No. 41 (pt.) Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8883/84-85, dt. 3-8-1984.

Dated : 1-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

Ref. No. AR-II/37EE/8883/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 303, 3rd floor, PRIME ROSE, Versova, Andheri, Bombay 58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8815/84-85 :- अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 26 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. प्लॉट नं. 104, जो पहली मंजिल सिम्फोनी-ए इमारत, प्लॉट नं. 344, एम. नं. 41 (अंग), 1 बंगलोज, वर्मीवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क/अन्तर्गतों और अन्तर्गतों/अन्तर्गतियों के बीच ऐसे अन्तर्गत के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तर्गत निम्नलिखित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तर्गत में हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के गणित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उद्योगार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के प्रति :-

1. श्री/श्रीमती/कुमारी :- मैमर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्राइवेट लि. — (अन्तर्गत)
2. श्री/श्रीमती/कुमारी :- श्री राजू दिवाकर नायर (अन्तर्गती)
3. श्री श्रीमती कुमारी :- — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी :- मैमर्स ओणिवरा लैड ईवलोपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि. । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षण :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्यक् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी

अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"प्लॉट सं. 104, पहली मंजिल, सिम्फोनी-ए इमारत, प्लॉट नं. 344, एम. नं. 41 (अंग), 4 बंगलोज, वर्मीवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम. सं. अई-2/37ईई/8815/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ;

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे कट देंगे)

Ref. No. AR-II/37EE/8815/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 104, 1st floor, SYMPHONY A, Plot No 344 of S. No. 41 (Pl.) Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Mr. Raju Diwakar Nair (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Development Corporation (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, SYMPHONY A, Plot No. 344 of S. No. 41 (pt) Four Bungalows, Versova Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8815/84-85, dt. 2-8-1984.

Dated : 1-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. आई-2/37 ईई /8816/84-85 :—
अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लेट न. 302 जो 3री मंजिल प्राईम रोज इमारत प्लॉट न. 318 एस. एन. 41(अंश) 4 बंगलोज वर्सोवा अंधेरी (प) बम्बई-58. में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख

के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरको और अन्तरित/अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के लिये मूल्य में कमी करने या उससे इच्छते में मरिधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयदास अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मरिधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री/श्रीमती/कुमारी— मैसर्स लाखडवाला (अन्तरक) प्रिमायमेस प्रायवेट लि ।
2. श्री/श्रीमती/कुमारी— श्री हजीतसिंह आनंद (अन्तरित) आर. श्री. हरविंदर सिंह आनंद
3. श्री/श्रीमती/कुमारी— — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी— मैसर्स ओशिवरानेन्ड डेवलपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि. (वह व्यक्ती जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 302 जा 3री मंजिल प्राईम रोज़ इमारत प्लॉट नं. 318 एम नं. 41 (अ) 4 बंगलोज़ वर्सोवा अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची में जैसा की एम नं. अई 2/37ईई/8816/84-85 और जा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 1-4-1985

मोहर

(जी लागू न हा उसे काट दिजिये)

Ref No AR-II/37EE/8816/84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000 - and bearing Flat No 302 3rd floor, Prime Rose, Versova, Andheri, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- 1 M/s Lokhandwala Premises Pvt Ltd
(Transferor)
- 2 Mr Harjeet Singh Anand & Mr Harvinder Singh Anand
(Transferee)
- 3 —
(Person in occupation of the property)

166 GI/85-5

- 4 M/s Oshiwara Land Dev Corp. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No 302, 3rd floor, Prime Rose, Plot No. 318 of S No 41(pt) 4 Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/8816/84-85, Dt 2-8-1984

Dated 1-4-1985

Seal

(Strike off where not applicable)

निर्देश नं. अई 2/37-ईई/10284/84-85 —

अन मुझे लक्ष्मन दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु से अधिक है और जिसकी स गाला नं. 1 एन जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट विंग देसाई रोड अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2-8-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक [को] अर अन्तरितो [यो] के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मन्विष्य के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स इंडिया इलेक्ट्रिक पोल्स मैन्युफैक्चरींग (अन्तरक) कंपनी ।
2. श्रीमती अमीनाबेन फक्रुद्दीन सैफी । (अन्तरिनी)
3. अन्तरकों
(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“गाला नं. 1—एन जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट वीरा देसाई रोड अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. आई-2/37 ईई/10284/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड कि या गया है ।

तारीख 1-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये ।

Ref. No. AR-II/37EE/10284/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (13 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 100,000]—and bearing Gala No. 1-N, Laxmi Indl. Estate, Vecra Desai Road, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. India Electric Poles Mfg. Co.
(Transferor)
2. Smt. Aminaben Fakruddin Saifee
(Transferee)
3. Transferor
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Gala No. 1-N, Laxmi Indl. Estate, Veera Desai Road, Andheri (W) Bombay-58.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10284/84-85, dt. 25-8-1984

Dated : 1-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37 ईई / 10276 / 84 -85:-
अतः मूले लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लेट नं. 603 जो 6वीं मंजिल "मिनू मिनार" वीरा देसाई रोड निर्माणाधीन इमारत अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है) और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में दसी करने या उससे बचने में गृहिणा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्य अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूदिधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स मनु बिल्डर्स (अन्तरक)
 2. श्रीमती शशिकला सी कोतवाल। (अन्तरिती)
 3. —
- (वह व्यक्ति जिसके अधिक भोग में सम्पत्ति है)

4. —
- (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हस्तक्षेप है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तक्षेप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लेट नं. 603 जो 6वीं मंजिल "मिनू मिनार" वीरा देसाई रोड निर्माणाधीन इमारत अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. आई-2/37 ईई / 10276/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 1/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10276/84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 603, 6th floor, Minoo Minar, Veera Desai Road, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Minoo Builders (Transferor)
2. Mrs. Shashikala C Kotwal (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor, MINOO MINAR, Veera Desai Road, Andheri (W) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10276/84-85, dt. 25-8-1984

Dated : 1-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई- 2 / 37- ईई / 10407 / 84-85 :-

अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है" को धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. (दुकान नं. 28 ए, जो, ग्राउंड फ्लोअर, रोशनलाल अगरवाल शॉपिंग आर्केड, प्लॉट नं. 49, 50, 65, 66 एस. नं. 41 (अंश), आफ जे. पी. रोड लाखं-

डवाला के पास, में स्थित है) (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 28-8-1984 वसंवा, अंधेरी (प), बम्बई-58. को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल में ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक(कों) और अन्तरिती(यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मद्दिता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मद्दिता के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिनिः—

1. मैसर्स आर. एन. ए. विल्डर्स (अन्तरक)
2. श्री लक्ष्मीचंद एम. भार्गवा (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में (अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करवा हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"दुकान न. 28ए, जो, ग्राउंड फ्लोर, रोशनलाल अगारवाल शॉपिंग आर्केड, प्लॉट न. 49, 50, 56, 66, एम न. 41(अण), आफ जे पी रोड, लोखंडवाला के पास, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ?

अनुसूची जैसा कि क म आई-2/ 37ईई/ 10407/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 1-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10407/84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Shop No. 28A, Ground floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Off J. P. Road, Near Lokhandwala, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. R.N.A. Builders. (Transferor)
2. Mr. Lakmichand N. Bhargava (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 28A, Ground floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Plot No. 49, 50, 65, 66, S. No. 41 (pt), Off J. P. Road, Near Lokhandwala, Versova, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10407/84-85 on 28-8-1984.

Dated : 1st April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं आई / 2/37-ईई / 10405 / 84/85 —अन मुझे, लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे हमसे इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार, मूल्य 100,000 रु से अधिक है और जिसकी सं० (कमरा नं० 49, जो, 1 ली मंजिल, रोशनलाल अगारवाल शॉपिंग आर्केड प्लॉट न. 49, 50, 65, 66, एम. न. 41 (अण), आफ जे पी रोड, लोखंडवाला काम्पलेक्स के पास, वर्सोवा, में स्थित है) और हमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनाम आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 28-8-1984 अंधेरी (प), बम्बई-58, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अवरक(को) और अवरिती (यो) के बीच ऐसे अवरण

के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स आर. एन. ए. बिल्डर्स (अन्तरक)
2. श्री विष्नी एन. अदनानी (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“कमरा नं. 49, जो, 1ली मंजिल, रोशनलाल अगरवाल शापिकुआर्केड, प्लॉट नं. 49, 50, 65, 66 एस. नं. 41 (अंश), आफ जे. पी., रोड, लोखंडवाला काम्प्लेक्स के पास, ब्रामोवा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है ।”

अनुसूची जैसा की क्रम. सं. आई-22/37 ईई 10406 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10405/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Room No. 49, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer : and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. R.N.A. Builders (Transferor)
2. Mr. Vishni N. Adnani (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned, -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

SCHEDULE

Room No. 49, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Plot No. 49, 50, 65, 66, S. No. 41 (pt.) Off J.P. Road, Near Lokhandwala Complex, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10405/84-85, dt. 28-8-1984.

Dated : 1-4-1985

Seal :

*(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37 ईई 10108 / 84-85-
अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. (फ्लैट नं. 2 जो विंग-बी 4थी मंजिल श्री पद्मावती डेवहलोपर्स, प्लॉट 54, एस. नं. 41 (अंज), ओशिवरा, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शान्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरीरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् -

1. मैसर्स श्री पद्मवती डेवहलोपर्स (अंतरक)
2. श्री राजकुमार योगराज आनंद (अंतरिती)

3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 2 जो विंग बी, 4थी मंजिल श्री पद्मावती डेवहलोपर्स, प्लॉट नं. 54, एस. नं. 41 (अंज), ओशिवरा, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं. आई / 2 / 37 ईई / 10108-84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 20-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Bombay, the 2nd April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/10108/84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, Wing 'B', 4th Floor, Shree Padmavati Developers Plot No. 54, S. No. 41 (Part), Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Shree Padmavati Developers,
(Transferor)
2. Mr. Rajkumar Yograj Anand (Transferee)
3. ———
(Person in occupation of the property)
4. ———
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expire later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, Wing 'B', 4th Floor, Shree Padmavati Developers, Plot No. 54 S. No. 41 (Part), Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/10108/84-85 dated 18-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

Seal :

*(Strike off where not applicable.)

निर्देश म अर्द्ध-2/37-ईई/10108/84-85 —अत मजे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु० से अधिक है और जिसकी म प्रमाथमेम नं० टी-2 111 और 112, जो, 11वीं मजिल, मजीव टॉवर वेहराम बाग, अष्टर-बर्मिडा, विलेज ओशिवरा, मर्बे नं० 41 (अण), बम्बई में स्थित है (और इसमें उताबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्र है, तारीख 18-8-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गयी है और मजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिकल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (को) और अन्तरिनी (यां) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की शकत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दारिद्र्य में कमी करने या उसमें म्चने में म्चिध के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्चिध के लिए ।

अत, अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उग धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

- 1 मंजीव बिन्डर्म प्राइवेट लि (अन्तरक)
- 2 शानीता गोपका (अन्तरिनी)

3

(वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

4.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'प्रिमायसेस नं. टी 52 111 और 112 जो 11 वीं मंजिल, संजीव टावर, बेहराम बाग, अंधेरी, वर्सावा, ओशिवारा विल्हेज सर्वे नं. 41 (अंश) निर्माणाधीन इमारत बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37-ईई/10193/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2-4-1985

मोहर :

* (जो लागू न हो उसे काट दिया)

Ref. No. AR-II|37EE|10193|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Area TII-111 and 112 Sanjeev Towers, Bahram Baug, Andheri (West), Versova, Oshiwara Village, Survey No. 41 (Part), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

166 GI/85—6

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- Sanjeev Builders Private Limited
(Transferor)
- Shanita Gocnka
(Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette, for a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Area TII-111 and 112, Sanjeev Towers, Bahram Baug Andheri (West), Oshiwara Village, Versova Survey No. 41 (Part), Bombay-58.

The agreement has been registered Competent Authority, Bombay under AR-II|37EE|10193|84-85 dated 18-8-19

Dated : 2nd April, 1985

Seal :

*(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-2/37ईई/10171/84-85.—अन: मुक्षे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) को धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजारमूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं० 704, जो, “बी” विंग, 7वां मंजिल, बेन्सेर इमारत, प्लॉट नं० 9 और 9-ए, एस नं० 41 (अंश), ओशिवरा, वर्सोवा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरकों और अन्तरिनी/अन्तरिनीयो के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अन: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमति/कुमारी :—मैसर्स रवीराज कन्स्ट्रक्शन्स (अन्तरक)

श्री/श्रीमति/कुमारी :—श्रीमति सावित्री जी. खट्टनहर।
(अन्तरिनी)

श्री/श्रीमति/कुमारी :—

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमति/कुमारी :—

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवश्यकता शह करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी

अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 704, जो “बी” विंग, 7वीं मंजिल, बेन्सेर इमारत, प्लॉट नं. 9 और 9-ए, एस. नं. 41 (अंश) ओशिवरा, वर्सोवा अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10171/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2-4-1985

मोहर :

* (जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10171/84-85:—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 704, ‘B’ Wing, 7th Floor, Benzer Building, Plot No. 9 & 9A, S. No. 41 (Part) Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Raviraj Construction (Transferor)
2. Mrs. Savitri G. Khattanbar (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. —

Person whom the
undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Versova, Andheri (West), Bombay-400058.
Benzer Building, Plot No. 9 & 9A,
S. No. 41 (Part), Oshiwara,
Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10171/84-85 dated 18-8-1984..

Dated : 2nd April, 1985

*(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10005/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम, कहा गया है की धारा 26 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि म्याकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 503, जी. 5वीं मंजिल, प्राईम रोड इमारत, प्लॉट नं. 318, एस. नं. 41 (अंग), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका कगार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 14-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य के काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि म्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिती/अंतरितीयों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमती/कुमारी :—मैसर्स लोखड़वाला

प्रिमायसंस प्राईवेट लि०

(अन्तरक)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—राजिया मुलाना शेरी

(अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी :

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—मैसर्स ओशिवरा लैंड डेव्लोपमेंट कंपनी (प्राईवेट) लि.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 503, जो, 5वीं मंजिल, प्राईम रोस इमारत,
प्लॉट नं. 318, एस नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा,
अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37 ईई/1005/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है :

तारीख 2-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/1005/4-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 503, 5th Floor, Prime Rose, Plot No. 318, Sl. No. 41 (Part), Four Bungalows Versova, (Andheri (West), Bombay—400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Private Limited
(Transferor)
2. Raiza Sultana Sheri (Transferee)

3. —

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 503, 5th Floor,
Prime Rose, Plot No. 318, S. No. 41 (Part),
Four Bungalows, Versova, Andheri (West),
Bombay—400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/1005/84-85 dated 14-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/10251/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे हममें हमके पश्चात् “उक्त अधिनियम,” कहा गया है की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं. 6-बी, जो, ग्राउंड फ्लोर, “ए” “पिक अपार्टमेंट्स”, 7 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 24-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर/अंतरकों और अन्तरित/अन्तरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से दथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमती/कुमारी :—मैमर्स वर्धन इस्टेट प्रायवेट लि.।

(अन्तरक)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—श्रीमती, साराबाई वालीमोहमद चुनावाला
(अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्रयोजित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“दुकान नं. 6-बी, जो, ग्राउंड फ्लोअर, “ए” “पिंक अपार्टमेंट्स”, 7 बंगलाव, अंधेरी (प), वर्सावा, बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37 ईई/10251/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे वाट बोजिए)

Ref. No. AR-II|37EE.|10251|84-85:—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 6B, Ground Floor ‘A’ Pink Apartments, Seven Bungalows Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Vardhan Estate Pvt. Ltd.
(Transferee)
2. Mrs. Sarabai Valimohd Choonawala
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 6B Ground Floor 'A'
Pink Apartments, Seven Bungalows, Andheri (West),
Versova, Bombay—400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10251/84-85 dated 24-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37-ईई/10277/84-85.—अतः, मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी न. फ्लेट न. 602 जो 6वीं मंजिल “मिन् मिनार”, बीरा देसाई रोड निर्माणाधीन इमारत अंधेरी (प) बम्बई 58. में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 25/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में बाधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्शियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बाधा के लिए :

अतः, उक्त, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स मिन् बिल्डर्स। (अन्तरक)

2. श्रीमती, शणिकला सो. कोतवाल। (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लेट न. 602 जो 6 वीं मंजिल “मिन् मिनार” बीरा देसाई रोड (निर्माणाधीन इमारत), बम्बई अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. आई-2/37-ईई/10277/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2-4-1985.

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/10277/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 602, 6th floor, MINOO MINAR, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-58, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- M/s. Minoo Builders (Transferor)
- Mrs. Shashikala C. Kotwal (Transferee)
- _____ (Person in occupation of the property)
- _____ (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No 602, 6th floor, MINOO MINER, Veera Desai Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10277/84-85 on 25-8-1984.

Date : 2-4-1985.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई-2/37/ईई/10281/84-85.—अतः, मुझे, लक्ष्माण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 501 जो, 5 वी मंजिल, "बी" विंग, बो-इमारत अपार्टमेंट, इ. एस. आर. सी. नगर के पीछे 4 बंगलोज वर्सोका बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 25/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शकत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्वयण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों बर्थात् :—

- मैमर्स ओमप्रकाश एण्ड कंपनी। (अन्तरक)
- श्री किरण रामसे। (अन्तरिनी)
- अन्तरकों।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. डा. बोमसी वाडिया।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, को वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के दर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 501 जो, 5 वीं मंजिल, “बी” विंग “बी” इमारत अभिशेक अपार्टमेंट, इ. एस. आय. सी. नगर के पिछे, 4 बंगलो, वर्सोवा, अंधेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37 ईई/10281/84-85 और जो महम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10281/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 501, 5th floor, B Wing, B Building, Abhishek Apartment, Behind ESIC Nagar, Four Bungalows, Versova, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- M/s. Omprakash & Co. (Transferor)
- Mr. Kiran Ramsay (Transferee)
- M/s. Omprakash & Co. (Person in occupation of the property)
- Mr. Bomsi Wadia (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Fiat No. 501, 5th floor, B Wing, B Building, Abhishek Apartment, Behind ESIC Nagar, Four Bungalows, Versova Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10281/84-85, dated 25-8-1984.

Date : 2-4-1985

SEAL

‘Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई-2/37ईई/10178/84-85—अनु. मंज. लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इनके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसमें उचित बाजार मूल्य 100000/- रु में अधिष्ठ है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 102, जो, 1 वीं मंजिल, "बी" विंग, निर्माणाधीन इमारत, अभिशेक अपार्टमेंट, इ. एस. आय सी. नगर के पीछे, 4 बंगलों, वर्सोवा, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका नगरनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन, मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण की गई है और मंजूर यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिका है और अंतरण(को) और अंतर्गति(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं दिया गया है—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें दक्षते में मविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन—

1. मैसर्स ओमप्रकाश एण्ड कंपनी। (अन्तरक)
2. श्रीमती. भाटीया आशा राम। (अन्तरिनी)
3. अन्तरको। (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. डा. बीमाई दाडिया। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर

सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं., 102, जो, 1 वीं मंजिल, "बी" विंग, निर्माणाधीन इमारत, अभिशेक अपार्टमेंट, इ. एस. आय सी नगर के पीछे, 4 बंगलों, वर्सोवा, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. आई-2/37ईई-10178/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10178/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 102, 1st Floor, 'B' Wing, Abhishek Apartment, Behind ESIC Nagar, Four Bunglows, Versova, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the

transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Omprakash & Co. (Transferor)
2. Mrs. Bhatia Asha Ram (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 102, 1st Floor, 'B' Wing, Abhishek Apartment, Behind ESIC Nagar, Four Bunglows, Versova, Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10178/84-85 dated 18-8-1984.

Date : 2-4-1985.

SEAL

*Strike off where not applicable.

विदेश में आई-2/37ईई/10094/84-85.—अन : मूखे लक्ष्मणदास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) /जिने इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया (है की धारा 269घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु० से अधिक है और जिसकी में फ्लैट नं० 102, जो, 10 वीं मंजिल, मंजू टावर, रोजन-लाल अगरवाल काम्प्लेक्स, मर्चें नं० 41 (अंश), ओशविरा, अंधरी

(1) बम्बई-58 में स्थित है। (1) इसका उदाहरण अनुसूचा में आरपूरा नहीं वर्णित है), और जिसका गणनामा जायज़र अधिनियम की धारा 269 उक्त के अन्तर्गत, मध्यम प्राधिकारी को दायित्व, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में इनके दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिक्ष की गई है और मूखे लक्ष्मणदास को यह विश्वास है कि पश्चात्पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक और आमतौर पर) आरपूरा नहीं (यो) के बीच ऐसे अंतर के लिए कि पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त आरपूरा निहित है बाजार मूल्य में स्थिति नहीं निहित किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में लक्ष्मी करने या उसमें बचने से रक्षा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से रक्षा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. मैसर्स आर. एन. ए. बिल्डर्स (अन्तरण)
2. श्री मोगब पो वेमुना और श्रीमती (अन्तरिक्षी)
हिलना पो वेमुना
3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोक्ष से सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके दार में ज्योह्माधरी जानता है, कि यह सम्पत्ति से हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के संदर्भित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 102, जो 10वीं मंजु टावर, रोजनलाल अग्रवाल कॉम्प्लेक्स, सर्वे नं. 41 (अण), आंधरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची अर्थात् क्रम सं. आई-2/37 ईई/10094/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2/4/1985

मोहर

(जो लागू है उसे काट देंगे)

Ref. No. AR-II/37FE/10094/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the "Said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 102, 10th Floor, Manju Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Survey No. 41 (Part), Oshiwara, Andheri (W), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. R. N. A. Builders, (Transferor)
2. Shri Sorab P. Vesuna and Mrs. Hilla P. Vesuna (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 102, 10th Floor, Manju Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Survey No. 41 (Part), Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10094/84-85 dated 18-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन सं. आई-2/37-ईई/10065/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अंतर्गत मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 2, जो, ग्राउंड फ्लोर, "जर्जियन" इमारत, 7 बंगला, बमोवा, अंधरी, बम्बई में स्थित है (और हमसे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारगरनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब के अंतर्गत मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 17-8-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गयी है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर (को) और अंतर (को) के बीच ऐसा अंतरण से तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित से वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत क दायित्व या कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ग) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरित द्वारा एकत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहा था, वियोजन में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वये, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवस्थित अर्थात् :—

1. मैसर्स सी ब्रेज इस्टेट्स प्राइवेट लि० (अन्तर-)
2. श्री मधुसूदन डी यादव (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
1. — (वह व्यक्ति जिसके द्वारा से अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 2, जो, ग्राउंड फ्लोअर, “ओनियानिल” इमारत 7 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स अई-2/37 ईई/10065/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख . 2/4/1985

मोहर .

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/10065/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 2, Ground Floor, Oceanic I, Seven Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Sea Breeze Estates Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Mr. Madhusudan D. Yadav (Transferee)
3. —Do— (Person in occupation of the property)
4. —Do— (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, Ground Floor, Oceanic-I, Seven Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10065/84-85 dated 17-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37ईई/10101/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 31, जो, 3री मंजिल, ओम निकेतन, 314, पालीराम रोड अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका पारानामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कों) और अंतर्गती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. ओम बिट्ठरम प्राइवेट लि.। (अन्तरक)
2. श्रीमति, कोशल्यादेवी भारती, और श्री. रामकुमार रत्नलाल (एच. यू. एफ) (अन्तर्गती)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी

अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 31, जो, 3री मंजिल, ओम निकेतन 314, पालीराम रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं. आई-2/37ईई/10101/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख. 2/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/10101/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 31, 3rd Floor, OM NIKETAN, 314, Paliram Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Om Builders Pvt. Ltd., (Transferor)
2. Smt. Kaushlyadevi Bharatia,
Shri Ramkumar Ratanlal (H.U.F.) (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 31, 3rd Floor, OM NIKETAN, 314, Paliram Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10101/84-85 dated 18-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/101222/84-85.—अन मुझे, दृष्टमन दाग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. में अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. ए-305, जो, जिला अपार्टमेंट गुरुमोहर गार्डन के सामने यारी रोड, बसोवा, बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका अन्वयनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 बख के अधीन, दृष्टमन प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रो है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य उस के दृष्टमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल के, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरण (को) और अन्तरिती (या) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में दिये नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. मैसर्स अनीता इंटर्प्रायजेस । (अन्तरण)

2. श्रीमती राजू मोहनदास शामदामानी (अन्तरिती)

और श्री मोहनदास लालचंद शामदामानी

3. —

(यह व्यक्ति, जिस जिन्हे अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(यह व्यक्ति, जिन्हे बाग में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. ए-305, जो जिला अपार्टमेंट, गुरुमोहर गार्डन के सामने, यारी रोड, बसोवा, बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क.म. आई-2/37 ई ई/10122/84-85 और जो सभ्य प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे वाट रॉजिंग)

Ref. No. AR-II/37EE/10122/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. A-305, Lila Apartments Opposite Gulmohar Garden, Yari Road, Versova, Bombay-400061 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Anita Enterprises (Transferor)
2. Mrs. Raju Mohandas Shamdasani & Mr. Mohandas Lalchand Shamdasani (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. A-305, Lila Apartments, Opposite Gulmohar Garden, Yari Road, Versova, Bombay-400061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10122/84-85 dated 18-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं आई-2/37 ई ई/10170/84-85. - जहां मैंने लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस इकाई के पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु में अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं 201, जो 2 रा मजिना, "मिटेज" फ्लैट नं 27, एस न 41(अ) 1 बंगला, ओशिवरा, अंधेरा (पं) बम्बई, में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका अंगरामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में दाम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और और/अथवा और अन्तर्गति/अन्तरनियो के बीच ऐसे अन्तरण के लिए दाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

श्री/श्रीमती/कुमारी— मैमर्स रवीशंकर गणेशगुप्त (अन्तर्गत)

श्री/श्रीमती/कुमारी — जयि जनदाम

वनशानी

(अन्तरितो)

श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग से सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पत्रोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पत्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 201, जो 2 रे मंजिल, "सिटीजन," प्लॉट नं. 27, ए. नं. 41 (अण), 4 बंगलों, ओशिवरा, अंधेरी (प) बम्बई में स्थिति है।

अनुसूची जैसा की क्रम संख्या आर-2/37 ईई/10170/84-85 और जो सक्षम प्राधिकाारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2/4/1985

मोहर

(जो लागू नहीं होता उसे वाट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10170/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 201, 2nd Floor, 'CITIZEN' Plot No. 27, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considera-

tion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Raviraj Corporation (Transferor)
2. Mr. Jaikishandas P. Ghanshani (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor, 'CITIZEN' Plot No. 27, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10170/84-85 dated 18-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश नं. आई-2/37-ईई/10192/84-85:—अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्रमाणपत्र नं. टी-2-113 और 114 जो 11वीं मंजिव टावर, बेहराम बाग, अंधेरी-वर्मावा, ओशिवरा विल्हेज, निर्माणधीन इमारत सर्वे नं. 41 (अंश), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अनर्गत(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किंगी बन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 के अधीन (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मंजिव विन्डर्स प्राइवेट लि. (अन्तरक)
2. मुनीता गोपाका (अन्तरितों)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

166 GI/85—8

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“प्रमाणपत्र नं. टी-2-113 और 114, जो 11 वीं मंजिव टावर, बेहराम बाग, अंधेरी-वर्मावा, ओशिवरा विल्हेज, सर्वे नं. 41 (अंश), निर्माणधीन इमारत, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र.स. आई-2/37ईई/10192/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-11/37EE/10192/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Area T II-113 and 114 Sanjeev Towers, Behram Baug, Versova, Oshiwara Village, Survey No. 41 (Part), Andheri (W) Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this

notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Sanjeev Builders Private Limited
(Transferor)
2. Sunita Goenka
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Area T II-113 and 114 Sanjeev Towers, Behram Baug, Andheri (West), Oshiwara Village, Versova, Survey No. 41 (Part), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10192/84-85 dated 18-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10004/84-85:— अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 26 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 507, जो, 5वीं मंजिल, मोन्टाना ए-इमारत प्लॉट नं. 4, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज वर्मीवा अंधेरी (प) बम्बई-58, में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 14/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अंतरको और अंतरिती/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में तात्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमति/कुमारी:— मैसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस (अन्तरक) प्रायवेट लि. ।

श्री/श्रीमति/कुमारी:— कुमारी अनीता मालानी । (अन्तरिती)

श्री/श्रीमति/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमति/कुमारी:— मैसर्स ओगिवरा लंड डेवेलोपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि. ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 507 जो 5वीं मंजिल मोन्टाना-ए इमारत प्लॉट नं. 4 एस. नं. 41 (अंश) 4 बंगलोज वर्मीवा अंधेरी (प.) बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अ ई-2/37ईई/10004/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
14/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10004/84-85.—Whereas, I Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961, (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 507, 5th Floor, Building Montana-A,, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises

Private Limited (Transferor)

2. Miss Anita Malani (Transferee)

3. -Do-

(Person in occupation of the property)

4. -Do-

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publi-

cation of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 507, 5th Floor, Montana-A, Plot No. 4, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10004/84-85 dated 14-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अ ई-2/37ईई/10258/84-85:— अतः मुझे, लक्ष्मण दाम आचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है की धारा 2 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि श्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 103-104, जो 1ली मंजिल रोडरी पार्क व्ह्यू को-ऑप, हाउसिंग सोसाइटी लि. "कृष्ण अपार्टमेंट" निर्माणाधीन इमारत प्लॉट नं. 1 वींग देसाई रोड, अधेरी (प.) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आचकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 24-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अतरकों और अंतरिती/अतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शब्द, आचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायि 1 में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आचकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा की लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमति/कुमारा मंसूर ठक्कर एण्ड कारवा एसोसिएट्स
(अन्तरक)

श्री/श्रीमति/कुमारी डा. पी.सा. अन्थोनी। (अन्तरित)

श्री/श्रीमती/कुमारी

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदी

फ्लैट नं. 103-104 जो 1 लॉ नंजिल रोडरी पार्क व्यू को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि. "कृष्ण अपार्टमेंट निर्माणाधीन इमारत प्लॉट नं. 100-1 वीरा देसाई रोड अंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अ ई-2/37ईई/10258/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 2-4-1985

मोहर ;

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10258/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 103-104, Rotary Park View Co-operative Housing Society Limited, Kush

Apartment, Plot No. Q1, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Thakkar & Karwa Associates
(Transferor)
2. Dr. P. C. Anthony
(Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 103-104, Rotary Park View Co-op. Housing Society Limited, Kush Apartment, Plot No. Q1, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10258/84-85 dated 24-8-1984.

Date : 2-4-1985

SEAL

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. अ ई-2/37 ई ई/10068/84-85:—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु० से अधिक है है और जिसकी सं. फ्लैट न० 602, जो, 6वीं मंजिल "कन्वेरा" इमारत जय प्रकाश रोड, वर्सावा, अंधेरी, बम्बई, में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार नामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कां) और अंतरित (यां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किंगी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के द्योन्नतार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. मैसर्स देव कारपोरेशन । (अन्तरक)
2. श्री. इंदरजीत दारीया । (अन्तरिती)
3. (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट न० 602, जो, 6वीं मंजिल, कन्वेरा इमारत जयप्रकाश रोड, वर्सावा, अंधेरी, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं. अ ई-2/37ईई/10068/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख:— 2-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हों उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10068/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the "Said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 602, Canveia, Jay Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Dev Corporation (Transferor)
2. Mr. Inderjit Dariya (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 602, Canvera, Jay Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10068/84-85 dated 17th-1984.

Date : 2-4-1985

SEAL

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं० अ ई-2/37 ईई/10006/84-85:—अन: मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 703, जो, 7वीं मंजिल, हरमती ए-इमारत, प्लॉट नं. 343, एम. नं. 41 (अंश), 4 बगलोज, वर्सावा अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कब के अधिनियम व सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 14-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त

सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरको और अन्तरिती अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शायद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-क अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्ग में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमती/कुमारी मेसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्राइवेट लि. ।
—(अन्तरक)

श्री/श्रीमती/कुमारी श्री. ए. आर. एस. चाबला ।

—(अन्तरिती)
श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी मेसर्स ओशिवरा लैन्ड डेवेलोपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि. ।

(वह व्यक्ति, जिस के बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है ।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करवा हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 703, 7वीं मंजिल, हरमनी-ए इमारत,
प्लॉट नं. 343, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंग-
लोज, वर्सोवा अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित
है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-2/37ईई/10006/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
14/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिया)

Ref. No. AR-II/37EE/10006/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 703, 7th floor, Harmony-A, Plot No. 343, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Private Limited
(Transferor)
2. Mr. A. R. S. Chawla (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 703, 7th floor, Harmony-A, Plot No. 343, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/100006/84-85 dated 14-8-1984.

Date : 2-4-1985

SEAL

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10203/84-85:—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 7 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 501, जो, 5वीं मंजिल, "बी" विंग, निर्माणार्थीन इमारत, बी-इमारत, अभिषेक अपार्टमेंट, एस. आई. सी. नगर के पीछे, 4 बंगलोज वर्सोवा, बम्बई में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अंतरक/अंतरकों और अन्तरित अन्तरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आधित्यों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दियोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मद्दिधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमती/कुमारी.—मेसर्स ओमप्रकाश एण्ड कंपनी (अन्तरक)

श्री/श्रीमती/कुमारी.—सुशिला वामवानी और कमलेश ए. वामवानी । (अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी.—अन्तरकों । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है।)

श्री/श्रीमती/कुमारी —डा. बीमसी वाडिया । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 501, जो, 5 वीं मंजिल, “बी” विंग, निर्माणाधीन इमारत, “बी” इमारत, अभिषेक अपार्टमेंट, इ. एम. आई. सी. के नगर के पीछे, 4 बंगलोज, वर्सोवा, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची, जैसाकि क्र. सं. आई-2/37ईई/10203/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10203/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 501, 5th floor, ‘B’ Wing, ‘B’ Building, Abhishek Apartment, Behind ESIC Nagar, Four Bungalows, Versova, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Omprakash & Co (Transferor)
2. Miss Sushilla Vaswani and Kamlesh S. Vaswani (Transferee)
3. _____ (Person in occupation of the property)
4. _____ (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 501, 5th Floor, 'B' Wing, 'B' Building, Abhishek Apartment, Behind ESIC Nagar, Four Bungalows, Versova, Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10203/84-85 dated 18-8-1984.
Date : 2-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10095/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 84, जो, 8वीं मंजिल, मंजु टॉवर, रोशनलाल अगरवाल कॉम्प्लेक्स, सर्वे नं. 41 (अंश), ओशिवरा, अंधेरी (ध), अपनाघर के पास, बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्धित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आर्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स आर. एन. ए. विल्डर्स । (अन्तरक)
2. विवाकर ललित बाग । (अन्तरिती)
- 3.—

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.—

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. जो, 84 जो, 8वीं मंजिल, मंजु टॉवर, रोशनलाल अगरवाल कॉम्प्लेक्स, प्लॉट नं. में सर्वे नं., 41 (अंश), ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई-58 स्थित है । (अपना घर के पास)

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10095/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 2/4/1985

मोहर :

(जो लागू नहीं उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10095/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 84 8th Floor, Manju Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Plot No. Survey No. 41 (Part), Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. R. N. A. Builders (Transferor)
2. Shri Dibakar Lalit Bag (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned known to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 84, 8th Floor, Manju Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Plot No. Survey No. 41 (Part), Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10095/84-85 dated 18-8-1984.

Dated : 2-4-1985

SEAL

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10064/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे हममें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा" गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 701 जो 7वीं मंजिल "बी" विंग सी शिल्प, 7 बंगलोज, बर्मोवा, अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिनी/अंतरिनीयों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसार मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1 मेसर्स चेतन डेवलेपमेंट्स । (अन्तरक)
- 2 श्री टानीआर्थर वाझ और श्रीमती रिटा एफ. वाझ
(अन्तरिती)
- 3 श्री/श्रीमती/कुमारी.— —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 श्री/श्रीमती/कुमारी.— —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

'फ्लैट नं. 701' जो 7वीं मंजिल, "बी" विंग, सी शिल, 7 बंगलो, वसोवा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10064/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 2-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II[37EE]10064/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 701, 7th Floor, 'B' Wing, Sea Shell, Seven Banglow, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Chetan Developments (Transferor)
2. Mr. Tony Arthur Uaz, Mrs. Rita Felicia Vaz (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 701, 7th Floor, 'B' Wing, Sea Shell, Seven Banglow, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10064/84-85 dated 17-8-1984.

Date : 2-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10063/84-85.—अतः, मझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 702 जो 7वीं मंजिल "बी" विंग, सी शैल, 7 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिती/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

मैसर्स चेतन डेवलपमेंट्स । (अन्तरक)

श्री टॉनी ऑर्थर वाम्न, और श्रीमती रिटा एफ. वाम्न ।
(अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी :— * —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी :— —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 702, जो, 7वीं मंजिल, "बी" विंग, सी शैल 7 बंगलो, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10063/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 2-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10063/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 702, 7th Floor, 'B' Wing, Sea Shell, Seven Banglow, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Chetan Developments (Transferor)
2. Mr. Tony Arthur Vaz, Mrs. Rita Felicia Vaz (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 702, 7th Floor, 'B' Wing, Sea Shell, Seven Banglow, Versova Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/1063/84-85, dated 17-8-1984.

Date : 2-4-1985

SEAL

(*Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. जई-2/37ईई/9071/84-85 -तअ: मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. में अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 503/504, जो, 5वीं मंजिल, मॅगम टॉवर्स इमारत, प्लॉट सं. 357, एन. नं. (अंश), 4 बंगलो, वर्मोवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्नरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्नरित (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में दामाविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्नरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्गात् :—

1. मैसर्स लोखंडवाला इस्टेट्स एण्ड डेवलपमेंट कंपनी लि. (अन्तरक)
2. अशोक यशवंत दिवेकर (अन्नरित)
3. —
- (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. मैसर्स ओगियरा लैण्ड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि.

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्यादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 503/504, जो, 5वीं मंजिल, मैग्नुम टॉवर इमारत, प्लॉट नं. 357, एम. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9071/84-85 और जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे घाट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9071/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 503/504, 5th Floor, Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- M/s. Lokhandwala Estates & Development Company Private Limited (Transferor)
- Ashok Yashwant Divekar (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- M/s. Oshiwara Land Development Corporation Pvt. Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 503/504, 5th Floor, Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9071/84-85 dated 9-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9795/84-85.—अन., मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 3, जो, चौथी मंजिल, "ए. विंग, माता महल", प्लॉट नं. 53, श्री स्वामी समर्थ प्रवृत्त सोसाइटी, और जे. पी. रोड, 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है,

तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पट्टे प्रतिगत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की जाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृदुधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किंगी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृदुधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स डागता इस्टेट्स प्राइवट लि. । (अन्तरक)
2. श्री प्रशान्त आर. भाटीया और श्रीमती हिना आर. भाटीया ।] (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“प्लॉट नं. 3, जो, 4थी मंजिल, “ए” विंग, “मोता महल”, प्लॉट नं. 53, की स्वामी समर्थ प्रसन्न मोसाइटी, ऑफ जे. पी. रोड, 4 बंगलाज, वर्सावा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37/ईई/9795/8 4-8 5 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 2/4/1985

मोहर :

*(जो लागू न हों उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II[37EE]9795[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 3, 4th floor, A Wing of Mota Mahal, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Dina Estates Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Mr. Prashant R. Bhatia & Mrs. Hina P. Bhatia (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the under-signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3 on 4th floor, A Wing of 'Mota Mahal' Plot No. 53, Shri Swami Sammartha Prasanna Socy., Off J. P. Road, Four Bungalow, Versova, Andheri(W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9795|84-85, dt. 10-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9089/84-85.—अन मुझे, लक्ष्मण दास, आयाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पञ्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि म्यादा सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. में अधि: है और जिसकी सं फ्लैट नं. 203, जो, सुपन इमारत, सी. टी. एन. नं. 1206, गाने रोड, बर्मोडा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण वर्णन वर्णित है), और जिसका करारनामा आयाकर अधिनियम की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में उस के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदार्थ प्रतिफल के अधि: है और अंतरण (कों) और अन्तरित (गों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में आमादि: रूप में व्यक्त नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दावत, आयाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-पत्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधि:—

1 मैंम हिनेश एन्स्ट्रुक्शन कंपनी (अन्तरित)

2 मधु जगन्नाथ सचनंदानी, और श्रीजीबाई लोकनर सचनंदानी । (अन्तरित)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पयोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता है, के अन्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्वय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अन्वय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 203, जो, सुपन इमारत, सी. टी. एन. नं. 1206, गाने रोड, बर्मोडा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैत नि. क्र. सं. अई-2/37ईई/9089/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9/8/1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

तारीख 2/4/1985

गोहर ।

* (जो लागू हो उक्त आइटम दोहरावे)

Ret No AR-II/37EE/9089/84-85—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'Said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 203, Suman Building C.T.S. No. 1206, Yari Road, Versova, Andheri(W), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- 1 M/s Hitesh Construction Co. (Transferor)
2. Madhu Jaikishan Sachanandani & Bhojibai Lokumal Sachanandani (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later :

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 203, Suman Building, C.T.S., No. 1206, Yari Road, Versova, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9089/84-85 dated 9-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन सं. अई-2/37ईई/9753/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) द्वारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 302 जो 3री मंजिल, डी-इमारत सुंदर पार्क आफ वीरा देसाई रोड अंधेरी (पू.) बम्बई-58 में स्थित है और इसमें उपबद्ध अनुमूर्ची में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारगनामा आयकर अधिनियम की द्वारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख-10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदार्थ प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (कों) और अन्तरिती (यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी अन्य या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकत्र नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग क अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स सुंदर कन्स्ट्रक्शन कंपनी। (अन्तरक)
2. श्रीमति वर्षा गणेशन। (अन्तरित)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 302, जो, 3री मंजिल, "डी" इमारत, सुंदर पार्क, आफ वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9753/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख . 2/4/1985

मोहर .

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9753/84-85—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 302, 3rd floor, D Building, Sunder Park, Off Veera Desai Road, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the

Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

transferee for the purposes of the Indian or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Sunder Construction Co. (Transferor)
2. Mrs. Varsha Ganeshan (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 302 on 3rd floor, D Building, Sunder Park, Off Veera Desai Road, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9753/84-85, dt. 10-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-2/37ईई/9793/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. में अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 1002, 10वीं मंजिल मग्नम टावरम इमारत प्लॉट नं. 357 एम. नं. 41 (अण) 4 बंगलोज वर्सावा अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल में अधिक है और अंतरक/अंतरको और अंतर्गामी/अंतर्गतियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आगितियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गामी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्थात् —

श्री/श्रीमति/कुमारी — मैसर्स लोखंडवाला इन्स्टीट्यूट लण्ड इन्वेलोपमेंट कंपनी प्राइवेट लि.। (अन्तरक)

श्री/श्रीमति/कुमारी — मास्टर होमायफा माग्व लोखंडवाला और मास्टर शोहजाद होमख लोखंडवाला। (अन्तर्गामी)

श्री/श्रीमति/कुमारी —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमति/कुमारी — मैसर्स ओशिवरा लण्ड इन्वेलोपमेंट कंपनी प्राइवेट लि.।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाई शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 1002, जो, 10 वीं मंजिल मग्नम टावरम इमारत प्लॉट नं. 757 एम. नं. 41 (अण) 4 बंगलोज वर्सावा अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. स. अई-2/37ईई/9793/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख . 2-4-1985

मोहर .

(आ लागू न हो उस काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9793/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1002, 10th floor, Magnum Towers, Four Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Estates & Development Company P. Ltd. (Transferor)
2. Master Hozaifa Zueb Lokhandwala & Master Shehzaad Zueb Lokhandwala (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1002 on 10th floor, Magnum Towers, Plot No. 357 of S. No. 41 (pt) Four Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9793|84-85, dt. 10-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9792/84-85— अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास

करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं० 404 जो 4थी मंजिल प्राईम रोज इमारत प्लॉट नं० 318, एमन. 41 (अंश), 4 बंगलाज यशोवा अंधेरी (प०) बम्बई 58 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्गत/अन्तरगत और अन्तर्गत/अन्तर्गतियों के बीच ऐसे अन्तर्गत के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्गत लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तर्गत में हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किंगी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमति/कुमारी — मैसर्स लोखंडवाला प्रिन्सिपल्स प्राइवेट लि०। (अन्तर्गत)

श्री/श्रीमति/कुमारी — श्री शोणव एफ० लोखंडवाला श्री मोहम्मिन एफ० लोखंडवाला, श्री हशीम एफ० लोखंडवाला श्री शागत एफ० लोखंडवाला और श्री अमीरुद्दीन एफ० लोखंडवाला अन्तर्गत

श्री/श्रीमति/कुमारी — मैसर्स फ़क़ूद्दीन इब्राहिमजो एंड कंपनी (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमति/कुमारी — मैसर्स ओशिवरा लैंड डेवेलोपमेंट (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 40 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास हस्ताक्षरों से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं 404 जो, 4 थी मंजिल प्राइम रोज इमारत प्लॉट जो, नं. 318 एस. नं. 41 (अंश) 4 बंगलोज वर्सोवा अधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

प्रतिसूचा जैसा की क्र. सं. अई-2/37ईई/9792/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/84 का रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2/4/1985

मोहर :

(जा लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9792/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 404, 4th floor, Prime Rose Bldg. Versova, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s Lokhandwala Premises Private Ltd.
(Transferor)
2. Mr. Zoheb F. Lokhandwala, Mr. Mohisin F. Lokhandwala, Mr. Hashim F. Lokhandwala, Mr. Shhagat P. Lokhandwala & Mr. Amiruddin F. Lokhandwala
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, Prime Rose bldg., Plot No. 318 of S. No. 41(Pt) Four Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9792/84-85, dt. 10-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

Seal ;

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9788/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269C के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 104, जो, 1 थी मंजिल सिम्कोनी-डी इमारत प्लॉट नं. 344, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज वर्सोवा, अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा

आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरकों और अन्तरिती/अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की श्राव्य, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) में धार-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमती/कुमारी :—मैसर्स लाखडवाला

प्रिमायर्स प्राइवेट लि.। (अन्तरक)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—श्री पंकज सुमन

देसाई। (अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग से सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—मैसर्स ओशिवरा एण्ड

डेवलोपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि.।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता

है (वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 104, जो, 1 वीं मंजिल, सिम्फोनी-बी इमारत, प्लॉट नं. 344, एम नं. 41 (अश) 4 बंगलाज वसोवा अधरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9788/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2/4/1985.

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिया)

Ref. No. AR-II/37EE/9788/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing Flat No. 104, 1st floor, Symphony-B Bldg., Versova, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises P. Ltd.
(Transferor)
2. Pankaj Suman Desai
(Transferee)
3.
(Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, Symphony B Bldg., Plot No. 344 of S. No. 41(pt), Four Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9788/84-85, dt. 10-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9785/84-85:—अतः मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 104, जो, अंजली, प्लॉट नं. 2, एम. नं. 121, 7 बंगलोज, वर्सोवा व्हिलेज, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिनी(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, गिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शर्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किंगी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. बॉम्बे हाउसिंग कॉर्पोरेशन (अन्तरक)
2. श्रीमती रुखमाना सैयद रियास काद्री (अंतरिनी)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किंगी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 104 जो, अंजली, प्लॉट नं. 2, एम. नं. 121, 7 बंगलोज, व्हिलेज वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9785/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 2/4/1985

मोहर:

.(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/3/EF/9785/84-85 —Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 104, Anjali Building, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Bombay Housing Corporation (Transferor)
2. Mrs. Rukhsana Sayed Riyaz Kudri (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXIA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 104, Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Village, Andheri West, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9785/84-85 dated 10-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9786/84-85—अतः मझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम कहा गया है") की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 226, जो, अंजली प्लॉट नं. 2, प्लॉ. नं. 121, 7 बंगलोज वर्सोवा विलेज, अंधेरी (प), दम्बई-61 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, दम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कों) और अन्तरिनी(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने का अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भारतीय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. वॉम्बे हाउसिंग कॉर्पोरेशन (अन्तरक)
2. कुमारी फ्रेनी बी. कोलाह (अन्तरिती)
3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए क्रमबद्धियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 226, जो, अंजली, प्लॉट नं. 2, एस. नं. 121, 7 बंगलाज, वर्सोवा विल्हेज, अंधेरी (प), बम्बई 61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9786/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10/841985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 2/4/1985

मोहर:

*(जो लागू न हों उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9786/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 226, Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is 166 GI/85—11

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Bombay Housing Corporation (Transferor)
2. Miss Freny B Kolah (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty-five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 226, Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9786/84-85, dated 10-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई- 2/37ईई/10383-84-85 अतः मुझे सक्षम दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम," कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लैट नं. 1401 जो 14 वीं मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स प्लॉट नं. 351 एस. नं. 41 (अंश) 4 बंगलोज वर्सोवा अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारास्तामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. मेसर्स लोखंड वाला इस्टेट्स अण्ड (अन्तरक) डेव्हलोपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि. ।
2. मेसर्स टुको इन्टरप्राइजेस । (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लैट नं. 1401 जो 14 वीं मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स प्लॉट नं. 351 एस. नं. 41 (अंश) 4 बंगलोन वर्सोवा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है । अनुसूची जैसा की सं. आई-22/37ईई/10383/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख :- 2-4-1985

मोहर:

(जो) लागू न हो उसे काट दीजिये

Ref. No. AR-II/37EE/10383/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1401, 14th Floor, Premium Towers, Plot No. 351 S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. M/s. Lokhandwala Estates & Develop. Co. (P), Ltd. (Transferor)
2. M/s. Traco Enterprises, (Transferee)
3. -Do- (Person in occupation of the property)
4. -Do- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1401, 14th Floor, Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400053.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10383/84-85, dated 27-8-1984.
Dated : 2nd April, 1985.
SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई 10384 84-85 अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000—रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 1401 जो. 14 वी मंजिल इमारत प्रिययिम टॉवर्स प्लॉट नं. 351 एम० नं. 41 अंश 4 बंगलोज वर्मोवा अंधेरी (प) बम्बई-58, में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका कगारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27-8-3984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य से उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल। निम्नलिखित अद्वैत से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप, से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की श्रावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के संप्रित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स लोखंडवाला इस्टेट्स एण्ड (अन्तरक) डेवेलोपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि.।
2. मेसर्स इस्टन फायनेंस कॉर्पोरेशन (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 1402, जो, 14 वी मंजिल इमारत प्रिम-यम टावर्स प्लॉट नं. 351 एम. नं. 41(अण), 4 बंगलोज वर्सोवा अधेरी(प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र.म.अई-2/37ईई/10384/8-4-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10384/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1402, 14th Floor, Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- M/s. Lokhandawala Estates & Develop. Co. (P) Ltd. (Transferor)
- M/s. Eastern Finance Corporation (Transferee)
- Do- (Person in occupation of the property)
- Do- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1402, 14th Floor, Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10384/84-85, dated 27-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देशन म अई-2/37ईई/10379/84-85 अत. मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है") की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000—रु. से अधिक है और जिसकी म. युनिट नं. 4 क्यू, जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिंक रोड एक्सटेंशन अधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(को) और अंतर्गति(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वारतविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दानत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दियोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निर्मालिखित व्यक्तियों अधीन —

1. मैसर्स लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट । (अन्तरक)
2. मैसर्स मोनियाशाम्स—वर्क । (अन्तर्गती)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के राजपत्र लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

युनिट नं 4 ब्यू जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट न्यू मिक रोड एक्सटेंशन अंधेरी (प) बम्बई 58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं आई-2/37ईई/10379/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 2/4/1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दिया)

Ref. No. AR-II/37EE/10379/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Unit No. 4/Q, Laxmi Industrial Estate, New Link Road, Extension, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Laxmi Industrial Estate (Transferor)
2. M/s. Soniashams—Werke (Transferee)
3. —
- (Person in occupation of the property)
4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. 4/Q, Laxmi Industrial Estate, New Link Road Extension, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10379/84-85 dated 27-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० अई-2/37ईई/9087/84-85- अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. गाला नं. 3-एन., जो, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पट्टे प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसमें घटने से स्विद्धा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विद्धा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स हामी इंडस्ट्रीज (अन्तरक)
2. श्रीमती, रमा हरेश धूत (अन्तरिती)
3. अन्तरको—

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

4. —————

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"गाला नं. 3-एन., जो, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि रु. स. अई-2/37ईई/9087/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2-4-1985

मांहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिया)

Ref No. AR-II/37EE/9087/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 3N, Laxmi Indl. Estate, Veera Desai Road, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Hami Industries (Transferor)
2. Smt. Rama Harsh Dhoot (Transferee)
3. M/s. Hami Industries
(Person in occupation of the property),
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

SCHEDULE

Gala No. 3-N, Laxmi Industrial Estate, Vcera Dcsai Road, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9087/84-85, dt. 9-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9091/84-85 ---अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 103, जो, सुमन इमारत सी.टी. एम. न. 1206, यारी रोड, बसोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58. में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. सैमर हितेश कन्स्ट्रक्शन कंपनी । (अन्तरक)
2. श्री बी. जगदीश प्रसाद घुगव । (अन्तरिती)
3. _____
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. _____

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त गगति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(रु.) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 103, जो, सुमन इमारत, सी. टी. एस. नं. 1206, यारी रोड, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9091/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9091/84-85.—Whereas, 1. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 103, Suman Bldg., Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- M/s. Hitesh Construction Co. (Transferor)
- Mr. B. Jagdish Prasad Ghuraboo
(Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 103, Suman Building, CTS No. 1206, Yari Road, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9091/84-85, dt. 9-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9070/84-85 :—अतः सुश्री, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और और जिसकी सं. फ्लैट नं. 703, जो, 7 वीं मंजिल, प्रिमियम टावर्स इमारत, प्लॉट नं. 351, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी

के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (को) और अन्तरिती (यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दियोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स लोखंडवाला एस्टेट्स अण्ड डेवेलोपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि.। (अन्तरक)

2. कप्टन केन्थ खान और श्रीमती, दिलारों खान। (अन्तरिती)

3. —————
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. मैसर्स ओशिवरा लैन्ड डेवेलोपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि.।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अनुच्छेद 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अनुच्छेद में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 703, जो, 7वीं मंजिल, प्रीमियम टावर्स इमारत, प्लॉट नं. 351, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37 ईई/9070/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2-4-1985

मोहर

*(जो लागू न हो उसे का दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9070/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 703, 7th floor, Premium Towers, Four Bungalow, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Estates & Development Co. (P) Ltd. (Transferor)
2. Capt. Kenneth Khan & Mrs. Dilara Khan (Transferee).
3. (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 703, 7th floor, Premium Towers, Plot No. 351 of S. No. 41(pt) Four Bungalows, Versova Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9070/84-85, dt. 9-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37ईई/9092/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे हमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है की धारा 269-के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 102, जो. गुमन इमारत, सी. टी. एस. नं. 1206, पारी रोड, वर्मावा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्गत (कों) और अंतर्गामी (गों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,

निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राकत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत क दायित्व से कमी करने या उसमें कटौती में संविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गामी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए

अतः अतः उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स हितेश कन्स्ट्रक्शन कंपनी (अन्तर्गत)
2. श्री कृष्णा नंद मिश्र (अन्तर्गामी)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता ह। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में अंतर हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में, परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 102, जो गुमन इमारत, सी. टी. एस. नं. 1206, पारी रोड, वर्मावा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. ग. आई-2/37 ईई/9092/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक-9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2-4-1985

मोहर

* जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

Ref. No. AR-II/37EE/9092/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 102, Suman Building C.T.S. No. 1206, Yari Road, Versova, Andheri (West): Bombay-400058 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Hitesh Construction Co., (Transferor)
2. Mr. Krishna Nand Singh (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of

the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 102, Suman Building, C.T.S. No. 1206, Yari Road, Versova Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9092/84-85 dated 9-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :
(Strike off where not applicable.)

निर्देश नं. अई-2/37ईई/9787/84-85.—अनः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 1-ग, जो, अंजली, प्लॉट नं. 2, एस. नं. 121, 7 बंगलोज, वर्मोवा व्हिलेज, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्मालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए ;

अब अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उप धारा (1) के अधीन, निर्मालिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. बाम्बे हाउसिंग कॉर्पोरेशन । (अन्तरक)
2. श्री. श्याम मेहता । (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 1-ए, जो, अंजली, प्लॉट नं. 2, एस नं. 121, 7 बंगलोज, वर्सोवा व्हिलेज, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9787/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2/4/1985

मोहर ;

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9787/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1-A Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova Village, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Bombay Housing Corporation (Transferor)
- Mr. Shyam Mehta (Transferee)
- (Person in occupation of the property)

- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1-A Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9787/84-85 dated 10-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-2/37ईई/9794/84-85:—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु में अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 2 जो 3री मंजिल, बी-विंग, “मोता महल”, प्लॉट नं. 53, श्री स्वामी समर्थ प्रसन्न को-आप सोसाइटी लि. 4 बंगलोज के पास आफ जे. पी. रोड बसोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स डायना इस्टेट्स प्रायवेट लि. (अन्तरक)

2. श्री. सतिष अच्युत किणी। (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिस बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सची

फ्लैट नं. 2, जो 3री मंजिल, बी-विंग, “मोता महल”, प्लॉट नं. 53, श्री स्वामी समर्थ प्रसन्न को-आप सोसाइटी लि. 4 बंगलोज के पास, आफ जे.पी. रोड, बसोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9794/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9794/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 2, 3rd floor in B Wing, Mota Mahal, Shri Swami Samarth Prasanna CSL, Near Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Scheme annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Dina Estates Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Mr. Satish Achyut Kini (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, 3rd floor in B Wing of 'MOTA MAHAL'
Plot No. 53, Shri Swami Samartha Prasanna CSL,
Near Four Bungalows, Off J.P. Road, Versova,
Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9794/84-85 dt. 10-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/9760/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. युनिट न. 15/एल. सी. जॉ. लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट्स, न्यू लिंक रोड एक्सटेंशन, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारगनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (को) और अन्तरिनी (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की शानत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स चिंगग, इन्व्हेस्टमेंट ट्रेडिंग कंपनी (अन्तरक)
2. मैसर्स लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट (अन्तरिनी)
3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युनिट नं. 15/एन.सी., जो लक्ष्मी इंडस्ट्रीयल इस्टेट
न्यू लिंक रोड एक्सटेंशन, अंधेरी (प), बम्बई-58
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र.म. आई-2/37ईई/9760/84-85
ओर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EF/9760/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 15/LC in Laxmi Industrial Estate, New Link Road Extension, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- M/s. Chirag Investment Trading Co.
(Transferor)
- M/s. Laxmi Industrial Estate (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. 15/LC in Laxmi Industrial Estate, New Link Road Extension Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EF/9760/84-85, dt 10-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37 ईई/9090/84-85—अतः : मुझे राष्ट्रमण्डल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं फ्लेट नं. 201, जो, सुमन इमारत, सी टी एम नं. 1206, यांगी रोड वर्मावा, अंधेरी (प) बम्बई 58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्टिकोण प्रतिकूल के लिये अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि संचालित सम्पत्ति का बाजार मूल्य इसके दृष्टिकोण प्रतिकूल, ऐसे दृष्टिकोण प्रतिकूल के पदार्थ प्रतिकूल में अधिक है और अन्तरक (को) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राशि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से करी करने या उसमें इस्तेमाल में मूल्या के लिए और/या

(ग) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मद्दिता के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. मैसर्स द्वितेश कन्स्ट्रक्शन कंपनी। (अन्तरक)
2. श्रीमती, कलावन्ती आलमचन्द बालचंदानी (अन्तरिनी)
3. वही
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. वही ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबन्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अन्तर्ची

फ्लैट नं. 201 जो सुमन इमारत, सी टी एम नं. 1206 यारी, रोड, [वर्मावा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।]

अन्तर्ची जैसा कि क्र. सं. अई/2/37 ईई/9090/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/9090/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 201, Suman building, CTS No. 1206, Yari Road, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Hiteesh Construction Co. (Transferor)
2. Mrs. Kalavanti Alamchand Balchandani
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 201, Suman Building, CTS No. 1206, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9090/84-85, dt. 9-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/9789/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मणदाम, आयकर अधिनियम, 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी ग. प्लॉट नं. 1001, जो, 10 वीं मंजिल, मंगनम टावर्स इमारत, प्लॉट नं. 357, एस नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज बसोवा, अंधेरी (पं), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास करने के कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अन्तरिती/अन्तरितीयों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमती/कुमारी:—मैसर्स लोखंडवाला इस्टेट्स एण्ड डेवहलोपमेंट कंपनी (प्रायवेट लिमिटेड)
(अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी:— श्रीमती ओनायसा झाएब लोखंडवाला
(अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी वही
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी:—मैसर्स ओशिवरा लेन्ड डेवहलोपमेंट कंपनी (प्रायवेट लि.)
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लॉट नं. 1001, जो 10 वीं मंजिल, मंगनम टावर्स इमारत, प्लॉट नं. 357, एस नं. 41 (अंश) 4 बंगलोज, बसोवा, अंधेरी (पं) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई०/2/37 ईई/9789/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

तारीख 2/4/1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दिया जाये)

Ref. No. AR-II/37EE/9789/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1001, 10th floor, Magnum Towers, Andheri West, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Estates & Development Company Private Ltd. (Transferor)
2. Mrs. Onaiza Zobe Lokhandwala (Transferee)
3. (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1001, 10th floor, MAGNUM TOWERS, Plot No. 357 of S. No. 41(pt) Four Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9789/84-85, dt. 10-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9754/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. , 407, जो 4 वीं मंजिल, बी—इमारत, सुन्दर पार्क, आफ बीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अन्तरिती/अन्तरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वये में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमती/कुमारी :—मैसर्स सुन्दर कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

—(अन्तरक)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—श्री रविन्द्र वसन्त नाईक ।

—(अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची¹

“फ्लैट नं. 407, जो, 4 थी मजिल, बी. इमारत, सुंदर पार्क, आफ वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई-2/37ईई/9754/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 2-4-1985

मोहर :—

. (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9754/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 407, 4th floor, B Building, Sunder Park, Off Veera Desai Road, Andheri (W) Bombay-58 (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Sunder Construction Co. (Transferor)
2. Mr. Ravindra Vasant Naik (Transferee)
3. (Person in occupation of the property)
4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 7, on 4th floor, B Building, Sunder Park,
Off Veera Dcsai Road, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the
Competent Authority, Bombay under Serial No.
AR-II|37EE|9754|84-85, dated 10-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश नं. अई-2/37ईई/9068/8 4-8 5:— अतः मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है और जिसकी फलट नं. 701, जो, 7 वीं मंजिल, प्राईम रोस इमारत, प्लॉट नं. 318, एम. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वसोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है,) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम से कम दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैमर्स लोखंडवाला प्रिमायवर्स प्राइवेट लि. ।
(अन्तरक)
2. श्री ताहेरभाई अलीहुसैन ब्राह्राईनवाला ।
(अन्तरिती)

3.

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) -

4. मैमर्स ऑगिवरा लन्ड डेव्हलोपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लि. ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची ।

"फलट नं. 701, जो, 7वीं मंजिल, प्राईम रोस इमारत, प्लॉट नं. 318, एम. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वसोवा, अंधेरी, बम्बई-58 में स्थित है ।"

अनुसूची जैसा कि क्र.नं. अई-2/37ईई/9068/8 4-8 4 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 2-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|9068|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 701, 7th floor, Prime Rose Bld. Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Private Ltd.
(Transferor)
2. Mr. Taherbhai Alihusam Bahrainwala
(Transferee)
3.
(Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshwara Land Dev. Co. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 701, 7th floor in the building Prime Rose, plot No. 318 of S. No. 41(pt) Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9068|84-85, dt. 9-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई /37/ईई/9069/84-85: --अन: मुझे, लक्ष्मण दाग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथावत सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 10,0,000/- रु. से अधिक है और जिसकी प्लट नं. 704, जो, 7 वीं मंजिल, प्रिमियम टावर्स इमारत, प्लॉट नं. 351, एस. नं. (41) अंश 4 बंगलाज, वसोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका वारन्तामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मेरजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतर्गती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया, गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में व्यक्त नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अन: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स लोखंडवाला इस्टेट्स अण्ड डेव्हलपमेंट कम्पनी ।
(अन्तरक)
2. श्रीमती दिलारा खान और कैप्टन केनेथ खान ।
(अन्तरिती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. मैसर्स ओश्वरा लैंड डेव्हलपमेंट कम्पनी (प्रा) लि. ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी

अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लट नं. 704, 7वीं मंजिल, प्रिमियम टावर्स इमारत, प्लॉट नं. 351, एस. नं. 41(अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37-ईई/9069/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9069/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 704, 7th floor, Premium Towers Bldg., Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Estates & Development Co. (P) Ltd. (Transferor)
2. Mrs. Dilara Khan & Capt. Kenneth Khan (Transferee)
3. (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 704 on the 7th floor in the building Premium Towers at Plot No. 351 of S. No. 41(pt) Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9069/84-85, dt. 9-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

बम्बई, 8 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/8817/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) कि धारा 4 के अधिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 से अधिक जिसकी फ्लट नं. 505, जो, 5वीं मंजिल, सिम्फोनी-बी इमारत, प्लॉट नं. 344, एस नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, (और जिनका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन

सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजारमूल्य, से उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिती/अंतरितीयों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(अन्तरक) मैसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्रायवेट लि.।

श्री. संजय कुमार भाटीया।

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

मैसर्स ओशिवरा लैन्ड डेवलपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि.।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"प्लॉट नं. 505, जो, 5वीं मंजिल, सिम्फोनी-बी इमारत, प्लॉट नं. 344, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सावा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37 ईई/8917/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Bombay, the 8th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/8817/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 505, Symphony B Building, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Lokhandwala Premises Private Ltd.
(Transferor)
2. Mr. Sanjay Kumar Bhatia (Transferee)

3. —
(Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 505, 5th floor in the building Symphony-B, Plot No. 344 of S. No. 41(pt) Four Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8817/84-85, dt. 2-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/8879/84-85 :—अन. मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) कि धारा 6 के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 1108, जो, 11वीं मंजिल, शेफिल्ड टावर्स इमारत, प्लॉट नं. 354, एम. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है। (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 3-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरा/अंतरकों और अंतरिती/अंतरिनियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से

उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से जखित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जामिनियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री. कृष्ण पेस्टोनजी भाभा ।

(अन्तरक)

टवीणा वाधवान ।

(अन्तर्गती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

मैसर्स ऑशिवारा लैंड डेवलपमेंट कंपनी (प्रायवेट), लि. ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 1108, जो, 11वीं मंजिल, शेफिल्ड टावर्स इमारत, प्लॉट नं. 354, एम. नं. 41 (अंश), बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है । अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/8879/

84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 8-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उन काट दिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8879/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1108, 11th floor, Sheffield Bldg., Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Crrus Pestonji Bhadha (Transferor)
2. Twisha Wadhawan (Transferee)
3. —

(Person in occupation of the property)

4. M/s. Oshiwara Land Dev. Corp. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

166 G1/85—14

or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1108, 11th floor, Sheffield Bldg., Plot No. 354 of S. No. 41(pt) Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8879/84-85, dt. 3-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश नं. अई-2/37 ईई/10377/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 102, जो, 11वीं मंजिल, चंद्रप्रभा, 84 इलाहाबाद के पीछे, स्वामी विवेकानंद रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 27-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतर्गती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तर्गती से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स संघवी कन्स्ट्रक्शन्स ।
(अन्तरङ्ग)
2. श्री अमृतलाल रतनजी शहा और श्रीमती, व्रजकुंवर सोमचंद शहा ।
(अन्तरिती)
3. —————
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —————

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त म्हादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 102, जो, 1वीं मंजिल, चंद्रप्रभा, 84 इर्ला ब्रिज के पीछे स्वामी विवेकानंद रोड, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37 ईई/10377/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 8-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10377/84-85.—Whereas, I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 102, Chandraprabh, Behind 84, Irla Bridge, Swami Vivekananda Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

27-8-1984 for an apparent consideration which is

1. M/s. Sanghavi Construction (Transferor)
2. Shri Amrutlal Ratanji Shah and Smt. Vrajkoever Somchand Shah (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of this notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 102, Chandraprabh, Behind 84 Irla Bridge, Swami Vivekananda Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10377/84-85 on 27-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/88/84-85. —अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 2 जो पहली और दूसरी मंजिल, युनिट नं. 5, सनो साईड युनिट, प्लॉट नं. 355, एस. नं. 41(अंश), 4 बंगलोज, वसोवा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कथारत्नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 3-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरकों और अन्तरितो/अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

मेसर्स लोखंडवाला इस्टेट्स एण्ड डेवलप-

मेंट कंपनी प्रायवेट लि.

(अन्तरक)

श्री. एन. आर. अगरवाल और श्रीमती एस. एन. अगरवाल।

(अन्तरितो)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

मेसर्स ओशिवरा लैंड डेवलपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि.।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 2 जो पहली और दूसरी मंजिल युनिट नं. 5 सनो साईड युनिट प्लॉट नं. 355, एस. नं. 41 (अंश) 4 बंगलोज, वसोवा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र.सं. अई-2/37 ईई/8881/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख:-8-4-1985

मोहर

(जो लागू नहीं उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8881/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 2, 1st & 2nd floor of Unit No. 5 of SUNNY SIDE UNITS, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more, fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on

3-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Estates & Development Company Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Mr. N. R. Agarwal & Mrs. S. N. Agarwal (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Dev. Corp. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, 1st and 2nd floor of Unit No. 5 of Sunny Side Units, Plot No. 355 of S. No. 41 (Pt.) Four Bungaloes, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8881/84-85, dt. 3-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-2/37-ईई/10382/84-85 -- अतः मुझे, लक्ष्मण दाम्, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्हावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी स. प्लेट न. 701, जो 7वीं मंजिल, इमारत होमलेन्ड्स प्लॉट न. 341 पम. न. 41(अण) 4 बंगलोज, वर्सीवा, अंधेरा (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क व के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदों प्रतिशत में अधिक है और अतरक (का) और अतरिना (यो) के बाव में अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण विधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आग की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दबने में सन्दिग्ध के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उद्देश्यार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सन्दिग्ध के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

1. मेसर्स लोखंडवाला प्रिमायमेस प्रायवेट लि.। (अन्तरक)
2. श्रीमती माया फिलोमिना फर्नान्डिस और श्री मुकाबिका बालकृष्णन बालासुंदरन (अन्तरिनी)

3. --

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. --

(वह व्यक्ति जिसके बाव में अधाह्यताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 701 जो 7वीं मंजिल, इमारत होमलैंड्स, प्लॉट नं. 341, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जमांक क्र. नं. अई-2/37ईई/10382/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख :—8-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10382/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 701, 7th floor, Homelands, Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.
(Transferor)
2. Mrs. Martha Filomena Fernandez and Mr. Mookambika Balkrishnan Balasundran
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 701, 7th floor, Homelands, Plot No. 341 of S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10382/84-85, on 27-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10406/84-85 धन.
मुझे, लक्ष्मण, दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है") की धारा 269B के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. बंगला सं. 50 जो पट्टी नं. 341, राशनवाला अंगरवाड़ा शॉपिंग आर्केड, प्लॉट नं. 49, 50, 65, 66, एस. नं.

41 (अंश) ऑफ जे.पी. रोड, वसीवा अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 28-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कों) और अंतरास्तो(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. मेमर्स आर. एन. ए. बिल्डर्स (अन्तरक)
2. श्री नरसिंगदास एन. अदनानी (अन्तरिती)

3. ---

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. ---

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“कमरा नं. 50, जो पहली मंजिल, रोशनलाल अगरवाल शॉपिंग आर्केड, प्लॉट नं. 49, 50, 65, 66 एस. नं. 41 (अंश) ऑफ जे.पी. रोड, लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स के पास, वसीवा, अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-2/37ईई/10406/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-8-1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

तारीख:-8-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसी काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10406/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Room No. 50, 1st floor, Roshanlal Agarwal Shopping Arcade, Off J.P. Road, Near Lokhandwala Complex, Versova, Andheri(W), Bombay (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. R. N. A. Builders (Transferor)
2. Mr. Narsingdas N. Adnani (Transferee)

3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Room No. 50, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Plot No. 49, 50, 65, 66 S. No. 41(Pt), Off J. P. Road, Near Lokhandwala Complex, Versova Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10406/84-85, on 28-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. ७ आर-2/37ईई/10381/84-85:—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं. 202 जो 2री मंजिल बसोबा सवेरा को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि. पिकनिक कॉटेज बसोबा रोड, बम्बई-61 में स्थित है और (इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 27-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे इन्हने में मरिधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मरिधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269अ के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. स्किपर कन्स्ट्रक्शन कंपनी (प्रायवेट) लि. ।
(अन्तरक)
(अन्तरिती)
2. मितवर्मा मिल्क मील्स ।
3. अन्तरको ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 202 जो 2री मंजिल बसोबा सवेरा को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि. पिकनिक कॉटेज बसोबा रोड बम्बई-61 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. आई-2/37ईई/10381/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 8-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10381/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000— and bearing Flat No. 202, 2nd Floor, Versova Sevara Co-opp. Housing Society Ltd., Picknic Cottage, Versova Road, Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Skipper Construction Co. (P) Ltd.
(Transferor)
2. Minerva Silk Mills
(Transferee)
3. Transferor
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd Floor, Versova Sevara Co-op. Housing Society Ltd., Picknic Cottage, Versova Road, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/10381/84-85, dt. 27-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन. अ. आर 2/37ईई/8880/84-85 —अतः मुझे, लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट न. 202 जो 2री मंजिल प्राचीम रोड इमारत प्लॉट न. 318 एम. न. 41(अंश) 4 बगलोअ बर्मावा अंधेरी(प) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 3-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अंतरको और अन्तरिती/अन्तरितीयों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाखल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में गृहिष्ठा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृहिष्ठा के लिए.

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्थान्ति :—

श्री/श्रीमती/कुमारी :—मेयर्स लोखंडवाल प्रिमायसेम प्रायवेट लि. ।

(अन्तरक)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—श्रीमती कमल अरोरा ।

(अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी :— —

(वह व्यक्ति जिसका अधिभाग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी —मेसर्स ओजिवरी एंड डेवेलोपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि. ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अज्ञातकारी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृथक्का सम्पत्ति के दर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संदर्भ में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्समवर्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अज्ञातकारी के दास लिखित में किए जा सकेंगे ।

साष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"प्लेट नं. 201 जो 2री मंजिल प्राइम रोस इसारन प्लॉट नं. 318 एस. नं. 41 (अण) 4 बंगलोज वर्सोवा अंधेरी (प). बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. में आई-2/37ईई/8880/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 8-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उस काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8880/84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 201, 2nd floor, Prime Rose Bldg., Versova, Andheri(W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

166 GT/85-15

has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Mrs. Kamal Arora (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Dev. Corp. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Prime Rose Bld., Plot No. 318 of S. No. 41(pt) 4 Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8880/84-85, dt. 3-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. एआर-2/37ईई/8818/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे हमके पत्रात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1000,00/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 302 3री मंजिल होम कोर्ट इमारत प्लॉट नं. 336 ए. नं. 41 (अंश) 4 बंगलोज वर्सावा अंधेरी(प) बम्बई-58 में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरकों और अन्तरिणी/अन्तरिणीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाखल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे द्रव्य में मुक्ति के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भुग या अन्य आम्नियों की जिन्हें भारतीय आयदाय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन-कर एकाद नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सन्निधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित कार्यों अर्थात् —

श्री/श्रीमती/कुमारी :—मेसर्स लोबन्डवाल प्रिमायसेम प्रायवेट लि. ।

—(अन्तरक)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—श्रीमती रेरेमा विराग और अन्य ।

—(अन्तरिणी)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—मेसर्स ओगिवर लैन्ड डेव्लोपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि. ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के दर्जन के लिए कार्रवाहों शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के दर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति —

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सम्पत्ति को तत्पश्चात् 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

साष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 302 जो 3री मंजिल होम कोर्ट इमारत, प्लॉट नं. 336, एम. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सावा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की प्र. सं. आई-2/37ईई/8818/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 8-4-1985

सांहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37FE/8818/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing Flat No. 302, 3rd floor, Home Court Bldg. Plot No. 336 of S. No. 41(pt) Versava, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Private Limited
(Transferor)
2. Mrs. Teresa Viegas & Other, (Transferee)
3. —
(Persons in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, Home Court Bldg., Plot No. 336 of S. No. 41 (pt) Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8818/84-85, dt. 2-8-1984

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अं-2/37ईई/8836/84-85.—यह सूचे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें संशोधन पञ्चाना "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 26 के अधीन गतम प्राधिकार को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार

मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी दुकान नं. 2, जा. ग्राउंड प्लॉट, "मिलीटन" प्लॉट नं. 27, एम. नं. 41 (अ) 4 बंगलोज ओशिवरा, अधीन (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक/अन्तरकों और अन्तरनी/अन्तरनीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दायित्व अन्तर्गत की जा सकती है प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति/व्यक्तियों को सूचित करता हूँ—

2. मैसर्स रबीराज कार्पोरेशन।

— (अन्तरक)

2 श्रीमती त्रया एन. गोयीया।

— (अन्तरनी)

3 —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4 —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर प्राप्त हैं कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शर्त—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या न्यूनतम व्यक्ति/व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति/व्यक्तियों द्वारा।

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ लगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं. 2, जो, ग्राउंड फ्लोर, 'सिटीजन', प्लॉट नं. 27, एम. नं. 41 (अंश), 4 बंगलाज, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. म. अई-2/37ईई/8836/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2/8/1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 3/4/1985

मोहर :

*(जो लागू न हो उसे काट दिया है)

Ref. No. AR-II/37EE/8836/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing Shop No. 2, Gr. floor, Citizen, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule attached hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Raviraj Corporation (Transferor)
2. Mrs. Jaya N. Gogia (Transferee)

3.

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 2, Citizen, Ground floor, Plot No. 27 of S. No. 41(pt) Four Bungalows, Oshiwara, Andheri(W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8836/84-85, dt. 2-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म. अई-2/37ईई/8882/84-85 - अतः मृसे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 26 के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 1, जो ग्राउंड फ्लोर, युनिट नं. 5, मनी वार्ड युनिट, प्लॉट नं. 355, एम. नं. 41 (अंश), 4 बंगलाज, वसोवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 3/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मृसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/ अंतरकों और अन्तर्गति/ अन्तरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-

लिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसे बढ़ाने में गृहिष्ठा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृहिष्ठा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269A के अन्तरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269A की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा —

1. मेसर्स लोकंदवाला एस्टेट एंड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि.

—(अंतरक)

2. श्री जी. एन. अग्रवाल और श्रीमती मिना जी. अग्रवाल।

—(अन्तरिणी)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. मेसर्स ओशिवारा लैंड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि.।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों जमा करण ह। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिओं में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त अधिनियम में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोची

फ्लैट नं. 1, जो, ग्राउंड फ्लोर, यूनिट नं. 5, सनी माईड यूनिट्स, प्लॉट नं. 355, एम नं. 41 (अंश), 1 बंगलोर, बसावा, अंधेरी (ए), बम्बई में स्थित है।

अनुमोची जेमा कि. स. अई-2/37ईई/8882/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8/4/1985

मोहर

(जा लागू न हो उस काट दायिजे)

Ref. No. AR-II/37EE/8882/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1, Ground floor, Unit No. 5 of Sunny Side Units, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s Lokhandwala Estates & Development Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Mr. G. N. Agarwal & Mrs. Meena G. Agarwal (Transferee)
3. (Persons in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Dev. Corp. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publi-

cation of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1 on ground floor, Unit No. 5 of Sunny Side Units, Plot No. 355 of S. No. 41(pt) 4 Bungalows, Versova, Andheri(W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8882/84-85, dt. 3-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8813/84-85 :- अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 26 के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 403, जो 4थी मंजिल, "सुंदर पार्क", इमारत नं. ए, आफ बीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करागनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2/8/1984 को पूर्ण सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरको और अंतरिती/अंतरिवियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का

11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1 मैगर्म सुंदर कन्स्ट्रक्शन कंपनी ।
-(अन्तरक)

2 श्री रजनीकांत नदनलाल गाधीया और श्रीमती, पारुल रजनीकांत गाधीया ।
-(अन्तरिती)

3 —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 403, 4थी मंजिल, "सुंदर पार्क", ए-इमारत, आफ बीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/8813/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख . 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दोजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8813/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 403, 4th floor, 'Sunder Park, A Bldg., Andheri (W), Bombay-58 (and more-fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- M/s. Sunder Construction Co. (Transferor)
- Mr. Rajanikant N. Gadhiya & Mrs. Parul R. Gadhiya (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, 'Sunder Park, A Bldg., Off Veera Desai Road, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8813/84-85, dt. 2-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-II 37ईई/8814/84-85 — अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. यूनिट नं. 31/सी जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिफ रोड एक्सटेंशन, अधेरो (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का, धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरकों और अन्तरिता/अन्तरितियों के बोध ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

मैरा लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट

—(अन्तरक)

श्री फारुद्दीन एस. फ़ैसुल्लाभाई

—(अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी :-

(वह व्यक्ति जिसके विवरण में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी :-

(वह व्यक्ति जिसके वश में अधोहस्ताक्षर आचन है कि वह सम्पत्ति में हिस्सा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के धाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

यूनिट नं. 31/सी जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिंक रोड एक्सटेंशन, अंधेरी (प); बम्बई 58 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि क्र.नं. अई-II/37ईई/8814/84-85 और जो मसुदा प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे कट देंगे)

Ref. No. AR-II/37EE/8814/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have been to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Unit No. 31/C, Laxmi Indl. Estate, New Link Road Extension, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- M/s. Laxmi Industrial Estate (Transferor)
- Mr. Fakruddin S. Faizullahbhai (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. 31/C in Laxmi Industrial Estate, New Link Road Extension, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8814/84-85, dt. 2-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-II/37-ईई/8820/84-85 :- अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 502, जो 5वीं मंजिल, बेनहूर-बी इमारत, प्लॉट नं. 15,8 एस. नं. 41 (अंश) 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारन अथवा अधिनियम, 1961 की धारा 269क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/आंशकों और अंतरित/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरित/अंतरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उपाधित :-

श्रीमती मोडक झुवेदा ।

—(अंतरक)

श्री अब्दुल कादिर यूसूफ भोमल

—(अंतरित)

श्री/ श्रीमती/ कुमारी :-

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

मैसर्स ओगिवरा लैण्ड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि. ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :-

(5) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर

सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(6) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 502, जो 5वीं मंजिल, बेनहूर बी इमारत, प्लॉट नं. 15,8 एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची/जमा किया हुआ स. अई II/37ईई/8820/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 8-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8820/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 502, 5th floor, Benhur-B, Versova, Andheri (W), Bombay-58 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Modak Zabeda (Transferor)
2. Mr. Abdul Kadir Yusuf Bhomal (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 502, 5th floor in the building Benhur-B, Plot No. 15/B, S. No. 41(pt) Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8820/84-85, dt. 2-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-II/37ईई/8837/84-85:- अतः मुझे; लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी नं. दुकान नं. 3, जो ग्राउंड फ्लोर; "मिटीडन" प्लॉट नं. 27, एम. नं. 41 (अण), 4 बंगलो, ओशिवरा वर्पोवा अंगेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की

धारा 269 कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकी और अंतरितो/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

मैसर्स रविराज कार्पोरेशन

—(अन्तरक)

श्री रमेश एल. गोगीया

—(अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी :-

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

माष्ठीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“दुकान नं. 3’ जो’ ग्राउंड फ्लोर “सिटीजन” प्लॉट नं. 27 एस. नं. 41 (अंश) 4 बंगलोज, ओशिवरा वर्सोवा, अंधेरा (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं. अई-2/37ईई/8837/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8/4/1985

मोहर :

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8837/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 3, Gr. floor, Citizen, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Raviraj Corporation (Transferor)
2. Mr. Ramesh L. Gogia (Transferee)
3. — (Persons in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 3, Gr. floor, Citizen, Plot No. 27 of S. No. 41(pt) Four Bungalows, Versova, Andheri(W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8837/84-85, dt. 2-8-1984.

Dated : 8-4-1985

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/ 8914/ 84-85 :- अतः मुझ, लक्ष्मण दाम आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त” अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 306, जी, उरी मंजिल, अकाई-बी इमारत प्लॉट नं. 17 एस. नं. 41, 4 बंगलोज वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आगकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए से दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्यता, आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के अभाव में कमी करने या उससे बढ़ने में सीविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी उद्योग या किसी धन या अन्य आस्ति या की जिन्हें भारतीय धारकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति कर प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गुप्तता के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वये में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित वर्णितया उद्घातः —

1 श्रीमती गायत्री एन. गुलाटी । (अवरक)

2 श्रीमती इंदिरा बलवन्तराव वालके । (अन्तर्गति)

3 —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 मैमर्स ओशिवरा लैंड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि. ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अध्यात्मशायरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति व अजन्त न सबाध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्समवर्ती स्थितियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 306, जो 3री मजिल, अकाई-बी इमारत, प्लॉट नं. 17, एस नं. 41, 4 बंगलोज, वर्सोवा, अर्धरी (प), बम्बई-54 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं. आई-2/37ईई/ 8914/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 10/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए ।)

Ref. No. AR-II/37EE/8914/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 306, 3rd floor, Bldg. Accord-B, Plot No. 17, S. No. 41, 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other asset, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mrs. Gayatri N. Gulati (Transferor)

2. Mrs. Indira Balwantrao Walke (Transferee)

3. —
(Persons in occupation of the property)

4. M/s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 306, 3rd floor, Bldg. Accord-B, Plot No. 17, S. No. 41, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8914/84-85 on 4-8-1984.

Dated : 10-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/ 10035/ 84-85 :-अन: मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 404, जो, 4थी मंजिल, रेजन्सी ए इमारत, प्लॉट नं. बी-3, एम. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोअ, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 16/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगसे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री नरेन्द्र मी. अवलानी। (अन्तरक)

2. श्रीमती आशा जी. आरोंरा। (अन्तरिती)

3. ---

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

1 मैसर्स ओशिवरा लैण्ड डवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि.।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 404, जो, 4थी मंजिल, रेजन्सी-ए इमारत, प्लॉट बी-3, एम. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोअ, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं. अई-2/37ईई/ 10035/ 84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10035/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 404, 4th floor, Bldg. Regency-A, Plot No. B-3, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has

been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mr. Narender C. Awlani (Transferor)
2. Mrs. Asha G. Arora (Transferee)
3. —
(Persons in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, Bldg. Regency-A. Plot No. B-3, S. No. 41 (Part). 4 Bungalows. Verovala, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10035/84-85, on 16-8-1984.

Dated : 10-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37—ईई/ 10218/84-85 :— अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 468, जो, ग्राउंड फ्लोर आजाद नगर स्वास्तिक को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, 30, आजाद नगर वीग देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 21/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरित(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के धारित्व से कयी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या कियी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्निही द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्री योगेन्द्र पास भल्ला ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जबीन अली मोहमद ।

(अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम निहित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अर्थानुसार, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 468, जो ग्राउंड फ्लोर, आज़ाद नगर स्वास्तिक को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, 30, आज़ाद नगर, वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं. अई-2/37ईई/10218/84-85 और जो मक्षम पाधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिया गया)

Ref. No. AR-II/37EE/10218/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 468 Ground floor, Azad Nagar Swastik Co-op. Hsg. Society Ltd., 30-Azad Nagar, Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mr. Yogendra Pal Bhalla (Transferor)
2. Mrs. Jabeen Ali Mohamed (Transferee)
3. —
(Persons in occupation of the property)
4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 468, Ground floor, Azad Nagar Swastik Co-op. Hsg. Society Ltd., 30, Azad Nagar, Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10218/84-85, on 21-8-1984.

Dated : 10-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37ईई/8812/84-85.—अनः सूत्रे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसका प्लॉट नं. सी-1, जो 3री मंजिल पूरब अपार्टमेंट्स को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि. प्लॉट नं. 13 गिलबर्ट हिल अंधेरी (प) बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पट्टे प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरनो(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्मालिखित अनुदेश में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी ढांग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए

अनः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निर्मालिखित व्यक्तियों अधीन :—

1. दिना डोसामॉय रडरिया (अंतरक)

2. सुरेश गंगाराम पवार (अन्तरिणी)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी अन्ततः है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तिगत पर

सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

साष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा:

प्लॉट नं. सी-1 3री मंजिल पूरब अपार्टमेंट्स को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि. अंधेरी, प्लॉट नं. 13, गिलबर्ट हिल, बम्बई में स्थित है।

अनुसूचा जैसाकि क्र. स. आई-2/37ईई/8812/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर.

(जो लागू न हो उसे काट दायें)

Ref. No. AR-II/37EE/8812/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing Flat No. C-1, 3rd floor, Pura’s Apartments Co-op. Hsg. Society Ltd., Flat No. 13, Gilbert Hill, Andheri, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

1. Dina Dossabhoj Randeria (Transferor)
2. Suresh Gangaram Pawar (Transferee)
3. —
(Persons in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. C-1, 3rd floor, Purab Apts. Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 13, Gilbert Hill, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8812 84-85 on 2-8-1984.

Dated: 10-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

166 GI/85—17

निर्देश म., अई-2/37ईई/9955/84-85—अत मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे उसने उसके पञ्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का कारण है कि म्हावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु में अधिक है और जिसकी स फ्लैट नं. 1506-ए जो 15वीं मंजिल, ब्रॉडवेन टॉवर्स इमारत फ्लैट नं. 356 एम. नं. 41, 4 बंगलोज ऑशिवरा अधेरी (प) बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारगरनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विज्ञापन करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से जैसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल में अधिक है और अन्तर्गत (क) और अन्तर्गत (ग) के बीच जैसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में उई किसी आ की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने का अन्तरण के दायित्व में कमी करत या उसमें बचत में सुविधा के लिए और/या

(ख) जैसे किसी आय या किसी घन या अन्य आस्त्वों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए आ छिपाने में सुविधा के लिए

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 369 ग के अन्तर्गण में से उक्त अधिनियम की धारा 369 ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1 श्रीमती ग्यानी तेजबानी। (अन्तरण)

2 मास्टर हितन नदा। (अन्तर्गत)

3 —
(यह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4 —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पब्लिश सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथक् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साफ्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 1506-अ जो 15वीं मंजिल ब्राइटन टॉवर्स इमारत प्लॉट नं. 356 एस. नं. 41, 4 बंगलोज, आंधरी (प) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9955/84-85 और जो सशम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 10-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9955/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1505-A, 15th floor, Brighton Towers Bldg., Plot No. 356, S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Oshiwara, Andheri(W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Smt. Jyoti Tejwani (Transferor)
2. Master Hiten Nanda (Transferee)
3. — (Persons in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1506-A, 15th floor, Brighton Towers, Plot No. 356, S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9955/84-85 on 10-8-1984.

Dated : 10-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10042/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 रु० से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 604 जो 6वां मंजिल “कविता अपार्टमेंट्स,” सी. टी. एस. 1030 यारी रोड वर्सोवा, अंधेरा (प), बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पड़ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (को) और अन्तरणियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वांछावक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ग) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री भोपतराम सेखानी । (अन्तरण)

2. श्री, मंगलदास रणछोड़जी मोट्टा और श्रीमती रंजनबेन मंगलदास रणछोड़जी मोट्टा । (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 604, जो 6वां मंजिल, “कविता अपार्टमेंट्स”, सी. टी. एस. 1030, यारी रोड, वर्सोवा, अंधेरा (प), बम्बई-61 में स्थित है ।

अनुसूचा जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10042/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख - 10/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10042/84-85.—Whereas, I, LAXMIAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 604, 6th floor, “Kavita Apts” C.T.S. 1030, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice

under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mr. Bhoputram Sekhani (Transferor)
2. Mr. Mangaldas Ranchodji Motta & Mrs. Ranjamben Mangaldas Ranchodji Motta (Transferee)
3. — (Persons in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor, "Kavita Apts", C.T.S. 1030, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37FE/10042 84-85 on 16-8-1984.

Dated : 10-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10336/84-85 — अतः मुझे लक्ष्मण दास आचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000-रु से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 102 जो 1वीं मजिल मोनिया अपार्टमेंट्स, सी. टी. एस. 1028 यारी रोड, वर्मोवा, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आचकर अधिनियम की धारा 269क ख के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के विपरीत अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष में

प्रतिफल से अधिक है और अन्तर्गत (कों) और अन्तर्गत (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तर्गत लिखित में वास्तविक रूप से कार्यवाही किया गया है —

(क) अन्तर्गत से हुई किसी आय की राबत, आचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आर या किसी अन्य या अन्य आगंत्यों की जिम्मे भारतीय आचकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्तर्गत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन —

1. श्री जोगाजीवन बानिक । (अन्तर्गत)
2. श्रीमती अनीता बैनर्जी । (अन्तर्गती)
3. —

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीवा शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्द और पदों का जो आचकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 102 जो 1वीं मजिल मोनिया, अपार्टमेंट्स, सी. टी. एस. 1028 यारी रोड, वर्मोवा, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है ।

अनुसूचा जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई-10336/84-85
और जा गधम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-8-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जा गधम न हा उस काट दोजिय)

Ref. No. AR-II 37EE 10336/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 102, 1st floor, Sonia Apts, C.F.S. 1028, Yari Road, Versova, Andheri(W), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mr. Jogajiban Banik (Transferor)
2. Mrs Anita Banerji (Transferee)
3. (Persons in occupation of the property)
4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of

the notice on the respective persons which ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, Sonia Apts, C.F.S. 1028, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE 10336/84-85 on 25-8-1984.

Dated : 10-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन सं. अई-2/37-ईई/8985/84-85 --अन मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिस इस्मे इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि श्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है ओ जिसका सं. फ्लैट नं. 28, जो. 2री मंजिल, दिन्ड प्लाटिंग हॉल जय श्रवती माता मार्ग, अंबोली, अंधेरी (प) बम्बई-61 में स्थित है, और इसमें उपावद्ध अनुसूची में अर पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका कारणनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-घ, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के शायदस, बम्बई में रजिस्ट्री में तारीख 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(को) और अंतरता(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्मालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में वर्धन नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

और अन्य उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप धारा (1) के अधीन, निर्मालिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री इंदूर उधराम अडवानी । (अन्तरक)
2. श्री चार्ल्स रॉड्रिग्स और श्रीमती लविना रॉड्रिग्स । (अन्तरनी)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अन्तर्गत में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अज्ञात है, जो कि वह सम्पत्ति में हिस्सा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्ज के लिए कार्यवाही शुरू करता है । उक्त सम्पत्ति के अर्ज के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्यक् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो कि अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हिस्सा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अज्ञात/अज्ञात के पास निहित या किया जा सकता है ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ज्ञान शायक अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत 20क में परिभाषित है, यही अर्थ लगा जा उस अधिनियम में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 28 जो 2रा भवन, वाइल फ्लॉवर हॉल, जय भवानी मार्ग, अम्बोली, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूचा जैसा कि क्र. नं. आई-2/57-ईई/8985/84-85 और ज्ञान सचन प्राधिकरण बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उस काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8985/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000— and bearing Flat No. 28, 2nd Floor, Wild Flower Hall Jai Bhavani Mata Marg, Amboli, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent

consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Indur Udharam Advani (Transferor)
2. Shri Charles Rodrigues & Mrs. Lavina Rodrigues (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 28, 2nd Floor, Wild Flower Hall, Jai Bhavani Mata Marg, Amboli, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8985/84-85 dated 6-8-1984.

Dated : 10 April, 1985

SFAI

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/10254/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने उसके पत्रवत् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु० से अधिक है और जिसको सं. फ्लैट, नं० बी-28 जो 1ली मंजिल इला दर्शन को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि० गिलवर्ट हिल, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (जो इसने उक्त वस्तु अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारखाना आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री, है तारीख 24-8-1984 को पूर्वागत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में लगी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रतिभा आर. बाहुलेकर । (अन्तरक)
2. श्रीमती ज्योति प्रकाश राजवाडे । (अन्तरिती)
3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्नलिखित शर्त करवा हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध

किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम विहित नोटे किए जा सकेंगे ।

समाप्ति कारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अर्थ 200 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अधिनियम में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं० बी-28 जो, 1ली मंजिल, इला दर्शन को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि० गिलवर्ट हिल, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची के कि का सं० अई-237-ईई/10254/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-8-1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

तारीख : 10-4-1985

मोहः

(जो ल.गू.न. हो उने काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10254/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. B-28, 1st Floor, Illa Darshan Co-op. Housing Society Ltd., Gilbert Hill, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Smt. Pratibha R. Bahulekar, (Transferor)
2. Smt. Jyoti Prakash Rajwade (Transferee)

3. ---
(Person in occupation of the property)

4. ---
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B-28, 1st Floor, Illa Darshan Co-op. Housing Society, Limited, Gilbert Hill, Andheri (West), Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37FE/10254/84-85 dated 24-8-1984.

Dated : 10 April, 1985

SEAL

(Struck off where not applicable)

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/10174/84-85—अतः मझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो ग्राउंड फ्लोअर सी ब्रेस्ट इमारत नं० 1, 7 बंगलान् जे० पी० रोड अंधेरी, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावृद्ध असम्पत्ति से और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और इसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उससे दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्गत (कों) और अन्तर्गती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नष्ट पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाण की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के

अधिकृत्य से इसी क्रम या उभयें दत्तने से सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी बाण या किसी धन या अन्य आम्निशों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, श्रिणाने में सविधा के लिए

अतः उक्त उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत से, भी उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

- 1 श्रीमति माला हरीप जेधानदानी । (अन्तरक)
- 2 काहेला लबोरटोरीज प्राईवेट लिमिटेड । (अन्तर्गती)
- 3 ---

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4 ---

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करवा है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या नत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त ग्राहक सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते हैं ।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ लगाया जा उगा अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं० 1, जो ग्राउंड फ्लोअर सी ब्रेस्ट इमारत, नं० 1, 7 बंगलान्, जे० पी० रोड, अंधेरी, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची नैसाकि क्र० सं० अई-2/37 ईई/10174/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 का रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 10/4/1985

मोहर

(जो लागू नहीं उसे काट दिया गये ।)

Ref. No. AR-II/37FE/10174/84-85.—Whereas, I, J AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 1, Ground Floor, Sea Crest Building No. 1, Seven Bungalows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- Smt Mala Hatish Jetthanandani (Transferor)
- Cadila Laboratories Pvt Ltd. (Transferee)
- _____ (Person in occupation of the property)
- _____ (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1, Ground Floor, Sea Crest Building No. 1, Seven Bungalows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058.

166 GI/85—13

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10174/84-85 dated 18-8-1984.

Dated : 10 April, 1985

SFAI.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म. अई-2/37 ईई/8457/81-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन गक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि ग्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु० से अधिक है और जिसकी में प्लॉट नं. 501, जो, 5वीं मंजिल, कुष्णा अपार्टमेंट, प्लॉट नं. 15, 4 बंगला रोड, आफिस जे पी रोड अधरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका बगारनामा आयकर अधिनियम की धारा 209कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(को) और अंतरिनी(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में दाम्बविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में दायी करने या उसमें बचन में मविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा एकट गही किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में मदद के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

- श्रीमति प्रकेश्वती एम. माध (अंतरक)
- कुमारी तन्वीर बेगम मोहमद शरीफ (अंतरिनी)
-

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

-

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधाहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध

में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम निरूपित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अभाव अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 501, जो 5वीं मंजिल, कृष्णा अपार्टमेंट, प्लॉट नं. 154, बंगलोज रोड, आफ जे. पी. रोड, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र. में अई-2/37 ईई/8957/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 10-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8957/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 501, 5th Floor, Krishna Apartments, Plot No. 15, 4, Bungalows Road, Off. J. P. Road Andheri West, Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the

said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- Mrs. Prakeshvati M. Sadh (Transferor)
- Miss Tanveer Begum Mohamed Sharif (Transferee)
- _____ (Person in occupation of the property)
- _____ (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 501, 5th Floor, Krishna Apartments, Plot No. 15, 4 Bungalows Road, Off J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8957/84-85 dated 4-8-1984.

Dated : 10 April, 1985

SEAL

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8970/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है और जिसकी म. फ्लैट नं. 003, जो, (ए) विंग, इमारत नं. 9 प्लॉट नं. 142/1/वी. लक्ष्मी रत्न को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गति की गई है और

मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिनी (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दस्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक का दायित्व से कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्होंने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 26) के प्रयोजनार्थ अंतरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्ग में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. पी. रवीचन्द्र (मायनर) नैचरल गार्डी-
यन पी. राधाकृष्ण कुमारी (अन्तरक)
2. आर. एन. आनंद (अन्तरिनी)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त ग्राहक सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 003, जो, 'ए' विंग, इगारम नं. 09, प्लॉट नं. 142/1/बी, लक्ष्मी रत्न को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जिसका क्र. स. अई-2/37 ईई/8970/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10/4/1985.

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8970|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 003, 'A' Wing Building No. 9, Plot No. 142|1|B, Laxmi Rattan Co-op. Housing Society Andheri (West) Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. P. Ravichandra (Minor) N|g P. Radhakrishna Kumari (Transferor)
2. R. N. Anand (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

notice on the respective persons which-
ever period expires later :

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 003, 'A' Wing, Building No. 9, Plot No. 142, I B. Laxmi Rattan Co-op. Housing Society, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE 8470/84-85 dated 4-8-1984.

Dated : 10 April, 1985

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन सं. अई-2/37 ईई/10235/84-85—अतः मूल लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. सी-8, जो लक्ष्मी गोविंद को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि., प्लॉट नं. 142 ए, 4 बंगलोज, अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 23/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरण की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल से अधिक है और अतरक (को) और अन्तरिनी (या) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का उल्लिखित कर देने के अन्तरक के अधिनियम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आगन्तव्यो का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन,

निम्नलिखित व्यक्ति या व्यक्तियों :—

- 1 श्रीमति, मरज के. रामनाथी और श्री
अनील के. रामनाथी (अन्तरक)
- 2 श्री विष्णु दासाया (अन्तरिनी)
- 3 अन्तरिनी

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

1 —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में स्थित है)

जो यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कठिनाई हो शक करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या लक्ष्यवर्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अनुच्छेद 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अनुच्छेदों में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. सी-8, जो, लक्ष्मी गोविंद को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि., प्लॉट नं. 142/ए, 4 बंगलोज, अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची नैसर्गिक क्र. सं अई-2/37 ईई/10235/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10/4/1985.

मोहर :

(जो लागू न हो उस काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10235/84-85. —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the "Said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No C-8, Laxmi Gobind Co-op. Housing Society Ltd, Plot No. 142/A, 4 Bungalows, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the

Office of the Competent Authority at Bombay on 23-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mrs. Saroj K. Ramnani & Mr. Anil K. Ramnani, (Transferor)
2. Mr. Trilok Dalaya (Transferee)
3. _____ (Person in occupation of the property)
4. _____ (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. C-8, Laxmi Gobind Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 142/A, 4 Bungalows, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10235/84-85 dated 23-8-1984.

Dated : 10 April, 1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/8963/84-85:— अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 13) जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथावश सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 7 जी 2 रं० मंगल इमारत अंधेरी, अन्तरंग को-ऑप हौसिंग सोसाइटी लि० सर्वे सं० 721-ग एच नं० ए-4, ए-5 ए-6 भांडानाडा रोड अंधेरी (प) बम्बई में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करानामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कब्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरंग की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरकों और अन्तरिनी/अन्तरनियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करना या उसमें घटने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा एकत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मदद के लिए

अतः अतः उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उक्त :—

1. विरफल बहुरामजी विमादलाल (अन्तरक)
2. भूपेंद्रभाई शामजी भाई देसाई (अन्तरिनी)

3. (अन्तरक)--- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. (अन्तरिनी)---(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कर सकता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अर्थानियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 7जो, 2रो मस्जिद, हमारन अंधेरी अनुराग को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., भाडावाडा रोड, अंधेरी (प), सर्वे नं. 721 ए, एच नं. ए-4, ए-5, ए-6 बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क. सं. अई-2/37ईई/8963/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1/1/1985

मोहर .

(जालानू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|8963|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 7, Andheri Anurag Bhardawadi Road, Andheri (West), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other asset, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Viraf B. Vimadalal (Transferor)
2. Bhupendra S. Desai (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 7, Andheri Anurag, Co-op. Housing Society, Ltd., Bardawda Road, Andheri (W), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|8963|84-85 dated 4-8-1984

Date : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/9759/84-85 --अन. मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है") की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं. 402 जो इमारत नं० 43 ए-वि-अ 4थी मंजिल मनीष नगर जे. पी. रोड अंधेरी (प) बम्बई-58 (वर्षावामनिस को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि.) में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(को) और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें इच्छने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी उद्योग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

1 श्रीमता आरती कैलाश श्रिगी और कैलाश उद्योगम श्रिगी (अन्तरक)

2 श्री सुरेश मणिलाल ठक्कर और कुमारी काशिबाई पिताम्बरदास ठक्कर (अन्तरिती)

3 --

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. --

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर

सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 402 जो इमारत नं० 43, विंग-ए 4थी मंजिल मनीष नगर जे. पी. रोड अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-2/37 ई ई/9759/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख. 1/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9759/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000, and bearing Flat No. 402, Bldg No. 43, Wing-A, 4th floor, Manish Nagar, Versova Manish Co-op. Hsg. Society Ltd., J. P. Road, Four Bungalows, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Arti Kailash Shringi & Mrs. Kailash Udham Shringi. (Transferor)
2. Mr. Suresh Manilal Thakker & Miss Kashibai Pitambardas Thakker.
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 402, Bldg. No. 43, Wing-A 4th floor, Versova Manish Co-op. Hsg. Society Ltd., Manish Nagar, J. P. Road, 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/9759/84-85 on 10-8-1984.

Date : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/10000/84-85 --अन सझे लक्ष्मण दाम आचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "अन अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5 जो ग्राउंड फ्लोअर, हिमाचल जुहू लोन (वर्फीवाला मार्ग), अंधेरी (प), बम्बई-58. में स्थित है) और इसमें अनावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है

तारीख 11-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरगत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरगत (को) और अन्तरगती(यों) के बीच ऐसे अन्तरगत के लिए तब था या तब प्रतिफल, निम्नलिखित दृष्टि से तब अन्तरगत निम्नलिखित में वारन्विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरगत से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरगत के लायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निश्यों की जिम्मे भारतीय आयदाय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरगती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अन अह उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1 खलिललकनवा उर्फ न की हसन हैदर हसन (अन्तरगत)

2 अब्बकर हाजी अब्दर औरमोहम्मद उमर हाजा हाजा अब्दर (अन्तरगत)

3. _____

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. _____

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के अंला, वर्तमान शुरु करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किया जा सकता है ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 5 जो ग्राउंड फ्लोर हिमाचल, जुहु लेन (बाईवाल मार्ग), अंधेरा (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैवकि क्र० सं० अई-2/37 ईई/10000/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 1-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दिया)

Ref. No. AR-II[37EE]10000[84-85]—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 5, Ground floor, Himachal Juhu Lane (Bailiwala Marg), Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Khalish Lucknavi Alias Naqi Husain Haider Husain (Transferor)
2. Aboobakar Haji Anwar and Mohamed Umer Haji Anwar (Transferee)
3. Transferees.
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 5, Ground floor, Himachal, Juhu Lane (Bailiwala Marg), Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III 37EE[10000]84-85 on 14-8-1984.

Date : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० अई-2/37ईई/10257/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 204 जो 2 रां मार्ग अंकाई ए इमारत फ्लैट नं. 17 एम नं. 41 (ग्रंज) 4 बंगलो 1 बंगला अंधेरा (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 24-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के नियंत्रण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (यों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मद्दिता के लिए

उक्त अथवा उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जगदीश एल. मल्होत्रा (अन्तरक)
2. श्रीमती बिमला पी. आनंद (अन्तर्गता)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. मैसर्स ओशिवरा लैंड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि.।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं 209 जो 2 री मंजिल अकाई ए इमारत प्लॉट नं 17 एम० नं 41/अंश 4 बंगलोज वर्मोवा अंधेरी (ए) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/10257/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया

तारीख : 1-4-1985।

मोहर :

जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10257/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 204, 2nd floor, Bldg. Accord A, Plot No. 17, S. No 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Jagdish L. Malhotra (Transferor)
2. Mrs. Bimla P. Anand (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor, Bldg. Accord-A, Plot No. 17, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W). Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10257/84-85 on 24-8-1984.

Date : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश नं. अई-2/37-ईई/10118/84-85.—अतः मुझे सक्षम दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं फ्लैट नं. 305 जो “बी” विंग 3री मंजिल ब्रेन्डेर प्लॉट नं. 9 और 9-ए जे. पी. रोड़, ओशिवरा बसोवा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री. सैयद अमीर याकुबचांद और श्रीमती सैयद साहिरा (अन्तरक)
2. श्री आर. जे. विटर और श्रीमती गिर्वेडा जे. विटर। (अन्तरिती)
- 3 — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

‘फ्लैट नं. 305 जो “बी” विंग 3री मंजिल ब्रेन्डेर प्लॉट नं. 9 और 9-ए आफ जे. पी. रोड़, ओशिवरा बसोवा अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।’

अनुसूची जैसाकि क्र.सं. अई-2/37 ईई/10118/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10118/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 305, 'B' Wing, 3rd floor, Benzer, Plot No. 9 & 9A, J. P. Road, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Syed Amir Yakubchand and Mrs. Syed Zaheera. (Transferor)
2. Mr. Ryan J. Winter, and Mrs. Giwenda J. Winter. (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of

notice on the respective persons, whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 305, 'B' Wing, 3rd floor, Benzer, Plot No. 9 & 9A, J. P. Road, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10118/84-85 on 18-8-1984.

Date : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8751/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का/43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) को धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं. 404 जो 4थी मंजिल, अशरफा महल, 5/105 जे. पी. रोड, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरण का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरितो(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें घटने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृहीत के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती वहीदा एस. शेख आर. श्रीमती झुहेदा ए. रझाक। (अन्तरक)
2. श्री. मोहम्मद सिद्दीक छाप्रा आर श्री अब्दुल गफार एस. छाप्रा। (अन्तर्गति)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 404 जो 4थी मंजिल” “अशरफ महल” 5/105 जे. पी. रोड अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-2/37 ईई/8751/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref No. AR-II/37EE/8751/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 404, 4th Floor, Asraf Mahal, 5/105, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Smt. Waheeda S. Shaikh & Mrs. Zuheda A. Razak (Transferor)
2. Shri Mohmed Sidique Chhapra & Shri Abdul Gafar S. Chhapra (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 404, 4th Floor, Ashraf Mahal, 5/105, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8751/84-85 dated 1-8-1984

Date : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन में, अई-2/37-ईई/8986/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. बी/28 जी, सन-एन-सी को-आप हाउसिंग सोसाइटी लि. जे. पी. रोड अंधेरी (प) बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कड के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 6/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्ग (कों) और अन्तरित (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्ग के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वस्तुिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्ग में, से उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. गुबोध विक्रमराज मेहरा । (अन्तर्ग)

2. एच. एन. देसाई । (अन्तरित)

3. अन्तरितः (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. बी/28 सन-एन-सी को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि. जे. पी. रोड बर्लीवा अंधेरी (प) बम्बई-61 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र. में, अई-2/37-ईई/8986/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 1-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए ।)

Ref. No. AR-II/37-EE/8986/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B/28, SUN-N-SEA Co-op. Housing Society Ltd., J. P. Road, Varsova, Andheri (West), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Subodh Bikramlal Mehra (Transferor)
2. H. N. Desai (Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

the notice on the respective persons which ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B-28, SUN-N-SEA Co op. Housing Society Ltd. J. P. Road, Varsova, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/8986/84-85 dated 6-8-1984.

Dated : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37/ईई/10085/84-85.—अन. मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं. 202 जो 2री मंजिल, लक्ष्मण जवा हमारत लिता आर. नं. 47 जे. पी. रोड अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुमूर्त्ता में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कड के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरण की गयी है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिकल में ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पंष्ट प्रविजन में अधिक है और अन्तरक (कों) और अन्तरिनी (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए चय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य में सक्षम अन्तरण लिखित में दायित्विक रूप से कार्यगत तहो किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उनसे बढ़ने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किराी धन या अन्य आम्नियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उत्तरिणी द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचिका के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 209ए के अन्वय में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उप-धारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों उद्घाटित :-

1. श्री. के. पी. वाधवा और श्रीमती.
आशा के. वाधवा (अन्तर्गत)
2. श्रीमती नयनाबन पी. शाह। (अन्तर्गति)
3. अज्ञात।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)
4. ————
(वह व्यक्ति जिस के बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है, की वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध
में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्गति

फ्लैट नं. 202, जो 2री मंजिल "लक्ष्मण इना
स्मारक, गिरा, आर. नं. 47 जे पी रोड अंधेरी (प),
वस्तु-58 में स्थित है।

अन्तर्गति जमांक क्र. स. अई-2/37-ईई/10085/84-85
और जो सार्वजनिक अधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17/8/1984
को रजिस्ट्रार किया गया है।

तारीख : 10/4/1985

मोहर

(जो न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37-EE/10085/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS, being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of
1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing Flat No. 202, Laxman Jhoola
Gera 2nd Floor, R. No. 47, J. P. Road,
Andheri (West), Bombay-400058 (and more
fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the
Office of the Competent Authority at Bombay on
17-8-1984 for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid prop-
erty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefore by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said Instrument of
Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act, in respect of any income arising
from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income
or any money or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of
the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisi-
tion of the aforesaid property by the issue of this
notice under sub-section (1) of Section 269D of the
said Act, to the following persons, namely :-

1. Mr. K. P. Wadhwa/Smt. Asha K. Wadhwa
(Transferor)
2. Mrs. Nayanaban P. Shah (Transferee)
3. ————
(Person in occupation of the property)
4. ————
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said
property may be made in writing to the under-
signed :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publi-
cation of this notice in the Official Gazette
or a period of 30 days from the service of
the notice on the respective persons which-
ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 202, Laxman Jhoola, Gesta, 2nd Floor, R. No. 47, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37-EE 10085 84-85 dated 17-8-1984.

Date 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अई-2/37-ईई/9946/84-85—अन मसे लक्ष्मण दाम आकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मसम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. जे-21, जो शिवाल, अविनाश के पिछे, जे.पी. रोड, 7 बंगला, अंधेरी (प), बम्बई-58, में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 369 कख के अधीन मसम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिक की गई है और मसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल भिन्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में म्बिधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या नन्दकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्बिधा के लिए
166 GI 85-20

उन अक उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ब्रथित :—

- 1 श्रीमति जेताबबाई एम. मोवेदिना। (अन्तरक)
- 2 श्री अशोक डी मंधानी श्रीमति कश्मिमा ए. मंधानी और श्रीमति भगवती पी. ठाकुर। (अन्तरिनी)

3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति जिस के बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवश्यकता शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. जे-21, जो शिवाल, अविनाश के पिछे, जे. पी. रोड, 7 बंगला, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-2/37-ईई/9946/84-85 और जो मसम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू नहीं हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37-EE/9946/84-85.—Whereas, a. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. J-21, Sheetal, Behind Avinash, J. P. Road, Seven Bungalows, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mrs. Zainabai M. Moledina. (Transferor)
2. Mr. Ashok D. Manghani, Mrs. Karishma A. Manghani and Mrs. Bhagwanti P. Thakur. (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
3. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. J-21, Sheetal, Behind Avinash, J. P. Road, Seven Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/9946/84-85 on 10-8-1984.

Dated : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9992/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 105, जो, 'ए' विंग, जितेन इमारत, फ्लैट नं० 95-ए, जे० पी० रोड, अन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारखाना आयकर अधिनियम की धारा 269C के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतर्गति (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अद्य उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वये में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री. डी. वि. भट। (अन्तरक)
2. श्री. बी. एम. ज़वेरी और श्रीमती आर. बी. ज़वेरी। (अन्तरिनी)
3. अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 105, जो, 'ए' विंग, जितेन इमारत, प्लॉट नं. 95-ए, जे० पी० रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. आई-2/37 ईई/9992/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9992/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 105, 'A' Wing, Jiten Bldg., Plot No. 95A, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. D. V. Bhat. (Transferor)
2. Mr. B. M. Jhaveri and Mrs. R. B. Jhaveri. (Transferee)
3. Transferor (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 105, 'A' Wing, Jiten Bldg., Plot No. 95A, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EF, 9992 84-85 on 14-8-1984.

Dated : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश नं अई-2/37-ईई/10027/84-85—अन. मधु लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं फ्लैट नं. 203-ए, जो अंधेरी मेहता कुज को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., जयप्रकाश रोड, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(क) और अन्तर्गती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचत में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्शियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या बत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अन. अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उस धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उपाति :—

1. श्री. बाडीलाल हुगरशी नहू। (अन्तरक)

2. श्री. नेमणी हुगरशी नहू। (अन्तर्गती)

3. अन्तर्गती और परिवार

(वह व्यक्ति जिस के अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 203-ए जो अंधेरी मेहता कुज को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., जयप्रकाश रोड अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र. सं. अई-2/37 ईई/10027/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर.

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EF 10027 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 203-A, Andheri Mehta Kunj Co-op Housing Society Ltd., Jai Prakash Road, Andheri (W), Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Shri Vadilal Dungaishi Nandu (Transferor)
2. Shri Nenshi Dungaishi Nandu (Transferee)
3. Transferee and Family
(Person in occupation of the property)
4. _____

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

the notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 203-A, Andheri Mehta Kunj Co-op. Hsg. Society Ltd., Jaiprakash Road, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EF-1/10027 84-85 on 16-8-1984.

Dated: 10-4-1985.

SFAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं अर्द्ध-2/37 ईई/10222/84-85.—अन मुझे लक्ष्मण दाम आचकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान पर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं फ्लैट नं. 8 जो इमारत नं. डी. एम्बरशान्ति अपार्टमेंट नं. 2 को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि. जे. पी. रोड, वर्मावा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करणनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 21/8/1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफलता के पद पर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(को) और अंतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्शियों की निम्न भागीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मदद के लिए।

उक्त अदालत अधिनियम की धारा 269A के अन्तर्गम्य में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269A की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित शर्तियाँ अधिनियम में—

- 1 श्रीमति के. ए. चगानी (अन्तरक)
- 2 श्रीमति मधु नैयर (अन्तर्गति)
- 3 अन्तर्गति
(वह व्यक्ति जिस के अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पदाधिकारी के अन्दर के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 15 दिनों के भीतर उक्त अधिभोग सम्पत्ति में, हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अन्तर्गम्य अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 8 गा. इमारत नं. डी, एवर्सहाम अपार्टमेंट नं. 2 का-आप हाईसिंग सोसाइटी लि., जे. पी. राड बर्मोबा, अंधेरी (ए), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जिसके अ. स. अर्द्ध-2/37 ईई/10222/84-85 और जो मध्यम दायित्वकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उन फाट नीतियों)

Ref. No. AR-II-37/EE/10222/84-85.—Whereas, I, LAKHMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 8, Bldg. No. D, Evershine Apartment having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-ment No. 2 Co-op. Hsg. Society Ltd., J.P. Road Varsova, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other asset, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. K. A. Chugani. (Transferor)
2. Mrs. Madhu Nayyar. (Transferee)
3. Transferee.
(Person in occupation of the property)
4. —————

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 8, Bldg. No. D, Evershine Apartment No. 2 Co-operative Housing Society Ltd., J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE./10222/84-85 on 21-8-1984.

Dated : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9001/84-85:—अतः मन्नेलक्ष्मण दास आयाकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 105, जो पट्टकी मंजिल श्री शास्त्री कृपा को-आप हाउसिंग सोसाइटी लि. इमारत नं. 44, बी-विंग, मनिप नगर, जे.पी. रोड, 4 बंगलोज, अंधेरी (प) में स्थित है) और इससे उपायवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयाकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से किसी करने या उससे इच्छने से सूचना के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में शामिल होने के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तर्गत में, से उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री गणवंश देव हुडकर । (अन्तरक)
2. श्री. अरम कुमार नायगम । (अन्तरिनी)
3. —

4. (यह व्यक्ति विशेष ब्रांसे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तन्मसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 105, जो. पट्टकी मंजिल, श्री शास्त्री कृपा को-आप, हाउसिंग सोसाइटी लि. इमारत नं. 44, "बी" विंग, मनिप नगर, जे.पी. रोड, 4 बंगलोज, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9001/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II 37EL/ 9001 84-85 —Whereas, I, LEXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 105, 1st Floor, Shri Shastri Krupa Co-op Housing Society Ltd., Building No. 44 "B" Wing Manish Nagar, J. P. Road, 4, Bungalows, Andheri (West) Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269E of the said Act to the following persons, namely :

1. Shri Yashwant Dewoo Hadkar (Transferor)
2. Mr. Agam Kumar Nigam. (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 105, 1st Floor, Shri Shastri Krupa Co-op. Housing Society Ltd., Building No. 44, "B" Wing Manish Nagar, J. P. Road, 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EL/ 9001 84-85 dated 6-8-1984.

Dated : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8823/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दाम आचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 105/303, जो, इमारत नं. 9 रतन नगर प्लॉट नं. 142/1/बी. 4 बंगलों, जे. पी. रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आचकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख * 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पट्टे प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिनी (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए दूध पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत आचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व से कमी करने या उससे दक्षिण में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आचकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अह उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उ. धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उपाति:—

- 1 राजू एम गगनानी । (अन्तरः)
- 2 हमनअली अलीभाई अमरनवाला और युसूफ हमनअली अमरनवाला । (अन्तर्गती)
- 3 .. (वह व्यक्ति जिस के अधिमोप में सम्पत्ति है)
- 4 ' ' (वह व्यक्ति जिस के बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आवश्यक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 9/30, जो, इमारत नं. 9, रतन नगर, प्लॉट नं. 142/1बी, 4 बंगलो, जे. पी. रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि श्र. स अई-2/37ईई 882 3/84, 85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा 2-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उस काट दीजिये) ।

Ref. No. AR-II/37EE,8823/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-303, Bldg. No. 9, Ratan Nagar, Plot No. 142/1B, 4 Bungalows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Raju M. Gagnani (Transferor)
2. Hassanali Alibhai Amaranwala & Yusuf Hassanali Amranwala (Transferee)
3. _____ (Person in occupation of the property)
4. _____ (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. A-303, Bldg. No. 9, Ratan Nagar, Plot No. 142/1/B, 4 Bungalows, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8823/84-85 dated 2-8-1984.

Date : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8750/84-85:—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 219घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसके उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 23, जो, 2 गी मंजिल, सिद्धार्थ इमारत, सर्वे नं. 135, एच. नं. 2, मिटी सर्वे नं. 1315, व्हिलेज बर्मोवा, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारगनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(को) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. दिनीप हिमनलाय तलसानिया । (अन्तरक)
2. नूरमोहम मुलेमान शेख आग मन्भावी (अन्तरिती)
नूरमोहमद ।
3. —
(वह व्यक्ति जिस के अधिभोग सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है,
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 23, जो 2 गी मंजिल, सिद्धार्थ इमारत, सर्वे नं. 135 एच नं. 2, मिटी सर्वे नं. 1315, व्हिलेज बर्मोवा, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि अ. ग. अई-2/37-ईई/8750/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

दिनांक : 10-4-1985¹

मोहर :

(जो लागू न हो उसे वाट दीजिये)

Ret. No. AR-II/37EE/8750/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 23, Siddharth Building, Village Versova, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Dilip Himatlal Talsania (Transferor)
2. Noormohamed Syleman Shaikh & Salmabec Noormohamed (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 23, 2nd Floor, Siddharth Building, Survey No. 135, Hissa No. 2, City Survey No. 1315, Village Versova, Greater Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8750/84-85 dated 1-8-1984.

Dated : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. आई-2/37-ईई/8886/84-85:—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. प्लॉट नं. 46, जो, प्लॉट बी-1, हिल लेक व्ह्यू को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी, वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58, में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (की) और अंतरिती (या) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, लिखने में सन्दिग्ध के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्थात् —

1. श्री परमल जे. गांधी (अन्तरक)
2. श्रीमती भगवती एम. सामवेदी (अन्तर्गती)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पब्लिक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 46, जो, प्लॉट नं. बी-1, हिल लेक व्यू को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37-ईई/8886/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8886/84-85.—Whereas, 1. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Flat No. 46, Plot B-1, Hill Lake View Co-op. Hsg. Society, Veera Desai Road Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Parimal J. Gandhi (Transferor)
2. Mrs. Bhagwati M. Samvedi (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later :

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 46, Plot B-1, Hill Lake View Co-op. Hsg. Society, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay—400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8886/84-86 dated 3-8-1984.

Dated : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देशन. अई-2/37-ईई/8810/84-85 :—अतः मूळ नक्षमण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं फ्लैट नं. 301-बी(अंश), जो, 3री मंजिल, वर्सोवा समीर को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., 7 बंगलोज के पास, अंधेरी(प), बम्बई-58, में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 169 क. ख. के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है। तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मूँचे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उस दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अतः उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित दायित्वों अधिति —

1. श्रीमता. बेला जीवन मंडल (अन्तरक)

2. श्री. सयद अहमद गहमसज (अन्तरिती)

3. अन्तरक
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. ———
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 301-बी(अंश), जो, 3री मंजिल, वर्सोवा समीर को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., 7 बंगलोज के पास, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं अई-2/37-ईई/8810/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 19/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8810/84-85.--Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 301-B (Part), 3rd Floor Versova Sameer Co-op. Housing Society Ltd., near Seven Bungalow, Bombay-400 058 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

1. Mrs Bela Jeevan Mandal (Transferor)
2. Mr. Syed Ahmad Muhammed (Transferee)
3. ---
(Person in occupation of the property)
4. ---
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons which ever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 301-B (Part) 3rd Floor, Versova Sameer Co-op. Housing Society Ltd., Near Seven Bungalow, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8810/84-85 dated 2-8-1984.

Dated : 10th April, 1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. ग्रह-2/37-ईई/10215/84-85-- अन.
मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अन्तर्गत अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और निम्नलिखित सं. फ्लैट नं. बी/205, जो, गिबल इमारत 7 बंगलोज इमारत गिबल को-ऑप, हाउसिंग सोसाइटी लि. वर्सोवा आफ जय प्रकाश रोड, अंधेरी (प) बम्बई 58, में स्थित है और उक्त उक्तवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है और जिसे उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत अधिकारी के अधिनियम बम्बई में रजिस्ट्री के तारीख 21-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त बाजार मूल्य से कम का मूल्य के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अनुरोध को गृहीत और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है या अंतर (या) और अंतर (या) के लिये उक्त अनुरोध कि उक्त सम्पत्ति का प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरोध लिखित वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तर्गत में हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत कर देने के अन्तरक के माध्यम से कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ग) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की निम्नलिखित आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा उक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्रीमति, सिन्सी मैथ्यू । (अन्तरः)
2. अनील बडकर । (अन्तरः)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के द्वारा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

फ्लैट नं. बी/205 जो, गिगल इमारत 7 बंगलोर, वर्सोवा गिगल को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी, आफ रा प्रकाश रोड, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं-अई2/37ईई/10215/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-11,371-E 10215 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. B-205, Sheetal Bldg. 7 Bungalows, Versova Sheetal Co-op. Housing Society Ltd. Versova, Off J. P. Road, Andheri (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. Sinsi Mathew (Transferor)
2. Anil Badkar (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which-ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B-205, Sheetal Bldg. 7 Bungalows, Versova
Sheetal Co-op. Housing Society Ltd., Versova,
Off. J.P. Road, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE/10215 S4-85 dated 21-8-1984.

Dated : 10th April, 1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8984/84-85 -- अतः मुझे लक्ष्मण दास आयर अघिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे हमने इसे पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अन्तर्गत लक्ष्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि निम्न स्थान सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु० में अधिष्ठित है और जिसकी सं. प्लेट नं. जी-44, जो, 4 थी मंजिल न्यू अवीवली को-आप, हाउसिंग सोसाइटी लि. बीरा देमाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और जो उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका कारनामा आयर अघिनियम की धारा 269 घ के अन्तर्गत लक्ष्य प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में उस के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित को गृहीत है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिष्ठित है और अंतरण (यों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

एतत् उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अन्तर्गत में, सं. उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन --

1. देवेन्द्र चन्द्र भगत देवसूत्रकार (अन्तरण)

2. बमारी सरला जे भट्ट (अन्तरिती)

3. ---

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. ---

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्तक्षरी ज्ञानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयर अघिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्गति

प्लेट नं. जी-44, जो-4 थी मंजिल, न्यू अवीवली को-आप हाउसिंग सोसाइटी लि. बीरा देमाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं. अई-2/37ईई/8984/84-85 और जो लक्ष्य प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6/8/1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

तारीख : 10/4/1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8984/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. G-44, 4th Floor, New Ambivli Co-op. Hsg. Society, Ltd, Veer Desai Road, Andheri (W), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Devendra Chandrakant Deorukhkar
(Transferor)
2. Miss Sarla J. Bhatt
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. G-44, 4th Floor, New Ambivli Co-op. Housing Society Ltd., Veera Desai Road, Andheri (West) Bombay—400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/

8984/84-85, dated 6-8-1984.

Dated : 10th April, 1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10184/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) (जिसे इन में इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. में अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 11, जो, 2री मंजिल फ्लाट 52 बृदावन, आफ वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में इस के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (याँ) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप के अधिन नहीं किया गया है —

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री. यशवंत शंकर शोडे । (अन्तरक)

2. श्रीमती. हिल्डा कुमार । (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके

बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 11, जो, 2री मंजिल प्लॉट 52 वृंदावन, ग्राफ वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. आई-2/37ईई/10184/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10184/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Vrindavan, Flat No. 11, Second Floor, Plot S2, Off, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay—400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. Yeshwant Shankar Shende (Transferor)
2. Mrs. Hilda Kumar (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Vrindavan, Flat No. 11, Second Floor, Plot S 2 Off Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay—400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10184/84-85, dated 18-8-1984.

Dated : 10th April, 1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10338/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 602, जो, 6वीं मंजिल, कविता अपार्टमेंट्स, सी. टी. एस. 1030, यारी रोड, वर्सावा, अंधेरी, बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नष्ट पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूर्खता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्खता के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राजेश प्रेम-जीणहा । (अन्तरक)

2. श्री मुरादअला बहूदीन भयानो (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी

अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 602, जो, 6वीं मंजिल, कविता अपार्टमेंट्स, सी. टी. एस. नं. 1030, यारी रोड, वर्सावा, बम्बई-61 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10338/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10338/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 602, 6th Floor, Kavita Apartments, C.T.S. 1030 Vari Road Versova, Bombay-400061 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. Rajesh Premji Shah, (Transferor)
2. Mr. Muradali Badruddin Bhayani (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 602, 6th Floor, Kavita Apartments C.T.S. 1030, Yari Road, Versova, Bombay-400 061..

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10338/84-85, dated 25-8-1984.

Dated : 10th April, 1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10096/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम कहा गया” है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 6, जो, सुंदर पार्क “बी”, वीरा देसाई रोड, ऑफ अंधेरी वसोवा रोड, अंबीवली, अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देन के अन्तरक के अर्थत्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को संशोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269क के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269क की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

1. कुमारी जबीन खान (विद्वान ए. मायनर थ्रु हर मदर एण्ड नेचरल गार्डियन श्रीमती बादर खान (अन्तरक)
2. श्रीमती दयाबाई भगवानदास पट्टजा । (अन्तरिती)
3. अन्तरिती और उनके परिवार सदस्य (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है ।)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है ।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहां बर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, जा सुन्दर पार्क "बी", वीरा देसाई रोड, आफ
अंधेरी वर्सोवा रोड, अंबीवली, अंधेरी (प), बम्बई-58
में स्थित है।

अनुसूची जेंसाकि क्र.सं. अई-2/37ईई/10096/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 10-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10096/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 6, Sunder Park 'B', Veera Desai Road, Off Anheri Versova Road, Ambivali, Andheri West, Bombay—400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 29BAB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Miss Jaheen Khan Being a minor through her mother and natural Guardian Mrs. Madar Khan.

(Transferor)

2. Mrs. Dayabai Bhagwandas Pahuja

(Transferee)

3. —

(Person in occupation of the property).

166 GI/85—

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No 6, Sunder Park 'B', Veera Desai Road, Off Andheri Versova Road, Ambivali, Andheri (West), Bombay—400 058.

Explanation : The terms and expressions used in the said Instrument of Transfer, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10096/84-85 dated 18-8-1984.

Dated : 10th April, 1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10034/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 306, जो, उरी मंजिल, कॉन्कॉर्ड ए इमारत, प्लॉट नं. 16, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है) और जिसका कारखाना आयकर अधिनियम की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफलके लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के व्ययत्व में कमी करने या इससे बचने में सविधा के लिए और/या

Explanations of the terms and symbols used in this book are found in Chapter XXA of the 1967 AFT-APR have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Ref. No. 37E/8916/84-85, Flat No. 16, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8916/84-85 dated 16-3-1984.

Date: 10-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8916/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दासा आचकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उप अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सधन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100 000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 1107 जो 11 वीं मंजिल शेफिल्ड टॉवर्स इमारत प्लॉट नं. 354 एस. नं. 41(अंश) 4 बंगलोन वर्सोवा अंधेरी(प) वर्गई-58 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आचकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सधन प्राधिकारी के अधिनियम वर्गई में रजिस्ट्री है तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(कों) और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है :—

(क) कारण से हुई किसी आय की दायता, आचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तर्गत से करी करने या उनसे बचने से अधिनियम के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी बात या किसी बात का उद्देश्य अस्थितियों की जिन्हें भारतीय आचकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आचकर अधिनियम, 1931 (1931 का 43) या आचकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोगार्थ दायरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किसी बात या कृत्य का, लिखित में किया

अतः इस उक्त अधिनियम की धारा 269 कख को अन्तरण से, तो उक्त अधिनियम की धारा 269 कख की धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं द्वारा

1. श्रीमती फ्रेनी सायरस (अन्तरक) (अन्तरक)

2. दिवेश वाघवान (अन्तरिती) (अन्तरिती)

3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)

4. मेसर्स ओगिवरा सेंट डेव्होपेंट कंपनी (प्राइवेट) लि. (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोदस्ताधरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

अतः उक्त उक्त अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं द्वारा

(ग) इस सम्पत्ति के अन्तरण से अन्तरण की तारीख में 45 दिनों की अवधि का तत्संबंधी व्यक्तियों पर अन्तरण को अन्तरण 30 दिनों की अवधि, जो भी अधिक दिनों में समाप्त होती हो, दो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से लेनी करित द्वारा।

(घ) इस सम्पत्ति के अन्तरण से अन्तरण की तारीख के अन्तरण से अन्तरण अन्तरण सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताधरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

सांख्यिकीकरण :—इसमें प्रत्येक शब्दों और पदों का जो अन्तरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 200 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तरण

प्लॉट नं. 1107, जो 11 वीं मंजिल शेफिल्ड टॉवर्स प्लॉट नं. 354, एस. नं. 41(अंश) 4 बंगलोन वर्सोवा अंधेरी(प) वर्गई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं. अई-2/37ईई/8916/84-85 और जो सधन प्राधिकारी वर्गई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 10-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दिया जाये)

Ref. No. AR-II/37EE/8916/84-85.—Whereas, I LALMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1107, 11th Floor, Sheffiled Towers, Plot No. 354, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such value and that no consideration for such transfer has been stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Frey Cyrus Bhadha (Transferor)
2. Divesh Wadhawan (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1107, 11th Floor, Sheffield Towers, Plot No. 354, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8916/84-85 dated 4-8-1984

Dated : 10-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37 ईई/9956/84-85.—अतः मझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन गण्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं फ्लैट नं. 1506-बी जो 15वीं मंजिल, आईटन टॉवर, प्लॉट नं. 356, एस. नं. 41 4 बंगलो,

वर्तीवा अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कव के अधीन गण्यम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतर्गक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. नंद केवलराम तेजवानी । (अंतरक)
2. श्रीमती त्रिप्ता नंदा । (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में (अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्ज के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, उसी अर्थ में उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 1506-बी जो 15वीं मंजिल, ब्राइटन टावर्स इमारत, प्लॉट नं. 356, एम्. नं. 4 बंगलो, वर्धा अंधेरी (प) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9956/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 10-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9956/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1506-B, 15th Floor, Brighton Towers, Plot No. 356, Four Bungalows, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Nand Kewalram Teiwani (Transferor)
2. Smt. Tripta Nanda (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)

166 GI'85-23

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever ever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1506-B, 15th Floor, Brighton Towers, Plot No. 356, Four Bungalows, Andheri (West), Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9956/84-85 dated 10-8-1984

Dated : 10-4-1985.

Seal : .

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9956/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) को धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्हादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसको सं० फ्लैट नं. 506, जो 15वीं मंजिल ब्राइटन टावर्स इमारत, प्लॉट नं. 356, एम्. नं. 11 (अंधेरी), 4 बंगलो, वर्धा अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम को धारा 269C के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त प्रतिफल के निम्न अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्टमान प्रतिफल से ठीके दृष्टमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अनवरक(को) और

अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगरे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

- 1 श्री नरेण मेओमल । (अन्तरक)
- 2 कुमारी सगिता ए० गुरबानी । (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 मैमर्स ओशिवरा लैंड डेव्हलपमेंट कंपनी(प्राइवेट) लि० ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 506, जो, 5 वीं मंजिल, अकाउंट-ए इमारत, प्लॉट नं. 17, स. नं. 41(अंश) 4 बंगलोज, बसोवा, अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है

अनुसूची क्रमांक क. स. अई-2/37ईई/9954/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9954/84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 506, 5th Floor, Accord-A, Plot No. 17, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Naresh Seomal (Transferor)
2. Kum. Sangceta A. Gurbani (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned, -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 506, 5th Floor, Accord-A, Plot No. 17, Four Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19954/84-85 dated 10-8-1984

Dated : 10-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8887/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100 000 रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. जी-33 जो 3री मंजिल, न्यू अबीखली को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., जीवन नगर, ऑफ वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कों) और अन्तरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. टी. जी. बालमुन्नमण्यन (अन्तरक)

2. श्रीमती भारती प्राणजोवनदास राजपूत । (अन्तरिती)

3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के ध्यान लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. जी-33, जो, 3री मंजिल, न्यू अबीखली को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., जीवन नगर ऑफ वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है

अनुसूची जैसाकि क्र. म. अई-2/37ईई/8887/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8887/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. G-33, 3rd Floor, New Ambivali Co-op. Housing Society Ltd., Jeewan Nagar, Off Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. T. G. Balasubramanian (Transferor)
2. Smt Bharati Pranjivandas Raiput (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat, No. G-33, 3rd Floor, New Ambivali Co-operative Housing Society Ltd., Jeewan Nagar, Off Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/8887/84-85 dated 3-8-1984.

Dated : 10th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/8958/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 रु. से अधिक और जिसकी सं. फ्लैट नं. 701, जो, 7वीं मंजिल, कृष्णा अपार्टमेंट्स, प्लॉट नं. 15, 4 बगलोज़ रोड, अधेर (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(ता) और अंतरित(ता) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में व स्तविक रूप में कायत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में गृहिष्ठा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृहिष्ठा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री रमेश एच मधिश । (अन्तरक)
2. श्री गिरधर एस. असुदानी आर श्री हरीप एस असुदानी । (अन्तरित)

3.

(वह व्यक्ति जिनके अधिमात्र में सम्पत्ति है)

4.

(वह व्यक्ति जिनके द्वारा अधिमात्राक्षरों से सम्पत्ति को वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाही करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त अधिमात्र सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिमात्राक्षरों के प्राप्त लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अर्थानियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 701, 7वीं मंजिल, कृष्णा अपार्टमेंट
प्लॉट नं. 15, 4 बंगला रोड, अंधेरी (प), बम्बई
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. स. अई-2/37ईई/8958/84-85
और जा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984
को राजपत्र किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8958/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 701, 7th Floor, Krishna Apartments, Plot No. 15, 4 Bungalows Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of —

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- Shri Girdhar S. Asudani and Ors
(Transferee)
- Ramesh H. Makhija
(Transferor)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette for a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 701, 7th Floor, Krishna Apartments, Plot No. 15, 4 Bungalows Road, Andheri (West), Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/5958/84-85 dated 4-8-1984.

Dated : 10-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश स आई-2/37ईई/9779/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269A के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी म फ्लैट नं. 524, जो, जुहु अंगन को0-आप0 हाउसिंग सोसाइटी लि., इमारत नं 9-सी, न्यू डी एन. नगर, अधरी(प), बम्बई-58, में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कर्तव्य, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरको और अन्तरिनी/अन्तरिया के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः उक्त उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्थात् —

- 1 कुमारी सक्कर गुलामहुसैन विगानी। (अन्तरक)
- 2 महंदा सुलतानअली चदानी। (अन्तरिनी)
3. अन्तरिनी: —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी

अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं 524, जो जुहु अंगन को0-आप0, हाउसिंग सोसाइटी लि., इमारत नं 9-सी, न्यू डी एन. नगर, अधरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र.स. आई-2/37ईई/9779/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9779/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. O 524, Juhu Angan Co. Op. Housing Society, Ltd. Bldg. No. 9-C, New D. N. Nagar, Andheri (West), Bombay 400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Kum. Shakkar Gulamhussen Virani
(Transferor)
2. Mehandi Sultanali Chandni (Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 524, Juhu Angan Co. Op. Hsg. Society Ltd., Bldg. No. 9-C, New D N Nagar, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE/9779/84-85 dated 10-8-1984.

Dated : 10-4-1985.

Seal :

*(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० अई-2/37/ईई/8951/84-85/—अनं मुझे, लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं फ्लैट नं० 210, जो, इमारत नं० 29-सी, मनिष नगर वर्मीबा रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है और इससे उपावद्ध अतृप्ती में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करगनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क.ख के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल

के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पट्टे प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के निष्पत्ति पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में गतिभूत के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्नियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1 श्रीमती उमा पोददार, बार्डफ ऑफ रामप्रकाश पोददार,
(अन्तरक)

2 श्री हममुखलाल कानजी भाई पटेल। (अंतरिनी)

3. _____
(वह व्यक्ति जिसके अधिसौग में सम्पत्ति है)

4. (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिस्सेदार है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 210 जो इमारत नं. 29-सी, मनिश नगर, वर्सावा रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जमात नं. स. अई-2/37ईई/8451/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 10-4-1985

मोहर.

(जो ताबूत हाउस एट दीपिंग)

Ref. No. AR-II/37EE/8951/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000] and bearing Flat No. 210, Building No. 29, 'C' Manish Nagar, Versova Road, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. Uma Poddar W/o Sh. Ramprakash Poddar (Transferor)
2. Sh. Hasmukhlal Kanji Bhai Patel (Transferee)

3 —

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. 210, Building No. 29-'C', Manish Nagar, Versova Road Andheri (West), Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8951/84-85 dated 4-8-1984.

Dated : 10-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/10227/84-85 :- ज्ञात मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस डाके द्वारा पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) के धारा 269B के अंतर्गत मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि चूंकि अस्पष्ट, निश्चित उचित वास्तव मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी स फ्लैट नं. 6, जो, यादव पवार, इमारत नं. 39 नितकिर्तव को आप० हाउसिंग सोसाइटी लि. गुरु नगर, 4 बंगलोज जे पी रोड अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और डाके उक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिस पर करारनामा आयकर अधिनियम 1961 के धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 23/8/1984 को पूर्वोक्त जमात में उक्त वास्तव मूल्य में एक दृश्यमान प्रतिफल के लिये अर्पण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति में उक्त वास्तव मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल में, एक दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर/अंतरा और अनिश्चित/अतिरिक्तों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया

(जो वांगम होतः तद्वर्गः)

Ref. No. AR-1137E110227 81-85.— Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 5, Ground floor, Building No 39, Nukirtan Co-op Housing Society Ltd., Guru Nagar, 4 Bungalows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of —

- (सं व्यक्ति; वि. संज्ञा, व्याख्यात्मक, तत्त्व
वि. संज्ञा, वि. संज्ञा)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

1 Shri Ha nam Singh Hardaya! Singh
(Transferor)

2. Mrs Vinodni Bai Purshotam Sharma and Mr Purshotam Shridar Sharma (Transferee)

3

(Person in occupation of the property)

4 -

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

अनसूची

फॉरवर्ड नं. 6 जा गेट फोर्वर, हमारा नं. 39
निम्नलिखित गो-श्री हाउसिंग सोसायटी लि. रू. नगर
1 नगर 3 जी पी रोड जोरि (प०) नम्बर-58
न लिखित।

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 6, Ground Floor, Building No. 39, Nitikirtan Co-op. Housing Society Ltd., Guru Nagar, 4, Bunglows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10227/84/85, dated 23rd August, 1984.

Dated : 10th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10044/84-85—अन. मुं. नक्षमण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 104, जो, इमारत नं. 45, सनिप नगर, जे. पी. रोड, अंधेरी (प०), बम्बई-58, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरतो(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित चट्टेथ में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक व दायित्व से कमी करने या उससे बचने में मतिभा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मतिभा के लिए ।

अन., अन., उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उा धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1 डां श्रीकांथा राव (अन्तरक)

2. श्री मकसूद अहमद हिसामुद्दीन मुल्ला (अन्तरितो)

3 —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी मानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किया जा सकेगा ।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 104, जो, इमारत नं. 45, सनिप नगर जे. पी. रोड, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि प्र. सं. अई-2/37ईई/10044/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 10-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे कट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/10044/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 104, Building No. 45, Manish Nagar, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Dr. Shrikantha Rao (Transferor)
2. Mr. Maqsood Ahmed Misamuddin Mulla (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 104, Building No. 45, Manish Nagar, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10044/84-85, dated 10-8-1984.

Dated : 10th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देशन अर्द्ध-2/37ईई/9002/84-85.—अतः, मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पञ्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 144, 45 नं. 45 इमारत नं. 18, ए. विमानिय कवेरा, हाउसिंग नोमडटा लि. मनीय नगर, 4 बंगला, जे. पी. रोड अधेर (पं.), बम्बई-58. में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका कारारमासा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 6/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(कों) और अन्तरिता(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए :

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की डा धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री. नेत्रा मिग चिम। (अन्तरक)
2. श्री. हंसराज जी. पंजवानी और श्रीमती सविता एच. पंजवानी। (अन्तरिता)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानता है, को वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन का सबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 44, जो, 4थी मंजिल इमारत नं. 18, ए-विंग मनिष कावेरी हाउसिंग सोसाइटी लि. मनिष नगर, 4 बंगला, जे.पी. रोड अंधेरी (प०) बम्बई-58, में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र.सं. अई-2/37ईई/9002/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारों द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9002/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 44, 4th Floor, Building No. 18, 'A' Wing, Manish Kaveri Housing Society Ltd., Manish Nagar, 4 Bunglows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such

apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Teja Singh Cheema (Transferor)
2. Mr. Hans Raj G. Panjwani & Mrs. Savita H. Panjwani. (Transferee)
3. ---
(Person in occupation of the property)
4. ---
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 44, 4th Floor, Building No. 18, 'A' Wing, Manish Kaveri Housing Society Ltd., Manish Nagar, 4 Bunglows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AB-II/37EE/9002/84-85 dated 6th August, 1984.

Dated : 10th April, 1985

Seal .

(Strike off where not applicable..)

निर्देश २० अर्द्ध-2/37-ईई/10228/84 85-- अतः मुझे तन्मण दास अधीन अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम बहाल हो जाने पर 269 के अधिनियम के अन्तर्गत वही अधिकारों के अन्तर्गत बहाल करने के लिये आवश्यक है और किन्हीं के अन्तर्गत 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दान में सविधा के लिए ओर/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की जिन्हें भारतीय आदर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 289 के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 289 की धारा (1) के अधिनियमलिखित अधिनियमों, अधिनियम —

1. कुल रूप में या अंश में। (अन्तर्गत)

2. प्रकाश उमाकत में। (अन्तर्गत)

3. (40) के लिए जिन्हें अधिनियम में सम्मिलित है)

4. (13) के लिए जिन्हें अधिनियम में सम्मिलित है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू कर रहा हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए मैं कोई भी आदेश —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की जायेगी।
दिया का अधि या एक्सवभी व्यक्ति पर

सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक हो सके, समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त सम्पत्ति का अर्जन करके व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से 40 दिनों के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के द्वारा लिखित में लिखा जा सकेगा।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के अन्तर्गत परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्गत

तारीख 10/11/1985
साहं
(जो लागू न हो उक्त धारा के लिए)

अन्तर्गत अधिनियम नं. 2/37-ईई/10228/84-85
85 और या अन्तर्गत अधिनियम नं. 2/37-ईई/10228/84-85
23-8-1984 को रजिस्ट्रार लिखित में लिखा है।

तारीख 10/11/1985

साहं

(जो लागू न हो उक्त धारा के लिए)

Ref. No AR-II/37EE/10228/84-85 — Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing No 2 D, Ground Floor, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 26A of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the

transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Miss K. P. Manghani (Transferor)
2. Prakash Umakant Sant (Transferee)
3. —————
(Person in occupation of the property)
4. —————
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. 2/D, Ground Floor, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10228/84-85 dated 23rd August, 1984.

Dated : 10th April, 1985

SEAL :

(Strike off where not applicable)

बम्बई, 8 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10185/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. में अधिक है और जिसका सं. फर्नट न 202, जो नेबुला अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी इस्टेट ओशिवरा अधेरी (प) बम्बई, में स्थित

है (और इसमें उपावद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और निम्नलिखित करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क.ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पद्धत प्रतिशत में अधिक और अतः (को) और अन्तरता (वा) के बावजूद ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में कोथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधगतः—

1. मेसर्स अरेकम कन्स्ट्रक्शन्स । (अन्तरक)
2. अंतवत जयनाथल कोटक और पुनावा जमवान कोटक । (प्रत्यक्ष)
3. अंतरको
(वह व्यक्ति, जिसने अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —————
(वह व्यक्ति, जिसने शारे में अग्रोहस्ताक्षरी जानता है,
कि यह सम्पत्ति में हिस्सा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में भीतर हिस्सा दंड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 202 नेबुला अपार्टमेंट्स हिरानदानी इस्टेट, ओशिवरा अंधेरी (प) बम्बई में स्थित है।

अनुसूचा जैवकि क.सं.-2/37ईई/10185/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 8/4/1985

साहिर :

(जो लागू न हो उगे वाट दीजिये)

Bombay, 8th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/10185/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 202/Nebula Apartments Hiranandani Estate, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. M/s. Apex Constructions (Transferor)
2. Jaswant Jayantilal Kotak Punia Jaswant Kotak (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

* Flat No. 202/Nebula Apartments, Hiranandani Estate, Oshiwara, Andheri (West). Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10185/84-85 dated 18th August, 1984.

Dated: 8th April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10045/84-85.—अतः मझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे हममें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. डी-5 जो इमारत नं. 2 ब्लू अर्च को-आप० हाउसिंग सोसाइटी 4 बंगलो रोड अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और और अंतरक (कों) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की राश्वत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व या कमी करने या उससे बचने में मतिधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के तयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में मतिधा के लिए

मतः उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत में, से उक्त अधिनियम की धारा 269D की उपधारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन—

1. श्रीमती चंचल अरोरा (अन्तर्गत)
2. डा. श्री कान्था राव । (अन्तर्गता)
3. — (अन्तर्गत अधिनियम के अन्तर्गत है)
4. — (यह व्यक्ति निम्न और से अन्तर्गत अधिनियम के अन्तर्गत है कि वह अन्तर्गत से हितवन्त है ।)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर लागू की गयी है 20 दिनों की अवधि, जो भी अधिक मात्र में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (द) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से 45 दिनों की अवधि के अन्तर्गत सम्पत्ति में हितवन्त व्यक्ति राज्य की सरकार, अधीनस्थानीय के द्वारा लिखित में लिखित जा सकते हैं ।

संश्लेषण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत 20 से परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अधिनियम में दिया गया है ।

अन्तर्गता

“फ्लैट नं. डा-5 बिल्डिंग नं. 2 ब्लू आर्च को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, आंधरी (प) बम्बई 58 में स्थित है ।

अनुसूचा नैसर्गिक नं. गडी-2/37ईई/10045/84-85 और जो तात् प्राप्ति का बम्बई द्वारा दिनांक 16/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 8/4/1985.

मोहर :

(जो लागू न हो उसे हटा दिया है)

Ref. No. AR-II/37EE/10045/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. D-5, Building No. 2, Blue Arch Co-op. Housing Society, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. Chanchal Arora. (Transferor)
2. Dr. Srikantha Rao (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. D-5, Building No. 2, Blue Arch Co-op Housing Society, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10045/84-85 dated 16th August, 1984.

Dated : 8th April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म अई-2/37-ईई/9782/84-85.— अतः मुने लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. अधिक है और जिसकी मं. फ्लैट न 12-ए, जो, 1ली मजिल, “बी” ब्लाक निर्मल आनंद को-आप हाउसिंग सोसाइटी लि., प्लॉट न 107 सी, नवग सिनेमा के सामने, जय-प्रकाश रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है और उसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख. के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय. बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इष्टमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है आर मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके इष्टमान प्रतिफल में ऐसे इष्टमान प्रतिफल के पदह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (को) ओर अन्तरिती (यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मदद के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. एम सजीवा रामा शेट्टी । (अन्तरक)
2. इन्द्रवदन पोपटवाल शाह आर भरत पोपटवाल शहा । (अन्तरिती)
3. -- (वह व्यक्ति, जिसने अधिसूचना में सम्पत्ति है)
4. -- (वह व्यक्ति, जिसने बाबत में अधिसूचना जारी की है, की वह सम्पत्ति में हिस्सा है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी

अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकते हैं ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट न 12-ए, जो, 1ली मजिल, “बी” ब्लाक, निर्मल आनंद को. आप. हाउसिंग सोसाइटी लि., प्लॉट न 107 सी नवग सिनेमा के सामने, जयप्रकाश रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र. म. अई-2-/37ईई/9782/84-85 आर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 का रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख. 8/4/1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/9782/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing Flat No. 12-A, Nirmal Anand Co-Operative Housing Society Ltd., J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M. Sanjiva Rama Shetty, (Transferor)
2. Indravadan Popatlal Shah and Bharat Popatlal Shah (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 12-A, Nirmal Anand Co-Op. Housing Society Limited, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9782/84-85 dated 10th August, 1984.

Dated : 8th April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8959/84-85:— अन. मुद्दे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात, "उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 4-ए, जो 2री मंजिल, दि एवरगार्डेन अपार्टमेंट्स नं1 को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि., जय प्रकाश रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है और इससे उपा-वद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क.ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प-त्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल, निम्नलिखित सूचक में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृदुता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी उक्त या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृदुता के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री. रामचंद्र एम. अट्टाजी। (अन्तरक)
2. श्री अण्ण कुमार एच. वर्मा और श्री अमिताभ एच. वर्मा (अन्तरिती)

3. —

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(यह व्यक्ति, जिसके दावे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 4-ए, जो. 2री मंजिल, दि एवरगार्डेन अपार्टमेंट्स, नं1 को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि., जय प्रकाश रोड, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी सं. अई 2/37ईई/8959/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्ट्री किया गया है

तारीख 8-4-1985

महंर

§ (जो लागू न हो उसे घाट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8959/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 4-A, 2nd Floor, The Evershine Apartments No. 1, Co-operative Housing Society Limited, Jai Prakash Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :

1. Mr. Ramchand M. Ahuja (Transferor)
- Mr. Anoop Kumar H. Verma and Mr. Amitabh H. Verma. (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 4-A 2nd Floor, The Evershine Apartments, No. 1, Co-op. Housing Society Limited, Jai Prakash Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8959/84-85 dated 4th August, 1984.

Dated : 8th April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई. 2/37-ईई/10186/84-85:—
अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. द्कान नं. 12/बी, जो ग्राउंड फ्लोअर, सिल्वर सैंड्स अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी पार्क, यारी रोड, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है) और उसमें उपावद्ध अनमूची में ओर पूर्ण रूप में वर्णित है), और निम्न द्वारा नामा आधार अधिनियम की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के अधीन, बम्बई में रजिस्ट्री के तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उस के दृश्यमान प्रतिकल के निम्ने अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिकल से होने दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और और/अथवा ओर अनन्ति/अतिरिक्तों के बीच होने अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दस्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसमें वृद्धि के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए

उक्त अतः उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स हिरानंदानी कन्स्ट्रक्शन्स प्राइवेट लि.।

(अन्तरक)

2. श्री. परमानंद घनशामदास मलकानी आर. तुमारी स्क—
मीर्गी घनशामदास मलकानी।

(अन्तरिती)

3. अन्तर्गत— (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति जिसने बांधने अधोहस्ताक्षरी जानकारी दिये हुए सम्पत्ति में हिस्सा-पट्ट है)

को यह सूचना जारी करके पदोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पदोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हिस्सा-पट्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का आ आकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"दुकान न 12/बी, जो सिल्वर सैंड्स अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी पार्क, यारी रोड, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची नं. 1/क. म. प्र. 2/37ईई/10186/84-85 और जो महसूस प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 8/4/1985

साहब

(जो नाम नहीं होगा उसे काट दिया जाए)

Ref No. AR-II/37EE/10186/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000— and bearing Shop No. 12/B, Silver Sands Apartments, Hiranandani Park, Yari Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considera-

tion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Hiranandani Constructions Pvt. Ltd.
2. Mr. Parmanand Ghanshamdas Malkani
Miss Rukmini Ghanshamdas Malkani
(Transferee)

3. —
(Person in occupation of the property)

4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No 12/B, Silver Sands Apartments Hiranandani Park, Yari Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10186/84-85 dated 18th August, 1984.

Dated, 8th April, 1985

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं आई-2/37-ईई/10189/84-85—अन
मुने लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) (जिस समूहें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका अर्जित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक
है और जिसकी सं फ्लैट नं. जे/401ए, जो ज्यूपिटर अपार्ट-
मेंट्स, हिरानंदानी एस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी (प.), बम्बई,
में स्थित है) और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की
धारा 269 के ख. के अधीन सक्षम प्राधिकारी के फाटलिग
बम्बई नं. रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वाप्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य
उसके दृष्टमान प्रतिफल में ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पंद्रह प्रति-
शत से अधिक है और अंतरक(कों) और अन्तरिणी(या) के
बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टत, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिदा
की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का
11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य-
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 के अन्तरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 के उ. धारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. हिरानंदानी बिल्डर्स। (अन्तरक)
2. श्री. शशिकांत गोपाल खन्ना और श्री जी वाई खन्ना
(अन्तरिणी)
3. -- (वह व्यक्ति जिसके अधिग्रहण में सम्पत्ति है)
4. -- (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों
जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध
में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्समवधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में मसामत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पक्ष
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. जे/401ए, जो, ज्यूपिटर अपार्टमेंट्स, हिरा-
नंदानी एस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी (प.), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैनाजी प्र. सं. आई-2/37ईई/10189/84-
85 और जो इस प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
18-8-1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2-1-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे कट दिया है)

Ref. No. AR-II/37EE/10189/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS, being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of
1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs 100,000
and bearing Flat No. J/401 A in Jupiter Apartments,
Hiranandani Estate, Oshiwara, Andheri (West),
Bombay-400058 (and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred and
the agreement is registered under section 269AB of
the Income-tax Act, 1961, in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for
an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion, therefore, by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said Instrument of Transfer
with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act, in respect of any income arising
from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income
or any money or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of
the said Act, I hereby initiate proceedings for acqui-
sition of the aforesaid property by the issue of this

notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Hiranandani Builders, (Transferor)
2. Mr. Shashikant Gopal Khanna and Mr. G. Y. Khanna. (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. J/401 A, in Jupiter Apartments, Hiranandani Estate, Oshiwara Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EF/10189/84-85 dated 18th August, 1984.

Dated : 8th April, 1985

SFAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश न अर्द्ध-2/37-ईई/10271/84-85 — अतः मझे लक्ष्मण दास अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें उसमें पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन मझम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि, स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी ग फ्लैट न जे/302 जा अपार्टमेंट्स हिरानदानी इस्टेट, अपनाथर के पीछे, ओशिवरा, अंधेरी (प) बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पुण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन मझम प्राधिकारी के तारिख बम्बई में रजिस्ट्रार है, तारीख 21/8/1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के निम्न अन्तर्गत की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त

सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(को) और अन्तरिनी(यां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी अन्य आरितियों की जिन्हें भारतीय आयदाय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) में धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा एकत्र गृहीत किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ख की उा धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मंगस हिरानदानी विल्डर्स । (अन्तरक)
2. श्रीमती विना प्रभुलाल गहा, और कुमारी विमला भगवानदास अर्थात् । (अन्तरिनी)
3. अन्तरको ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाबद किरी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अनुसूची 20क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उक्त अनुसूची में दिया गया है ।

अगसची

फ्लैट न. जे/302, जो, अपार्टमेंट्स हिरानदानी इस्टेट, अपनाथर के पीछे ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है ।

अनसूची नैसाकी क्र.स.अई-2/37ईई/10271/84-85
आर जा मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24/8/1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 8-4-1985

मोहर

(जा लागू न हो उस काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10271/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. J/302, Jupita Apartments Hiranandani Estate Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri (West) Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

1. M/s. Hiranandani Builders, (Transferor)
2. Smt. Veena Prabhlul Shah Kum. Vimla Bagwandas Shroff. (Transferee)
3. —

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publi-

cation of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. J/302 in Jupita Apartments, Hiranandani Estate, Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10271/84-85 dated 24th August, 1984.

Dated : 8th April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अई-2/37ईई-10191/84-85 —अनसूची नक्षमण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें उसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लेट न बि/609, जो. विलस अपार्टमेंट्स हिरानदानी इस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है) और उसमें उदावद्ध अनसूची में और पूर्णतः वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम के धारा 269 क ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के तत्वावधि, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरण की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (का) और अतिरिती (यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नष्ट पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्वावक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायि में किसी करने या उसमें वृद्धि से सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी अन्य का अन्य आयों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स हिरानंदानी बिल्डर्स । (अन्तरक)
2. श्री, भूपिंदर सिंग धिल्लन । (अन्तरिती)
3. अन्तरकों—
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. वि/609, जो, विनस अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी इस्टेट, 4 बंगलोज, अंधेरी (प) बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी क्रमस. अई-2/37ईई-10191/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख: 8-4-1985

भोग

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10191/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. V/609, Venus Apartment Hiranandani Estate, Four Bunglows, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and

the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Hiranandani Builders, (Transferor)
2. Mr. Bhupinder Singh Dhillon, (Transferee)
3. ———
(Person in occupation of the property)
4. ———
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. V/609, Venus Apartments, Hiranandani Estate, Four Bunglows, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10191/84-85 dated 18th August, 1984.

Dated : 8th April, 1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10190/84-85 :— 'अतः मुझे लक्ष्मण दान आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 प के अधीन न्याय प्राधिकारी को यह विषयगत करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट न. जे/601, जो ज्यूपिटर अपार्टमेंट्स हिरानंदानी इस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई, में स्थित है) और हाथे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारामा आयकर अधिनियम द्वारा की 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयगत करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अन्तरिता (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित की द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए

आतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उपरान्त :-

1. मेमर्स हिरानंदानी इस्टेट्स । (अन्तरक)

2. श्री गुर्गार गोपाल खन्ता और श्री जी. वाई. खन्ता (अन्तरित)

3. अन्तरणों ।

(वह व्यक्ति जिसके प्राप्ति में सम्पत्ति है)

4 —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अज्ञेयताधरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अज्ञेयताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं० जो ज्यूपिटर अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी इस्टेट, ओशिवरा अंधेरी, (प) बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं. अई-2/37ईई/10190/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख:- 8-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10190/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. J/601, Jupiter Apartments, Hiranandani Estate, Oshiwara Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Hiranandani Builders, (Transferor)
2. Mr. Sunil Gopal Khanna and Mr. G. Y. Khanna. (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. J/601, Jupiter Apartments, Hiranandani Estate, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10190/84-85 dated 18th August, 1984.

Dated : 8th April, 1985

SEAL

Strike off where not applicable.

निर्देश सं. अई-2/37-ईई-10188/84-85 :— अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं. 12/ए, जो, सिल्वर सैंड्स, हिरानंदानी पार्क यारी रोड, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के निये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-5 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स हिरनंदानी कन्स्ट्रक्शन्स प्राइ लि० (अन्तरक)
2. कुमारी रुक्मीणी जी. मलकानी और श्री परमानंद जी. मलकानी । (अन्तरिती)
3. अन्तरकों ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. _____
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"दुकान नं. 12/ए, जो, सिल्वर सैंड्स, हिरानंदानी पार्क, यारी रोड, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क.स.अई-2/37ईई-101 88/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10188/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Shop No. 12/A, Silver Sands Hiranandani Park, Yari Road, Andheri (West), Bombay 400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Hiranandani Const. Pvt. Ltd.
(Transferor)
2. Miss Rukmini G. Malkani Mr. Parmanand G. Malkani.
(Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 12/A, Silver Sands, Hiranandani Park, Yari Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for AR-II/37EE/10188/84-85 dated 18th August, 1984.

Dated : 8th April, 1985

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश सं. अई-2/37ईई/8753/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. बि/102, जो, 1ली मंजिल, विनस अपार्टमेंट्स, ओशिवरा, अपना घर के बाजू में, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की राबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. हिरानंदानी विल्डर्म । (अन्तरक)
2. श्री फ्रेडडी भोपटी और श्रीमती निलोफर फ्रेडडी भोपटी (अन्तरिती)
- 3.—अन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)
- 4.— (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. वि/102, जो, 1 ली मंजिल, विनस अपार्ट-मेंट्स, ओशिवरा, अपना घर के बाजू में, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/8753/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE./8753/84-85. —Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No V/102, 1st Floor, Venus Apartments, Oshwara, Near Apna Ghar, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Hiranandani Builders (Transferor)
2. Mr. Freddy Bhopti and Mrs. Niloufer Freddy Bhopti (Transferee)
3. _____ (Person in occupation of the property)
4. _____ (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No V/102, 1st Floor, Venus Apartments, Oshiwara, Near Apna Ghar, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE./8753/84-85 dated 1-8-1984.

Dated : 8th April, 1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8905/84-85 :—अतः मुझे नक्षमण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम कहा गया है”) की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 201, जो, 2 री मंजिल, निर्माण कॉटेज, टी. सी. एम. नं. 1036, ऑफ जे. पी. रोड, बर्सावा, बम्बई-68. में स्थित है) और इसमें जपाबद्ध अनुमति में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क के अधीन, मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में मविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी इन या अन्य आरितियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उद्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. अब्दुल शकुर अब्दुल करेम। (अन्तरक)
2. रेनु देवी कन्हैयालाल विधानी और तुलसी-दाम परसगम विधानी। (अन्तरिती)

3. अन्तरितियों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अनुच्छेद 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं., 201, जो, 2 री मंजिल, निर्माण कॉटेज, सी. टी. एम. नं. 1036, आफ जे. पी. रोड, बर्सावा, बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/8905/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE./8905/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 201, 2nd Floor, Nirman Cottage, Off J. P. Road, Versova, Bombay-68 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 29AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Abdul Shakoor Abdul Karim (Transferor)
2. Renudevi Kanayalal Vidhani & Tulsidas Parsram Vidhani (Transferee)
3. Transferees
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned known to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor, Nirman Cottage CT. S. No. 1036, Off J. P. Road, Versova, Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE./8905/84-85, dated 4-8-1984.

Dated : 8-4-1985

SEAL

(Strike o/ where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9766/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी प्लॉट नं. 3, जो, 1 ली मंजिल, शिवा प्रिमायसेम, सिमर रोड, अंबोली, अंधेरी (प), बम्बई-58. में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरकों और अन्तरिती/अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री पिटी मार्टीन्स, और श्रीमती मार्गरेट मार्टीन्स (अन्तरक)
2. श्रीमती कविता पप्पू वर्मा, और श्री पप्पू बी. वर्मा (अन्तरिती)
3. अन्तरिता और उनके परिवार सदस्य (यह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. — (यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्वय

“फ्लैट नं. 3, जो, 1 ली मंजिल, शिवा प्रिमायमस, मिसर, रोड, अंबोली, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9766/84-85 और जो मशम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ता. 8-4-1985

मोहर:

(जो नाग न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9766/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 3, 1st Floor, Sheeba Premises, Caesar Road, Amboli, Andheri (W) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 256AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Piety Martins & Mrs Margaret Martins (Transferor)
2. Mrs. Kavita Pappu Verma & Mr. Pappu B Verma (Transferee)
3. Transferees (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3, 1st Floor, Sheeba Premises. Caesar Road, Amboli, Andheri, Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9766/84-85, dated 10-8-1984

Dated . 8-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10397/84-85. —अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 201, जो, 2 री मंजिल, "वर्ण" हाउसिंग सोसाइटी लि., जे. पी. रोड, वर्मावा, बम्बई-61. में स्थित है) और इसमें स्थावर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 28-8-1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्दह प्रविणत से अधिक है और अनुरक्त/अंतरक्त और अन्तरिनी/अन्तरिनीया के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक्त का दायित्व से कमी करने या उसमें बचने से मजिदगी के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी अन्य या अन्य आगित्यो की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रवाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, निम्नलिखित मजिदगी के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग क अन्तरण से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) क अधीन, निम्नलिखित वर्णितों प्रतिकल —

- 1 श्री गोपान कृष्णा सस्मेता और श्रीमती स्वरत कृष्णा सस्मेता (अन्तरक्त)
- 2 श्री विजय खेमका, और श्रीमती खेमका (अन्तरिनी)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना को तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अनुच्छेद 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अनुच्छेद में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 201, जो, 2 री मंजिल, "वर्ण" को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि., जे. पी. रोड, वर्मावा, बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. ग. अई-2/37-ईई/10397/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ता. 8-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10397/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "Said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 201, 2nd Floor, Varun CHSL, J. P. Road, Versova, Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AR of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of

such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Gopal Krishna Saxena & Smt. Swaran Krishna Saxena (Transferor)
2. Shri Vijay Khemka & Smt. Sushma Khemka (Transferee)
3. _____ (Person in occupation of the property)
4. _____ (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor, 'VARUN' Co-op. Hsg. Society Ltd., J. P. Road, Versova, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE, 10397/84-85, dated 28-8-1984.

Dated : 8-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

166 GI/85-27

निर्देश नं. अई-2/37-ईई/10119/84-85 :—अतः

मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी मं. दुकान नं. 10, जो. ग्राउंड फ्लोअर, "बेन्डर", (प्लॉट नं. 9 और 9-ए, एम. नं. 41 (अंश), ओशिवरा, 4 बंगलोज, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनमूची में अंश पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 ब्ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम से दृष्यमान प्रतिफल के दिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक(कों) और अंतर्गत(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में अहित नहीं भिन्न गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती कविता ए. अय्येजा । (अन्तरक)
2. काचन गोविंद विमान्नी । (अन्तरिनी)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधाहस्योक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हिस्सा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“दुकान नं. 10, जो, ग्रांड फ्लोर, “बेन्जर”, प्लॉट नं. 9 और 9A, एस. नं. 41(अंश), ओशिवरा 4 बंगलो, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10119/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ता: 8-4-85

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE./10119/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Shop No. 10, Gr. Floor, BENZER, Plot No. 9 & 9A of S. No. 41(pt) Oshiwara, 4 Bungalows, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Kavita A Alreja (Transferor)
2. Kanchan Gobind Khimani (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 10, Gr. Floor, ‘BENZER’, Plot No. 9 & 9A of S. No. 41(pt) Oshiwara, 4 Bungalows, Andheri(W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE./10119/84-85, dated 18-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10335/84-85 :—अतः सूजे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं. ए-11, जो, इमारत नं. “ए” 1 ली मंजिल, सुनील निवास को-ऑप. हाउसिंग सोसायटी लि., प्लॉट नं. 89 और 90, 4 बंगलो, जे.पी. रोड, अंधेरी (प), में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है

तारीख 25/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य : का के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित को गई है और नवो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिगत में अधिका है और आर. (को) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय माना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण विधि में प्रामाणिक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की शान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में बामी करने का उसमें दखने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की उचित भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्रीमती सुपमा के. गेहानी (अन्तरक)
2. श्री विनोद के. शहा (अन्तरिनी)
3. अंतरिनी
(वह व्यक्ति, जिसने अधिसंग में सम्पत्ति है)
4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानना है, को वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्ष्य —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोची

“प्लैट नं. ए-11, जो, इमारत नं. “ए”, 1 लो मंजिल, सुनील निवास को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., प्लॉट नं. 89 और 90, 4 बंगलो, जे.पी. रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुमोची जैसा कि क्र.सं. अई-2/37ईई/10335/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ता० 8-4-84

मोहर :

*(जो लागू न हों उन्हें काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE./10335/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. A-11, Bldg. A, 1st floor, Sunil Niwas CHSL Plot No. 89 & 90 4 Bungalows, J. P. Road Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Sushma K Gehani (Transferor)
2. Mr. Vinod K Shah (Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. A-11, Bldg. A, 1st floor, Sunil Niwas Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Plot No. 89 & 90, 4 Bungalows, J. P. Road, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37/E 10355 84-85, dt. 25-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/8982/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया" है) की धारा 269ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लेट नं. 402, जो, 4थी मंजिल, पुरुषोत्तम इमारत, मन्मणि पुरषोत्तम का-अप हाउसिंग सोसाइटी लि., 21, जे. पी. रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कगारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (का) और अन्तरिती (या) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में वाधित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-पर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्री सुरेश रतीनाथ शहा और श्रीमती ज्योत्सना सुरेश शहा।

(अन्तरक)

2 श्री अर्जुन जे सानी और श्री अश्व जे. सोनी।

(अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसे अधिनियम में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अत्राध बाद में समाप्त होना हो, के अन्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'प्लेट नं. 402, जो, 4थी मंजिल, पुरुषोत्तम इमारत, मन्मणि पुरषोत्तम का-अप हाउसिंग सोसाइटी लि. 21, जे. पी. रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-2/37/ईई/8982/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 8-4-1985

मोहर।

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37FE/8982/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 402, Purshottam Building, Rukhmuni Purshottam Co-operative Housing Society, 21, J. P. Road, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or,
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Suresh Ratilal Shah, Smt. Jyotsna Suresh Shah (Transferor)
2. Shri Anil J. Soni & Shri Ajay J. Soni (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 402, Purshottam Building, Rukhmuni Purshottam Co-operative Housing Society, 21, J. P. Road, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8982/84-85, dt. 6-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अई-2/37/ईई/8983/84-85 —अत मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् "उक्त अधिनियम" माना गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विष्वास करने का कारण है कि यथावत सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 - रु. से अधिक रहा है और जिसकी फ्लैट नं० 302 जी पुरुषोत्तम हमारत, रुक्मिणी पुरुषोत्तम को-ऑप हाउसिंग सोसायटी, 21, जे. पी. रोड, अंधेरा (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 6/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पट्टे प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शान्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निशों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती एम. जी. गोपालानी । (अन्तरक)

2. श्री सुरेश रमोलाल शह और श्रीमती ज्योत्सना सुरेश शह । (अन्तरक)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अन्वय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 303, जो, पुरुषोत्तम इमारत, रुक्मणि पुरुषोत्तम को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, 21, जे. पी. रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि अ. म. अई-2/37ईई/8983/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिया जाये)

Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

transferee for the purposes of the Indian or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. S. G. Gopalani (Transferor)

2. Shri Suresh R. Shah & Smt. Jyotsana S. Shah (Transferee)

3. —

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 303, Purshottam Building, Rukhmani Purshottam Co-operative Housing Society, 21, J. P. Road, Andheri(W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8983/84-85, dt 6-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

Ref. No. AR-II/37EE/8983/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 303, Purshottam Building, Rukhmani Purshottam Co-operative Housing Society, 21, J. P. Road, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the

(परिण स. अई-II/37-ईई/10102/84-85 --अन मुझे, लखमण राम जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) का द्वारा 269B के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु से अधिक है और जिसकी फ्लैट न. 84, जो, रूप दर्शन "ब" इमारत, सप्त तरंग को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि, सी डी. बर्फवाल मार्ग अधरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269B के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिती/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आदकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति अर्थात् —

1. प्रवीण बाबूला पचाल और काशिवेन बाबूला पचाल। (अन्तरक)

2. बसन्तबाब रणछोडदास ठक्कर । (अन्तरिती)

3 —

(वह व्यक्ति जिसके अविभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाई शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट न. 84 जो रूप दर्शन "ब" इमारत, सप्त तरंग को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि सी डी बर्फवाल मार्ग अधरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि स अई-2/37ईई/10102/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख . 8-4-1985

मोहर .

(जा लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EU/10102/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 84, Roop Darshan B Building, Sapt Tarang Co-operative Housing Society Ltd., C. D. Barluwala Marg, Andheri(W) Bombay 58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 26JC of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Pravin Babulal Panchal & Kashiram Babulal Panchal (Transferor)
2. Vasantlal Ranchhoddas Thakkar (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 84, Roop Darshan B Building, Sapt Tarang Co-operative Housing Society, Ltd., C. D. Barfiwala Marg, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10102/84-85. dt 18-8-1984

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9773/84-85.—अतः मझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और

जिसकी पर्यटन 707, जो 7 वां मंजिल, निम्न अपार्ट-मेंट्स, निम्न शांति स्टैंड को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि. जो. पा. रोड अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुगृहीत में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कब के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10-8-1984 को पूर्ववर्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि पश्चात्पूर्ववर्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्गत/अन्तर्गतों और अन्तर्गत/अन्तर्गतियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी ढाग या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. परवेश चंदर वात्रा । (अन्तरण)

2. देवेन्द्र चंद्रयान देवस्यकर । (अन्तर्गती)

3. अन्तर्गती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4.—

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्ववर्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्ववर्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 707, जो, 7 वी मंजिल, शिवम अपार्टमेंट्स, शिव शॉपिंग सेंटर कॉ-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., जे. पी. रोड अधेरी (प.), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची (जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9773/84-85 और जो यत्र प्राधिकार बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट देंगिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9773/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 707, 7th floor, Shiv Shopping Centre Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Parvesh C. Batra (Transferor)
2. Devendra C. Dorubkhan (Transferee)
3. Transferee (Person in occupation of the property)
4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 707, 7th floor, Shivam Apartments in Shiv Shopping Centre Co-operative Housing Society Ltd., Andheri(W) Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9773/84-85, dt. 10-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8840/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवदास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 504-सी जो, गोल्डन चारिओट को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., 4 बंगला, ओशिवरा, (प.), बम्बई -58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा

आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सशम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरकों और अन्तरिती/अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें कटने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

उक्त प्रबन्ध उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्री इंदरजीत दारीया । (अन्तरक)

2 श्री राजनीकान्त आर. शहा, और श्रीमती एन. आर. शहा (अन्तरिती)

3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 504-सी, जो, गोल्डन चारोआट को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., 4 बंगलो अंधेरी (प.), ओशिवरा, बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूचक जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/8840/84-85 और जो सशम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1984 को रजिस्टर्ड किया जा है ।

तारीख : 8/4/1985.

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II37EE./8840/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 504-C, Gold Chariot Co-operative Housing Society Ltd., Oshiwara, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Inderjit Dariya (Transferor)
2. Shri Rajnikant R. Shah & Mrs. N. S. Shah (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 504-C, Gold Chariot Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 15-5, S. No. 41- 4 Bungalows, Oshiwara, Bombay-58.

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE./8840/84-85, dt. 2-8 1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9801/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें हमके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 505, जो, सी फ्रेस्ट 1, 7 बंगलोज, वर्मावा, बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दानत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. लेफ्टनंट कर्नल बि. जी. कोतवाल । (अन्तरक)
2. श्रीमती भाला जेयानंदानी और श्री हरीश जेयानंदानी (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 505, जो, सी फ्रेस्ट 1, 7 बंगलोज, वर्मावा बम्बई-61 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9801/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख: 8/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9801/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 505, Sea Crest, I, 7 Bungalows, Versova, Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :

1. Lt. Col. V. G. Kotwal (Transferor)
2. Mrs. Mala Jethanandan and Mr. Harish Jethanandani (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 505, Sea Crest, I, Seven Bungalows, Versova, Andheri, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9801/84-85, dt. 10-8-1984.

Dated : 8-4-1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश नं. अई-2/37ईई/9757/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. ए-52, जो, 5वीं मंजिल, गंगा भवन, जय प्रकाश रोड, वर्मोवा, अधेरी (प.), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिनी(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रमिला जसपाल हर्यानी और श्री विजय जसपाल हर्यानी। (अन्तरक)
2. श्रीमती नदिनी बाबू नाडकर्णी और श्री बाबू शंकर नाडकर्णी। (अन्तरिनी)
3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. ए-52, जो, 5वीं मंजिल, गंगा भवन, जयप्रकाश रोड, वर्सोवा, अंधेरी (प.), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9757/84-85 और जो सूक्ष्म प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 8/4/1985

मोहर:

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9757/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. A-52, Ganga Bhavan, J. P. Road, Versova, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Pramila Jaspalharyani & Mr Vijay Jaspal Haryani (Transferor)
2. Mrs. Nandini Baboo Nadkarni & Mr. Baboo Shankar Nadkarni (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty-five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. A-52, "Ganga Bhavan", Jay Prakash Road, Versova, Andheri(W) Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE./9757/84-85, dt: 10-8-1984.

Dated : 8-4-1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-2/37ईई/10058/84-85:—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी में फ्लैट नं. ए-1, जो, ग्राउंड फ्लोर, “आशिर्वाद” इमारत, वीरा देसाई क्रॉस रोड नं. 1, अंधेरी (प.), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा प्रायकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. इष्टदेव सदन को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी ।
(अन्तरक)
2. श्रीमती प्रमिला मुरलीधर । (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है ।)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है की
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. ए-1, जो, ग्राउंड फ्लोर, “आशिर्वाद” इमारत, वीरा देसाई क्रॉस रोड नं. 1, अंधेरी (प.), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10058/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख :- 8-4-1985

मोहर :

(जो) लागू न हो उसे काट दीजिये

Ref. No. AR-II/37EE/10058/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. A-1, Gr. floor, Ashirwad Bldg., Veera Desai X Road No. 1, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Ishtadev Sadan Co-operative Housing Society (Transferor)
2. Smt. Pramila Muralidhar (Transferee)
3. -Do- (Person in occupation of the property)
4. -Do- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. A-1, Gr. floor, 'Ashirwad' Bldg., Veera Desai Cross Road, No. 1, Andheri(W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. A-II/37EE./10058/84-85, dt. 17-8-1984.

Dated : 8-4-1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ई ई/8743/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 604, जो, 6 वी मंजिल, बेनाहूर को-ऑप, हाउसिंग सोसाइटी लि. विंग-सी प्लॉट नं. 15/8, एम. नं. 41 आफ 4 बंगलोज, दसना अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की श्राव्य, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उा धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमति जयवंती जेथानंद नागपाल । (अन्तरक)
2. श्री श्रीचंद एम. ठाकुरेल । (अन्तरिती)
3. श्री एस.एस. ठाकुरेल
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 604, जो 6 वीं मंजिला, बेनहूर को आप, हाउसिंग सोसाइटी लि., बिग-सी, प्लॉट नं. 15/8, एस. नं० 41, आफ 4 बंगलोज, अंधेरी (प.), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैना की क्र. सं. अ ई-2/37ईई/8743/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 8/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8743/84-85.—Whereas, I Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 604, 6th floor, Benhur CHSL, Versova, Andheri, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Smt. Jaivanti Jethanand Nagpal (Transferor)
- Shri Srichand S. Thakurel (Transferee)
- Transferee
(Person in occupation of the property)

4. -Do-

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor, Benhur Co-op. Hog. Soc. Ltd., Wing No. C, Plot No. 15/8 S N. 41, Off Four 8743/84-85, dt. 1-8-1984.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8743/84-85, dt. 1/8/1984.

Dated 8-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अ ई-2/37—ईई/10149/84-85:—अन: मुने, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसमें पश्चात् “उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि यथावत सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 33-ए, जो, मुनिन निवास को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., 4 बंगलोज, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(को) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शकत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(क) उस किसी आ या किसी इन या अन्य आस्ति या की जिन्हें भारतीय आयदा र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयदा र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयदा र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उपोक्तार्थ अन्वयि द्वारा प्रकाशित किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मदद करने के लिए।

अब अब उक्त अधिनियम की धारा 269A के अनुसर्जन में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269A की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति या अर्थों —

- 1 श्री. एन. क. कवानी (अन्तर)
- 2 श्रीमति वि. वि. भट (अन्तरिनी)
- 3 —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4 —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अज्ञातस्थानी जानकारी है की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पब्लिक सम्पत्ति के लिए फाँट कागजातों का इस्तेमाल करना है। उक्त सम्पत्ति का अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिनों की अवधि या तत्समवर्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिनों की अवधि या भी अवधि बाद में समाप्त जानी जा, के भीतर पब्लिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किया जा सकता है।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 33 ए, जे. मनीरम निगा को अप हाउसिंग सोसाइटी, 4 बंगला जेधरी (प०) बम्बई 55 में स्थित है।

अनुसूची जे 1 की क्रम अर्द्ध 2/37ईई/10149/84-85 और जे अक्षम प्राप्ति गरा बम्बई द्वारा दिना 18/8/1984 को प्रकाशित किया गया है।

तारीख 8/4/1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे वापस लिजिये)

166 Cl 85-29

Ref No AR-II 37EE 10149 84-85 —Whereas I Laxman Das being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000 and bearing Flat No 33 A Sunil Ni is CHSL, 4 Bungalows Andheri Bombay-55 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

- 1 Mr O. I. Kotwani (Transferor)
- 2 Vasanti Vishnu Bhat (Transferee)
- 3 — (Person in occupation of the property)
- 4 — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 33A, 3rd floor, Sunil Niwas Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Andheri (W) Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10149/84-85, dt. 18-8-1984.

Dated : 8-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9076/84-85 :— अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्रापटी व्हिलेज अंबिवली सिटी सर्वे नं. 217 और 217 (1 से 4), अंधेरी, बम्बई में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. विन्सेन्ट डिमेलो, और रेनारड डिमेलो (अन्तरक)
2. मैसर्स इंटरिन्टेल कन्सल्टिंग्स (अन्तरिती)
3. अन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के राजपत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“प्रापटी व्हिलेज अंबिवली सिटी सर्वे नं. 217 और 217 (1 से 4), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई-2/37ईई/9076/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9076/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property situated at Village Ambvali City Survey No. 217 & 217 (1 to 4) Mun. Ward No. K-5674(1) 46 BA Ambivali Pada Zavali Shed (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Vincent D'Mello & Reynold D'Mello
(Transferor)
2. M/s. Interintel Constructions (Transferee)
3. Transferors
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property bearing Survey No. 217 & 217(1 to 4) Municipal Ward No. K-5674(1) 46 BA Ambivali, Pada Zavali Shed, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9076/84-85, dt. 9-8-1984.

Dated : 8-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9083/ 84-85 :— अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,000,00/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. बी-13 जो चौथी मंजिल, पाप्युलर अपार्टमेंट्स को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि. 4 बंगलो, जे.पी. रोड, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है) (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जगजीत सिंग धरमसिंग अनेजा, (अन्तरक) और श्रीमति परमजीत कौर जे. अनेजा ।
2. श्रीमति ज्योत्सना जनार्दन प्रभु (अन्तरिती) और कुमारी माधवी जनार्दन प्रभु ।

3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. बी-13 जो, चौथी मंजिल, पॉपुलर अपार्टमेंट्स को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि 4 बंगलोज, जे पी. रोड, अंधेरी, बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. म. अई-2/37ईई/9083/84-85 और जा मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9/8/1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II 37EE. 9083 84-85.—Whereas, I, Laaman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. B-13, Popular CHSL, 4 Bungalows, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Jajitsingh Dharum Singh Arnedi and
Mrs. PParamjeet Kaur Jagjit Singh Arnedi
(Transferee)
2. Mrs. Jyotsna Janardhan Prabhu and
Kum. Madhavi Janardhan Prabhu
(Transferee)
3. Transferees
(Person in occupation of the property)
4.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B-13, Popular Co-op. Hsg. Soc. Ltd. 4 Bungalows, J. P. Road, Andheri (W) Bombay 58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II 37EE 9083 84-85, dt. 9-8-1984.

Date : 8-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म. अई-2/37-ईई/10043/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पञ्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 605, जो. 6 वी मंजिल सी ब्रेड 7 बंगलोज, बर्मोवा रोड, अंधेरी (प.), बम्बई-61 में स्थित है) और इसमें उपावद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधिन, मक्षम प्राधिकारी

के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-8-1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दायमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल के, ऐसे दायमान प्रतिफल के पदार्थ प्रतिफल में अधिक है और अन्तर्क (को) और अन्तरिनी (या) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में दर्जित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वारन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री नरेंद्र सिंह घेरी । (अन्तरक)
2. श्रीमते नवनीवाई के स्वामिनी और (अन्तरिनी)
श्री कन्हैयालाल डी खानानी ।
3. —————
(वह व्यक्ति, जिसके अभिभाग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्य में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्वामिनी सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण —उसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आय अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 2(0) में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 605 जो, 6वीं मंजिल मी ब्रेजी, 7 बंगला, वर्सोवा रोड, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम में आई-2/37ईई/10043/84-85 और जो महाम प्रार्थिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16/8/1984 का रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 8-4-1985

सोहर :

(जो लागू न हो उसे का दाखिले)

Ref. No. AR-II 37EE/10043/84-85.—Whereas, I, Lakman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing Flat No. 605, 6th floor, SEA Freeze, 7 Bungalows, Versova Road, Andheri (W) Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Narindar Singh Bedi
Co. (P) Ltd. (Transferor)
2. Mrs. Laxmibai K. Gwalani & Mr. Kanayalal (Transferee)
3. (Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 605, 6th floor, SEA Breeze, 7 Bungalows, Versova Road, Andheri (W) Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-113/LL. 10043/84-85, dt. 16-8-1984

Dated : 8-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10337/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 6/ए जो, कविता अपार्टमेंट्स सी० टी० एस० 1030, यारी रोड, वर्सोवा अंधेरी, (१), बम्बई-61 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मेरजीस्ट्री है, तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (फॉ) और अन्तरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,

निर्दिष्ट रद्दीय से उक्त अंतरण लिखित में दारदिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के स्वीकृत्य से कमी करने या उससे बढ़ने से सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी डाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने से सविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तरण से, या उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उप धारा (1) के अधीन, निर्मानिहित धनियों अर्थात्—

1. श्री केदारनाथ राय (अन्तरक)
2. श्रीमति. उपा जयराम चावला । (अन्तरिती)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए बर्णवाहियां शुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में अंतर हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में, परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान न. 6/ए, जो, कविता अपार्टमेंट्स सी.टी.एस. 1030, यारी रोड वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्रम सं. अई-2/37ईई/10337/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 8-4-1985

गोहर

जो लागू न हो उसे काट देंगे ।

Ref. No. AR-II,37EE,10337/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 109B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 5/A, Kavita Apartments, CTS No. 1050, Yari Road, Versova, Andheri (W) Bombay-61 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 209AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Kedarnath Rai (Transferor)
2. Mrs. Usha Jairam Chawla (Transferee)
3. —

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of

the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 6 A, Kavita Apartments, CFS No. 1030, Yari Road, Versova, Andheri (W) Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37LL,10337/84-85, dt. 25-8-1984

Dated : 8-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अई-2/37-ईई/8744/84-85. --अन. मुझे, लक्ष्मण दाम आयर आर्धनियम 1961 (1961 का 43) (त्रि: ड मे इमो: पश्चात् "उन अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन वक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्यात्र सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 13 जे. "ए" इमारत, पहली मजिल, इंदर-सुख को आप. हाउसिंग सोसाइटी लि. प्लॉट नं 143/1/बी, 4 बंगला रोड, जे पी. रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनमची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में दाम्निक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सविधा के लिए और/त

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए ;

अन. अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राम नरेशदास खत्री। (प्रसार)
2. श्री सईद चौहान और अहमद चौहान। (अन्तरिती)

3. —अनारक्ष

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है,
की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के दर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के दर्जन के संबंध
में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
गठना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 13, जो, "ए" इमारत, पड़वी मंजिल, इंड्र-
सुख को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि, प्लॉट नं. 143/
4/बी, 4 बंगला राड, जे.पी. रोड, अंधेरी (प),
बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र.सं.-2/37ईई/8744/84-85
और जो सक्षम प्राविगरी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984
की रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE. 8744/84-85.—Whereas, I,
Laxman Das, being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of
1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 100,000 -
and bearing Flat No. 13, A Bldg., 1st floor, Indra-
Sukh CHSL, Plot No. 143/4 B, 4 Bungalow
Road Andheri (W) Bombay-58 (and more
fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the
Office of the Competent Authority at Bombay on
1-8-1984 for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid prop-
erty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said Instrument of
Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act, in respect of any income arising
from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income
or any money or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferor for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of
the said Act, I hereby initiate proceedings for acqui-
sition of the aforesaid property by the issue of
notice under sub-section (1) of Section 269D of the
said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Ram Tirathdas Khatri (Transferor)
2. Mr. Saeed Chauhan & Mr. Ahmed
Chauhan (Transferee)
3. Transferor
(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said
property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of forty-five days from the date of
publication of this notice in the Official
Gazette or a period of thirty days from the
service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from
the date of the publication of this notice in
the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 13, A Bldg., 1st floor, Indra-Sukh CHSL,
Plot No. 143/4 B, 4 Bungalow Road, J. P. Road,
Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Compe-
tent Authority, Bombay under Serial No. AR-
II 37EE. 8744/84-85, dt. 1-8-1984.

Dated : 8-4-1985.

Seal :

Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई-2/37-38/10409/84-85 - अतः महे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस अधिनियम के अधीन "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 व के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि आधार सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/ रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 403, जं. 4 थी मंत्रालय, इमारत नं. 19, अपना घर यूनित नं. 5 को आप हाउसिंग सोसाइटी लि., विलेज ऑशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 28-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और महे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति-जन्य से अधिक है और अन्तर्गत (को) और अन्तर्गत (यो) के बीच अंतरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तर्गत लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तर्गत से हुई किसी आप की बावत आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सहायता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी अन्य या अन्य आगियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. मेमर्स समर्थ डेवलोपमेंट प्रापर्टिज। (अन्तर्गत)
2. श्री प्रसाद वासुदेव कुलकर्णी। (अन्तर्गती)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिस वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवृत्त है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवृत्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 403, जं. 4 थी मंत्रालय, इमारत नं. 19, अपना घर यूनित नं. 5 को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि., विलेज ऑशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की सं. आई-2/37-38/10409/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1/4/1985

माहिर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II 371-I, 10409/84-85 --Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing Flat No. 403, 4th floor, Bldg., No. A 19 Appa Ghar Unit No. 5 Co-op. Hsg. Soc. Ltd, Oshiwara, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M. S. Samarth Development Corpn.
(Transferor)
2. Shri Prasad Vasudeo Kulkarni (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Building No. A/19, Apna Ghar Unit No. 5 Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Village Oshiwara, Andheri (W) Bombay-53

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-11/57EE/10409/84 85, dt. 28-8-1984

Dated : 1-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अट-2/37ईई/8930/84-85 :- अतः मझे, लक्ष्मण दाम आयर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन गन्तव्य प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का कारण है कि म्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. में अधिष्ठित है और जिसकी सं. फ्लैट नं 005, जो अपना घर युनिट नं 1 को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि० इमारत नं. ए-4(ए), ओशिवरा आफ जे.पी. रोड, 4 बंगलोज के पास, अंधेरी (प), बम्बई-58. में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के पट्टह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में दर्शाया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मदद के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आगितियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मदद के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, उभारता :-

1. समर्थ डेक्लरमेंट कार्पोरेशन। (अन्तर 1)
2. श्रीमती. शकीला टी. शामसु और
श्री. माहिब अब्दुल ग़ादर। (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 005, जा, सनाथर यूनिट नं. 1 को-प्राप. हाउसिंग सोसाइटी लि., इमारत नं ए-4(ए), ऑर्गन-वात आक जे.पा.राड, 4 वगना के पास, अरोरा(ए), बम्बई-58 मे स्थित ह।

अनुसूचा जैना को क्र.स.अई-2/37ईई/8930/84-85
जॉर जा मलम प्रावितारा बन्वई द्वारा दिनांक 4-8-1984
को रोजमूद किया गया है।

तारीख 1-4-1985

माहूर :

(जा लागू न हा उच काट दीजिए)

Ref. No. AR-11/37EE/8930/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 005, Bldg., No. A-4(a) Apna Ghar Unit No. 1 CHSL, Andheri (W) Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

1. Samantha Development Corporation
(Transferor)
2. Smt Shakila T Shamu & Shri Sahib Abdul
Quadar
(Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 005, Bldg., No. A-4(a), Apna Ghar Unit
No 1 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Off J. P.
Road, Near 4 Bungalows, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II 27ET/8930/84-85, dated 4-8-1984.

Dated . 1-4-1985.

Scal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देशनं. अर्ध-३/३७५ईई/१००८८/८४-८५-—अन. मुझे,
न्याय दान, आय अर्धनियम, १९६१ (१९६१ या ४३)
(जि: इनमें इनमें पर्याप्त "उक्त अधिनियम" यथा गया है)
की धारा २६९ के अन्तर्गत मजदूर प्रावि गरी को, यह विष-
वास करने का कारण है कि मजदूर सम्पत्ति, जिस पर उचित
बाजार मूल्य १००,०००/- के अर्ध अधि है और जिसकी
मं. पर्वत नं ००३, जो, ग्राउंड फ्लोर, इनारन नं. ए-७,
अपना घर यूनिट न ३ को-आप हाउसिंग सोसाइटी लि
अशिक्षा श्री रमणी मयथ नगर, आफ जे पो रोड, बंगलोर के
सामने अधरे (एम्बेस्सी रोड में स्थित है (और इसमें उपाय अन्तर्गत
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारणनामा आयकर
अधिनियम की धारा २६९ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख १७-८-१९८४ को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर (को) और
अंतरिती (या) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किमी आय की दक्षत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्लिखित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए।

अब अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैमर्स समर्थ डेवेलपमेंट कॉर्पोरेशन। (अन्तरगत)

2. श्री हरीचंद जीवन्दास तलवेजा और आमतो तमन्ना हरीचंद तलवेजा। (अन्तर्गति)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिका शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्गति

"फ्लैट नं 003, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, इमारत नं ए-7 अपना घर यूनिट सं 2 को-ऑप. हाउसिंग सोसायटी लि., ऑगिंवरा श्री स्वामी समर्थ नगर, आफ जे. बी रोड, 4 बंगलाज के सामने, अश्वरी (ग), बम्बई-54 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10088/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1-4-1985

सोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/10088/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000— and bearing Flat No. 003, Bldg. No. A-7, Gr. floor, Apna Ghar Unit No. 2 CHSL, Andheri (West) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M s. Samartha Development Corporation (Transferor)

2. Shri Harichand Jeevandas Lalreja & Mmt. Tamanna H. Lalreja (Transferee)

3. — (Person in occupation of the property)

4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 003, Gr. floor, Building No. A-7, Apna Ghar Unit No. 2 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara Shree Swami Samarth Nagar, Off J. P. Road, Opp. 4 Bungalows, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EL/10088/84-85, dt. 17-8-1984.

Dated : 1-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन सं अई-2/37ईई/10270/84-85 :- अतः मुझे), लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संपत्ति नं. 406, जो, 4थी मंजिल इमारत नं. बी-14, अपना घर यूनिट नं. 9 को० आप. हाउसिंग सोसाइटी लि., ओशिवरा श्री स्वामी समर्थ नगर, आफ जे. पी. रोड, 4 बंगलोज के सामने अधोरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उदाहरण अनुसूची में त्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 हख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 24/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (को) और अन्तरनी (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये लय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या वस-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, निषान में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार म, मु उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. मेमसं समर्थ डेवलपमेंट कार्पोरेशन। (अन्तरक)
2. श्रीमती फिलोमिना डिसोझा (अन्तरिणी)
3. --- (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. --- (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 406, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं. बी-14, अपना घर यूनिट नं. 9 को० आप. हाउसिंग सोसाइटी लि. ओशिवरा श्री स्वामी समर्थ नगर, आफ जे. पी. रोड, 4 बंगलोज के सामने, अधोरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई- 2/37ईई/ 10270/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 1/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/10270/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 406, 4th floor, Bldg. No. B-14, Apna Ghar Unit No. 9 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Andheri (West) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Samartha Development Corporation
2. Smt. Philomena Desouza (Transferee)
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 406, 4th floor, Bldg. No. B-14, Apna Ghar Unit No. 9 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Usavara, Shree Swami Samartha Nagar, Off. J. P. Road, Opp. 4 Bungalows, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10270/84-85, dt. 24-8-1984.

Dated : 1-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई—2/37ईई/10089/84-85 :— अतः मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है। (की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संप्लैट नं. 407, जो, 4थी मजिल इमारत नं. ए-22, अपना घर यूनिट नं. 4 को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि. ओशिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, आफ जे. पी. रोड, 4 बंगलोज के सामने, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसी उपायवादी अनुपूची में आर. पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका अधिनियम 1961 की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हेतु तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम का दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल के पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर/अंतरकों और अंतरिती/अंतरितियों के बीच ऐसी अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में दिया नहीं गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

उक्त उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निर्धारित कर विधियों का प्रयोग करता हूँ—

1. मैसर्स समर्थ डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन । (अन्तरक)
2. श्रीमती अन्ना जे. रॉड्रिगुज । (अन्तरिनी)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पब्लिक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अर्थानुसार, 1961 (1961 का 43) के अधिनियम 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अधिनियम में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 407 जो, 4थी मंजिल इमारत नं. ए-22, अपना घर यूनिट नं. 4 को अप हाउसिंग सोसाइटी लि., ओशिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, आफ जे. पी. रोड, 4 बंगलोज के सामने, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि अ. सं. अई-2/37ईई/10089/84-85 और जो पञ्चम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

। (जो नाम न ही उक्त पत्र दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10089/84-85.—Whereas, I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 407, 4th floor, Bldg., No. A-22 Apna Ghar CHSL, Oshiwara, Shree Swami Samarth Nagar, Off J. P. Road, Opp. 4 Bungalows, Andheri (West) Bombay-58 (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Samartha Development Corporation. (Transferor)
2. Smt. Anna Joequine Rodrigues (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 407, Bldg., No. A-22, 4th floor, Apna Ghar Unit 4 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samarth Nagar, Off J. P. Road, Opp. 4 Bungalows, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10089/84-85, dt. 17-8-1984.

Dated : 1-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8996/84-85 :- अन्तः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 004, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं. ए-4(ग) अपना घर यूनिट नं. 1 को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि. विलेज ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका परामर्शनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 6-8-1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के दाम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपावृद्ध सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(कों) अंतर्गती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आगितियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दायित्वार्थ अन्तरगती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित दायित्वों उपावृत्त :-

1. समर्थ डेव्हलोपमेंट कार्पोरेशन। (अन्तरक)
2. श्री अशोक वर्गन पाटकर और श्री वर्गन जी पाटकर। (अंतर्गती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में उपावृद्धाधीन जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पृथक् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथक् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्वय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अन्वय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 004, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं. ए-4 (ग), अपना घर यूनिट नं. 1 को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., विलेज ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि प्र. सं. अई-2/37ईई/ 8996/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे छूट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8996/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 004, Building No. A4(a), Apna Ghar Unit No. 1 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Village Oshiwara, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Samarth Development Corporation
(Transferor)
2. Mr. Ashok Vasant Patkar, Vasant Gpatkar
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 004, Building No. A4(a) Apna Ghar Unit No. 1 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Village Oshiwara, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EF/8996/84-85, dt. 6-8-1984.

Dated : 1-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश नं. अई-2/37ईई/10209/84-85 :—अतः

मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन समक्ष प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 406, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं. ए-22, अपनाधर हाउसिंग सोसाइटी, जय प्रकाश रोड, चार बंगलो, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका अन्तर्-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 बख के अधीन लक्ष्मण प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 21-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (कों) और अंतर्लिखित (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया, गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. समर्थ डेवलपमेंट कारपोरेशन । (अन्तरक)
2. अनील चंदन मन सिधवी । (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी

अर्थात् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आ्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदी

"फ्लैट नं. 406, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं. ए-22, अपनाघर हाउसिंग सोसाइटी, जय प्रकाश रोड, चार बंगलो, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुमोदी जैसाकि व. सं. अई-2/37ईई/10209/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 31/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 1-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10209/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing Flat No. 406, A-22, Apna Ghar Hsg. Society, Jay Prakash Road, Char Bungalow, Andheri (West), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- facilitating the concealment of any income, or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Samanth Development Corporation
(Transferor)
- Anil Chandmal Singhvi
(Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 406, A/22, Apna Ghar Hsg. Soc., Jay Prakash Road, Char Bungalow, Andheri (W) Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/10209/84-85, dt. 21-8-1984
Dated : 1-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9088/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 003, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं. ए-22, अपनाघर युनिट नं. 3, मो-आपः हाउसिंग सोसाइटी लि., ओशिवरा श्री स्वामी समर्थ नगर, जाफ जे. पी. रोड, 4 बंगलो के सामने अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसका उदाहरण अनुमोदी में और पूर्ण रूप से वर्णित है, (और जिस पर कारगरनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269B के अधीन

सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में उस के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, से उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण/अन्तरण और अन्तरिणी/अन्तरिणीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति की जिन्हे भागीगी आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-नग्न से, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मैसर्स समर्थ डेवलपमेंट कार्पोरेशन। (अन्तरक)
2. श्री प्रदीप कृष्णा पाटील। (अन्तरिणी)
3. —
(वह व्यक्ति, जिन्हे अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिन्हे बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त म्यादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के

अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 003, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं. ए-29 अपनाघर युनिट नं. 3 को-ऑप, हाउसिंग सोसाइटी लि. ओशिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, ऑफ जे. पी. रोड ऑफ 4 बंगलोज, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई- 2/37ईई/ 9088/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 9/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 1-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे वाट दोजिये)

Ref. No. AR-II/37EE./9088/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 003, Gr. floor, Building No. A-29, Apna Ghar Unit No. 3 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samarth Nagar, Off J. P. Road, Opp. 4 Bungalows, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely, —

1. M/s. Samntha Development Corporation
(Transferor)
2. Shri Pradip Krishna Patil
(Transferee)

3. —
(Person in occupation of the property)

उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में उचित नहीं किया गया है।

4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मद्दिता के लिए और/या

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मद्दिता के लिए

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उद्घाटित :-

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

1. श्री एम. के. जुनेजा। (अन्तर्गत)

2. मैसर्स इलाईट प्रॉडक्ट्स। (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हिस्सा है)

Flat No. 003, Building No. A-29, Gr. floor, Apna Ghar Unit No. 3 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samarth Nagar Off J. P. Road, Opp. Four Bungalows, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9088/84-85, dt. 9-8-1984.

Dated : 1-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable)

बम्बई, 8 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10163/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं. 28, जो सुनील शापिंग सेंटर, जे. पी. रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपादक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका वारंतामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण/अंतरकों और अन्तरिती/अन्तरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“दुकान नं. 28, जो, सुनील शापिंग सेंटर, जे. पी. रोड अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।”

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10163/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 8-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उभ कोट दिजिये)

Bombay, the 8th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/10163/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 28, Sunil Shopping Centre, J. P. Road, Andheri (West) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri M. K. Juncja (Transferor)
2. M/s, Elite Products, (Transferee)
3. —

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 28, Sunil Shopping Centre, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10163/84-85 dated 18-8-1984.

Dated : 8-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10286/84-85.—अत. मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. डी-2, जो ग्राउंड फ्लोर, कैलाश को-ऑप. हाउसिंग सोसायटी लि. सी. डी. वर्कीवाला मार्ग, जुहू गली, अवेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और फिर भारतीय आयकर अधिनियम की धारा 269C के अधीन पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं दिया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शान्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1 श्रीमती बिमला देवी पिनाडीदार आनंद । (अन्तरक)

2 श्री और श्रीमती आर एम पंचगिर । (अन्तर्गत)

3. —

(वह व्यक्ति, जिनके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. डी-2 जो आउड फ्लोअर, कैलाश को-ऑप. हाउसिंग सोसायटी लि. सी. डी. बर्कीवाला मार्ग जुहू, गली, अवेनी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जमा कि. म. अई-2/37ईई/10286/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 25/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 8-4-1985

मोहर ।

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10286/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000—

and bearing Flat No. D-2, Ground Floor, Kailash Co-op. Housing Society Limited, Juhu Gally), Andheri (West), Bombay-400058 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 27-8-1984 for an apparent consideration which is

1 Mrs. Bimladevi Pindidas Anand

(Transferor)

2. Shri and Smt. R. M. Panchigar

(Transferee)

3. —

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of this notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. D-2, Ground Floor, Kailash Co-op Housing Society, Limited, C. D. Barfiwala Road (Juhu Gally), Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10286 84-85 dt. 25-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8904/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम कहा गया है”) को धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1000,00/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट सं. 204 जो 2 री मंजिल निर्माण कांटेज, सी. टी. एस. 1036 यारी रोड, ऑफ जे. पी. रोड, वर्सोवा, बम्बई-58 में स्थित है) और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरितो/अन्तरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने से सन्दिग्धता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सन्दिग्धता के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में ये उक्त अधिनियम की धारा 269B को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मयद अब्दुल कादर और मयद फरीद । (अन्तरक)
2. जीतराम हजानंद गावतानी और दूरुदेवी जीतराम सावतानी । (अन्तरितो)

3. अन्तरितियों ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. do

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करना हैं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 204 जो 2 री मंजिल निर्माण कांटेज, सी. टी. एस. 1036 यारी रोड ऑफ जे. पी. रोड, वर्सोवा, बम्बई-68 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-2/37ईई/8904/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख:—8-4-1985

मोहर

(जो लागू न हों उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8904/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 204, 2nd Floor, Nirman Cottage, C.T.S. 1036 Yari Road, Off J. P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on

4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Syed Abdul Kadar Syed Farid (Transferor)
(Transferee)
- Jiwatram Hassanand Sawlani Durudevi Jiwatram Sawlani (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd Floor, Nirman Cottage, C.T.S. 1036, Yari Road, Off J. P. Road, Versova, Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/18904/84-85, dt. 4-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश नं. अई-2/37-ईई/10117/84-85.—अत. मुझे, लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसका मूकान नं. 11 जो ग्राउंड फ्लोअर, बेल्जर प्लॉट नं. 9 आर 9-ए, एस. नं. 41 (अंण), ओरिजिनल 4 बगलोज, अंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है) (और इसमें उपावृद्ध अनुशुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (गों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्मानिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के माध्यम से कमी करने या उसमें इन्होंने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आगोश्यों की जिन्हें भारतीय आयदाय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तरण से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उप धारा (1) के अधीन, निर्मानिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्रीमती कविता अलरेजा । (अन्तरक)
2. जानकीबाई प्रिंदास खिमान्नी । (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“दुकान नं. 11, जो ग्राउंड फ्लोर बेन्जर, प्लॉट नं. 9 और 9A, एस. नं. 41(अंश), ओशिवरा 4 बंगलोज, अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है।”

अनुसूची जैगहिस क्र. ग. अई-2/37ईई/100,177/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख :—8-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10117/84-85.—Whereas, 1, Lakshman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 11, Ground Floor, Benzer Plot, No. 9 and 9A, S. No. 41(Part), Oshiwara, Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or :

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Kavita A. Alreja (Transferor)
2. Jankibai Pribhdas Khimani (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 11, Ground Floor, Benzer, Plot No. 9 and 9A, S. No. 41 (Part) Oshiwara, Four Bungalows, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10117/84-85, dt. 18-8-1984.

Dated : 8-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म. अई-2/37ईई/10401/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास अयकर अधिनियम” 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “इक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. ए-33 जो 3री मंजिल, सुनील निवास को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी 4 बंगलोज अंधेरी(प), बम्बई-58

में स्थित है) और इसमें उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 28-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजारमूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शान्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

इतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1 ओ. एल. कोटवानी । (अन्तरक)
- 2 श्रीमती वसन्ती वि. भट्ट । (अन्तरिती)
3. —
- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
- (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानकारी है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त ग्वांन सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“प्लैट नं. ए-33, जो, 3 री मंडिल, सनील निवास का-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, 4 बंगलोस अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10401/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख:-8-4-1985

मोहोर

(जो लागू न हों उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10401/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. A/33, 3rd Floor, Sunil Niwas Co-op. Housing Society, 4 Bunglows, Andheri (West), Co-operative Housing Society, 4 Bunglows, Andheri (West), Bombay 400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. O. L. Kotwani (Transferor)
2. Smt. Vasanti V Bhat (Transferee)

- 3 —
(Person in occupation of the property)
- 4 —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No A/33 3rd Floor Sunil Niwas Co-op Housing Society, 4 Bungalows Andheri (West), Bombay 400058

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No AR-II/37EE/10401/84-85 dt 28/8/1984

Dated 8-4-1985

Seal

(Strike off where not applicable)

निर्देशन म अई-2/37ईई/8994/84-85—अत मुझे, लक्ष्मण दाम गायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने हमने पश्चात् उस अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति निम्नका उचित बाजार मूल्य 100,000/ रु म अधिक है और जिसकी सं प्लॉट न 140-बी कामगार नगर के पास 4 बंगलो, अग्नेरी बसोवा रोड, बम्बई 51 में स्थित है) और हमने उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वम् सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदार्थ प्रतिफल म अधिक है और अन्तरक (को) और अन्तरिती (यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुधिन नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की श्रावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

इत अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसारण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिनियम —

- 1 श्रीमती कुसुमबाई आर ठक्कर और श्री पंडित ताडीकान वेदानवार । (अन्तरक)
- 2 श्रीमती आशा राघवेद्र निराले और श्रीमती सरस्वती बाई दिगवर राव निराले । (अन्तरिती)

3 —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य बाहिया शुरू करता हू । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप —

(क) हम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) हम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“प्लॉट न 140-बी जो कामगार नगर के पास, 4 बंगलो, अग्नेरी बसोवा रोड, बम्बई-59 में स्थित है ।”

अनुसूची जैसाकि क्र म अई-2/37ईई/8994/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6/8/1984 का रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 8-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8994/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 140-B, Near Kamgar Nagar, Four Bungalows, Varsova Road, Andheri (West), Bombay—400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Kusumbai R. Thakkar & Mr. Pandit Tadikant Vedalankar (Transferor)
2. Smt. Asha Raghavendra Nirale and Smt. Saraswatibai Digamber Rao Nirale (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 140-B, Near Kamgar Nagar, Four Bungalows, Andheri (West), Varsova Road, Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8994/84-85 dated 6-8-1984

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8946/84-85—अन् मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे हमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. युनिट नं. 109-बी, जो प्लॉट नं. 22, अंधेरी इंडस्ट्रियल स्टेट को-ऑप. सोसाइटी लि., अंबोवली विहनेज, बीरा देसाई रोड अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूचकों और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरकों और अन्तरिती/अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. अकबर इब्राहीम बूटवाना । (अन्तरक)
2. टी. सधियानाथ । (अन्तरिती)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"यूनिट नं. 109बी, जो, प्लॉट नं. 22, अंधेरी इंडस्ट्रियल इस्टेट को-ऑप सोसाइटी लि., अंबिवली विल्हेज, वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-2/37ईई/8946/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 8-4-1985

मोहोर

(जो लागू न हो उस काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8946/84-85.—Whereas, 1. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing No. Andheri Industrial Estate Co-op. Society Limited, Unit No. 109B Plot No. 22, Ambivli Village, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay—400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considera-

tion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Akbar Ebrahim Bootwala (Transferor)
2. Thayyullathil Sathianath Prop. Laxmi Tools (Transferee)

3. —
(Person in occupation of the property)

4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Andheri Industrial Estate Co-op. Soc. Ltd., Unit No. 109B, Plot No. 22, Ambivli Village, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay—400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8946/84-85 dated 4-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन में अई-2/37ईई/10121/84-85—अन मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु से अधिक है और जिसकी ग पंजीकृत 304 जो पुरुषोत्तम रुक्मणि पुरुषोत्तम हाउसिंग सोसाइटी लि., 21, जे पी रोड, अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अन्तरिनी/अन्तरिनियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने से मुक्ति के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी अंग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्ति के लिए

अन अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उक्त—

1. विजय एन. गोपावानी । (अन्तरक)

2. बाडीलाल नंदू आर जीमनी मिना वि नंदू । (अन्तरिनी)

3. अन्तरिनियों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके द्वारा में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू कराई हैं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित से किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट न. 304, जो, पुरुषोत्तम, रुक्मणि पुरुषोत्तम हाउसिंग सोसाइटी लि., 21 जे पी रोड, अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि व स अई-2/37ईई/10121/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 8-4-1985

मोहोर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37FE/10121/84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 304, Purshottam, Rukmani Purshottam Housing Society Limited, 21 J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- 1 Vijay N. Gopalani (Transferor)
- 2 Vadilal Nandu and Smt Meena V. Nandu (Transferee)
- 3 — (Persons in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. 304, Purshottam, Rukhmai Purshottam Housing Soc. Ltd., 21, J. P. Road, Andheri (West), Bombay—400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II/37EP/10121/84-85 dated 18-8-1984

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अर्दे-2/37-ईई/10066/84-85—अतः मझे, लक्ष्मण राम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार

मूल्य 1 00 000 रु. से अधिक है और जिसकी संपत्ति न 401, जो इसारत "ज्ञान" गी टी. एम. नं. 1243 और 1243/1 ऑफ भारी रोड, वर्मावा, अंधेरी (प), बम्बई - 61 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका बराबरनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अन्तरिमी/अन्तरनियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिये नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दक्षिण में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दायित्व अन्तरिमी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः इस उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अन्तरण से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्जाएँ अर्जित :-

1 कुमारी गिता मूलचंद पंजाबी । (अन्तरक)

2 श्री फाजल मालवी । (अन्तरिमी)

3 —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4 —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करवा हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 10 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त अधोहस्ताक्षरी सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का आ-
यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 401 जो, इमारत "शान", सी टी. एस.
नं. 1243 और 1243/1, ऑफ यारी रोड, वर्सोवा,
अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-2/37 ईई/10066/84-85
और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10066/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS, being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of
1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000
and bearing Flat No. 401, Building Shaan C.T.S. No.
1243 and 1243/1, Off Yari Road, Versova,
Andheri (West), Bombay-58 (and more
fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the
Office of the Competent Authority at Bombay on
17-8-1984 for an apparent consideration which on
less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefore by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said Instrument of
Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Miss Geeta Moolchand Punjabi (Transferor)
- Mr. Fazal Malvi (Transferee)

3. —
(Person in occupation of the property)

4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 401, Building Shaan, C.T.S. No. 1243 and 1243/1, Off Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay—400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EF/10066/84-85 dated 17-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन सं. अई-2/37ईई/8998/84-85 :—अ.स.
मझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधि-
नियम" कहा गया है) की धारा 269-अ के अधीन
मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं.
यूनिट नं. 409-अ, जो, प्लॉट नं. 22, अंधेरी इंडस्ट्रियल
इस्टेट को ऑफ योसावडी रोड अंधेरी बिल्डिंग, बी.टी.एस.
फ्लैट नं. 501/ब, जो नेबूला आगाटेमेंट्स
है राउन्डिंग स्टेट, अपना घर है प्लॉट ऑफिस
रोड, अंधेरी (प), बम्बई, 68 में स्थित है) (और
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख
के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजि-
स्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित
की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक/अंतरकों और अंतरित/अंतरितियों
के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-

लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का गे कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के द्वारा अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

उतः उक्त उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. अपेक्स कन्स्ट्रक्शन्स । (अन्तरक)
2. पद्मा एल. ओंगडी । (अन्तरिती)
3. अन्तरकों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

1 —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 504/बी. जो, नेबूला अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी इस्टेट, अपना घर के पीछे, ओ-शिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूचा जैसा कि क्र. स. आई-2/37ईई/8998/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख . 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हों उसे काट दोजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8998/84-85.—Whereas, I, J. AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 504/B, Nebula Apts, Hiranandani Estate, Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Apex Constructions (Transferor)
2. Padma Lhadan Wongdi (Transferee)
- 3.

(Persons in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publi-

cation of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 504/B, Nebula Apartments, Hiranandani Estate, Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EF/8998/84-85 dated 6-8-1984

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म. अई-2/37ईई/10187/84-85 :—अतः मझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सड़क नं. 11, जो मिल्वर सैन्ड्स, हिरानंदानी पार्क, यारी रोड, वसोवा, अंधेरी (प), बम्बई, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 8/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क/अंतरकों और अंतर्गती/अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का

11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा, प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स हिरानंदानी कन्स्ट्रक्शंस प्राइवेट लि. । (अन्तरक)

2. श्री गोविंद चंदनानी, और श्री रमेश जी. देवानी । (अन्तरिनी)

3. अन्तरकों
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जहाँ भी अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“दुकान नं. 11, जो, मिल्वर सैन्ड्स, हिरानंदानी पार्क, यारी रोड, वसोवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है”

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37ईई/10187/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10187/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Shop No. 11, Silver Sands, Hiranandani Park, Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay—400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Hiranandani Const. Pvt. Ltd.
(Transferor)
2. Mr. Govind Chandnani
Mr. Ramesh D. Dewani (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of

the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 11, Silver Sands, Hiranandani Park, Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10187/84-85 dated 18-8-1984

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8890/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 50 प्रतिशत इन प्लॉट नं. 301 और गैरेज नं. 2, "कन्वेरा" जय प्रकाश रोड, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारणमा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अन्तरितों/अन्तरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आगितियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री ओम प्रकाश पंडित । (अन्तरक)
2. श्रीमती लवलीन प्रभाकर । (अन्तरित)

3 ---

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4 ---

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“50 प्रतिशत शेयर इन फ्लैट नं. 301 और गैरेज नं. 2, जो, “Canvera”, जय प्रकाश रोड, वर्सोवा, अंधेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37ईई/8890/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दें/जंघें)

Ref. No. AR-II/37EE/8890/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 301 and Garage No. 2, ‘Canvera’ Jai Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay—400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. Omprakash Pandit (Transferor)
2. Mrs. Loveleen Prabhakar (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 301 and Garage No. 2, Canvera, Jai Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay—400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8890/84-85 dated 3-8-1984

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10025/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 606, जो, 6वीं मंजिल, इमारत "गायत्री", वर्सोवा गायत्री को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., प्रताप सोसाइटी के सामने, जे. पी. रोड़, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती लक्ष्मीबाई के. खालानी । (अंतरक)
2. श्री जगजीत सिंह डी. अनेजा और श्रीमती परमजीत कौर जे. अनेजा । (अंतरिती)
3. अन्तरितीयों और उनके परिवार
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी

अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 606, जो, 6वीं मंजिल, "गायत्री" इमारत, वर्सोवा गायत्री को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., जे. पी. रोड़, प्रताप सोसाइटी के सामने, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37 ईई/10025/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 8-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref No. AR-II/37EE/10025/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 606, Gayatri, Versova Gayatri Co-op. Housing Society, Ltd., J. P. Road, Opp : Pratap Society, Andheri (West), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. Laxmibai Kanhaiyyalal Gwalani
(Transferor)
2. Shri Jagjit Singh D. Arneja
Smt. Paramjit Kaur J. Arneja (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1606, Gayatri, Versova Gayatri Co-op. Housing Society Ltd., Opp. : Pratap Society, Andheri West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under Serial No. R-II/37EE/10025/84-85 dated 16-8-1984

Dated : 8-4-1985

Signature :

Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9935/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 303, जो, 3री मंजिल, मनिष गार्डन जे-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि. "बी" बिल्डिंग, बंगलोज, जे. पी. रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख

के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की श्राव्य, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री दौलतराय शिवनाल, और श्री कमल दौलतराय, श्री हेमंत दौलतराय (एच.यू.एफ) (अन्तरक)
2. डॉ. (श्रीमती) प्रमिला विनायक केंकरे और श्री विनायक वसंत केंकरे। (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 303, जो, 3री मंज़िल, मनिष गार्डन को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि., ‘बी’ विंग, 4 बंगलोज, जे. पी. रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. 2/37ईई/9935/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9935/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 303, 3rd Floor, Manish Garden Co-op. Housing Society Limited, ‘B’ Wing, Four Bungalows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Dolatrai Shivalal, Mr. Kamal Dolatrai and Hemani Dolatrai (HUF) (Transferor)
2. Dr. (Mrs.) Paramila Vinayak Kenkre and & Mr. Vinayak Vasant Kenkre (Transferee)
3. —
(Persons in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 303, (3rd Floor, Manish Garden Co-op. Housing Society Ltd., ‘B’ Wing, Four Bungalows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9935/84-85 dated 10-8-1984.

Dated : 8-4-1985

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/10028/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात, “उक्त अधिनियम कहा गया है”) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 1, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं. 1, झकारिया आघाडी नगर नं. 1 को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., गुलमोहर मार्डन्स, यारी रोड, वर्सावा, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतर्गती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दियोगार्थ अन्वितरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती मुमताज मुश्ताक शेख । (अन्तरक)
2. श्री अब्दुल रशीद गार्ड और पमेली डिसिल्वा । (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 1, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं. 1, झकारिया आघाडी नगर नं. 1 को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., गुलमोहर गार्डन्स, यारी रोड, बसोबा, अधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37ईई/10028/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए ।)

Ref. No. AR-II/37EE/10028/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 1, Ground Floor, Building No. 1 Zakaria Aghadi Nagar No. 1, Co-op Hsg., Society Limited, Gulmohar Gardens, Yari Road, Bombay-61 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mrs. Mumtaz Mustaque Shaikh (Transferor)
2. 1. Mr. Abdul Rashid Guard,
2. Pamela D'Silva (Transferee)
3. —
(Persons in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1, Ground Floor, Building No. 1, Zakaria Aghadi Nagar No. 1, Co-op Housing Society Limited, Gulmohar Gardens Yari Road, Bombay-400061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10028/84-85 dated 16/8/1984.

Dated: 8th April, 1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश में. अई-2/37ईई/8752/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिस को सं. फ्लैट नं. 301, जो, स्कायवाल्कर अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी इस्टेट ओशिवरा, अपना घर के पीछे, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिशन से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की श्राव्य, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए
166 GI/85—34

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स अपेक्स कन्स्ट्रक्शन्स । (अन्त रक)

2. श्री राफेल थॉटटन । (अन्तरिती)

3. अन्तरकों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 301, जो, स्कायवाल्कर अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी इस्टेट, ओशिवरा, अपना घर के पीछे, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37 ईई/8752/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8752/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Flat No. 301, Skywalker Apartments, Hiranandani Estate, Oshiwara, Behind Apna Ghar, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has

been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. M/s. Apex Constructions, (Transferred)
2. Mr. Raphael Thottan (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 301, Skywalker Apartments, Hiranandani Estate, Oshiwara, Behind Apna Ghar, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8752/84-85 dated 1-8-1984.

Dated: 8th April, 1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9067/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 604, जो “लव कुश” हिल में को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., बोरला देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई, में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारगनामा आयकर अधिनियम को धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (की) और अंतर्गत (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शान्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उद्घातित :—

1 श्रीमती चंद्रा जेथानंद लालवानी ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गितू एल. शहानी और श्री लालचंद जे. शहानी। (अन्तरिता)

3. अन्तरितियों
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 604, जो, 'लव कुश', हिल सी को-ऑप. सोसाइटी, वेरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. स. अई-2/37ईई/9067/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट डालिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9067/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Flat No. 604, Luv Kush, Hill Sea Co-operative Society, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent

consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Smt. Chandia Jethanand Lalwani,
(Transferor)

2. Smt. Gita L. Shahani and Shri Lalchand J. Shahani
(Transferee)

3. —
(Person in occupation of the property)

4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 604, Luv Kush, Hill Sea Co-operative Society, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9067/84-85 dated 9-8-1984.

Dated: 8th April, 1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० अई-2/37-ईई 9780/84-85 :— अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100 000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं. 2, जो 3री मजिल, इमारत नं. 2, झकारीयाप अघाडी को-आप हाउसिंग सोसाइटी लि. यारी रोड, वर्सोवा, बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख, 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल में अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (को) के बीच ऐसे अंतरण के लिए पर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवक्तियों अर्थात् :—

1. नशरअली गुलामअली मुरदानी । (अन्तरक)
2. सुभाष बाबू हेजमाडी । (अन्तरिती)
3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिगत पर

सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 2, जो, 3री मजिल इमारत, नं. 2, झकारीया अघाडी को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि., यारी रोड, वर्सोवा, बम्बई-61 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37ईई/9780/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 8-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हों उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9780/84-85. —Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Flat No. 2, 3rd Floor, Zakharia Agadi Co-op. Housing Society Limited, Versova, Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

1. Nazarali Gulamani Mardani (Transferor)
2. Subhash Babu Hejmady (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, 3rd Floor, Zakaria Agadi Co-operative Housing Society Limited No. 1, Versova, Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9780/84-85 dated 10-8-1984.

Dated: 8th April, 1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म. अर्द्ध—2/37ईई/10036/84-85:— अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लेट नं. 303, जो, 3 री मंजिल, इमारत होम कॉर्ट, प्लॉट नं. 336, एस. नं. 41 (अण), 4 बंगलोज, बर्सावा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूच. में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई, में रजिस्ट्री है तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकूल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 369-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 369-ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स लॉखंडवाला प्रिमायसेस (अन्तरक)
प्रायवेट लि.।
2. श्रीमर्तः मधु अग्रवाल। (अन्तरिती)
3. —
(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — मैसर्स ऑगिबरा लेन्ड डेव्लपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि०
(यह व्यक्ति जिसके वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 303, जो 3 री मंजिल, इमारत होम कोर्ट, प्लॉट नं. 336, एस. नं. 41 (अंग), बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अर्दे-2/37ईई/10036/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10036/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 303, 3rd Floor, Home Court Bldg. 4 Bungalows, Versova, Andheri (West) Bombay-400058, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.;
(Transferor)
2. Smt. Madhu Agarwal
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Devp. Co. (Pvt.) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd Floor, Home Court Building, Plot No. 336, S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay 400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10036/84-85 on 16-8-1984.

Dated : 6th April, 1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-2/37-ईई/10032/84-85.— अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-, रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 1809, जो, 8वीं मंजिल, इमारत मैग्नुम टावर्स प्लॉट नं. 357, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरित(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयदाय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत् में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैग्स लॉन्डवाला स्टेट्स एण्ड (अन्तरक)
डेव्हलोपमेंट कंपनी प्रायवेट लिमिटेड ।
2. मास्टर मैयद महमूदुद्दीन और (अन्तरितों)
श्रीमती अविदा बेगम ।
3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. मैग्स ऑशिवरा लेन्ड डेव्हलोपमेंट कंपनी प्रायवेट लि. ।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है,
कि वह सम्पत्ति में हिस्सद्व है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 1809, जो, 18वीं मंजिल, इमारत मैग्नुम टावर्स, प्लॉट नं. 357, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई 2/37-ईई/10032/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 6-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिया)

Ref. No. AR-II/37EE/10032/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Flat No. 1809, 18th Floor, Magnum Towers, 4 Bungalows, Versova, Andheri (West) Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice

under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. M/s. Lokhandwala Estates & Devp. Co. Pvt. Ltd.,
(Transferee)
2. Master Seiyad Mazaharuddin and Smt. Abida Begum
(Transferee)
(Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Devp. Co. (Pvt.) Ltd.;
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1809, 18th Floor, Magnum Towers Building, Plot No. 357, S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay 400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10032/84-85 on 16-8-1984.

Dated : 6th April, 1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई -2/37-ईई/993/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं. (फ्लैट नं. 17 नार्थ-ईस्ट साईड, जो 5वीं मंजिल, मार्था पैलेस, प्लॉट बेअरिंग सी. टी. एम. नं. 385/बी, जय भवानीमाता मार्ग, आफ सिसर रोड, अंबोली, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है) और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह

प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (को) और अन्तरितो (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आप्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स गिरीराज कन्स्ट्रक्शन्स (अन्तरक)
2. कुमारी अनीता मोटेरो (अन्तरितो)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है),

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 17, जो (नार्थ-ईस्ट साईड), 5वीं मंजिल मार्था पैलेस प्लॉट बेअरिंग सी. टी. एम. नं. 385/बी, जय भवानीमाता मार्ग, आफ सिसर रोड, अंबोली-अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र०सं. अई-2/37 ईई/9934 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-U/37EE/9934/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Flat No. 17 (North-East side), 5th Fl, Marthia Palace, Jai Bhawanimata Marg, Off. Ceasor Road, Amboli, Andheri (W), Bombay 400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. M/s. Giriraj Constructions (Transferor)
2. Miss Anita Montexiro (Transferee)
3. (Persons in occupation of the property)
4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of

the notice on the respective persons which ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 17 (North-East side), 5th Floor, Marthia Palace, Plot bearing CTS No. 385/B, Jai Bhawanimata Marg, Off. Ceasor Road, Amboli-Andheri (West), Bombay 400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9934/84-85 on 10-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9953/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मणदास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु में अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 203 जो, 3 री मंजलि इमारत होम कोर्ट, प्लॉट नं. 336 एम नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, बर्सीवा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 ब, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शान्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गामी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किण जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्रायवेंट लि. 1
(अन्तरक)

2. श्री कौशिक कांतीलाल शाहा। (अन्तरिनी)

3

4. मैसर्स ओशिवरा लैंड डेव्हलपमेंट कंपनी (प्रायवेट लि.)
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लट नं. 203, जो, 2 गी मंजिल, इमारत होम कोर्ट कार्ड प्लॉट नं. 336 एस नं. 41 (अंश), बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (पं) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र. सं. आई-2/37 ईई/9953/84-85.
जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9953/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Flat No. 203, 3rd Floor, Home Court Building, Plot No. 336, S. No. 41 (Pt.) Four Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay 400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent

consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- M/s. Lokhandwala Premises Private Limited (Transferor)
- Shri Kaushik Kantilal Shah (Transferee)
- _____ (Person in occupation of the property)
- M/s. Oshiwara Land Devp. Co. Pvt. Ltd., (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 203, 3rd Floor, Home Court Building, Plot No. 336, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay 400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9953/84-85 on 10-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. अई.-2/37-ईई/9933/84-85—अतः मुझे लक्ष्मणदाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इससे इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विषयान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु० से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 7 (साउथ) जो 3 री मंजिल, “अल्फोन” प्लाट बेअरींग सी. टी. एस. नं० 406, भवानीमाता मार्ग, सिसर रोड, अंधेरी (पं) बम्बई-58 निर्माणाधीन इमारत में स्थिति है) (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम का धारा 269 क, ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रार है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पट्टे प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (यों) और अन्तरित (यों) के बाव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स गिरिराज एसोसिएट्स। (अन्तरक)

2. अन्थोनी राड्रिक्स। (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिवोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध

किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 7 (साउथ) जो, 3 री मंजिल “अल्फोन” प्लाट बेअरींग सी टी एस नं. 406, भवानीमाता मार्ग, सिसर रोड अंधेरी (पं) बम्बई-58 में स्थित है। निर्माणाधीन इमारत)

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई.-2/37/ईई 9933/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9933/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair mark at value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Flat No. 7 (South), 3rd Floor, “ALPHONE” Bhawanimata Marg, Ceasor Road, Andheri (West), Bombay 400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. M/s. Giriraj Associates (Transferor)
2. Anthony Rodricks (Transferee)

3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 7 (South), 3rd Floor "ALPHONE" Plot bearing CTS No. 406, Bhawanimata Marg, Ccassar Road, Andheri (W), Bombay 400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9933/84-85 on 10-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9937/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मणदास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं. यूनिट नं. 30/के जो, ग्राऊंड फ्लोर, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिंक रोड, एक्सटेंशन, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपबाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शान्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के

दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट । (अन्तरक)
2. श्री विजयामह मथुरादास पालिचा श्री जितेन्द्र जयराम संपत्त एच यू एफ (और श्री नैनसी जयराम संपत्त एच. यू एफ) (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थवर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

यूनिट नं. 30/के जो ग्राऊंड फ्लोर, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट न्यू लिंक रोड एक्सटेंशन, अंधेरी (प.), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्रम सं. अई-2/37ईई/9937/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 6/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये ।)

Ref. No. AR-II/37EE/9937/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having

a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Unit No. 30/K, Ground Floor Laxmi Indl. Estate, New Link Road Extension Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- M/s. Laxmi Industrial Estate (Transferor)
- Shri Vijaysingh Mathuradas Palicha, Shri Jitendra Jayram Sampat (H.U.F.) and Shri Nensi Jasram Sampat (H.U.F.) (Transferee)
- _____ (Person in occupation of the property)
- _____ (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. 30/K, Ground Floor, Laxmi Industrial Estate, New Link Road Extension, Andheri (West), Bombay 400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE 9937/84-85 on 10-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10033/84-85. — अतः मुझे, लक्ष्मणदाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269C के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं प्लॉट नं. 1810, जो 18 वीं मजिल, इमारत मगनम टावरम प्लॉट नं. 357, एम. नं. 41 (अण) 4, बगलोज, बमोवा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(क) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी बन या अन्य आम्सियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- मैसर्स लोखडवाना इस्टेट्स एण्ड डेव्हलपमेंट कंपनी प्रायवेट लि० (अन्तरक)
- श्री मैयद ख्याजा मुईनुद्दीन और श्रीमती अबिदा बैराम (अन्तरिती)
- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- मैसर्स ओशिवरा नैन्ड डेव्हलपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि०

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध

में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आशय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट न. 1801, जो 18वीं मंजिल, इमारत मग्नम टावर्स प्लॉट न. 357 एस न. 41 (अश) 4, बगलांज, वसोंवा अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम स. आई-2/37 ईई/10033/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10033/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mark at value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 1810, 18th Floor, Magnum Towers Bldg; Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the

said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- M/s. Lokhan wala Estates & Devp. Co. Pvt. Ltd., (Transferor)
- Mr. Saiyad Khawaja Moinuddin, and Smt. Abida Begum (Transferee)
- _____ (Person in occupation of the property)
- M/s. Oshiwara Land Devp. Co. (Pvt.) Ltd., (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1810, 18th Floor, Magnum Towers Building Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay 400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10033/84-85 on 16-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. आई-2/37-ईई/9983/84-85 :— अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 12-ए, जो. ए-1 नो मंजिल, बो-ब्ला : निर्मल आनंद को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि., प्लॉट नं. 107सी, नंदरंग विनेसा के सामने, जे. पी. रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और

मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को निम्नलिखित भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 26) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उर्ध्वान्तः :-

1. एम. संजीवा शेट्टी (अन्तरक)
2. श्री इंद्रवदन पोपटलाल शहा और श्री भरत पोपटलाल शहा (अन्तरिती)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

मेरे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त अधोहस्ताक्षरी में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 12-ग, 1री मंजिल, वी. व्हा. निर्मल आनंद को. ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., फ्लैट नं. 107मा, नरसिं विमाना के समने, जयप्रकाश रोड, अंधेरे (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. मं. आई-2/37ईई/9983/84-85 और जो अक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिना. 13-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6-4-1985.

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9983/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 12-A, 1st Fl. B-Block, Nirmal Anand CHSL., Opp. Navrang Cinema, J. P. Road, Bombay 400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the 13-8-19984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

1. Mr. M. Sanjeeva Shetty (Transferor)
2. Mr. Indravadan Popatlal Shah, and Mr. Bharat Popatlal Shah (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

notice on the respective persons whichever period expires later :

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 12-A, 1st Floor, B-Block, Nirmal Anand Co-op Housing Society Ltd., Plot No. 107-C, Navrang Cinema, J.P. Road, Andheri (West), Bombay 400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9983/84-85 on 13-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/8829/84-85 :-अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे उपर पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. में अधिक है और जिसका सं. फ्लैट नं. 405, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं. ए० 20, अपना घर यूनिट नं. 5 को० और, हाउसिंग सोसाइटी लि. ओशिवारा श्री स्वामी समर्थ नगर आफ जे. पी. रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अंतर्गत की गई है और मुझे यह विज्ञापन करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (का) और अन्तरिती (यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निशों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :-

1. मैसर्स समर्थ डेव्हापमेंट कार्पोरेशन। (अन्तरक)
2. जगदीश सीमा अयर। (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 405, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं. ए० 20 अपना घर यूनिट नं. 5 को० और, हाउसिंग सोसाइटी लि., ओशिवारा, श्री स्वामी समर्थ नगर आफ जे. पी. रोड, 4 बंगला के सामने, अंधेरी, (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं. अई-2/37 ईई/8829/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6-4-1985.

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8829/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 405, 4th Fl. Bldg. A-20, Apna Ghar Unit No. 5 CHSL, Oshiwara, Shree Swami Samarth Nagar, Off J.P. Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961. In the

Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. M/s. Samarth Development Corporation
(Transferor)
2. Shri Jagdish Soma Ayyar (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 405, 4th Floor, Building No. A-20, Apna Ghar Unit No. 5 Co-operative Housing Society Ltd., Oshiwara Shree Swami Samarth Nagar, Off. J. P. Road, Andheri (W), Bombay 400058.

GI/85—26

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8829/84-85 on 2-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10007/84-85 अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269C के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 704, जो, 7वीं मंजिल, हनुमन्ट ए इमारत, प्लॉट नं. 343, एच. नं. 41(अंग), 4 बंगला, बर्मोदा, अंग्रेजी (प) बम्बई 58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269C के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 14-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अन्तरिती/अन्तरितीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी ढाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269C के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269C की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमती/कुमारी :— मैमर्स लॉखंडाला
प्रिमायस लि.। (अन्तरक)

श्री/श्रीमती/कुमारी :— श्री ए. आर. एस.
चावला (अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी —

(वह व्यक्ति, जिसने अधिभोग में सम्पत्ति है)

मैपर्स आशिवन लैण्ड

डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 704, जो, 7वीं मंजिल हरमनी ए. इमारत, प्लॉट नं. 343, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलावा, वेरुवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-II/37ईई/10007/84-85 और जो संक्षेप प्राधितारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10007/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 704, 7th Floor, Harmani-A Building, Plot No. 343, S. No. 41 (Pt.), Four Bungalows, Veeruva Andheri (W), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- M/s. Lokhandwala Premises Private Ltd.,
(Transferor)
- Shri A. R. S. Chawla
(Transferee)
(Person in occupation of the property)
-
- M/s. Oshiwara Land Development Company Pvt. Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 704, 7th Floor, Harmani-A Building, Plot No. 343, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Veeruva Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE 10007/84-85 on 14-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

Seal

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० अई-II/37ईई/9939/84-85 :—यतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इन्ने दूनों पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्यादा सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु० से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं० जे/101, जो, ज्यूपिटर अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी इस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई, में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(कों) और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगमे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. मैसर्स हिरानंदानी बिल्डर्स (अन्तरक)
2. रेगीना, ए० शेठी (अन्तरिती)
3. अन्तरकों
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर

सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० जे/101, जो, ज्यूपिटर अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी इस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-II/37ईई/9939/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 6-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हों उसे काट दें/जिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9939/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. J/101, Jupiter Apartments, Hirchandani Estate, Oshiwara, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Hinchandani Builders (Transferor)
2. Regina A. Shethi (Transferee)
3. Transferor
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. J/101, Jupiter Apartments, Hinchandani Estate, Oshriwara, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9939/84-85 on 10-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० अई-II/37ईई/10062/84-85 :—यतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ रु० से अधिक है और जिसका फ्लैट न० 203, जो, दमरी मंजिल, हिरानंदानी इस्टेट, अपनाघर के गोछे, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है,

तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्गत (को) और अन्तरिणी (यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राहत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

1. मैसर्स अपेक्स कन्स्ट्रक्शन्स (अन्तरक)
2. श्री ए० डिसोझा, और श्रीमती, मरीया डिसोझा (अन्तरिणी)
3. अन्तरको

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. _____

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 203, जो, 2री मंजिल, हिरानंदानी इस्टेट, अपनाघर के पोछे, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।"

अनुसूची जैसाकि क्र०स० अर्द्ध-II/37ईई/10062/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

Ref. No. AR-II/37EE/10062/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 203, 2nd Fl. Hirachandani Estate, Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Appex Constructions (Transferor).
2. Shri A. D'Souza, and Smt. Maria D'Souza (Transferee)
3. Transferer.
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd Floor, Hirachandani Estate, Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10062/84-85 on 17-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

Seal.

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं० अर्द्ध-II/37ईई/9938/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसका फ्लैट नं० 501, जो, बी-विंग, स्कायवलकर, हिरानंदानी इस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी (प) बम्बई, में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की राबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स अपेक्स कन्स्ट्रक्शन्स। (अन्तरक)
2. जगन्नाथा बाबू, और श्रीमती, सुनीता जगन्नाथा। (अन्तरिती)
3. अन्तरकों (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं० 501/बी-विंग, जो, स्कायवल्कर, हिरचंदानी एस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी(प), बम्बई में स्थित है।”

अनुसूची अंशक नं० अई-II/37ईई/9938/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6-4-1985।

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9938/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 501, B-Wing, Skywalkar Hirchandani Estate, Oshiwara, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Apex Constructions (Transferor)
2. Mr. Jagganattha Babu and Smt. Sunita Jagannatha (Transferee).
3. Transferer (Person in occupation of the property)
4. ————

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 501, B-Wing, Skywalker Hirachandani Estate, Oshiwara Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9938/84-85 on 10-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10109/84-85:- अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य (100,000/- रु. में अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 3, जॉ, विंग-बी, 4थी मंजिल, श्री पदमावती डेवहलेपर, फ्लैट नं. 54, ए.स. नं. 41 (अंग), ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिनी(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. मैसर्स श्री पदमावती डेवहलेपर (अन्तरक)
2. श्री भरत राजकुमार आनंद और श्रीमती स्नेहलता राजकुमार आनंद । (अन्तरिनी)
- 3.--- (वह व्यक्ति जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)
- 4.--- (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्याह्वियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 3, जॉ, विंग-बी, 4थी मंजिल, श्री पदमावती डेवहलेपर, फ्लैट नं. 54, ए.स. नं. 41 (अंग), ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जमा की क्र. सं. अई-2/37ईई/10109/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 6-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हों उसे वाट दीजिये ।)

Ref. No. AR-II/37EE/10109/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 3, 4th Floor, B-Wing, Shree Padmawati Developers, Oshiwara, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Shree Padmawati Developers (Transferor)
2. Shri Bharat Rajkumar Anand and Smt. Snchlata Rajkumar Anand (Transferee)

3. —————

(Person in occupation of the property)

4. —————

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of

notice on the respective persons, whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3, Wing-B, 4th Floor, Shree Padmawati Developer, Plot No. 54, S. No. 41 (Part), Oshiwara, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10109/84-85 on 18-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10115/84-85 :—अंतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "नक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन समझ प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. दु गन नं. 10, जी, निर्मला आगर्टमेंटस, ग्राऊंड फ्लोर, वर्मोवा रोड, अंधेरो (प), बम्बई-61 में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब के अधीन समझ प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिये अन्तरण को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकूल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल के पत्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरितो(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सहायता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गतिविधि के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के तहत, निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्थान्तरण :-

1. श्री अल्फोन्सो डिमोन्सा और श्रीमती लेनी प्रभु । (अन्वय)
2. श्री कृष्ण अमर खन्ना और श्री सोहन लाल अर्जुनदास विजान । (अन्वय)
3. — (वह व्यक्ति जिसमें अधिमोक्ष में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधिमोक्षार्थी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिस्सा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त नहीं है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हिस्सा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिमोक्षार्थी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अन्वय

"दस्तावेज नं. 10, श्री. निर्मला अपार्टमेंट्स, ग्राउंड फ्लोर, बर्मोदा रोड, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

अन्वय जैसा कि क. में अर्द्ध-2/37ईई/10115/84-85 और जो सक्षम प्राविष्टा, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EF/10115 84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under 166 GI/85-37

Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Shop No. 10, Nirmala Apts. Ground Floor, Versova Road, Andheri (W), Bombay 400061 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

1. Mr. Altmso D'Souza and Smt. Leni Prabhu (Transferor)

2. Shri Kishan Amar Khanna and Shri Sohanlal Arjundas Vajan. (Transferee)

3. —

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Versova Andheri, Bombay 400061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10115/84-85 on 18-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9942/84-85:- अतः भुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस पर उक्त बाजार मूल्य 1,00,000 रु. में अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. एम/508, जो, मर्कगुरो अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी इस्टेट, अपना घर के पीछे, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है) (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कार्यान्वयन आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. मससे हिरानंदानी विल्डर्मे । (अन्तरक)
2. श्री पी. रघुनाथन । (अन्तरिती)
3. अंतरिकों (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यदायित्व शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. एम/508, जो, मर्कगुरो अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी इस्टेट, अपना घर के पीछे, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है ।"

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/9942/84-85 और जा मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 6-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दी जाए ।)

Ref. No. AR-II/37EE/9942/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. M/508, Mercury Apartments, Hirachandani Estate, Behind Apna Ghar Oshiwaru Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. M/s. Hurchandani Builders (Transferor)
2. Shri P. Raghunathan (Transferee).
3. Transferor,
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

the notice on the respective persons which ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. M/508, Mercury Apartments, Hirachandani Estate, Behind Apna Ghar, Oshiwaru, Andheri (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9942/84-85 on 10-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. आई-2/37/ईई/9942/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दाम आचकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 601, जो, ज्युडिटर अमर्सेमेन्स, हिरानंदानी इस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूर्खी में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आचकर अधिनियम की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरशी (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आचकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाये में सन्निधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसार, मैं, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स हिरचंदानी बिल्डर्स (अन्तरक)
2. सुनील गोपाल खन्ना (अन्तरिती)
3. अन्तरक (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (यह व्यक्ति, जिसके द्वारा अधोहस्ताक्षर जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 601, जो, ज्युपिटर अपार्टमेंट्स, हिरचंदानी इस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची तैयारी १० सितंबर 2/37-ईई/9943/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6/4/1985

सोहन :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II,37EE,9943/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. J/601, Jupiter Apartments, Hirchandani Estate, Oshiwara, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Hirchandani Builders (Transferor)
2. Mr. Sunil Gopal Khanna (Transferee)
3. Transferor (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. J,601, Jupiter Apartments, Hiranandani Estate, Oshiwara, Andheri (West), Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37-EE 9943/84-85 on 10.8.1984.

Dated : 6-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable)

निर्देशन सं अई-2/37-ईई/9941/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उसमें उसके पञ्चात, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी में फ्लैट न. एम/205 जा, मर्करी अपार्टमेंट्स, हिरानदानी इस्टेट ओशिवरा, अंधेरी बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी व कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 10-8-1984 का पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और महा यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल में ऐसे दृष्यमान प्रतिफल व पट्टा प्रनिशत से अधिक है और अन्तरक (को) और अन्तरिती (यां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं आई किसी आय की दाबन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अन्वय, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. मैसर्स हिरानदानी बिल्डर्स (अन्तरक)

2. श्री चेतन बी. उबेराय और श्याम बी. उबेराय (अन्तरिती)

3. अन्तरकों (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

का यह सूचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट न. एम/205, जा, मर्करी अपार्टमेंट्स, हिरानदानी इस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम संख्या अई-2/37-ईई/9941/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9941/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. M/205, Mercury Apartments, Hiranandani Estate Oshiwara, Andheri, Bombay (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Hiranandani Builders (Transferor)
2. Shri Chetan B. Oberoi, and
Shri Shyam B. Oberoi (Transferee)
3. Transferor
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. M/205, Mercury Apartments, Hiranandani Estate, Oshiwara, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9941/84-85 on 10-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० अई-2/37- ईई/9941/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दाम आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिमा उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु० से अधिक है (और जिसका प्लैट नं० जे/401 ए, जो, ज्युपिटर अपार्टमेंट्स हिरानंदानी इस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी (ए) बम्बई में स्थित है) (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन गक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (को) और अन्तरिती (याँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपिबद्ध करने के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत उद्देश्यः—

1. हिरचंदानी विलेजर्स (अन्तरक)
2. शशिकान्त गोपाल खन्ना (अन्तरिणी)
3. अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सक्त जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अर्थानियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 2(क) में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. जे/401 ए, जो, ज्युपिटर अपार्टमेंट्स, हिरचंदानी इस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र.सं. अई-2/37ईई/9940/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6-1-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9940/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. J/401, Jupiter Apartments, Hirchandani Estate, Oshiwara, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Hirachandani Builders (Transferor)
2. Shashikant Gopal Khanna (Transferee)
3. Transferor (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. J401, Jupiter Apartments, Hiranandani Estate Oshiwara, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19940/84-85 on 10-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

SEAL :

Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10145/84-85.— अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. में अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 402, जो. 4थी मंजिल, होम कोर्ट इमारत, प्लॉट नं. 336, एम. नं. 41 (अण), 4 बंगलोज, बर्मीवा, अंधेरी(अ), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अन्तरिणी(यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचत में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मदद के लिए,

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269 के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स लाखड़वाला प्रिमायमस प्रायवेट लि. ।
(अन्तरक)
2. श्री टी के. मिश्रा और श्रीमती माया मिश्रा ।
(अन्तरिणी)
3. अन्तरिणी

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. मैसर्स ग्रोशिवरा लैण्ड डेवेलपमेंट कंपनी (प्रा.) लि. ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तन्मवधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम निम्नलिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 402 जो. 4थी मंजिल, होम कोर्ट इमारत, प्लॉट नं. 336 एम नं. 41 (अण), 4 बंगलोज, बर्मीवा, अंधेरी(प, बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र.सं. अई-2/37ईई/10145/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

तारीख : 6-4-1985

मोहर :

(जो लागू नहीं उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EP/10145 84-85. -Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 402, 4th Floor, Home Court Building, Plot No. 336, S. No. 41 (Pt), Four Bungalows, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M's. Lokhandwala Premise, Private Ltd.,
(Transferor)
2. Shri T. K. Mishra and Smt. Maya Mishra
(Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. M's. Oshiwara Land Development Co. (Pvt.)
Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

the notice on the respective persons which ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 402, 4th Floor, Home Court Building, Plot No. 336, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Andheri (West) Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EP/10145 84-85 on 18-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

SGAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-2/37-ई/4085/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्हावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं यनित न की 117 पट्टी मंजिल हिंद मोरगुटा इंजिनियरिंग इस्टेट अंधेरी कुर्ली रोड अंधेरी (पूरब), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 14/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पट्टे प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्मातृलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की श्रावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धारा 27 के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मदद के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स आश्विन प्लास्टिक कॉर्पोरेशन। (अंतरक)
2. मैसर्स शाह प्लास्टिक एंड इंजीनियरिंग वर्क्स (अंतरिती)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की प्रामाणिकता से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में, हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट बी/117 जो पहली मंजिल, हिंद सौराष्ट्रा इंडस्ट्रियल इस्टेट, अंधेरी, कुर्ला रोड, अंधेरी (पूरब), बम्बई-69 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. आई-2/37ईई/9085/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9085/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Unit No. 8/117, 1st floor, Hind Saurashtra Industrial, Andheri Kurla Road, Andheri (E) Bombay-59, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Ashwin Plastic Corporation
(Transferor)
2. M/s. Shah Plastic & Engineering Works
(Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4. Hind Saurashtra Indl. Estate
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. B/117, 1st Floor, Hind Saurashtra Industrial Estate, Andheri Kurla, Andheri (E) Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/3/EP/9085/84-85, dated 14-8-1984

Dated 12-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable).

विशेष अर्द्ध-2/37-ईई/10154/84-85—अन मूले, न.न.ग. दा. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (निम्न रूप में उल्लेखित "उक्त अधिनियम" कहा गया है) को धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी स फ्लैट नं. 10, पर्सवा दर्शन, ओल्ड नागरदास रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 1-8-1984 को अर्द्धित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम से दृष्टान्त प्रतिक्रिया के लिए अर्द्धित की गई है और मूले यह निष्कर्ष करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उक्त दृष्टमान प्रतिक्रिया में ऐसे दृष्टमान प्रतिक्रिया के पद्धत प्रतिक्रिया से अधिक है और अंतरक(को) और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दृष्टत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(द) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्रीमती पी. जे. शाह और केतन कुमार जे. शाह (अंतरक)

2. श्रीमती बी. एच. खाटर और
श्री हनुमतराज एच. खाटर (अन्तरिती)

3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. (वह व्यक्ति जिसका बारे में अधाहस्ताधरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्द्धन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्द्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

गण्योकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 10 जो पर्सवा दर्शन, ओल्ड नागरदास रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची प्रमाण कि क. स. अर्द्ध-2/37-ईई/10154/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर : ।

(जो लागू न हो उसे बाट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE. 10154/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000— and bearing Flat No. 10, Parswa Darshan, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269I of the said Act to the following persons, namely :

1. Mrs. P. J. Shah & Shri Ketankumar J. Shah
(Transferor)
2. Mrs. V. H. Khanter,
Shri Hukumraj H. Khanter (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 10, Parswa Darshan, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE. 10154/84-85, dated 1-8-1984.

Dated 12-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9949/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 1, जी. ग्राउंड फ्लोर पुष्प का-आप हाउसिंग सोसाइटी लि., टी. पी. एम. 2, 22 लिफ्टिंग रोड एक्सपोज़ेड पुलिस स्टेशन के सामने, साताक्रूज (प). बम्बई-54 में स्थित है) और इसने उपरोक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिनी(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से मूविदा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से मूविदा के लिए.

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसार में,
मे उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्रीमती वि. पिटो, 2. श्री जोजेफ पिटो
और 3. नोर्मेन पिटो। (अंतरक)
2. 1. सालाउद्दीन जे. काजी, और 2. अलीमुद्दीन झेड,
शेख। (अन्तिम)
3. ... (वह व्यक्ति जिसके
अधिनियम में
समन्वित है)
4. ... (वह व्यक्ति जिसके
बारे में अध्या-
त्मिक जानकारी जानता
है, की वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सचता जारी करके पत्रोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध
में कोई भी आशंका —

(क) इस सचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
गृह्यता की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पत्रोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा —

(ख) इस सचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का जो
अर्थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 1, जो, ग्राउंड फ्लोर पुष्प को-ऑप. हाउसिंग
सोसाइटी लि., टी. पी. एस. 2, 22, त्रिकिंग रोड
एक्सपेंशन, पुलिस स्टेशन के सामने सांताक्रुज (प),
बम्बई-54 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. स. अई-2 37ईई/9919/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1981
को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उस काट दीजिये)।

Ref. No. AR-II/37EE. 9949/84-85.—Whereas, I,
Laxman Das, being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of
1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act')
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-
and bearing Flat No. 1, Ground Floor, Pushpa Co-
Op. Hos. Soc. Ltd., IPS-II, 22 Linking Road,
Police Station, Santaacruz (W) Bombay (and more
fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the
Office of the Competent Authority at Bombay on
10-8-1984 for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefore by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said Instrument of
Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act, in respect of any income arising
from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income
or any money or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of
the said Act, I hereby initiate proceedings for acqui-
sition of the aforesaid property by the issue of this
notice under sub-section (1) of Section 269D of the
said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Valdumira Pinto & Others
(Transferor)
2. Mr. Salauddin J. Kazi & Others
(Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said
property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publi-
cation of this notice in the official Gazette
or a period of 30 days from the service of
the notice on the respective persons which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No 1, Ground Floor, Pushpa Co-Op. Hous Soc. Ltd., FPS-II, 22 Linking Road, Extn. Opp. Police Station, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37E/9949/84-85, dated 10-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं अई-2/37-ईई/10041/84-85—अन मुझे लक्ष्मण राम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें उसके पञ्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 - रु में अधिक है और जिसकी में प्लैट नं. 4, पहली मंजिल, पियेना, प्लॉट नं. 340, श्रद्धानन्द रोड, विलेपार्ले (पूरब बम्बई में स्थित है) और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वक सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पट्टे प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(को) और अन्तरिती(यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में बधिन नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आश की शकत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ग) ऐसे किसी आय या किसी भूमि या अन्य आग्नियों का जिनका भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, स्थिति में सुविधा के लिए ;

अन अत उदा अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1 श्री हरिभाई ओ चावडा और (अन्तरक) जयदेव हरिभाई चावडा
2. मैमर्स उद्यम कम्पकता कार्गी (अन्तरिती)

3. — (वह व्यक्ति जिसे अधिमोग में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति जिसे बारे में विवादास्पदता जाना है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्तःहराक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अनुभाग 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं. 4, जो पहली मंजिल, पियेना प्लॉट नं. 340 श्रद्धानन्द रोड, विलेपार्ले (पूरब), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37-ईई/10041/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

दिनांक : 12-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10041/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 4, 1st Floor, Piena, Plot No. 340, Shradhanand Rd. Vile Parle (E) Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Haribhai O. Chawda & Jayaben H. Chawda (Transferor)
2. Uday Construction Co. (Transferee)
3. _____ (Person in occupation of the property)
4. _____ (Person whom the undersigned know, to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. 4, 1st Floor, Bldg. No. Piena Plot No. 340, Shradhanand Road, Extension, Vile Parle (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10041/84-85, dated 16-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10269/84-85 :- अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 100000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 17-ए, जो: इल्को आर्कड, 46, विल रोड, वॉट्रा बम्बई-50, में स्थित है (और इसमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 24-8-1984 को (उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अनुरक्त(कों) और अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अनुरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अनुरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अनुरण में हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अनुरक्त के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्सियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्वयितों में प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, शा, स्थान में स्विधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अन्वय, निम्नलिखित व्यक्तियों उद्घाटित :-

1. श्रीमती वेनेटिया पाव । (अन्वय)

2. श्री जेकब सी. परेरा । (अन्वय)

3. ———
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ———
(वह व्यक्ति, जिसके जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होली हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 17-ए, जो, इल्को आर्केड, 46, हिल रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्रम सं. अर्क-2/37ईई/10269/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 12-4-1985

सोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR II 37F-I, 10269 84-85. Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing Flat No. 17-A, Elco Arcade, 46, Hill Road, Bandra, Bombay-50, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Veronica Paul (Transferor)

2. Mr. Jacob C. Parrira (Transferee)

3. ———
(Person in occupation of the property)

4. ———
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 17-A, Elco Arcade, 46, Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-JI/37EE/10269/84-85, dated 24-08-1984.

Dated : 12-0-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं अई-2/37ईई/8809/84-85—अन्तः मुझे, नक्षमण दान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उल्लेख पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन नक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिका है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 8, पहिली मंजिल, मिनाक्षी अपार्टमेंट, मरोल, मरोली रोड, ग्रन्धेरी (पूरब), बम्बई, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क के अधीन नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है। तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उस दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्ग (को) और अंतर्गती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी उक्त या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा 166 GI/85—39

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. भेषसं विरल कन्स्ट्रक्शन (अन्तरक)

2. श्रीमती बिन्दी आर. बेलानी और अन्य (अन्तरिती)

3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 8, जो पहिली मंजिल, मिनाक्षी अपार्टमेंट मरोल मरोली रोड, ग्रन्धेरी (पूरब), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र.सं. अई-2/37ईई/8809/84-85 और जो नक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 02/08/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 12/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8809/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 8, 1st Floor, Minakshi Apt., Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Virat Construction (Transferor)
2. Mrs. Bindi R. Belani & Others. (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 8, 1st Floor, Minakshi Apartment, Marol Maroshi Road, Village Marol, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8809/84-85, dated 02-08-1984.

Dated : 12-04-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8980/84-85.—अन. मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पञ्जात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है (और जिसकी सं. युनिट नं. ए-60, द्वारी मंडीन, नन्दकिशोर इण्ड. इस्टेट, महाशाली केवत रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई, में स्थित है (और इसमें उतावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिस का कारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269AB के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण (कों) और अंतरणी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नष्ट पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं दिया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दानत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक व दायित्व में कमी करने या उसमें तत्तने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किता जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अन. अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. मेरस वर्या रमणलाल शाह (अन्तरक)
2. श्री रमेश यु. शेट्टी (अन्तर्गती)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित हो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं. ए-60, जो दूसरी मंजिल, नन्दकिशोर इण्डस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केवज रोज, अन्धेरी (पूर्व) बम्बई-400093 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-2/37ईई/8980/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 01/08/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8980|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. A-60, 2nd Floor, Nandkishore Indl. Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. M/s. Varsha Ramanlal Shah (Transferor)
2. Shri Ramesh U. Shetty (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. A-60, 2nd Floor, Nandkishore Indl. Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-400093.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8980/84-85, dated 01-08-1984.

Dated : 12-04-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9945/84-85,---अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसको पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,000,00/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 2, बिल्डिंग नं., 21, तलमाला, रम्य जीवन को-ऑप. हा. सोसा. लि., महागली केवज रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-400093, में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 12-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम. के. पद्मानन्द (अन्तरक)
2. श्रीमती विजया डी. मुद्गुमदार (अन्तरिती)

3.

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 2, तलमाला, जो बिल्डिंग नं. 21, रम्य जीवन को-ऑप. हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, महागली केवज रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9945/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12/08/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9945/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 2, Bldg. No. 21, Ground Floor, Ramya Jeevan Co-op. Hos. Soc. Ltd. M. Caves Road, Andheri (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Mr. M. K. Padmanand (Transferor)
2. Mrs. Vijaya D. Muzumdar (Transferee).
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Bldg. No. 21, Flat No. 2, Ground Floor, Ramya Jeevan Co.Op. Hos. Society, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9945/84-85, dated 12-08-1984.

Dated : 12-04-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं अई-2/37-ईई/10128/84-85. --अ. मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन लक्ष्मण दास प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानांतरण समिति, निम्न उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. युनिट नं. 304, निगरी मंजिल, माहिम इण्ड., इस्टेट, 571, माहिम रोड, माहिम, बम्बई 400016, में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में आर पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका कार्यान्वयन आयकर अधिनियम का धारा 269C के अधिनियम लक्ष्मण दास प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में इस के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण (कों) और अंतरिता (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप के लिये नहीं किया गया है ।--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूढता के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविकों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूढता के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती निजया हिरालाल शेट (अन्तरक)

2. मेज़र्स जी. विंशिन एण्ड सन्स (अन्तरिती)

3.

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रखावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाला नं. 304, जो निगरी मंजील, माहिम इण्डस्ट्रियल इस्टेट, 571, मोरी रोड, माहिम, बम्बई 400016 में स्थित है।

अनुसूची जैपाकि क्र. सं. अई-2/37ईई/10128/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/08/1974 रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10128/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Gala No. 304, 3rd Floor, Mahim Indl. Estate, 571 Mori Road, Mahim, Bombay-16, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mrs. Vijaya Hiralal Seth (Transferor)
2. M/s. G. Vishin & Sons (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Gala No. 304, 3rd Floor, Mahim Industrial Estate, Mahim, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10128/84-85 dated 18-08-1984.

Dated : 12th April, 1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ई/10212/84-85.— अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन प्रविष्टिगरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, विनया उच्चिन् बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अविष्ट है और निम्नलिखित में जमीन, प्लॉट नं. 93, टी. पी. एम. तीन, माहिम, बालगोविन्ददास रोड, बम्बई-400016, में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 21-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चिन् बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें घटने से रक्षा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से रक्षा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्रीमती सी. के. कपलानी और श्रीमती कीना नारी कपलानी (अन्तरक)
2. श्रीमती डॉ. अंजना अजी. कोविथा (अन्तरिती)
3. --- (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोक्ष में सम्पत्ति है)

4. --- (यह व्यक्ति, जिसके बारे में यह उद्देश्य है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिता शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी

अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

गट्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन, जो प्लॉट नं. 93, टी. पी. एम. तीन, माहिम, बालगोविन्ददास रोड, बम्बई-400016 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकि फ. सं. अई-2/37ई/10212/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21/08/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10212/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 93, TPS III, Mahin, Balgovindas Road, Bombay-400016 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mrs. C. K. Kriplani and
Smt. Lila Nari Kripalani (Transferor)
2. Mrs. Dr. Anjana Ajit Tolia (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Plot No. 93, TPS III, Mahim, Balgoviandas Road, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/10212/84-85, dated 21-08-1984

Dated : 12-04-1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं अई-2/87-ई/8935/84-85 --का मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे पहले पञ्चायत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के तहत पञ्चम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. प्लॉट नं. 707, आयमण तालुके में, स्थित मि. राड, धायनी, माहिम (पूर्व), बम्बई-400017, में स्थित है (जो इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269ख के अधीन पञ्चम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14-8-1984 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के नियम अन्तर्गत की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दानत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भूत या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, उद्देश्य --

1. श्री फारुखीन एच. ताहुना (अन्तरक)
2. श्री लैव मोहम्मद इन्गानली (अन्तरिती)
3. — (अन्तरक)
- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है ।)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है ।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते हैं ।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्वय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 707, जो डाइमण्ड अपार्टमेंट्स, जस्मिन मिल रोड, धारावी, माहिम (पुर्ब), बम्बई-400017 में स्थित है।

अनुसूची जैनाजी क्र. सं. अई-2/37ईई/8935-ए/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 04/08/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 9-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8935-A/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 707, Diamond Apts., Jasmine Mill Road, Daravi, Bihim (E), Bombay-400017. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 296AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. Fakhruddin H. Takulla (Transferor)
2. Mr. Lais Mohammed Insanali (Transferee)
3. Transferor.

(Person in occupation of the property).

166 GI/85—40

4

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 707, Diamond Apts., Jasmine Mill Road, Dharavi, Mahim (E), Bombay-17.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8935-A/84-85, dated 04-08-1984.

Dated : 12-04-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10248/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिस की सं. फ्लैट नं. 707, पहली मंजिल, कुकन को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि. पी. एन. कोटनीम मार्ग, माहिम, बम्बई-400016 में स्थित है (और हमें उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 24-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की द्वाता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) एक किमी आय का किसी हस्त या अन्य आस्थियों की जिल्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भारतीय आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम अन्तर्गत प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखित सम्पत्ति के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269A के अनुसूची में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269A की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित करता हूँ—

1. श्रीमती सप्तमी सुरेश सारमलकर (अन्तर्गत)
2. श्री रामचन्द्र मो. शिरसगर (अन्तर्गत)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवश है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मदद में कोई भी आशय —

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त अधिनियम में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. ए-43, जो पहली मंजूर, कलकत्ता को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, पी. एन. कोटनीस मार्ग, माहिम बम्बई-400016 में स्थित है।

अनुसूची वैधता के लिए अर्ज-1/37ईई/10248/84 85 और जो मजमूरा प्रतीक, बम्बई द्वारा दिनांक 24-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिया जाये।)

Ref. No. AR-II/37FE/10248/84-85 —Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. E-43, 1st Floor, Kookan Co-Op Housing Soc. Ltd., P.N. Kotnis Marg, Mahim, Bombay-16. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of section 269B of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mrs. Saptami Suresh Sarmalkar (Transferor)

2. Ramchandra C. K. Shirsagar (Transferee)

3. —

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. E-43, 1st Floor, Kookan Co-Op. Hos. Soc. Ltd., P. N. Kotnis Marg, Mahim, Bombay-400016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10248|84-85, dated 24-08-1984.

Dated : 12-04-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश न. अई-2/37-ईई/10082/84-85 :—अन मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को ये विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक और जिसका प्लॉट नं. 9 जो पहली मंजिल गिरिश बिल्डिंग, श्री काशिविश्वेश्वर हाउसिंग सोसाइटी लि., प्लॉट नं. 224-ए, टी.एच.के. मार्ग माहिम, बम्बई-400016 में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(कों) और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में गृहिणी के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मदद के लिए

अन अन उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति(यों) उद्देश्य से —

1. श्री मोमनाथ के. गावडे (अन्तरक)
2. श्री विजय जे. ठक्कर और अन्य । (अन्तरिती)

3. ———

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ———

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं. 9, जो पहली मंजिल, गिरिश बिल्डिंग, श्री काशिविश्वेश्वर हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, प्लॉट नं. 224-ए, टी.एच.के. मार्ग, माहिम, बम्बई 400016 में स्थित है ।

अनुसूची जैसे कि क. म. अई-2/37ईई/10082/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10082|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 9, 1st Floor, Girish Bldg., Shri Kashivshveshar Co-op. Hos. Soc. Ltd. Plot No. 224-A T.H.K. Marg, Mahim, Bombay-16, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Somnath K. Gawade (Transferor)
2. Mr. Vijay J. Thakkar and Others (Transferee)
3. _____ (Person in occupation of the property)
4. _____ (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 9, 1st Floor, Ghish Building Shri Kashivshveshwar Co-Op Society, Office T.H.K. Marg, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37EF] 10082[84-85 Dt. 17-8-1984.

Dated : 12-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश नं. अई'2/37ईई/8742/84-85 --अतः मूल लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे हमके पञ्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 302 तीसरी मंजिल, पाटील अपार्ट, प्लॉट नं. 47, गिर्वाजा पाक माहिस, बम्बई-400016

में स्थित है (आर इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारगरनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1-8-1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अनुरोध को गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पद्धत प्रतिकल में अधिक है और अन्तरक(को) और अन्तरितो(यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दानत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अ. अ. अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-रु. अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवस्थितो उद्देश्य --

1. श्रोमती आर के हरिशा और अन्य । (अन्तरक)
2. श्रोमती कमला किशनचन्द ल खानी और अन्य (अन्तरितो)
3. --- (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. --- (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति व अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण --हमसे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अनुयाय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 47, श्री लक्ष्मी मॉडल फ्लैट नं. 302, माहिम अपार्टमेंट माहिम, शिवाजी पार्क, बम्बई-400016 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि च. स. अई-2/37ईई/8742/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्ट्रार किया गया है।

तारीख 12-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उस कोट दायित्व)

Ref. No. AR-II/37EE/8742/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "Said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 47, Shivaji Park, Flat No. 302, 3rd Floor, Mahim Patil Apt., Bombay-400016, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. R. K. Haria and Others (Transferor)
2. Mrs. Kamla Kishanchand Lakhani and Others (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd Floor, Patil Apt., Plot No. 47, Shivaji Park, Mahim, Bombay-400016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8742/84-85 Dt: 1-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश नं. अई-2/37ईई/8742/84-85 --अतः सक्षम लक्ष्मी दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस हमसे उसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) को धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. फफ-2, "I" विंग मॉडल कलां, 3 फ्लोर, श्री लक्ष्मी मॉडल लि., एल. जे. मेकड कॉम रोड, माहिम, बम्बई-400016 में स्थित है (और हमसे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका कारगरनामा आयकर अधिनियम को धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10/8/1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त बाजार मूल्य में कम के दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक(को) और

अन्तरिती (जो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किंगी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269A के अन्तर्गत में, में उक्त अधिनियम की धारा 269A की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मार्शल ए. ड'सूजा (अन्तरक)

2. श्रीमती इरेना फर्नांडेस (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 15 दिनों के भीतर उक्त अधोहस्ताक्षरी के द्वारा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. एफ. 2, जो 'ए' विंग, गार्डन कॉलोनी नं. 2, को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड एल. जे. सेकंड क्रॉस रोड माहिम, बम्बई-400016 में स्थित है"

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9768/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9768/84-85.—Whereas, I Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. F/2, A Wing, Garden Colony of 2, Co-op Hos. Soc. Ltd. L. J. Second Cross Road Mahim, Bombay-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. Marshal A D'Souza (Transferor)

2. Mrs. Irena Fernandez (Transferee)

3. — (Person in occupation of the property)

4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. F/2, A Building, Garden Colony No 2 Co-Op Hos Soc Ltd., L J Second Cross Road, Mahim, Bombay-400016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-11/37EE/9768/84-85 Dt . 10-8 1984.

Dated . 12-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश न अई- 2 / 37- ईई- / 10240 / 84-85 --
अन मूले लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है का धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु से अधिक है और जिसको यूनिट न 8-ए विमल उद्योग भवन को आप हा मास लि, नैकालवाडी राड, माहिम, बम्बई 400016, में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 23/8/1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसमें दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पट्टे प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(को) और अन्तरिनी(यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखिन में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सज्जित के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का उपयोगार्थ अन्तर्गति द्वारा एकत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिपाने में सज्जित के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगणों अर्थात् --

1 श्री कल्याजी गोपाल पादरे (अन्तरक)

2 श्रीमती ए. बी. मधेकर (अन्तरिनी)

3 ---
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4 ---
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सक्षम में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्वय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"यूनिट न 8-ए, जो विमल उद्योग भवन को आप हा मास लि निर्मिटेड लायकलवाडी राड माहिम बम्बई 400016 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क न अई-2/37 ईई / 10240 / 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 12-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे वाट दीजिये)

Ref. No AR-II/37Et/10240/84-85. —Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 8A, Vimal Udyog Bhavan Co-Op Housing Society Ltd., Taikalwadi Road Mahim Bombay-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

- 1 Mr. K. R. Hnapi Gopal Pandre (Transferor)
- 2 Mrs. U. V. Mayekar (Transferee)
- 3 _____
(Person in occupation of the property)
- 4 _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Unit 8A, Vimal Udyog Bhavan Co-Op Hos. Soc Ltd., Taikalwadi Road, Mahim, Bombay-16

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37Et/10240/84-85 Dt. 23-8-1984

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8893/84-85 —
अन मुझे, लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे हमने इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि, स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000-रु से अधिक है और जिसकी दुकान नं. 10, 423 मेतापती बापट मार्ग, माहिम, बम्बई 400016 में स्थित है (और इसमें स्थावर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(को) और अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दायन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

- 1 श्री. मनोहरलाल लालचन्द थापर (अन्तरक)
- 2 श्री खामाराम डी. प्रजापती और अन्य (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निम्नित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“दुकान नं 10 जो 423 सेनापती बापट मार्ग, माहिम, बम्बई 400016 में स्थित है”

अनुसूची जैसा की नं. स. अई-2/37 ईई/8893/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर.

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8893/84-85.—Whereas, 1. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 10, 423 Senapati Bapat Marg Mahim, Bombay-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

166 GI 85-41

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

1. Mr. Manoharlal Lalchand Thaper
(Transferor)
2. Mr. Khasaram D. Prajapati & Oth.
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette for a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 10, 423 Senapati Bapat Marg, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8893 84-85 Dt. 3-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश म अई 2/37 ईई / 8748/84-85—अत मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इससे पश्चात “उक्त अधिनियम” कहा गया है) कि धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000—रु. से अधिक है (और जिसको शेड नं. 18, सर्वोदया इण्डस्ट्रियल इस्टेट, अन्धेरी कुर्लरोड के सामने, अन्धेरी (पूरब), बम्बई, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 01/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कों) और अन्तर्गति (यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राहत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गठित करने के लिए

उक्त अथ उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों उभरति :—

1. श्रीमती आर. एम. श्राफ और अन्य (अन्तरक)
2. श्रीमती जैड बी. गोम्स (अन्तर्गति)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी

अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ज्ञा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ ज्ञाता जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“शेड नं. 18 सर्वोदय इण्डस्ट्रियल इस्टेट अन्धेरी कुर्ल रोड के सामने, अन्धेरी (पूरब), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. म. अई-2/37 ईई / 8748 / 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 01/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8748/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shed No. 18, Sarvodaya Indl. Estate, Off Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mrs. R. M. Sbro/ & Others (Transferor)
2. Mrs. Z. B. Gomes (Transferee)
3. —
4. — (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shed No. 18, Sarvodaya Industrial Estate, Off : Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8748/84-85 Dt. : 1-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन में अई-2/37-ईई/10181/84-85 :- अतः मुझे लक्ष्मण राम आयर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इससे हमने पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फर्नट नं. 16, बिल्डिंग नं. 9, ब्लॉक को आप. हा सोना. लि., मंगेद, अंधेरी (पूरब), बम्बई, में स्थित है (जो इससे उपाद्रुत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क.ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति में उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल

के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (कों) और अतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्रीमती एम. वी. गावडर । (अन्तरण)
2. श्री के. ए. शेख । (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित रखे है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रखे किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 16, जो बिल्डिंग नं. 9, ब्लॉसम को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, मरोल, अंधेरी (पूरब), बम्बई में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/10181/84-85 और जो गक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू नहीं उसे बाट दी जाए)

Ref. No. AR-II/37EE/10181/84-85 —Whereas, 1. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 16 Bldg. No. 9 at Blossom Co-Op Hos. Soc. Ltd., Marol, Andheri (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. S. V. Gaokar (Transferor)
2. Mr. K. A. Shaikh (Transferee)

3. — (Person in occupation of the property)

4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 16, Bldg. No. 9 at Blossom Co-Op Hos. Soc. Ltd., Marol Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10181/84-85 Dt : 20-8-1984

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8928/84-85 :- अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 1, पहली मंजिल, आशिवाद बिल्डिंग ब्लाकड हण्ड. इस्टेट के सामने, एल. जे. रोड के सामने, बम्बई 400016, में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ब के अधीन गक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/(की) और अन्तर्गति/(की) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में दर्शाया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की राशति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें कटौत में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी उद्योग या किसी धन या अन्य जास्तियाँ की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. डा. कान्होजी अर्जुन पराडकार। (अन्तरक)
2. डा. रेखा नितिन चोकशी और श्रीमती एन. एम. देसी (अन्तरणी)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीवा शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"कलैट नं. 1, जो पहिली मंजिल, आशिवाद बिल्डिंग भागड इण्डस्ट्रियल के सामने, एल. जे. रोड के सामने, बम्बई 400016 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/8928/84 85 और जो महम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12/04/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दी जाए)

Ret. No. AR-II/37EE 8928/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ashirwad Bldg., 1st Floor, Opp. : Kakad Indl. Estate. Off : L.J. Road, Bombay-400016 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Dr. Kanhoji Arjun Paradkar (Transferor)
2. Dr. Rekha Nitin Chokshi And Mrs. N. M. Desi (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1st Floor, Ashirwad Bldg. Off L. J. Road, opp. Kakad Industrial Estate, Bombay-400016.

The agreement has been registered by the Competent authority. Bombay under Serial No. AR-II/37ED/8928/84-85 Dt : 4-8-1984.

Dated : 12-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन सं अई-2/37-ईई/10097/84-85 :—अतः मुझे, नरमण दाम, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस पर उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. ए-14, जागृती को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड एल. जे. रोड, माहिम बम्बई-400016 में स्थित है है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(का) और अंतरनी(याँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत न दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269ष के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवक्तियाँ, अर्थात् :—

1. श्री एम. ए. जमना । (नं. 1)
2. श्री एम. एम. पै । (अन्तर्गत)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ शुरू करा हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. ए-14, जो जागृती को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड एल. जे. रोड, माहिम, बम्बई-400016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं अई-2/37-ईई/10097/84-85 और जो सक्षम प्राधिकार, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12/04/1985

मोहर :

(जा लागू न हो उक्त बात ध्यान में रखें)

Ref. No. AR-II/37EE/10097/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-14 Jagruti Co-op. Hos. Soc. Ltd., L. J. Road, Mahim, Bombay-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. S. A. Kamat (Transferor)
2. Mr. M. S. Pai (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. A/14, L. J. Road, Jagruti Co-Op Hos. Soc. Ltd., Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/10097/84-85 Dt. 18-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10051/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दाम. आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिनकी सं. प्लैट नं. 29-वीं कामरी मजीन जयगणेश को-ऑप हा. सोसा. लि. में वापस बापट मार्ग, महिम (प.), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 16/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसूची में से उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

1. श्रीमती पी एम. धौतश्वरकर और अन्य (अन्तरक)
2. श्रीमती ईला रश्मीकान्त पारीख । (अन्तरिती)
3. --- (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 29-बी जगमोहन को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, सेनापति बापट मार्ग, महिम (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि य में आई-2/37ईई/10054/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10054/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 29.B Jaiganesh Co-Op Hos. Soc. Ltd., Senapati Bapat Marg, Mahim (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such

apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- Mrs. P. M. Dhopeshwarkar and Others (Transferor)
- Mrs. Ila Rashmikant Pankh (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later :
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 29B Jaiganesh Co-op. Hos. Soc. Ltd., Senapati Bapat Marg, Mahim (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10054/84-85 Dt. 16-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश न. अई-2/37-ईई/10075/84-85. उन मुझे, लक्ष्मण दस, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे उसने उसके पञ्चातु "उक्त अधिनियम, कहा गया है) का धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकार को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है और जिसमें 19, तामागा, अजय शॉपिंग सेंटर, टी. जे. कटारिया मार्ग, माटुंगा (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा प्राथमिक अधिनियम को धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निम्न अनुपात की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिफल में अधिक है और अंतर (को) और अन्तरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है —

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिपत् —

1. मैमर्स फार्मा सर्विसेस (अन्तरक)
2. मैमर्स सर्विस इन्डिया (अन्तरिती)
3. —
- (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
- (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या सत्संबन्धी व्यक्तियों पर

166 (3)/85-42

सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या सत्संबन्धी सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए गए पत्रों द्वारा।

सम्पत्तिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"दुकान नं. 19, तामागा, अजय शॉपिंग सेंटर, टी. जे. कटारिया मार्ग, माटुंगा (पश्चिम), बम्बई स्थित है।

अनुसूची जिस कि नं. अई-2/37ईई/10075/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1995

मोहर :

(जो लागू न हो उसे ताट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10075/84-85 —Whereas, 1, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 19, Ground Floor, Ajay Shopping Centre, T. J. Katara Marg, Matunga (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the

transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Pharma Services. (Transferor)
2. M/s. Service India (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 19, Ground Floor, Ajay Shopping Centre, T.J. Kataria Marg, Matunga (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37LE] 10075 84-85, Dt. 17-8-1984

Dated : 12-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

तारीख, 8 अप्रैल, 1985

निर्देशन सं अई 2/37-ईई/10291/84-85-अतः मूख्य, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) में उसे इससे पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) को धारा 269D के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विचार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संपत्ति नं. 11, जी. प्लॉट नं. 581-जे, श्री गंगा नगर को-ऑप सोसाइटी द्वारा (प) बम्बई-52 में स्थित है

(और इसमें अपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और निम्न स्थानों पर आयकर अधिनियम की धारा 269D के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी को कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 25-8-1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में इस के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मध्ये यह विचार करने का कारण है कि संपूर्णतः सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रविणता से अधिक और अतः (को) और अन्तर्गत (को) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए न्यून पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से तमी करने या इससे इच्छते में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की निम्न भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः उक्त उक्त अधिनियम की धारा 269D के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269D की धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन—

- 1 श्री ईश्वरदास बच्चन जी। (अन्तरक)
- 2 श्री गंगाधरदास जे. तिल जी। (अन्तर्गति)
3. _____
(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोक्ष में सम्पत्ति है)
4. _____

(वह व्यक्ति, जिसके नाम में अवरोहताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में भीतर हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवरोहताक्षरी के नाम लिखित में किया जा सकेगा।

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) या इनका अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उत्तराधिकार प्राप्त प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिग्री में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (ii) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. पॅटसन कन्स्ट्रक्शन्स । (अन्तराष्ट्रिय)
2. श्री मुरली चैतन्य लाला और श्री अनिल मुरली लाला (अन्तराष्ट्रिय)
3. — (वह व्यक्ति जिसने अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसने वारे से अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“दु.ग.न. 8, जो, ग्राउंड फ्लोर, निर्माणधोन इमारत, इमारत बा, गंगगिरी प्रिमायनेस को-ऑप. सोसायटी लि. कार्टर रोड, खार-दांडा बम्बई-52 में स्थित है।

अनुसूची जाति. सं. ईई-2/37ईई/88 26/8 4-8 5 और जो सक्षम प्राधिकार बम्बई द्वारा दिनांक 2/8/1983 का रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे वाट दीजिये।)

Ref. No. AR. II/37EE/8826/1984-85.—Whereas I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 8/Gr. Floor, Prop. Bldg. Bldg.-B., Gangagiri Premises Co-op. Hsg. Society Ltd; Carter Road, Khardanda, Bombay-52 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Patson Constructions (Transferor)
2. 1. Shri. Murli Chainrai Lala & (Transferee)
2. Shri. Anil Murli Lala
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 8, Ground Floor, in Proposed Building, Bldg.-B, Gangagiri Premises Co-operative Housing Society Ltd; Carter Road, Khardanda, Bombay-400052

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A.R. II/37EE/8826/84-85 on 2-8-1984.

Dated : 4-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37ईई/10152/84-85—अंतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. में अधिक है और जिसकी संपत्ति प्लेट नं. 2 तलमाला, रोशन दीप, को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड 15वां रास्ता, खार, बम्बई-52 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पद पर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय जाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री इडल फॅमरोल दे लाई, मेरवान फॅमरोल दे लाई और दिनशा फॅमरोल दे लाई। (अन्तरक)
2. श्री शाहनाज मेहताजी सुलेमान और श्री मेहेराजी सुलेमान। (अन्तरिनी)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिसूचन में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके द्वारा अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न कार्यवाहियों शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी

अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं. 2, जो, तलमाला, रोशन दीप, को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 15वां रास्ता, खार, बम्बई 400052 में स्थित है।

अनुसूची जमाकि क्र. सं. आई-2/37ईई/10152/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 10/4/1985

मोहर.

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/10152/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, Ground Floor, Roshan Deep Co-operative Housing Society Limited, 15th Road, Khar, Bombay-52 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Edal Framroze Desai
Mr. Merwan Framroze Desai and
Mr. Dinshaw Framroz Desai (Transferor)
2. Mrs. Shahbaz Meharali Suleman and
Mr. Meherali Suleman. (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, Ground Floor, Shan Deep, Co-operative Housing Society Limited, 15th Road, Khar, Bombay-400052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE. 10152/84-85 dated 13-8-1984.

Dated : 10 April. 1985.

Seal.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/888 5/8 4-8 5.-अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. ऑफिस नं. 14-ए, जो, 1 वी मंजिल, बिना बिना शॉपिंग सेंटर प्रिमायमेस को-ऑप. सोसाइटी लि., बम्बई-50 में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क.ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिनी(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दबाने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. मैसर्स एम. एन. कन्स्ट्रक्शन। (अन्तरक)

2. मैसर्स अबोध कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लि.। (अन्तरिनी)

3. —

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"ऑफिस नं. 14-ए, जो, 1 वी मंजिल, बिना बिना शॉपिंग सेंटर प्रिमायमेस को-ऑप. सोसाइटी लि., बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जी 11 फी. क्र. सं. अई-2/37ईई/888 5/8 4-8 5 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 11-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे वाट दीजिए)

Bombay, the 11th April, 1985

Ref. No. AR-II[37EE]8885[84-85].—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 14-A, 1st Floor, Veena Beena Shopping Centre Premises Co.-Op Housing Society Ltd., Bombay-50. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. M. N Construction (Transferor)
2. M/s. Abode Construction Pvt Ltd (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Office No. 14-A, 1st Floor, Veena Beena Shopping Centre, Premises Co- Op-Housing Society Ltd, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37EE]8885[84-85].

3-8-84.

Dated : 11-4-1985.

Seal.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अई-2/37-ईई/10294/84-85 --अन मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु के अधि है और जिसकी ग. फ्लैट नं 6, जो, लिटल गिफ्ट को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., 19वां रास्ता, खार दाडा, बम्बई-52 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका प्रारम्भात्मक आयकर अधिनियम की धारा 269A के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसमें दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधि है और अन्तर/अन्तरको और अन्तरित/अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्मातृलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

उक्त अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निर्मातृलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

1. श्रीमती उर्मिला ओमप्रकाश खन्ना । (अन्तरक)
2. श्री महेश केशवदास मेनानी (अन्तरित)

3. अन्तरिती— (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-पक्ष है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितपक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 6, जो, लिटल गिफ्ट को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., 19वां रास्ता, खार दांडा, बम्बई-52 में स्थित है।

अनुसूची जमाकी क्र. सं. अई-2/37ईई/10294/84-85 और जो सक्षम प्राप्ति परी, बम्बई द्वारा दिनांक 25/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 11/4/1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10294/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 6, Little Gift C.H.S.Ltd., 19th Road, Khar Danda, Bombay-52 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considera-

tion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Smt. Urmila Omprakash Khanna (Transferor)
- Shri Mahesh Keshwdas Sainani ((Transferee)
- Transferee
(Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 6, Little Gift Co-op. Housing Society Ltd., 19th Road, Khar Danda, Bombay-400052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10294/84-85 on 25-8-1984.

Dated 11-4-1985.

Seal.

(Strike off where not applicable)

मिशन म. अर्ड-2/37ईई/10208/84-85 — अन मूझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें हमके पञ्चान "उक्त अधिनियम कहा गया है") की धारा 269B के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 1,00,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 3 जो पहली मंजिल, प्लॉट नं. 1, गोल्फ लिंक्स, 5 पाली हिल रोड, खान, बम्बई-52 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 21-8-1984 को पूर्वांत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पट्टेह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(को) और अंतरिनी(या) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मूर्खता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में मूर्खता के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उन धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री. मिनू जोशी दीनशा और श्रीमति मनी मिनू दीनशा । (अन्तरक)
2. श्रीमति हिल्ला ट कुका और रोशन सुशीद कका । (अन्तरिनी)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या लक्ष्यबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 35 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 3 जो पहली मंजिल, प्लॉट नं. 1, गोल्फ लिंक्स 5 पाली हिल रोड, खान, बम्बई-52 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की म. अर्ड-2/37ईई/10208/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21/8/1984 का रजि टर्ड किया गया है ।

तारीख 11-4-1985

मोहर .

(जो नाम न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10208/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, 1st Floor, Plot No. 1, Golf Links, 5 Pali Hill Road, Khan, Bombay-52 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this

notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Minoo Jokhi Dinshan and Mrs. Mani Minoo Dinshan (Transferor)
2. Mrs. Hilla Erach Kooka and Mrs. Roshan Kmoorshed Kuka (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3, 1st Floor, Plot No. 1, Golf Links. 5 Pali Hill Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10208/84-85.

Datd : 11-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8830/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लेट नं. 6 जो प्लॉट नं. 532, ज्युपिटर निकेतन को-ऑप. हाउसिंग लि. खार बम्बई-52 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त

सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ठेके अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. गिरीश सुरचंद बेलानी । (अन्तरक)
2. श्री सुकरनदास शंवारामानी और (अन्तरिती)
[अर्जनदास शंवारामानी ।
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लेट नं. 6, जो प्लॉट नं. 532, ज्युपिटर निकेतन को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी खार बम्बई-52 में स्थित है ।

अनुसूचा जैव कि क्र.सं. ई-2/37ईई/8830/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8830/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 6, Plot No. 532, Jupiter Niketan Co. op. Hsg. Society Ltd., Khar Bombay-52. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

1. Girish Surchand Belani (Transferor)
2. Shri Sukarandas Shewaramani and Shri Arandas Shewaramani (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publi-

cation of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 6, Plot No. 532, Jupiter Niketan Co-op. Housing Society Ltd., Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8830/84-85.

Dated : 11-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. ईई-2/37-ईई/10113/84-85 :— अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 6, जो प्लॉट नं. 532, ज्युपिटर निकेतन हाउसिंग सोसाइटी रोड नं. 17 खार बम्बई-52. में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269C के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (को) और अन्तरिती (गों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायि में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में व्यक्ति के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री गिरीश सुरचन्द बेरानी । (अन्तरक)
2. श्री सुख रामदास शेवारामानी और श्री अर्जुन दास शेवारामानी । (अन्तरिनी)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"प्लॉट नं. 6, प्लॉट नं. 532, रोड नं. 17, युनाइटेड निकेतन को.—ग्राम हाउसिंग सोसाइटी, खार बम्बई-52 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि व. सं. अई-2/37ईई/10113/84-85 और जो राक्षस प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख: 11-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-III/37EE/10113/84-85.—Whereas, 1. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 6, Plot No. 532, United Niketan Co. op. Hsg. Society, Road No. 17, Khar, Bombay-52 (and more fully described in the Sche-

dule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Girish Surchand Belani (Transferor)
2. Shri Sukhramdas Shewaramani and Shri Arjundas Shewaramani (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 6, Plot No. 532, United Niketan Co. op. Hsg. Society, Road No. 17, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10113/84-85.

Dated : 11-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10275/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और स प्लॉट नं. 601, जो 6वीं मंजिल, मंगल भंडार, प्लॉट नं. 539, टी. पी. एस. 3, 13वां रोस्ता, खार, बम्बई-52 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कगर्नामा आयकर अधिनियम धारा की 269कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 25/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिनी (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के शायिस्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आगियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसूच में, में उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1 श्रीमति मनजीत आनंद और

मास्टर मनप्रिय आनंद थू हिज फादर

अण्ड मैचरन्ग गाडियन तन्त्रोवन सिंग

आनंद ।

(अन्तरक)

2. श्री. कीरुमल मेहरूमल, श्रीमति हूरबाई

कोरुमल, श्री मन्नक राम कोरुमल ।

और श्रीमति कमलाबाई मवकरगम ।

(अन्तरिनी)

3. अन्तरनितियों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता

है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिता शुरू करता है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"प्लॉट नं. 601, जो, 6वीं मंजिल, मंगल भंडार, प्लॉट नं. 539, टी. पी. एस. 3, 13वां रोस्ता, खार, बम्बई-52 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की प्र.सं. अई-2/37ईई/10275/84-85 जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को और रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10275/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 601 6th Floor, Mangal Bhandar, Plot No. 539, T.P.S. 3, 13th Road, Khar, Bombay-52. (and more fully described in Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Manjeet Anand and Master Manpreet Anand (Transferor)
2. (1) Shri Kauromal Mehramal (2) Smt. Hoorbai Kauromal (3) Shri Shewakram Kauromal (4) Smt. Kamalabai Shewakram. (Transferee)
3. Transferee (Person in occupation of the property)
4. ——— (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 601, 6th Floor, Mangal Bhandar, Plot No. 539, T.P.S. No. 3, 13th Floor, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10275/84-85 dated 25-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/10290/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अंतरण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक और जिसकी सं फ्लैट नं. 588-एन, जो श्री रामनगर कॉन्फ्लैटिव हाउसिंग सोसाइटी लि., खार, बम्बई-52 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अर्जित कागर्ज है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण में हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-क अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्रीमती गिताबाई मोहनदास आहुजा । (अंतरक)
2. श्री हंसराज किशनदास चावला । (अंतरिती)
3. ——— (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. ——— (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 588-ए, जो, श्री रामनगर को-ऑप
हाउसिंग सोसाइटी लि., 3रा रास्ता, खार, बम्बई-52
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37ईई/10290/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 11/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10290/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 588-N, Shree Ramnagar Co-op. Hsg. Society Ltd., 3rd Road, Khar, Bombay-52, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Sitabhai Mohandas Ahuja (Transferor)
2. Mr. Hansraj Kishindas Chawla (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. N-588, Shree Ramnagar Co-op. Hsg. Society Ltd., 3rd Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10290/84-85, dated 25-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश में अई-2/37-ईई/10172/84-85 —अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें हमारे पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवरण देने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 13, जो, 3री मजिल, लिलीयन अपार्टमेंट्स को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., वृद्धम विल्जेज के पास, खार रोड, डॉ. आंबेडकर रोड, खार, बम्बई-52 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ब) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आशियाना की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उपयोगार्थ अन्तारिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1 श्री शिवम एच गियानी और श्रीमती ललिता एम गियानी । (अंतर्राज्य)
- 2 डा. दयाराम गुल्मल चंदनानी । (अंतर्राज्य)
3. अन्तरिनी । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है ।)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि सम्पत्ति में हित-बद्ध है)

यों यह सूचना जारी करके पृथक् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 13, जो, 3री मंजिल, निक्कीयन अपार्टमेंट्स, को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि, चंद्रम विलेज के पास, खार दांडा, डॉ. आंबेडकर रोड, खार, बम्बई-52 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि स. अर्डर-2/37ईई/10172/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

तारीख : 4-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Bombay, the 4th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/10172/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 13, 3rd floor, Lila Apartments Co-op. Housing Society Ltd., Near Chum Village, Khar Danda, Dr. Ambedkar Road, Khar, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Shivam H. Giani and Smt. Lalita S. Giani (Transferor)
2. Dr. Dayaram Gulmal Chandanani (Transferee)
3. Transferee (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd Floor, Lilian Apartments Co-op Hsg. Society Ltd., Near Chuim Village, Khar Danda, Dr. Ambedkar Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10172, dated 18-8-84.

Dated 14-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8843/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि म्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 7, जो, 2री मंजिल, इमारत नं. 3, प्लॉट नं. 8, भवानी नगर, मंगोल-मंगोली रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या 166 GI/85—44

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. दीपना विल्डर्स प्रायवेट लि.। (अंतरक)
2. श्री पी. एन. डिमेनो। (अंतरिती)
3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —
- (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 7, जो, 2री मंजिल, इमारत नं. 3, प्लॉट नं. 8, भवानी नगर, मंगोल-मंगोली रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं. अई-2/37ईई/8843/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8843/84-85.—Whereas, 1. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7, 2nd Floor, Bldg. No. 3, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol-Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Deepak Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Shri P. L. D'Mello (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned known to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. 7, 2nd Floor, Bldg. No. 3, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol-Maroshi Road, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8843/84-85, dated 3-8-1984

Dated: 11th April, 1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन सं. अई-2/37ईई/8844/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 12, जो, 3री मंजिल, इमारत नं. 1, प्लॉट नं. 8, भवानी नगर, मरोल-मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (और इसमें उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिती/अंतरिनियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. दीपक बिल्डर्स प्राइवेट लि. (अर्जक)
2. अलीफिया अस्गर शकीर और साफुद्दीन शबबुर-हसन चरबीवाल (अर्जित)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि यह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके परोक्ष सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर परोक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें परोक्ष शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 12, जो, 3री मंजिल, इमारत नं. 1, फ्लैट नं. 8, भवानी नगर, मरीन मार्गरी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. में अर्द्ध-2/37ईई/88 44/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ता. 4-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8844/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12, 3rd Floor Bldg. No 1, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 296AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Deepak Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Alefiya Asger Shakir and Saifuddin Shabbir-hussein Charbiwala (Transferee)
3. Transferees
(Person in occupation of the property)
4. —

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd Floor, Bldg. No. 1, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8844/84-85 Dt. 3-8-1984.

Dated : 4th April, 1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10273/84-85—अनः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 15, जो 4थी मंजिल, इसारत नं. 4 प्लॉट नं. 16, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड अंधेरी (पूर्व) बम्बई-61, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कां) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी बन् या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए

अनः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. दीपक विल्डर्म प्राइवेट लि.। (अंतरक)
2. धिरजलाल जयवीरलाल शहा और मिता धिरजलाल शहा। (अन्तरिती)

3.—

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.—

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 15, जो, 4थी मंजिल, इसारत नं. 4, प्लॉट नं. 16, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10273/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ता : 4-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10273/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 15, 4th Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 16, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Rd., Andheri (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of

such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Deepak Builders Pvt. Ltd., (Transferor)
2. Dhirajlal Jayanthilal Shah and Meena Dhirajlal Shah (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 15, 4th Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 16, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II, 37EE/10273/84-85 Dt. 25-8-84.

Dated : 4th April, 1984.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10144/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें हमके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी प्लेट न. 404 जो 4थी मंजिल, राजेंद्र को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, चकाला, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में वाम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(याँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें इचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आगित्यों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तित्वी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स आमेक्स बिल्डर्स एंड कांस्ट्रक्टर्स। (अंतरक)
2. श्री एस. कुमार गोपाल। (अंतरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में संपत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अध्याहस्ताक्षरों जानता है, की वह संपत्ति में हिस्सा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 404 जो, 4 थी मंजिल राजेंद्र को-आप, हाउसिंग सोसाइटी, चकाला, बम्बई, अंधेरी (पूर्व), में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10144/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ता : 4-4-85

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10144/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 404, 4th Floor, Rajendra Co. Op. Housing Society, Chakala, Andheri (E), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Omex Builders and Contractors
(Transferor)
2. Shri M. S. Kumar Gopal (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 404, 4th Floor, Rajendra Co. Op. Housing Society, Chakala, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10144/84-85

Dated: 4th April, 1984.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10141/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 303 जो, 3री मंजिल राजेंद्र को-आप हाउसिंग सोसाइटी, चकाला अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है,

तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरण(को) और अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शब्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स ओमेक्स बिल्डर्स एंड कान्ट्रक्टर्स । (अन्तरक)
2. एम. ए. वंचीनाथ । (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिगोण में सम्पत्ति है)
4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 303 जो 3 री मजिल राजेन्द्र कॉ-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, चकाला, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10141/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ता० 4-4-84

मोहर :

(जो लागू न हो उः काट दीजिय)

Ref. No. AR-II[37EE]10141[84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 303, 3rd Floor, 'Rajendra Co-operative Housing Society Ltd., Chakala, Andheri (East), Bombay-400093 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M's. Omex Builders & Contractors
(Transferor)
2. S. A. Vanchinath
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 303, Rajendra Co-op. Housing Society Ltd., Ground Floor, Chakala, Anandhi (F), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/371 E/10141/84-85 dated 18-8-1984.

Date : 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10139/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, अयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहाँ गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी दुकान नं. 1 जो ग्राउंड फ्लोअर विद्यादानी को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, इमारत नं. ए-1 चकाला अंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कार्यान्वयन आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में इस के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, एंड दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरती(यो) के बीच एंडे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैमर्स इंडिको कंस्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

2. श्री स्टीफन फिलिप डिसिल्वा।

(अन्तरिनी)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी उचित दृष्टि से मर्यादित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध दिवारी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं. 1 जो, ग्राउंड फ्लोअर विद्यादानी को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, इमारत ए-1, चकाला अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37ईई/10139/84-85 जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10139/84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 1, Ground Floor, Bldg. A-1, Vidyadani Co-op. Housing Society Sahar Village, Andheri (East), Bombay-400069 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Indico Construction Co. (Transferor)
2. Mr. Stephen Philip D'Silva (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning * as given in that Chapter.

SCHEDULE

Vidyadani Co-op. Housing Society, Shop No. 1, Bldg. No. A-1, Ground Floor, Chakala, Andheri (E),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10139/84-85 dated 18-8-1984.

Date 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10138/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है (और जिसकी सं. दुकान नं. 1 और 2, जॉ. शाउंड फ्लोर, विद्यादानी को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी, इमारत नं. बी-2, चकाला अंधेरी (पूर्व), बकई में स्थित है और इसमें उपावद्ध अन्तर्गामी में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदार्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्गत (को) और अन्तर्गामी (यो) के बीच ऐसे अन्तर्गत के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्गत लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तर्गत से हुई किसी आय की राशि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व से कमी करने या उससे दक्षते से सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिगों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गामी द्वारा एकत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वये में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के प्रति :-

1. मैमर्स इंडिको कंस्ट्रक्शन कंपनी। (अंतरक)
2. श्रीमती मिनानी फर्नान्डीस। (अन्तरिणी)
3. —
- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
- (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कर रहा हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगमची

दुकान नं. 1 और 2, जो, ग्राउंड फ्लोर, विद्यादानी को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, इमारत नं. बी-2, चकाला, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अतसूची जसा कि क. में. आई-2/37ईई/10138/84-85 और जो मन्त्रम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10138/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 1 & 2, Ground Floor, Bldg No. B-2 Vidyadani Co-op. Housing Society, Sahar Village, Andheri (E), Bombay-400069 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the

Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- 1 Ms. Indico Construction Co. (Transferor)
- 2 Mrs. Minano Fernandes (Transferee)
3. —
- (Person in occupation of the property)
4. —
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Vidyadani Co-op. Housing Society, Shop No. 1 & 2 Ground Floor, Bldg. B-2, Chakala, Andheri (E).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10138/84-85 dated 18-8-1984.

Date : 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8949/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. से अधिक है और जिसकी स. (दुकान न. 9, जी. ग्राउंड फ्लोर, विद्यादानी को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, इमारत न. बी-2, चकाला, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(को) और अन्तरिनी(यां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तदुपाय प्राप्त गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसमें दबाने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दायित्वार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उपाति:—

1. मैसर्स इंडिको कन्स्ट्रक्शन कंपनी। (अन्तरक)

2. श्री मानजी जेसमा पटेल। (अन्तरिनी)

3.—

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.—

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त अधोहस्ताक्षरी में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“दुकान न. 9, जी. ग्राउंड फ्लोर, विद्यादानी को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, इमारत बी-2, चकाला, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

[अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/8949/84-85, और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4-4-1985

मोहर .

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8949/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing Shop No. 9, Ground Floor, Vidyadani Co-op. Housing Society, Bldg. No. B-2, Chakala, Andheri (East), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Indico Construction Company
(Transferee)
2. Manji Jessa Patel (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Vidyadani Co-op. Housing Society, Shop No. 9, Ground Floor, Bldg. B-2, Chakala, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE 8949/84-85 dated 4-8-1984.

Date : 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश नं० अई-2/37-ईई/10140/84-85.--अन सझे, लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 13) (जिसे उसमें उसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथावत सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और

जिसकी सं० दुकान नं० 11, जॉ, ग्राउंड फ्लोर, विद्यादानी को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी, इमारत नं० ए-1, चकाला, अंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुमोक्षी में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरको और अन्तर्गत/अन्तर्गतियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से वक्षित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सन्निधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्लिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सन्निधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. सैमर्स इंडिको कंस्ट्रक्शन कंपनी। (अंतरक)
2. श्री पीटर अन्दाडे। (अन्तर्लिनी)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्वय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं. 11, जो, ग्राउंड फ्लोर, विद्यादानी को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, इमारत नं-1, चकाला अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है:

अनुसूची जैसा कि क्र. म. अई-2/37 ईई/10140/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4/4/1985

सोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दें)

Ref. No. AR-II/37EE/10140/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 11, Ground Floor, Vidyadani Co-op. Housing Society, Bldg. No. A-1, Chakala, Andheri (East), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Indico Construction Co. (Transferor)
2. Shri Peter Andrede (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Vidyadani Co-op. Housing Society, Shop No. 11, Ground Floor, Bldg. No. A-1, Chakala, Andheri (E).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10140/84-85 dated 18-8-1984.

Date : 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8976/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं.

आयकर अधिनियम की धारा 269कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक(कों) और अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. दीपक विल्डर्स प्राइवेट लि. (अतरक)

2. गीता बक्शी और अवतार नारायण बक्शी, एच. यु. एफ (अंतरिती)

3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अनुयाय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 1, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं. 4, प्लॉट नं. 14, भवानी नगर मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37ईई/8976/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4/4/1985.

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8976/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1, Ground Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 14, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-400059 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Deepak Builders Pvt. Ltd. (Transferor)

2. Geeta Bhakshi & Avtar Narayan Bhakshi H.U.F. (Transferee)

3. — (Person in occupation of the property)

4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No 1, Ground Floor, Bldg. No. 4, Plot No 14, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8976/84-85 dated 6-8-1984.

Date : 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8979/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु में अधिगत है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 4, जो 1ली मंजिल, इमारत नं. 5, प्लॉट नं. 8, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शकल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. दीप : बिल्डमें प्रायवेट लि । (अन्तरक)
2. विन्सेंट डिमोज़ा । (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न कार्यवाहियों शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 4, जो 1ली मंजिल, इमारत नं. 5, प्लॉट नं. 8, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है ।

अनुसूची है कि सं. अई-2/37ईई/8979/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख: 4/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8979/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, 1st Floor, Bldg. No. 5, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-400059 (and more described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Deepak Builders Pvt Ltd. (Transferor)
2. Vinsent D'Souza. (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 4, 1st Floor, Bldg. No. 5, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8979/84-85 dated 6-8-1984.

Date : 4-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9752/84-85 --अत मझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 3, जं. 1ली मंजिल, इमारत नं. 4, प्लॉट नं. 8, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती(यो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की शकत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. दिपक बिल्डर्स प्राइवेट लि.। (अन्तरः)
2. स्टेव डेविड और स्टानिलास टी जे फ्रासर। (अन्तरितः)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 3, जो, पहली मंजिल, इमारत नं. 1, प्लॉट नं. 8, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं अई-2/37ईई/9752/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक

10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 4/4/1985

मोहर:

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9752/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, 1st Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-400059 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is

166 GI/85-46

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Deepak Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Steve David & Stanilaus T J. Fraser (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty-five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3, 1st Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9752/84-85 dated 10-8-1984.

Date : 4-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37ईई/9749/84-85—अतः मंजूर, लक्ष्मण दास, आरक्षक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु० से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 4, जो पहली मंजिल, इमारत नं. 4, प्लॉट नं. 8, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लि.। (अन्तरक)
2. डायगो मैस्केरेन्हस। (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है।)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 4, जो, पहली मंजिल, इमारत नं. 4, प्लॉट नं. 8, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. आई-2/37ईई/9749/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख :- 4-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9749/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, 1st Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Deepak Builders Pvt. Ltd., (Transferor)
2. Diago Mascarenhas (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 4, 1st Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/9749/84-85.

Date : 10-8-1984.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश नं. अई-2/37ईई/10090/84-85 -- अतः मुझे लक्ष्मण दार प्राप्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने हमारे पञ्चान, "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु में अधि है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 12, जो, 3 री मरिव, इमारत नं. 4, प्लॉट नं. 6, भवानी नगर, मरोल मराशी रोड, अधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. दिपन धिन्डर्स प्राथवेद लि (अन्तरक)
2. जगदाण माधव दाते (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

क। यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 12, जे. भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि यम आई-2/37ईई/10090/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 4/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उस काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10090/84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 12, 3rd Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 6, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Deepak Builders Pvt Ltd., (Transferor)
- Jagdish Madhav Date (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 6 Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri(E).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/10090/84-85, dt. 18-8-1984.

Dated : 4th April, 1985

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन सं आई-2/37ईई/10347/84-85 :-— अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 26 घ में अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने में आया है कि स्थावर सम्पत्ति जिन पर उक्त बाजार मूल्य 100000/- रु में अधिक है और जिनकी सं फ्लैट नं. 1, जो, इमारत नं. 2, प्लॉट नं. 17, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका कारगनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 25/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(कों) और अंतर्गती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दाखल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में बाधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी अग या किसी धन या अन्य आगियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उपयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सन्दिग्ध के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. आनंदी एम. सिरिया । (अन्तरिती)
2. श्री राजू अबेनेस । (अन्तरिती)
3. —
- (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
- (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदी

“फ्लैट नं. 1, जो इमारत नं. 2, प्लॉट नं. 17, भवानी नगर मरोल मरोशी रोड, बम्बई-59 में स्थित है।

अनुमोदी जैसा कि स. अर्द्ध-2/37ईई/10347/84-85 और जो मक्षम प्राधिभारी बम्बई द्वारा दिना. 15/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 4/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिया)

Ret. No. AR-II/37EE/10347/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1, Bldg. No. 2, Plot No. 17, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Anandi M. Siroya (Transferor)
2. Shri Raju Abenes (Transferee)
3. —
- (Person in occupation of the property)
4. —
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1, Bldg. No. 2, Plot No 17, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10347|84-85, dt. 25-8-1984.

Dated : 4th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश नं. अई-2/37ईई/10274/84-85 —अन, मुझे लक्ष्मण दास आशगर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इनके पश्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सफलेत नं. 3 और 4, जो पहली मजिल इमारत नं. 2, प्लॉट नं. 8, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है। (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदार्थ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (यों) के बीच ऐम अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(फ) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अज उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. दिपक विल्डम प्रायवेट लि. (अन्तरक)
2. परमेश्वर मास्त्री रासनाथन्. (अन्तरिती)
3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फलेत नं. 3 और 4, जो, पहली मजिल, इमारत नं. 2, प्लॉट नं. 8, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अ. स. अई-2/37ईई/10274/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10274|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 3, 4, 1st Floor, Bldg. No. 2, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Deepak Builders Pvt Ltd. (Transferor)
2. Parameswara Shastri Ramanathan (Transferor)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3 and 4, 1st Floor, Bldg. No. 2, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EF/10274/84-85, dt. 25-8-1984.

Dated : 4th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई- 2/37ईई/9947/84-85. —अन
मुझे नक्षमण दास आयर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इन्हें पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. ने अधिन है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 9, दूसरी मंजिल, बिल फिज्ज अपार्टमेंट, महागली केवज रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई 400093, में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका नगरनामा आसदार अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री लैंग अहमद । (अन्तरक)
2. श्री जी. बी. प्रमाण । (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 15 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवश किया अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के लिये लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 9, 2nd फ्लोर मज़िल, बिल्किस अपार्टमेंट महाकाली केवज रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई-400093 में स्थित है।"

अनुसूची जमा की क्र. म. अर्द्ध-2/37ईई/9947/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 9-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9947/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 9, 2nd Floor, Bilquis Apt., Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Laiq Ahmed (Transferor)
2. Shri G. B. Prakash (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd Floor, Bilquis Apartments, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9947/84-85, dt. 13-8-1984

Dated : 9th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अर्द्ध-2/37ईई/10072/84-85 —अन मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. अमोन या अंग या भूखण्ड महाकाली केवज रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास

के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निर्मालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सहायता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निर्मालिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती कृष्णा चप्पूर । (अन्तरक)
 2. श्रीमती रेखा चप्पूर । (अन्तरिनी)
 3. —————
- (वह व्यक्ति जिसके अविभाग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किया जा सकेगा ।

साष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया गया है ।

अनुमोची

“जमीन का अंश या भूखण्ड जो महा काली केवज रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है ।”

अनुमोची जैसा कि क्र.सं आई-2/37/10072/84-85 और जो गवर्नर प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 9-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दोजिये)

Ref. No. AR-II[37EE]10072[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing a piece or parcel of land at Mahakali Caves Road, Andheri (F), Bombay (and more 17-8-1984 for an apparent consideration which is fully described in the Schedule annexed hereto), has transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Krishna Kapur (Transferor)
2. Mrs. Prabha Kapoor (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

A piece or parcel of land, Plot No. 182, Shere Punjab Housing Society Ltd., Mahakali Caves Road, Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-JI/37EE/10072/84-85, dt. 17-8-1984.

Dated : 9th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10026/84-85 :- अतः मूखे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे मैं इस इसके पञ्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. जमीन, गिटीएम नं. 371, वीलेज गूण्डवली, अंधेरी कुर्ला रोड के सामने, अंधेरी (पूरब) बम्बई-400069 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 16-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,

निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. मैसर्स लीव होम्स । (अन्तरक)
2. श्री नीतिन हरमुखलाल दोशी तथा श्रीमती उषा नितीन दोशी (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो' के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के उक्त स्थावर सम्पत्ति में भीतर हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में, परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"जमीन, जो मि. टी. एम. नं. 371, वीलेज गूण्डवली, अंधेरी कुर्ला रोड के सामने अंधेरी (पूरब) बम्बई 400069 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10026/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16/08/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 9-4-1985

मोहर :

जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

Ref. No. AR-II/37EE/10026/84-85.—Whereas, 1. LAXMIAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing CTS No. 371, Village Gundavali, Off Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay-400069 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- M/s. Live Homes (Transferor)
- Mr. Nitin Harsukhlal Doshi and Mrs. Usha Nitin Doshi (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of

the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

CTS No. 371, Village Gundavali, Off Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10026/84-85, dt. 16-8-1984.

Dated : 9th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

बम्बई, 10 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9061/84-85 :- अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन गठम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 3, जो, ग्राउंड फ्लोर, महाकाली केव्ज रोड, इमारत नं. 29, रामया जीवन को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., अंधेरी बम्बई-93 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसूच में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- श्रीमती कमला जवाहर वैद्य । (अन्तरक)
- श्री दिलीप सदाशिव सकपाल और श्रीमती दिलीप सकपाल । (अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू कर्ना ह। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 3, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं. 29, महाकाली केवज रोड, रामया जी वन को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., अंधेरी, (पूर्व) बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/9061/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Bombay, the 10th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/9061/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, Ground Floor, Mahakali Caves Road, Bldg. No. 29, Ramaya Jeevan Co-op. Hsg. Society Ltd., Andheri (E), Bombay-93 (and more 4-8-1984 for an apparent consideration which is fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Smt. Kamala Jawahar Vaidya (Transferor)
- Shri Dilip Sadasiv Sakpal and Mrs. Sharmila Dilip Sakpal (Transferee)
- Transferor

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons as within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3, Ground Floor, Mahakali Caves Road, Bldg. No. 29, Ramaya Jeevan Co-op. Hsg. Society Ltd., Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9061/84-85, dt. 4-8-1984.

Dated : 10th April, 1985

Seal :

(Strike off where no applicable.)

निर्देश नं अई-2/37ईई/ 8977/84-85 -अन.
मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स फ्लैट नं. 2, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं. 4, प्लॉट नं. 14, भवानी नगर, मंगोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिनी (यों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई निम्नी आय की वास्तविक आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आन या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिम्मे भारतीय आयदाय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, न उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री/श्रीमती/कुमारी :— दिपक बिल्डिंग प्राइवेट लि. (अंतरक)
2. श्री/श्रीमती/कुमारी :— अवतार लारायण बक्शी एच. यू. एफ. (अन्तरिनी)
3. —
4. (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्मुख

फ्लैट नं. 2, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं. 4, प्लॉट नं. 14, भवानी नगर, मंगोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37ईई/8977/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8977/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, Ground Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 14, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri(E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Deepak Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Avtar Narayana Bhakshi H.U.F. (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, Ground Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 14, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8977/84-85, dt. 6-8-1984.

Dated : 4th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म. अई-3/37ईई/8978/84-85 :- अतः मुझ, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. क्लैट नं० 11 जो, 3री मंजिल इमारत नं. 1, प्लॉट नं. 6, भवानी नगर, मरोल मरोशी, रोड, अंधरी (पूर्व), 59. में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. दीपक बिल्डर्स प्रा. लि. (अन्तरक)
2. श्री गोपाल कृष्णन के. (अन्तरिती)
3. अन्तरकों
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 11, जो, 3री मंजिल, इमारत नं. 1, प्लॉट नं. 6, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जंसा कि क्र. सं. आई-2/37ईई/8978/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 4-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8978/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 1, 3rd Floor, Bldg. No. 1, Plot No. 6, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-400059 (and more 4-8-1984 for an apparent consideration which is Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- Deepak Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
- Shri Gopal Krishnan K. (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective person, whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd Floor, Bldg. No. 1, Plot No. 6, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8978/84-85, dt. 6-8-1984.

Dated : 4th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० आई-2/37ईई/10151/84-85:—अन मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अर्थात् मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्यादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स माईन फ्लैट नं०, पहिला मंजिल, बिल्डिंग नं० 10, शेर-ए-पराव को-ऑपरेटिव सोसायटी लि०, सं० केवडा रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है) (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन, मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दयापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की दायता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक एवं दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निवो की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृहीत के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत् में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत अधिनियम—

1. श्री ए.एस. कोच्चर (अन्तरक)
2. श्री अमरजित सिंह पुरी। (अन्तर्गती)
3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पब्लिक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू कराने हैं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पब्लिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तसची

"गार्डन सार्कड फ्लैट, जो पहिली मंजिल, विन्डिंग नं० 10, जेम्स-गुप्त-शत्रु की-आप-हा-मामाईटी लिमिटेड, महाकाली नेशनल रोड, अंबेरी पुरव वस्ती में स्थित है"

अन्तसची जैसाकि क्र०सं० आई-2/37ईई/10151/81 85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्ती द्वारा दिनांक 18-8-81 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 11-4-1985

मोहर।

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No AR-II/37EE/10151/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Garden Side Flat, First Floor, Bldg. No. 10, Sher-E-Punjab Co-op. Hos. Soc. Ltd., M. Caves Road, Andheri (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. A. S. Kochhar (Transferor)
2. Mr. Amarjit Singh Puri (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Garden Side Flat, First Floor, Bldg. No. 10, Sher-E-Punjab Co-op. Housing Soc. Ltd., M. Caves Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EF/10151/84-85, dt. 18-8-1984.

Dated : 11th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० आई-2/37ईई/9974/84-84 :—अनं मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी यूनिट नं० ए-48, न्यू एम्पायर इस्टेट, अंधेरी, कुर्ला रोड के सामने, अंधेरी (पूर्व) बम्बई-400059, में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने से सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अमीचन्द चौकसी, और (अन्तरक)
श्री चन्द्रकुमार अमीचन्द चौकसी।
2. मैसर्स फ्रेडको कार्पोरेशन (अन्तरिती)
3. अन्तरिणी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के द्वारा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“यूनिट सं० ए-47, जो न्यू एम्पायर इस्टेट, कोमडीवेला रोड, अंधेरी, कुर्ला रोड के सामने, अंधेरी (पूर्व), बम्बई 400059 में स्थित है।”

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/9974/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 11/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9974/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. A-48, New Empire Industrial Estate, Andheri Kurla Road, Andheri (E) Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Amichand Chowkshi and
Shri Chandrakumar Amichand Choksi
(Transferor)
2. M/s. Frezco Corporation (Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. A-48, New Empire Indl. Estate, Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9974/84-85, dt. 14-8-1984.

Dated : 11th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० आई-2/ 37ईई/ 10169/ 84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु० से अधिक है और जिसकी प्लॉट बी-टाइप, चक्रवर्ती अशोक को-ऑप० हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, सहार रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई-400099 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के दायरालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरका (को) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

- 1 श्री विनाद अमृतलाल पांचोली। (अन्तरक)
- 2 श्रीमती सुदाबेन जतेन कुमार शह। (अन्तरक)
- 3 — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- 4 — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट बी-टाइप, चक्रवर्ती अशोक को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड सहार रोड, अंधरी (पूर्व), बम्बई-400099 में स्थित है।”

अनुसूची जैसा कि क्र०म० आई-2/37ईई/10169/84-85 आर जो सन्तम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 11-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No AR-II/37EE/10169,84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat B-Type, Chakravorthy Ashok Co-op Housing Society Ltd, Sahar Road, Andheri (E), Bombay-99 (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and,
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- 1 Shri Vinod Amrutlal Pancholi (Transferor)
- 2 Smt Sudaben Jateen Kumar Shah (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. B-type, Chakraworthi Ashok Co-op. Housing Society Ltd., Shar Road, Andheri (E), Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10169/84-85, dt. 18-8-1984.

Dated : 11th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० अई-2/37ईई/10253/84-85 —अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु० से अधिक है और जिसकी फ्लैट न० बी/3, 19 सिंधिया को-आप० हा० सोसाइटी लिमिटेड, सर एम०वी० रोड, अंधेरी (पूरब), बम्बई में स्थित है है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 24-8-1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के सम क दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उससे दृष्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(को) अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री एम०एम० सबनीस (अन्तरक)
2. श्री एम०आर० कानोन्दा ऐंड एम०एम० कानोन्दा । (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसका अधिमार्ग से सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसका बांधे में अधोहस्ताक्षरों जानना है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण .—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट न० बी/3, जो 19, सिंधिया को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, सर एम०वी० रोड अंधेरी (पूरब), बम्बई में स्थित है प”

अनुसूची जैसा कि क्र०स० अई-2/37ईई/10253/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-08-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे छटा दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10253/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing Flat No. B/3, 19, Sindhya Co-op. Housing Society Ltd., Sir. M. V. Road, Andheri (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri S. M. Sabnis (Transferor)
2. Shri M. R. Kanondra and M. M. Kanondra (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B/3, 19, Sindhya Co-op. Housing Society Ltd., Sir, M. V. Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EF/10253/84-85, dt. 14-8-1984.

Dated : 11th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० अई-2/37ईई/10236/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी/2, जो, ग्राउंड फ्लोर, "मिन्त अपार्टमेंट", ओल्ड नागरदाम रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका नगरनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 तख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के दायित्व, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 23-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण (कों) और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये नव पाया, गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. गोयल बिल्डर्स प्रायवेट लि०। (अन्तरक)
2. श्रीमती, केटी टी० कासद। (अन्तरिती)
3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जागता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी

अर्थात् बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं० बी/2, जो, ग्राऊड फ्लॉअर, “मिनल अपार्टमेंट” ओल्ड नागर्दास रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है।”

अनुसूची जैसा कि क्र० स० अई-2/37ईई/10236/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 12-4-1985

संहर :

(जो लागू न हों उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10236/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. B-2, Ground Floor, Minal Apartment, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay-69 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Goyal Builders Pvt. Ltd.
(Transferor)
2. Smt. Ketty T. Cassad
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B-2, Ground Floor, Minal Apartment, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10236/84-85, dt. 23-8-1984.
Dated : 12th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स० अई-2/37ईई/10183/84-85 :—अन. सूक्ष्म लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मं० यनित नं० 139, जो, पहली मंजिल, दागजी ग्रामजी इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स प्लॉट नं० 28, महल इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केवज रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है। (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में तैर पूर्ण रूप में वर्णित है,) और जिसका करारनामा बाजार अधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन

मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के विषे अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, से उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर/अंतरको और अंतर्गति/अंतर्गतीया के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त आगम लिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसर्जन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मैसर्स दामजी शामजी गेड सन्स । (अन्तरक)
2. जलाराम कैमिकल्स एंड फार्मास्यूटीकल्स प्रायवेट लि० (अन्तरिती)
3. ---
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. ---
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन में संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के

अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"यूनिट न० 139, जो, पहली मंजिल दामजी शामजी इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स, प्लॉट न० 28, महल इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केवज रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है ।"

अनुसूची जैसाकि क्र०स० अर्क-2/37ईई/10183/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे आट दौड़िये)

Ref. No. AR-II/37EE/10183/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Unit No. 139, 1st Floor, Damji Shamji Indl. Complex, Mahal Indl. Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

1. M/s. Damji Shamji & Sons (Transferor)
2. Jalaram Chemicals & Pharmaceuticals Pvt. Ltd. (Transferee)

3.

(Person in occupation of the property)

से उक्त अनुरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है।

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(क) अनुरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(ख) ऐसे किसी आय या किंगी भन या अन्य आम्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-नगर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

1. मैसर्स दामजी शामजी गेण्ड मन्स। (अन्तरक)

2. मैसर्स सविजय इंटरनेशनल प्राइवेट लि।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

Unit No. 139, 1st Floor, Damji Shamji Indl. Complex, Plot No. 28, Mahal Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10183/84-85 on 18-8-1984.

Dated : 12th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable)

बम्बई, 8 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. आई-2/37ईई/10148/84-85:—अतः मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. यूनिट नं० 140, जो, पहली मंजिल, दामजी शामजी इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स, प्लॉट नं. 28, महल इंडस्ट्रियल इस्टेट महाकाली केवज रोड अंधेरी (पूर्व) बम्बई-93 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका जगरनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में दाम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अन्तरिती/अन्तरितियों के बीच ऐसे अनुरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किंगी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किंगी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं. 140, जो, पहली मंजिल, दामजी शामजी इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स, प्लॉट नं. 28, महल इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केवज रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. आई-2/37ईई/10148/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उन काट दिजिये)

Bombay, the 8th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/10148/84-85.—Whereas, 1. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Unit No. 140, 1st Floor, Damji Shamji Indl. Complex, Plot No. 28, Mahal Indl. Estate, Mahakali Caves Rd., Andheri(E), Bombay-93 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Damji Shamji & Sons (Transferor)
2. M/s. Subvijay International Private Ltd,
(Transferee)
3. Transferee

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

166 GI/85—49

or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. 140, 1st Floor, Damji Shamji Industrial Complex, Plot No. 28, Mahal Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-400093

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10148/84-85 on 18-8-1984.

Dated : 12th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. आई-2/37-ईई/10147/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसकी उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. यूनिट नं. 114, जो, 1वीं मंजिल दामजी शामजी इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स प्लॉट नं. 28 महल इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केवज रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका परानामा जायदर अधिनियम की धारा 269 ए ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम से दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर (को) और अंतर्गति (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं दिया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व से कमी करने या उसमें बचने से सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने से सविधा के लिए

उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में,
यह उक्त अधिनियम की धारा 269D की धारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स दामजी शामजी अण्ड मन्स। (अन्तरक)
2. श्री. अजय नायर। (अन्तरिती)
3. अन्तरित।

(वह व्यक्ति, जिनके अधिमोह में सम्पत्ति है)

4. —————

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध
में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“यूनिट नं. 114, जो 1 ली मंजिल, दामजी शामजी
इंडस्ट्रीयल कॉम्प्लेक्स, प्लॉट नं. 28, महल इंडस्ट्रीयल
इस्टेट महाकाली केन्ज रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई-93 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र.सं.अई-2/37ईई/10147/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10147/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS, being the Competent Authority
Authority under Section 269B of the Income-tax
Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the ‘Said Act’), have reasons to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceed-
ing Rs. 100,000/- and bearing Unit No. 114, 1st

Fl, Damji Shamji Indl. Complex, Mahal Indl Estate,
Mahakali Caves Rd, Andheri (East),
Bombay-400093 (and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has
been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the
Office of the Competent Authority at Bombay on
16-8-1984 for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid prop-
erty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefore by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said Instrument of
Transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act, in respect of any income arising
from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income
or any money or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of
the said Act, I hereby initiate proceedings for acqui-
sition of the aforesaid property by the issue of this
notice under sub-section (1) of Section 269D of the
said Act, to the following persons, namely:

1. M/s. Damji Shamji & Sons (Transferor)
2. Shri. Ajay Nair (Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said
property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publi-
cation of this notice in the Official Gazette,
or a period of 30 days from the service of
this notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from
the date of the publication of this notice in
the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. 114, 1st Floor, Damji Shamji Industrial Complex, Plot No. 28, Mahal Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (East) Bombay-93

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10147/84-85 on 18-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10040/84-85—अतः मझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे हमके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लेट नं. 8, 2^{रा} मंजिल, प्रेमा, प्लॉट नं 340, श्रद्धानन्द रोड एक्स्टेंड, विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई, में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनाम आयकर अधिनियम की धारा 269कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरकों और अन्तरितो/अन्तरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राहत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आभिनयो की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-1 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दियोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसूचन में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री. डी.डी.ए. माधवास्ता । (अन्तरक)
2. मैसर्स उदय कन्स्ट्रक्शन कम्पनी । (अन्तरितों)

3. ————

(वह व्यक्ति जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)

4.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया शुरू करता है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामीन 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लेट नं. 8, दूसरी मंजिल, प्रेमा, प्लॉट नं 340, श्रद्धानन्द रोड, विस्तार, विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी क्रम सं. अई-2/37ईई/10040/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख:- 11-4-1985

मोहर

(जो लागू न हों उसे काट दोजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10040/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 8, 2nd Floor, Prema, Plot No. 340, Shradhanand Road, Extn. Vile Parle (East), Bombay-400057 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on

16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. D. D. A. Madhastha (Transferor)
2. M/s. Uday Construction Co. (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd Floor, Bldg. Prema, Plot No. 340, Shradhanad Road, Extension, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10040/84-85 Dated 16-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9060/84-85:—अतः मुझे लक्ष्मण दान. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) कि धारा 269C के अधीन संपन्न प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं० 2 जो, ग्राउंड फ्लोअर, इमारत नं० 8, शिवाजी अपार्टमेंट, वामनवाडा, विल पार्ले तालुका अंधेरी बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269C के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिता (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वस्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के सापेक्षता में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्बियों की जिन्हें भारतीय आयदाता अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269C के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269C की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. अब्दुल करीम हसनअली जमाल और जी.एच.विन्सेन्ट।

(अन्तरक)

2. श्री. शमिम अहमद।

(अन्तरिता)

3. अन्तरकों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हिस्सा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त ग्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अर्थानुसार, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“दुकान नं 2 जो याउंड फ्लोर, इमारत नं. “ए” शिन्तल अपार्टमेंट, बामनवाडा, विले पार्ले, तालुका अंधेरी, बम्बई में स्थित है।

[अनुसूची जैसा कि क. म. आई 2/37-ईई/9060/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख :—12-4-1985

सोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दोजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9060/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 2, Gr. Floor, Bldg. A, Sheetal Apartments, Bamanwada, Vile Parle, Taluka Andheri Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Abdul Karim H. Jamal & Georing II. Vincent (Transferor)
2. Mr. Shamim Ahmed (Transferee)
3. Transferors (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 2, Gr. Floor Bldg. No. A, Sheetal Apartments, Bamanwada, Vile Parle, Taluka Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9060/84-85, dt. 9-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई.-2/37-ईई/9059/84-85.—जब मैंने लक्ष्मण दास आचर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि ग्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसका म. नं. 3, जो याउंड फ्लोर शिन्तल अपार्टमेंट, इमारत नं. “ए”, बामनवाडा, विले पार्ले, तालुका अंधेरी बम्बई

में स्थित है (और इसमें 'उपावृद्ध अनुसूची में आरक्षण' रूप में वर्णित है) और जिसका करणनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरक का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (की) और अंतरती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कायम नही किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आदर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत्त में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. अब्दुल करीम हसनअली जमाल और ज. एच विन्सेट
(अंतरक)

शमिम अहमद

(अन्तरिती)

3 अन्तरकों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4 —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त अधिभाग सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संज्ञान नं. 3, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं. "ए", बामणवाडा, शिवाल अपार्टमेंट, विले पार्क, तालुका अधेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. स. अर्डर-2/37ईई/9059/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9/8-1984

तारीख : 12-4-1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

मोहर

(जो लागू न हों उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9059/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 3 Gr. Floor and Car Parking space in Sheetal Apartments, Baman Wada, Vile Parle, Taluka Andheri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Abdul Karim Hasanali and Georing H Vincent (Transferor)
2. Shamim Ahmed (Transferee)

3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 3 on ground floor and Car parking space in the building A, Sheetal Apartment, Bamarwada, Vile Parle, Taluka Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9059/84-85, dt. 9-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश नं. अई-2/37ईई/9058/84-85—प्रतः मुखे, लक्ष्मण राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे हमने इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त वाजार मूल्य 100000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं.दुकान नं. 1 और 2, जो ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं. "ग", वामनवाडा, विले पार्ले तालुका अंधेरी, बम्बई में स्थित है) और हमसे उपावृद्ध अनुसूची और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सश्रम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सक्किता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्किता से लिए

उक्त अनु उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, से उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उद्धारित :—

1. अब्दुल करीम हसनखली जमाल और जी एच विमल ।
(अंतरक)
2. जमिम अहमद ।
(अंतरिती)
3. अन्तरकों
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति, जिसके धारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य बाहियां शुरू करना हं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचता की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान नं. 1 और 2, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं. "ग", वामनवाडा, विले पार्ले, तालुका अंधेरी, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि नं. स. अई-2/37ईई/9058/84-85 और जो सश्रम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 12-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9058/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 1 and 2, Gr. Floor, Building A, Bamanwada, Vile Parle, Taluka Andheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Abdul Karim H. Jamal and Georing H. Vincent (Transferor)
2. Shamim Ahmed (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 1 and 2, Gr. floor, Building A, Bamanwada, Vile Parle, Andheri Taluka, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/9058/84-85, dt. 9-8-1984.
Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अर्द्ध-2/37ईई/10356/84-85 —अन सज, लखम दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें हमें उनके पञ्चाव "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु. में अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 5, पहला मजिद, झुनाबिआ रिजिडेंस फ्लैट नं. 8/L, जे.वा.पी. डि स्कीम, विने पार्स बम्बई-400056, में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल में ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दाख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री इस्माईल अब्दुला चूनावावा । (अन्तरक)
2. श्री राजेश एम. वर्मा । (अन्तरिती)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदी

"फ्लैट नं. 5, जो पहली मंजिल, झुनूबिया बिल्डिंग, प्लॉट नं. 8/1, जे.वी.पी.डी. स्कीम, विलेपार्ले बम्बई 400056 में स्थित है।

अनुमोदी जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/10356/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25/08/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 9-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उस काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37.EE/10356/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,100/- and bearing bearing Flat No. 5, 1st Floor, Junubia Building, Plot No. 8/1, J.V.P.D. Scheme, Vile Parle, Bombay-56 (and more been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considera-

tion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Ismail Abdulla Chunawala (Transferor)
2. Shri Rajesh M. Varma (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 5 1st Floor, Junubia Building, Plot No. 8/1, J.V.P.D. Scheme, Vile Parle, Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10356/84-8 dt. 25-8-1984.

Dated : 9-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9997/84-85 :—अतः मूझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिस हमसे हमके पञ्चात “उक्त अधिनियम कहा गया है) (की धारा 269 छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसमें स फ्लैट नं 2 माउथ पाण्ड रोड, माधव कुज, विलेपार्ले (पश्चिम) बम्बई में स्थित है (और इससे उगावड और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 14-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरकों और अन्तरिनी/अन्तरिनियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में शक्ति के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

1. मैसर्स स्वस्तिक एन्टरप्राइजेस । (अन्तरक)
2. श्री अनुज जी. कपाडिया और अन्य । (अन्तरिनी)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं 2, जो माउथ पाण्ड रोड, माधव कुज, विलेपार्ले (पश्चिम) बम्बई का स्थित है ।”

अनुसूची जैसा कि हम सं अई-2/37ईई/9997/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14/8/1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

तारीख 9-4-1985

मोहोर

(जो लागू न हो उसे काट दोजिए)

Ref. No. AR-II[37EE]9997[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 2, South Pond Road, Madhav Kunj, Vile Parle (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Swastik Enterprise (Transferor)
2. Mr. Atul G. Kapadia & Oths. (Transferee)
3. Transferor
(Persons in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, South Pond Road, Madhev Kunj, Vile Parle (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9997/84-85 Dt. 14-8-1984.

Dated : 9-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-2/37ईई/10394/84-85 :- अतः मुझे, लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 1, तलमाता, अमोविआ, ब्रिल्डिंग, प्लाट नं. 8/1, जे बी पी डी. स्कम, बिल्डिंग (पश्चिम),

बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबन्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अन्तरिती/अन्तरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात् अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री ईस्माईल अब्दुल्ला चुनावाला । (अन्तरक)
2. कुमारी अनुगधा पटेल । (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 4, जो तलमाला झुनोबिया बिल्डिंग, प्लॉट नं. 8/1, जूह विलेपार्ले डेवलपमेंट स्कीम, विलेपार्ले (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. स. अई-2/37ईई/10394/84-85 और जा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 9-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10394/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 4, Ground Floor, Zunobia Building, Plot No. 8/1, J. V. P. D. Scheme, Vile Parle (West), Bombay-400056 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Ismail Abdulla Chunawala (Transferor)
2. Miss Anuradha Patel (Transferee)

3. —
(Person in occupation of the property)

4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 4, Ground Floor, Zunobia building, Plot No. 8/1, J.V.P.D. Scheme, Vile Parle (W), Bombay-56

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10394 84-85 dt. 27-8-1984.

Dated : 9-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश न. अई-2/37-ईई/10153/84-85.—अन: मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं फ्लैट सं. 7. दूसरी मंजिल, झुनोबिया बिल्डिंग प्लॉट नं. 8/1, जे. वी. पी. डी. स्कीम, विलेपार्ले बम्बई-56 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अन्तरको और अन्तरिनी/अन्तरिनियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्न-

लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण में हुई किसी आग की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दायित्वार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री इस्मालिया इस्मईल ए. चुनावाला ।
(अन्तरक)

2. श्रीमती फातिया अब्बास मामाजी वाला । (अन्तरिकी)

3. ———

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ———

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जहाँ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"क्लैट नं 7 जो दूसरी मंजूरित जुनोबिया बिल्डिंग, प्लॉट नं 8/1, जे पीजी स्कीम, विलेपार्ले, बम्बई 400056 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 9/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10155/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 7, 2nd Floor, Zunobia Building, Plot No. 8/1, J. V. P. D. Scheme, Vile Parle, Bombay-400056 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Ismail A. Chunawala (Transferor)

2. Mrs. Fatia Abbas Mamajiwal (Transferee)

3. ———

(Persons in occupation of the property)

4. ———

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publi-

cation of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd Floor Zunobia Building, Plot No. 8/1, J.V.P.D. Scheme, Zunobia Building, Vile Parle, Bombay-56

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE/10155/84-85 dt. 18-8-1984.

Dated : 9-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

बम्बई 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10392/84-85:—अन. मूखे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु. में अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं डी-11ए जो सैफ हेल्प को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि० सेंट्रल नॉर्थ रोड, विले पार्ले (प), बम्बई में स्थित है) और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मूखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अन्तर्गती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तर्गती से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्क के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में मविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आशियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का

11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गती में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. कुमारी लक्ष्मी एफ कृपलानी और (अन्तर्क)
कुमारीलिना एफ कृपलानी
- 2 श्रीमती रेखा हिरा वासवानी (अन्तर्गती)

3

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जहाँ भी अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हमने प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का आ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं डी-11ए जो, जो, सैफ हेल्प को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि० सेंट्रल नॉर्थ रोड, विले पार्ले (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10392/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 8/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Bombay, the 10th April, 1985

Ref. No. AR-II|37EE|10392|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. D-11A, Self Help Co. op. Housing Society Ltd., St. Francis Road, Vile Parle (West) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- Miss Lachhimi F. Kripalani Miss Lila F. Kripalani (Transferor)
- Mrs. Rekha Hiroo Vaswani (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of

the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. D-11A Self Help Co. op. Hsg. Society Ltd., St. Francis Road, Vile Parle (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10392|84-85 Dt. 27-8-1984

Dated : 10-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अई-2/37-ईई/8846/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थित सम्पत्ति, जिस पर उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 301, जो, 3 गी मंजिल इमारत नं. 16, सर्वे नं. 41, विल्हेज अंगिधरा, वैदनाम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प) बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 3-8-1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर(कों) और अन्तरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शान्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- श्री शिवाउदीन बुखारी (अन्तरक)
- शेख मोहम्मद आझम (अन्तरिती)

3 ---

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 ---

(वह व्यक्ति जिसके द्वारा में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त अधोहस्ताक्षरी में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविदा में किया जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अर्थानियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 301, जो तृतीय मंजिल इमारत नं. 8 गवर्नर नं. 41 विंग ऑशिवरा, वैहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प) बम्बई 56 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम अर्द्ध-2/37 ईई/8866/84-85 और मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/8846/37EE/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 301, 3rd Floor, Building No. 8, Village Oshiwara, behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)
2. Nasim Ahmed Khan (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

* Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd Floor, Bldg. No. 8, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8866/84-85 dt. 3-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

दिनांक 17-8-1984/10060/84-85. — जे. लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निम्न डी. ई. 2/37-ईई/10060/84-85) के अर्ज के लिए, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु० से अधिक है और जिसका जे. नं. 404, 4th मंजिल, इमारत नं. 16, सर्वे नं. 41 व्हिलज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई में स्थित है (और इसका अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम को धारा 269-कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के विवे अन्तर्गत को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक को दियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 27) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री विनायकदास गुजराठी (अंतरक)

2. जे. ए. ए. हर्षाद (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू कर रहा है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अज्ञान —

166 GI/85—51

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं. 404, जे. 4थी मंजिल, इमारत नं. 16, सर्वे नं. 41, व्हिलज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जै. ग. क्र. सं. ईई-2/37ईई/10060/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 का रजिस्ट्री किया गया है।

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10060/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 404, 4th Floor, Building No. 16, S. No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. Ziauddin Bakhari (Transferor)
2. Mr. K. S. Hamid (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 404, 4th Floor, Bldg. No 16, Village Oshiwara, Jogeshwari (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-11 37LE/10060 84-85, dt. 17-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9987/81-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें हमके पत्रानुसार "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 103 जी, 1वीं मंजिल इमारत नं. 6, सर्वे नं. 41, विलेज ओशिवरा, बहुराम बाग के पश्चिमी जोगेश्वरी (प) वस्त्रमंड में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कगारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-क के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरगत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (वा) और अन्तरिती (या) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आगितियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अन्तर्गत सं. में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सिकंदरुल्लाह बख्तारी (अन्तरक)
2. अर्मानाबी अब्दुल गफूर। (अन्तरिती)

3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिकारों में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी ज्ञात है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पक्षों की सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 20 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पक्षों द्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त अधोहस्ताक्षरी सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के लिखित में किया जा सकेगा।

साष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ज्ञान आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 103, 1st फ्लोर, इमारत नं. 6, सर्वे नं. 41, विन्हेज गंगेश्वरी, जोगेश्वरी बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प) ब्रम्हरी में स्थित है।

अनुसूची जैसा की प्र. म. अर्द्ध-2/37-ईई/9987/84-85 और श्री नक्षत्र प्राधिकाारी ब्रम्हरी द्वारा दिनांक 13-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 11/4/1985

साहू

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref No AR-II 37EF/9987/84-85 —Whereas, I, Taxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No 103, 1st Floor Building No 6, Village Oshwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- 1 Mr Ziauddin Bukhari (Transferor)
- 2 Mr Aminbai Abdul Gafoor (Transferee)
- 3 —
(Persons in occupation of the property)
- 4 —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 103, 1st Floor, Bldg. No. 6, Village Oshiwara, Jogeshwari (W) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9987/84-85 dt. 13-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अई-2/37ईई/10363/84-85:—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लेट नं. 401, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं. 4, सर्वे नं. 41 विन्नेज ओगिश्वरी, नेहराम बाग के प्लॉट, जोगेश्वरी (प), बम्बई 58, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 27-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के माध्यम से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री शिवाउद्दीन बुखारी (अन्तरक)
2. एम एस शेख (अन्तरिती)

3 —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करवा हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पत्ति होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं. 401, जो 4थी मंजिल, इमारत नं. 4, सर्वे नं. 41 विन्नेज ओगिश्वरी, नेहराम बाग के प्लॉट, जोगेश्वरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं अई-2/37ईई/10363/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 11/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए।)

Ref. No. AR-II/37EE/10363/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 401, 4th Floor, Bldg. No. 4, Village Oshiwara, Jogeshwari (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the

Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)
2. Mr. M. S. Shaikh (Transferee)
3. — (Persons in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as, given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 401, 4th Floor, Bldg. No. 4, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II, 37EE/10363/84-85 dt. 27-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37/ईई/10200/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें हमके पञ्चान्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 504, जो, 5वीं मंजिल, इमारत नं. 3, सर्वे नं. 41, विल्हेज ऑगिवरा, बेह्राम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प.) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कब. के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(कों) और अन्तरितो(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में बर्ती करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किमी धन या अन्य आगित्या की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मदद की लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधिनियम, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री झियाउद्दीन बुखारी । (अन्तरक)

2. कादीबाल जवीर टट्राहीम (अन्तरिणी)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 504, जो, 5वीं मंजिल, इमारत नं. 3, सर्वे नं. 41, विल्हेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि व. म. अ. 2/37ईई/10200/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref No. AR-II 37EE. 10200/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing Flat No. 504, 5th Floor, Building, No. 3, Survey No. 41, Oshiwara Village, Behram Village, Jogeshwari, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)
2. Kadiwal Jabu Ibrahim (Tenant)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. 504, 5th Floor, Bldg. No. 3, Survey No. 41, Oshiwara Village, Belram Bauge, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10200/84-85, dt. 18-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10201/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिस की फ्लैट नं. 503, जल, 5वां मंजिल इमारत नं. 3, सर्वे नं. 41, विलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पोले, जोगेश्वरी (प), बवई-58 में स्थित है (जो इसमें उपावृद्धि अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय, चम्बड में रजिस्टर्ड है तारीख 18-8-1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्टान्त प्रतिकल के लिये अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्टमान प्रतिकल में, ऐसे दृष्टमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अगरक(कों) और अंतरागत(यों) के बिल एमें अंतरण के लिए नया पाया गया प्रतिपत्र, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) के अधीन कर देने के अन्तर्गत रकम का कमी करने या उसमें बचत में सीमा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री झियाउद्दीन बुखारी । (अन्तरक)
2. कादीवाल अब्दुल रहीम । (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 503, जो, 5वां मजिल, इमारत नं. 3, सर्वे नं. 41, विल्हेज आशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जाता कि क. स. अर्-2/37ई/10201/84-85 और जो मक्षम प्राप्तिवागी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 का रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट डालिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10201/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 503, 5th Floor, Bldg. No. 3, Survey 41, Village Oshiwara, Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay, 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)
2. Kadiwal Abdur Rahim (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

* Plot No. 503, 5th Floor, Bldg No. 3, Survey No. 41, Oshiwara Village, Behram Baug, Jogeshwari, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10201/84-85 dated 18-8-1984.

Date : 11-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

166 GI/85—52

निर्देश सं अई-2/37ईई/8910/84-85 :—अतः, मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 301, जो, 3री मंजिल, इमारत नं. 20, सर्वे नं. 41, व्हिलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे जोगेश्वरी, बम्बई, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई, में रजिस्ट्री है तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल में ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(को) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 369-ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री झियाउद्दीन बुखारी । (अन्तरक)
2. अशफक अहमद खान । (अन्तरिती)

3. — (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. — (यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जामता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पदोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पदोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्हायत सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 301, जो, 3री मंजिल इमारत नं. 20, सर्वे नं. 41, ओशिवरा विल्हेज, बेहराम, बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बंबई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि स. अई-2/37ईई/8910/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर

(जालगुन हो उने कट दीजिये)

Rel. No. AR-II/37EE/8940/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 301, 3rd floor, Bldg. 20 Survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari, Bombay (and more 16-8-1984 for an apparent consideration which is fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)
2. Ashfarve Ahmed Khan (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd Floor Bldg. No. 20, Survey No. 41, Oshiwara Village Behind Behram Baug Jogeshwari (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8940/84-85 dated 4-8-1984.

Date : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अर्द-2/37ईई/8941/84-85.—अतः मझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स फ्लैट नं. 201, जो, 2री मजिल, इमारत नं. 19, सर्वे नं. 11, व्हिलज आशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उत्पन्न अनुसूच में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारियों के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(को) और अन्तरितो(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के तात्पर्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269अ के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269अ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं अर्थात् :—

1. श्री कियाउद्दीन बुखारी । (अन्तरक)
2. मोहम्मद इमरान । (अन्तरित)
3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

हम यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार्यवाही शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 201, जो, 2री मजिल, इमारत नं. 19, सर्वे नं. 11, व्हिलज आशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अर्द-2/37ईई/8941/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिया है)

Ref. No. AR-II/37EE/8941/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 201, 2nd Floor, Bldg. No. 19, Oshiwara Village, Behind Behram Baug, Jogeshwari Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice

under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)
2. Mohammed Imran (Transferee)
3. —

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor, Bldg. No. 19, Survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8941/84-85 dated 4-8-1984.

Date : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8943/84-85 :—यतः मुझ लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त (अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 303, जो, 3 री, मंजिल, इमारत नं. 20 सर्वे नं. 41, व्हिजेज ऑशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेशवरी (प) बम्बई में स्थित है (सौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कर्तारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल में ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह

प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (को) और अन्तर्गती (यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये नय पाया गया प्रतिकल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आयों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री झियाउद्दीन बुखारी । (अन्तरक)
2. फिरोज़ा खानूम । (अन्तर्गती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है),

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 303, जो, 3 री, मंजिल इमारत नं. 20, सर्वे नं. 41, व्हिजेज ऑशिवरा, बेहराम बाग के पीछे जोगेशवरी (प) बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई-2/37ईई/8943/84-8 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. 2/37 ईई/9934 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जा लागू न हो उसे काट दोनिये)

R.f. No. AR-II/37EE/8943/84-85.—Whereas, I, LAXMIAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No. 303, 3rd Floor, Bldg. No. 20, Survey No. 41, Oshiwara Village, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)
2. Feroz Khanum (Transferee)
3. (Persons in occupation of the property)
4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of

the notice on the respective persons which ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd Floor, Bldg. No. 20, Survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8943/84-85 dated 4-8-1984.

Date : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई/37-ईई/8944/84-85:— अतः मूझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 304, जो 3 री मंजिल इमारत नं. 20, सर्वे नं. 41, ओशिवरा, बेहराम बाग के पिछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई, में स्थित है)

अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाढ़त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जियाउद्दीन बूखारी । (अन्तरक)
2. अक्थारी खानम । (अन्तरिनी)
- 3.

(अन्तरक)

(यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, वो वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 304, जो, 3री मंजिल, इमारत नं. 19, सर्वे नं. 41, ओशिवरा वॉशिवरा, बेहराम बाग जे पिछ जोगेश्वरी (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र. में ग्रह/2/37ईई/8944/84-85 और जो मद्रास प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 का रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उस काट दीजिये)

Ref No. AR-II/37EE/8944/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000— and bearing Flat No. 304, 3rd Floor, Oshivara Village, Bldg. No. 20, Survey No. 41 Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent

consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)
2. Akthari Khanam (Transferee)
3. _____ (Person in occupation of the property)

(जोसुखी)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd Floor, Bldg. No. 20, Survey No. 41, Oshivara Village, Behram Baug Jogeshwari (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8944/84-85 dated 4-8-1984.

Date : 12-4-1985.

SEAL

*Strike off where not applicable

निर्देश सं.आई-2/37ईई/8943/84-85 :— अतः—
मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) 'जिसे हमसे इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संपत्ति नं. 301, जी. 3 री मंजिल इमारत नं. 20 सर्वे नं. 41 विहवज ओशिवरा बेहराम बाग के पिछे जोगेश्वरी (प), बम्बई में स्थित है) (और हमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करानामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविकता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के अस्तित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आगित्यों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

उक्त अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उपात्त :—

1. श्री. जियाउद्दीन बुखारि । (अन्तरक)

2. मोहम्मद शोब खान । (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 43 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध

किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची:

"फ्लैट नं. 301, जी. 3 री मंजिल इमारत नं. सर्वे नं. 41, विहवज ओशिवरा बेहराम बाग के पिछे, (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की सं.आई-2/37ईई/9842/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 6-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट देंगे)

Ref. No. AR-II/37EE/8942/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301, 3rd Floor, Bldg. 19, Survey No. 41, Oshiwara Village, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)

2. Mohammed Shoeb Khan (Transferee)

3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd Floor, Bldg. No. 19, Survey No. 41, Oshiwara Village, Behind Behnam Baug, Jogeshwari (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8942/84-85 dated 4-8-1984.

Date : 12-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8981/84-85 :— अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. में अधिक है और जिसकी स. गाला नं. 48-ए, जो सत्यम इंडस्ट्रियल इस्टेट 2 री मंजिल जोगेश्वरी (पूर्व), बम्बई-60 में स्थित है) उपवादा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वस्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दानत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के

दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उद्देश्य :—

1. सत्यम बिल्डर्स । (अन्तरक) —
2. श्री. रमेश गोकुलचंद बूबना । (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"गाला नं. 48-ए, जो, सत्यम इंडस्ट्रियल इस्टेट, 2 री मंजिल जोगेश्वरी (पूर्व), बम्बई-60 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्रम सं. अई 2/37ईई/8981/84-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 6/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये ।)

Ref. No. AR-II/37EE/8981/84-85 — Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 48-A in Satyam Indl. Estate, 2nd floor, Jogeshwari (E) Bombay-60 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Satyam Builders (Transferor)
2. Mr. Ramesh Gokulchand Bubna (Transferee)
3. Transferor (Person in occupation of the property)
4. ——— (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Gala No. 48 A in Satyam Indl. Estate 2nd floor, Jogeshwari (E), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37/E/8981/84-85, dated 6-8-1984.

Date 12-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9055/84-85.— अतः मुझे, लक्ष्मणदाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं फ्लेट न० 703, जो 7वीं मंजिल इमारत न० 2 सर्वे न० 41, व्हिटेज ओगिश्वरी, वेहेगम बाग के पीछे जोगेश्वरी (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रार है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचन में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयदाता अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट गही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सिद्धान्त बुखारी (अन्तरक)
2. फकीर मोहम्मद अली नान (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध

में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पत्रांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आसवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं० 703, जॉ, 7 वी मंजिल, इमारत नं० 2, सर्वे नं० 41, बिहलेज ओशिवरा, बेह्राम बाग के पीछे जोगेश्वरी (प) बम्बई में स्थिति है।

अनुसूची जिसका क्रम सं० अई-2/37 ईई/9055/84-85 और सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9055/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000— and bearing Flat No. 703, 7th Floor, Bldg. No. 2, Survey No. 41, Oshiwara Village, Behind Behram Baug, Jogeshwari, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the

said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)
- Fakhir Mohammed Ali Khan (Transferee)
- _____ (Person in occupation of the property)
- _____ (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 703, 7th Floor, Bldg. No. 2, Survey No. 41, Oshiwara Village, Behind Behram Baug, Jogeshwari.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9055/84-85 dated 9-8-1984

Date 12-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं अई-2/37-ईई/9055/84-85 :— अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उक्त बाजार मूल्य 1,00,000/रु० से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 703, 7 वी मंजिल, इमारत नं० 2, सर्वे नं० 41, बिहलेज ओशिवरा, बेह्राम बाग के पीछे जोगेश्वरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारगनामा आयकर अधिनियम की धारा 269AB के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और

एसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 26) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसूची में, में उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवस्थियों अर्थात् —

1. शियाउद्दीन बुखारी (अन्तरक)
2. सुग्रा बी अब्बास परकार। (अन्तरिती)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वर्षवारियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त ग्राहक सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है। वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 202, जो, 2री मजिल इमारत नं. 15 गवें नं. 11, विलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे तंगेणवरी (प) तस्वर्ड-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क.स.अई-2/37ईई/9056/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 12-4-1985.

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9056/84-85.—Whereas, 1 Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 202, 2nd Floor, Bldg. No. 15, Survey No. 41, Village Oshiwara, Behram Baug, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Ziauddin Bhukhari (Transferor)
2. Sugra B. Abbas Parker (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

notice on the respective persons which ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd Floor, Bldg. No. 15, Survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug Jogeshwari (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE.9056/84-85 dt. 9-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/10022/84-85 :-अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इनके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लेट नं. 703, जो, 7वीं मंजिल, इमारत नं. 12, सर्वे नं. 41 व्हिलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है) (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री जिजाउद्दीन वृखागी। (अन्तरक)
2. नजमा हबीब शुक्ली। (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लेट न. 703, जो, 7वीं मंजिल, इमारत नं. 12, सर्वे नं. 41, व्हिलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं अई-2/37-ईई/10022/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985.

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये) .

Ref. No. AR-II/37EE.10022/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 703, 7th Floor, Bldg. No. 12, Survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, In the

Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

1. Shri Ziauddin Bhukari (Transferor)
2. Nazma Habib Zukri (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 703, 7th Floor, Bldg. No. 12, Survey No. 41, Oshiwara Village, Behind Beram Baug, Jogeshwari (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE 10022/84-85 14-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

SEAI

(Strike off where not applicable)

निर्देशन सं. आई-2/37-ईई/8952/84-85 -अन-
मझे नक़्शे का आयात अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (फिने टमनेडर पध्ता, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अर्थात् सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथावत सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं० 103, जॉ. 1 की संज्ञित, मंदिर विला, एम० नं० 51 ए/1, एच. नं० और सी. डी. एम. नं० 5.1/53, जूहू गावडाग बम्बई-49 में स्थित है। और इसमें उपायध्व अनुमृची में और पूर्णरूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरकों और अन्तरिती/अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के द्योक्तार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिति में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उद्घातन —

1. रमाकान्त एम रावत (अन्तरक)
2. महेन्द्र मंत । (अन्तरिती)

3. अन्तरितो और सुनंदा

(वह व्यक्ति, जिसने अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लट नं. 103, जो, पहली मंजिल, मयूर, विला, एम नं. 51 ए/1, एच. नं. 7 और सी.टी.एस.नं. 53/53, जुहु गावठाण, बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची नैमाकी क्र. सं.अई-2/37ईई/8952/84-85 और नं. राक्षस गतिशरी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 14-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8952/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 103, 1st Floor, Mayur Village S. No. 51 A/1, H. No. 7 and C.T.S. No. 53/53, Juhu Gaonthan, Bombay-400049 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Ramakant M. Raut (Transferor)
2. Mahendra Sandhu (Transferee)
3. Transferee and Sunanda
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 103, 1st Floor, Mayur Vila, S. No. 51-A/1, H. No 7 and C.T.S. No. 53/53, Juhu Gatethan, Bombay-400049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II 37EE/8952/84-85 on 4-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

Seal

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-237-ईई/10259/84-85. —अन. मूजे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे हमसे पञ्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-अ के अधीन भक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिस की सं. फ्लैट नं. बी-1, जो. 1 नी मंजिल, पुष्पक को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि., 4था रस्ता, सानाकन (पूर्व) बम्बई-55 में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन, भक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 24-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मूजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के गहरा निम्न में अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (गो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अंतरण में हुई किसी आय की राहत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सहायता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भत्ता या उक्त आयियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भत्ता-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, निम्न में सहायता के लिए

अन. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उपाय —

- 1 श्री बेंकटाचनम रामकृष्ण अय्यर (अंतरक)
- 2 श्री हरेश बल्लभ दास वागरना (अन्तरिती)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

- 4 हाउसिंग डेव्हलपमेंट फाइनेन्स कॉर्पोरेशन लि०
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानकारी है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा —

(फ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर

सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. बी-1, जो. 1 नी मंजिल, पुष्पक को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि., 4था रस्ता, सानाकन (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं. अई-2/37ईई/10259/84-85 और जो भक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख. 11-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10259/84-85.—Whereas, Laxman Da., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and having Flat No. B-1, first floor, Pushpak C.H.S. Ltd., 4th Road, Santacruz, East, Bombay-400055 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Venkatachalam Ramakrishna Iyer
(Transferor)
2. Shri Haresh Vallabhdas Kagrana
(Transferee)
3. Transferor
4. Housing Development Finance Corporation Ltd.
(Person in occupation of the property)
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B-1, first floor, Pushpak Co-operative Housing Society Ltd., 4th Road, Santacruz (East), Bombay-400055.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37EE] 10259/84-85 on 24-8-84.

Dated : 11-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9078/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसका फ्लैट नं० 7, जो, 1वीं मंजिल, दानेश कुंज, नेहरू रोड, सातक्रुझ, (पूर्व), बम्बई 55 में स्थित है और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कक्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है

तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से मूल्य कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण (को) और अन्तरिनी(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नग पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के नायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. कुमारी पुष्पा राठी (अंतरक)
2. श्री बालकृष्णा यन्त्रापांतुला (अन्तरिनी)
3. ———

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. ———

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पत्रांकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 7, जो, 1 जी मजिल, दानेश कुंज, नेहरू रोड, सानाक्रुज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है अनुसूची जैसा कि क्र. स. अर्-2/37ई/907384-85 और जा सक्षम प्राधिकारी' दम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

Ref. No. AR-II/37EE/9078/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 7, 1st Floor, Danesh Kunj, Nehru Road, Santacruz (East), Bombay 400 055 (and more Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Kumari Pushpa Rathi (Transferor)
2. Shri Balkrishna Yallapattul (Transferee)
3. Transferer.
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—
166 GI/85—54

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 7/1st Floor, Danesh Kunj, Nehru Road, Santacruz (East), Bombay 400 055

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9078/84-85 on 9-8-1984

Dated : 11-4-1985.

Seal.

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं० अर्-II/37ई/10100/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिम्मा उचित उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिप, की सं. फ्लैट नं. 12, जो, 2री मजिल, इमारत नं. 5ए जुहू संगीता अपार्टमेंट को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, सांताक्रुज (प), बम्बई-49 में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-अब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अनरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से बड़ी किराई आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सजिद्धा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सिरि राम खन्ना (अन्तरक)
2. श्री दर्शन सिंह गुजराल (अन्तरिनी)
3. अंतरकों (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 12, जो, 2री मंजिल, इमारत नं. 5ए, जुहू संगीता अपार्टमेंट को-ऑप. सोसाइटी, सांताक्रुज (प), बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10100/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6-4-1985।

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10100/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 12, 2nd Floor, Bldg. 5-A, Juhu Sangita Apt. C.H.S. Ltd., Santacruz (West), Bombay 400 059 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Siri Ram Khanna (Transferee)
2. Shri Darshan Singh Gujral (Transferee)
3. Transferer
(Person in occupation of the property)
4. ———

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd Floor, Building No. 5-A, Sangita Apartment Co-operative Housing Society, Santacruz (West), Bombay 400 059

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10100/84-85 on 18-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं अई-2/37-ईई/10350/84-85 -- आ. मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिष्टावय करने का उत्तरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस पर उचित बाजार मूल्य 10/- रु. से अधिक है और जिस की सं. दुकान नं. 2, जो, "अलोक, ग्राउंड फ्लोअर, प्लॉट्स, नं. 104 और 10 डटड, टी. पी. एम. 4, सांता-कुंज (प), बम्बई-54 में स्थित है और इससे उपायद्ध, अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है). और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-क के अधीन अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कों) और अन्तरिनी (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जागा चाहिए था, छिपाने में गृहिधर के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अछेन्नाल माणिकचंद जयसवाल और श्री वांकेन्नाल माणिक चंद जयसवाल (अन्तरक)
2. मैसर्स जय संजय डेकोरेटर्स एण्ड कैंटरर्स (अन्तरिनी)
- 3 -- (वह व्यक्ति जिसे अविर्माण में सम्पत्ति है)
- 4 -- (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अयोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहिदा शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोहस्ताक्षरी के पर लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं. 2, जो, "अलोक", ग्राउंड फ्लोअर, प्लॉट्स नं. 104 और 105, टी. पी. एम. 4, सांताकुंज (प), बम्बई-54 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37ईई/10350/85-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उस काट दोड़िये।)

Ref. No. AR-II/37EE/10350/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Shop No. 2, 'Allox' Ground Floor, Plots Nos. 104 & 105, T.P.S. 4, Santacruz (West), Bombay 400 054 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Ashhelal Manikchand Jaisawal
Mr. Bankelal Manikchand Jaisawal
(Transferor)
2. M/s. Jay Mandap Decorators & Caterers.
(Transferee)
3. Transferors
(Person in occupation of the property)
4. _____

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of

notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 2, 'Allox', Ground Floor, Plot Nos. 104 and 105, T.P.S. 4, Santacruz (W), Bombay 54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10350/84-85 on 25-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

वि.सं. सं. 2/37-ईई/8938/34-35 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसी प्रकार, "आय अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ में जयों का प्रविष्टि को यह विस्तार करने का कारण है कि स्थान पर स्थिति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसका सं. फ्लैट नं. बी-3, जो 1 नं. मॉडल, एडमंड्स, को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., लिमिटेड रोड (एकस्टेंशन), तातकुंडा (प), बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपार्जित है और इससे उपार्जित अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका कारणमा अधिकार अधिनियम की धारा 269 कड के जयों का प्रविष्टि के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त समाप्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्राप्ति के लिये प्राप्त हो गई है और मुझे यह वास्तव करने का कारण है कि समाप्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्राप्ति से ऐसे दृश्यमान प्राप्ति के पद्धत प्राप्ति से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरता(यां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए जो वष. धन प्रतिकल वस्तुनिष्ठ उद्देश्य से उक्त अंतरण लिपि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी वष. या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा की लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं अर्थात् :—

1. वैज 1थ विष्णु आठल्ये । (उत्तरा)
2. शिरीश मधुकर गुप्ते । (अन्तरिती)
- 3 अन्तरिती (वह व्यक्ति जिसने अधिभाग में सम्पत्ति है)
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस राजपत्र के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. बी-3, जो पहली मंजिल, स्नेहकुंज को-ऑप. हार्लींग सोसाइटी, लिंकिंग रोड (एक्सटेंशन), सान्ता-क्रुस (प), बम्बई-54 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/8938/84-85 और जो नक्षत्र प्रतीति तारीख बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8938/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. B-3, 1st Floor, Snchkunj C.H.S. Ltd., Linking Road Extn., Santacruz (West), Bombay 400 054 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Vajinath Vishnu Aathalya (Transferor)
2. Shirish Madhukar Gupte (Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B-3, 1st Floor, Snehkunj Co-operative Housing Society Ltd., Linking Road (Extension), Santacruz (West) Bombay 400 054

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37FF/8938/84-85 on 4-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अई-2/37ईई/10265/84-85 :- अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-अ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सफाई नं. 10, जॉ. अशोका पैलेस को-ऑप. सोसाइटी लि., 15, एम. वि. रोड, माताक्रज (प), बम्बई-54 में स्थित है) (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-क के अधीन सजम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 24/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरक तैयार है और मुझे यह विज्ञापन करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पट्टे प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (गो) और अंतर्गती (घो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से नहीं किसी आय की वारदात, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

- 1 श्री सजम प्रसाद श्रीवास्तव । (अन्तरक)
- 2 श्री अशोक ईश्वरीस त्रिवाला । (अंतर्गती)
- 3 अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अग्रिमों में सम्पत्ति है)
- 4 --
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फाई नं. 10, जॉ. अशोका पैलेस को-ऑप. सोसाइटी लि., 15, एम. वि. रोड, माताक्रज (प), बम्बई-54 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क. स. अई-2/37ईई/10265/84-85 और जॉ. मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए।)

Ref. No. AR-II/37EE/10265/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 10, Ashok Palace Co. op. Society Ltd., 15, S. V. Road, Santacruz (West), Bombay 400 054 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. Mathura Prasad Srivastava (Transferor)
2. Mr. Sabbir Ebrahim Tambawala
(Transferee)
3. Transferor.
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

the notice on the respective persons which ever period expires later :

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 10, Ashok Palace Co. op. Society Ltd., 15, S. V. Road, Santacruz (W), Bombay 54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10265/84-85 on 24-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. आई-2/37-ईई/10150/84-85. —अतः मुझे, अधिनियम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस प्रकार संक्षेपित किया गया है) की धारा 269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि सहायक-सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिस की सं. फाईल नं. 17, जो, महेश्वर निवास, 14-15, निजाम रोड सोसाइटी (प), बम्बई-54 में स्थित है) और इसका उपायान्वय अनुसूची में आने वाले रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-क के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 8/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वस्तुनिष्टी द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अरुण आर. रावल (अन्तर-)
2. श्री सुरेश जे. मुछाला और श्रीमती निता एन मुछाला (अन्तरितः)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अंगूची

फ्लैट नं. 17, जो, महेश्वर निवास, 44-45, तिलक रोड, सांताक्रुज (प), बम्बई-54 में स्थित है।

गुपची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10150/84-85 और जो पक्षम प्रावि गरी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 11/4/1985

मोहर :

जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10150 54-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 17, Maheshwer Niwas, 44-45, Tilak Road, Santacruz (W), Bombay 54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Arun R. Raval (Transferor)
2. Shri Suresh J. Muchhala & Mrs. Neeta S. Muchhala (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 17, Maheshwar Nivas, 44-45, Filak Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10150/84-85 on 18-8-1984.

Dated : 11-4-1985

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10001/84-85 :—आ. मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्रमाणपत्र नं. 1, जो, ग्राउंड फ्लोअर, आगा अपार्टमेंट्स को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, निर्माणाधीन इमारत, सांताक्रुज (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 14-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निये अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

166 GI/85—55

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 260ग के अनुसार मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती विमलानवेंती पी. रोहरा, और श्रीमती मनु इंदरकुमार महानी । (अन्तरिक)

2. श्री द्वाराचंद लक्ष्मणदाम मखीजा और श्रीमती रेनुका मखीजा । (अन्तरिनी)

3. अन्तरकों (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रमाणपत्र नं. 1, जो, ग्राउंड फ्लोअर आगा, अपार्टमेंट्स को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, (निर्माणाधीन इमारत सांताक्रुज (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं. अई-2/37ईई/10001/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10001/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. J, Ground Floor, Asha Apts. C.H.S. (Prop. Building), Santacruz (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Smt. Khymyanvanti P. Rohra, and
Smt. Madhu Inderkumar Sahni (Transferor)
2. Shri Hiranand Lachmandas Makhija, and
Smt. Renu H. Makhija (Transferee)
3. Transferor
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1, Ground Floor, Asha Apartments Co-operative Housing Society (Prop. Building), Santacruz (West), Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10001/84-85 on 14-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं.आई 2/37-ई/10001/84-85-अन्तः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे हमने इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट सं. ए-303, जुहू संस्कार प्रीमायसेम को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, जुहू चर्च, बम्बई 400049 में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करगणनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतर्गती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफलद्र निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में प्वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गए है :—
1 श्रीमती नीता फिरोशा रंगूतवाला और श्री फिरोझ

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सुनी निता फिरोजा रंगूनवाला और
फिरोजा जनशेद रंगूनवाला (अन्तरक)
2. श्रीकेशवजी जेठालाल सोनी और श्रीमती अमृतबेन
सोनी । (अन्तर्गती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त म्हावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए-303, जुहू संस्कार प्रीमायसेम को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड 3री मजिल, जुहू चर्च, जुहू, बम्बई 49 में स्थित है ।

अनुसूची जमा कि क्रम सं. आई-2/37ईई/10289/84-85 और जो मन्त्र प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो)

Ref. No. AR-II/37EE.10289/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. A-303, Jahu Sanskar Premises Co-operative Society Limited, 3rd floor, Jahu Church, Juhu, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Neena Firoze Rangoonwalla
and Mr. Firoz Jamshed
Rangoonwalla. (Transferor)
2. Mr. Keshavji Jethalal Soni and
Mrs. Amrutbehn Jethalal Soni. (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. A-303, Juhu Sanskar Premises Co-operative Society Limited, 3rd floor, Juhu Church, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-11/37EE/10289/84-85, dated 13-8-1984.

Dated : 10-4-1985.

SEAL :

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9765/84-85:— अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. बी-17, पहली मंजिल, कृष्णा सोसायटी, डूड रोड, जुहू (नार्थ). बम्बई 400 049 में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम क.ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(को) और अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. हर्बर्ट जान डिमोझ (अन्तरक)
2. धनवंतराय एम. त्रिवेद और दृश्यन्त डी. त्रिवेदी (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. बी-17 पहली मंजिल कृष्णा, सोसायटी जुहू रोड, जुहू (नार्थ) बम्बई 100049 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क्रमस. पुई-2/37ईई/9765/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(बोलागू नहीं उसे काट दिया)

Ref. No. AR-II/37EE/9765/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. B-17, 1st floor, Krishna Society, Juhu Road, Juhu (North), Bombay-49, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Herbert John D'Souza (Transferor)
(Transferor)
2. Dhanvantray M. Trivedi and
Dushyant D. Trivedi (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. M's. Oshiwara Land Development Co. (Pvt.)
Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

the notice on the respective persons which ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B-17, 1st floor, Krishna Society, Juhu Road, Juhu (North), Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-E/9765/84-85, on 10-8-1984.

Dated : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9784/84-85—अन मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे हमके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 रु से अधिक है और जिसका मर्या फ्लैट, प्लॉट नं. 21, सुबोध, प्रेमीडेली को-ऑपरेटिव सोसा लि तार्थ माड्य रोड नं. 7 जे वी पी डी स्कीम जट्ट, बम्बई 400019 में स्थित है (और हमने उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 14/8/1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकता के पंद्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (कां) और अंतरिती (यां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगसे बचने में सहायता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिन्हे भाग्रीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती वसुमती एम. चोकसी और श्री दिलीप एम. चोकसी (अन्तरक)
2. श्री श्याम सुन्दर आई. सारावगी (अन्तर्गति)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में, हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट, जो. प्लॉट नं. 21, मुबोध, प्रसीडन्सी को-ऑप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड नार्थ माउथ रोड नं. 7, जह विल पार्ले डेवलपमेंट सीम, जह बम्बई 400049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं. अई-2/37ईई/9784/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 9-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9784/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Plot No. 21, Subodh, Presidency Co-op. Hos. Soc. Ltd., North South Road No. 7, Juhu Vile Parie Development Scheme, Juhu, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreements is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Vasumati M. Choksi and
2. Mr. Dilip M. Choks
(Transferor)
2. Mr. Shyam Sunder I. Sarawgi
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. Plot No. 21, The Presidency Co-op Hos. Soc. Ltd., Subodh, North South Road No 7, Juhu Vile Parle Development Scheme, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EF/9784/84-85, dt. 10-8-1984.

Dated 9-4-84.

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-3/37ईई/1087/84-85.— अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं. 2, जो, प्लॉट नं. 45 मरीन एण्ड प्रिमायसम को-ऑप हाउसिंग सोसायटी लि., जुहु तारा रोड, जुहु, बम्बई-49 में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करानामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उममें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्रीमती, मनजीत कौर गुणैल सिंह अगेरा (अन्तरक)
2. श्रीमती, रंजनशाला एस. जून, (बोहरा) (अन्तरिती)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं. 2, जो, प्लॉट नं. 45 मरीन एण्ड प्रिमायसम को-ऑप सोसायटी लि., जुहु तारा रोड, जुहु बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रमसं. अई-2/37ईई/10089/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 12-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10087/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing Shop No. 2, Plot No. 45, Marine End Premises Co. Op. Society Juhu Tara Road, Juhu, fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

1. Mrs. Manjit Kaur Gurpal Singh Arora (Transferor)
2. Mrs. Ranjanbala S. Jain (Bohra) (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 2, Plot No. 45, Marine End Premises Co. Op. Society Ltd., Juhu Tara Road, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37LE/10087/84-85.

Dated : 11-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश ग. अई-2/37-ईई 8845/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी हो यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 10,0000 -रु. से अधिक है और जिसकी ग. फ्लैट नं. 301, जो. 3 री मजिल, अंधोरी ईश्वर, कोलीवाडा रोड, जुहू, बम्बई-49 में स्थित है) से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा —

- 1 श्री तपन चटर्जी। (अन्तरक)
2. श्रीमती सिमा कपूर। (अन्तरिणी)
- 3 — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं 301, जो, 3री मंजिल, अक्होरी टॉवर कोलीवाडा रोड, जुहू, बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. अई-2/37-ईई/8845/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 11-4-1985

साहस :

(आ लागू न हो उस काट दीजिये)।

166 GI/85-56

Ref. No. AR-II/37EE.8845/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 301, 3rd Floor, Ivory Tower, Koliwada Road, Juhu, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Tappan Chatterji (Transferor)
(Transferor)
2. Mrs. Seema Kapur (Transferee)
(Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd Floor, Ivory Tower, Koliwada Road, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8845/84-85, dated 3-8-1984.

Dated 11-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8873/84-85—अन. मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000-रु. में अधिक है और जिसकी (सं. फ्लैट नं० 62 जो, 6 वीं मंजिल, उदाधी तरंग को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि. जुहू, तारा रोड, जुहू होटल के पास, बम्बई-49 में स्थित है) (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अन. अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती लता आर. हंसोटी और डॉ. रमेश सी. हंसोटी (अन्तरक)
2. श्री नयन चंटेजी (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति से हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 62, जो, 6 वीं मंजिल उदाधी तरंग को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., जुहू, तारा रोड, जुहू होटल के पास, बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37-ईई/8873/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

दिनांक : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8873/84-85.—Whereas, 1. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 62, 6th Floor, Udhadi Tharang Co. op. Hsg. Society Juhu Tara Road, Near Juhu Hotel, Bombay 49, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Lata R. Hansoti & Dr. Ramesh C. Hansoti
(Transferor)
2. Shri Thappan Chatterji (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 62, 6th Floor, Udhadi Co. op. Society Ltd., Juhu Tara Road, Near Juhu Hotel, Bombay 49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8873/84-85.

Dated : 11-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2 37-ईई 10342 84-85:—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000—रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. बी-27, 4 थी मंजिल, कृष्णा को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., जुहू रोड (उत्तर), बम्बई-50, में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करागनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 24-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

इत अत उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1 श्री आनंद मंगेश सावूर । (अन्तरक)

2 श्री ओमप्रकाश चतुर्वेदी और श्रीमती. मिता चतुर्वेदी ।
(अन्तरिनी)

3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

— (वह व्यक्ति, जिसके जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट न. बी-27, जो, 4 थी मंजिल कृष्णा को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि. जह रोड (उत्तर), बम्बई-49 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी क्र. सं. आई-2/37-ईई/10342/-84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक

तारीख : 12-4-1985

बीहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10342/84-85 —Whereas, I, Taxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No B-27, 4th Floor, Krishna Co. op. Housing Society Ltd., Juhu Road, (North) fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Anand Mangesh Savoor (Transferor)

2. Shri Omprakash Chadurvedi & Mrs. Meena Chadurvedi (Transferee)

3. — (Person in occupation of the property)

4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B-27, 4th floor, Krishna Co. op. Hsg. Society Ltd., Juhu Road (North), Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10342/84-85 on 25-8-85.

Dated : 11-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable)

बम्बई, 4 अप्रैल 1985

निर्देश म. अर्द्ध-2/37-ईई/9986/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 रु. से अधिक है और जिसकी म० () में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 13-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्य नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किंगी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (i) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 सजय कन्ट्रक्शन एण्ड फ़ायनान्स प्रायवेट लि. ०।

(अन्तरक)

2 कुमारी सुजाता मनोहर भाटीया (अन्तरिती)

3.—

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4.—

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"दुकान नं 6 जो, "अनांक", टी.पी.एस. 4 प्लॉट नं 104/105, खानवाडी, पी.एम. रोड, बम्बई-54 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. म० ई-2/37-ईई 9986/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4/4/1985

मोहर -

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Bombay, the 4th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/9986/84-85.—Whereas, 1, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 6, "Alok", T.P.S. IV, Plot No. 104/105, Khotwadi, P. M. Road, Bombay-400054 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Sanjay Construction & Finance Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Kum. Sujata Manohar Bhatia (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 6, "Alok", TPS VI, P. M. Road, Plot No. 104-105, Khotwadi, Bombay-400054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9986/84-85. on 13-8-1984.

Dated 4-4-1985

SEAL :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. ज ई-2/37-ईई/10084/84-85 :- अतः मुझे लक्ष्मण दाम आचकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. युनिट नं. 11, ज(, 5वीं मंजिल, पटेल अपार्टमेंट सी. टी. एम. नं. एच/305, एच/306, एच/307, प्लॉट नं. 77 डी, टी.पी.एस. 4, 84, एच वि. रोड, सातक्रूस(प) बम्बई-54 में है (अंर इसमें उपावृद्ध अनुसूची में अंर पूर्ण रूप से वर्णित है) अर जिसका कारगुहामा आचकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण (को) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, आचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दागिन्द में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तरियों को जिन्हें भारतीय आचकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में,
मे उक्त अधिनियम की धारा 269अ की उप धारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मोहम्मद यू. पटेल और अमीना एस पटेल (अन्तरक)
2. श्याम रूपचंद सुगंध (अन्तरिनी)
3. मिनाक्षी बी. गणात्रा
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. अन्तरक और अन्तरिनी
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध
में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनमची

"यूनिट नं० 11 जो, 5 वी मंजिल, पटेल अपार्टमेंट्स
84, एम. वि. रोड, सी. टी. एम. नं. एच/305,
एच/306, एच/307, प्लॉट नं. 77 टी. गोल्लान्द्रुज (प).
बम्बई-54 में स्थित है।

अनमची जैगा वि. क्र. सं. अ ई-2/37ईई/10084-84/85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई डाक दिनांक 17/8/1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10084/84-85.—Whereas, I,
Laxman Das, being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of
1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing Unit No. 11, 5th Floor, Patel Apts.,
S. V. Road, Santacruz (W), Bombay 54 (and more
been transferred and the agreement is registered under
Schedule annexed hereto), has been trans-
ferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the
Office of the Competent Authority at Bombay on
17-8-1984 for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said Instrument of
Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act, in respect of any income arising
from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income
or any money or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of
the said Act, I hereby initiate proceedings for acqui-
sition of the aforesaid property by the issue of
notice under sub-section (1) of Section 269D of the
said Act, to the following persons, namely:—

1. Mohd. U. Patel & Amina M. Patel
(Transferor)
2. Shyam Roopchand Sugandh (Transferee)
3. Minakshi B. Ganatra
(Person in occupation of the property)
4. Transferor & Transferee
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said
property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publi-
cation of this notice in the official Gazette
or a period of 30 days from the service of
notice on the respective persons which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. 11, 5th Floor, Patel Apartments, CTS No. H/305, H/306, H/307, Plot No. 77-D, TPS IV, 84, S.V. Road, Santacruz (West), Bombay-400054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/10084/84-85, on 17-8-1985.

Dated 4-4-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8872/84-85 - अन्तः मूले, लक्ष्मण दास आयकर, अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु में अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 401, जो, 4थी मंजिल, "बी" विंग, शांतीमार, टागोर रोड, साताक्रूज (प), बम्बई-54 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका दस्तावेज़ आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 3-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तर (कों) और अन्तरित (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में दायित्व नहीं दिया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अन्तः मूल्य उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तर्गत में, मूल्य अधिनियम की धारा 269 घ की उप धारा (1) के अधीन निर्दिष्ट व्यक्ति, अर्थात् :—

1. श्रीमती पद्माबाई देवदास ब्रधरानी । (अन्तरक)
2. श्री तन्वाकणी देराज गहा और श्रीमती रंजन तन्वाकणी गहा । (अन्तरितों)
3. अन्तरक
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अन्तः मूल्य

"फ्लैट नं. 401, जो, 4थी मंजिल, "बी" विंग, शांतीमार, टागोर रोड, साताक्रूज (प), बम्बई-54 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं. अई-2/37ईई/8872/81-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 4-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II 37EE.8872/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 401, 4th Floor, 'B' Wing, Shalimar, Tagore Road, Santacruz West Bombay, 400054 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Smt. Padmabai Hemandas
Budhrani (Transferor)
2. Shri Talakshi Deoraj Shah and
Smt. Ranjan Talakshi Shah (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 401, 4th Floor, "B" Wing Shalimar, Tagore Road, Santacruz (West), Bombay 400054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8872/84-85 on 3-8-1984.

Dated : 3-8-1984.

SEAL:

(Strike off where not applicable)

निर्देशन स. अई- 2/37-ईई/10225/84-85 :- अतः मुझे लक्ष्मण दास आदर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यादर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसका स. दफ्तान सं 15, जो, ग्राउंड फ्लोर, "शालीमार" इमारत, गिटी स्ट्रीट नं 10 से जी/46 और जी/48 आफ दाटा, साताक्रुज (प), बम्बई में स्थित है (और उसका उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका वर्तमान आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के दायित्व, बम्बई में रजिस्ट्री नं 21-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (कों) और अन्तरनी (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप के बधिन नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक कम कर देने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आदर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269C के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269D की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिति :-

1. सक्षम विनय डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन । (अन्तरक)

2. श्री अमरशी कारसन गाला और श्री कानजी
डसार फरिया (अन्तर्निहित)

3. अतरकों
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध
में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“दुआर नं. 15, जो, ग्राउंड फ्लोर, “शालीमार”
इमारत, सिटी सर्वे नं. जी/40 पं जी/46 और जी/48
साफ दंडा, सांतक्रुज (प), बम्बई में स्थित है।
अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10225/
84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
21/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 4-4-85
मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10225/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS, being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of
1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-
and bearing Shop No. 15, Ground Floor, Shalimar
Bldg., Santacruz (West), Bombay (and more
fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the
Office of the Competent Authority at Bombay on
18-8-1984 for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid prop-
erty and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefore by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said Instrument of
Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act, in respect of any income arising
from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income
or any money or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of
the said Act, I hereby initiate proceedings for acqui-
sition of the aforesaid property by the issue of
notice under sub-section (1) of Section 269D of the
said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Venus Development Corporation
(Transferor)
2. Shri Amershi Karsan Gala, and Shri Kanji
Desar Faria (Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4. —

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said
property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publi-
cation of this notice in the Official Gazette
or a period of 30 days from the service of
notice on the respective persons which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from
the date of the publication of this notice in
the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 15, Ground Floor, Shalimar Building,
City Survey No. G/40 to G/46 and G/48 off Danda,
Santacruz (West), Bombay.

The agreement has been registered by the
Competent Authority, Bombay under Serial No.
AR-II/37EE/10225/84-85 on 21-8-1984.

Dated : 4th April, 1985

SEAL:

(Strike off where not applicable)

बम्बई 10, अप्रैल 1985

निर्देश सं ई-2/37-ईई/10176/84-85 - अनः
मुझे लक्ष्मण दान आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) में निम्न में इति पञ्चान "उक्त अधिनियम धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसका म. फ्लैट नं. 4, जॉ. सी-6, संगीता को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, ग्राउंड फ्लोर, जुहु रोड, सांताक्रुज, बम्बई 49 में स्थित है :-

इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्वर्गित की गई है और और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से जैसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतर्गत (यो) के बीच जैसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए ।

अनः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 क के अन्वर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 क की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति को उद्देश्य :-

1. श्री हनी अब्दुल ग़दर भायनगर वाला । (अन्तरक)
2. श्री मुश्ताक अहमद और श्रीमती सैयत । (अन्तरिनी)
3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करना शुरू करता है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 4, जॉ. सी-6, संगीता को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, ग्राउंड फ्लोर, जुहु रोड, सांताक्रुज, बम्बई-49 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37-ईई/10176/84-85 और जा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 10-4-85

माह

(जो लागू न हो उसे काट देंजिये)

Bombay, the 10th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/10176/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 4, C-6, Sangeta Co-op. Housing Society, Ground floor, Juhu Road, Santacruz, Bombay-400049 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Husseini Abdul Kadar Bhavnagarwalla
(Transferor)
2. Shri Mushtaq Ahmed & Smt. Zaitoon
3. Transferor
(Person in occupation of the property)
4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 4, C-6, Sangeeta Co-op. Housing Society, Ground floor, Juhu Road, Santacruz, Bombay-400049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10176/84-85, dt. 13-8-1984.

Dated : 10th April, 1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9016/84-85 :- अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फर्नेट नं. 3, विजय शुभ निवास, टि. पी. एम.- 2, मालाक्रज (प), बम्बई-54 में स्थित है और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(को) और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शान्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्नियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ऽरोज्जार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— ।

1. श्रीमती वीना प्रताप सिंह । (अन्तरक)
2. श्रीमती नूरजहान एम. बाइरी । (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है ।)
4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है ।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, विजय शुभ निवास, तलमावा, प्लॉट नं० 13, टाउन प्लान-2 सान्ताक्रुज (प), बम्बई 400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अर्द्ध-2/37-ईई/9016/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

तारीख 9-4-1985


माहुर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9016/84-85. —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 3, Vijay Subh Niwas, Ground floor, Plot No. 13, TPS II, Santacruz (W), Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 296AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Smt. Bina Pratap Singh (Transferor)
2. Smt. Noorjehan M. Nazki (Transferee)
3.  Transferor,
(Person in occupation of the property).

4

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3, Vijay Subh Niwas, Ground floor, Plot No. 13, Town Planning Scheme No. 2, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9016/84-85, on 4-8-1984.

Dated : 10th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अर्द्ध-2/37-ईई/8745/84-85 — अन्तर्गत लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) में जिसे दसवीं इसके पश्चात् "उक्त अधिा यम 1961" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं० 18 3री मंजिल, रतूराज को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी (प्रपोज्ड), जूहू रोड, सान्ताक्रुज, बम्बई 54 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 24-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिनी(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या, इससे बचने से सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किमी आग या किमी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संबंधितों के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गति में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्री सतीश कुमार खन्ना। (अन्तरक)

2 श्री अमित बी. दमानिया और श्रीमती
मोना ए. दमानिया। (अन्तर्गति)

3.

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 18, उनीमजिन, रतुराज को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी (प्रपोज्ड), जुहू रोड, सान्ताक्रुज (प), बम्बई 54 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/8745/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1/8/1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/8745/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 18, 3rd floor, RUTURAJ, Co-operative Housing Society (Proposed), Juhu Road, Santacruz, Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely :—

1. Satish Kumar Khanna (Transferor)

2. Amit C. Damania & Mrs. Mona A. Damania (Transferee)

3.

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 18, 3rd floor, Ruturaj Co-operative Housing Society, (Proposed), Juhu Road, Santacruz, Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8745/84-85 on 1st August, 1984.

Dated : 10th April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8746/84-85 - अन्तः मझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1963 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) 61 धारा 269 ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स प्लॉट न 70/डी/डी/3, जो, 2री मजिल, रामैया कुंज, गोलीवार, सांताक्रुज (पूर्व) बम्बई-55 में स्थित है। मार्ग माहिम, बम्बई-400016 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(कों) और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भारतीय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अन्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्थार्थ :-

1. एम. बी. कन्स्ट्रक्शन कंपनी। (अन्तरक)
2. मणिबेन वापुभाई साई। (अन्तरिती)
3. _____

(यह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. _____

(यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न. 70/डी/डी/3, जो, 2री मजिल, रामैया कुंज गोवार, सांताक्रुज (पूर्व), बम्बई -55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-3/37ईई/ 8746/ 84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दनाक 1/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8746/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Land bearing Plot No. 70/D/D/3, along with building at Ramya Kunj, 2nd Road, Golibar, Santacruz (E), Bombay-55 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :

1. Maniben Bapubhai Desai (Transferor)
2. M. B. Construction Co. (Transferee)
3. Trivedi Maniben Dhanwantra, Dr. Narendra D. Trivedi, Jaganath J. Desai Dhirubhai K. Desai
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land bearing Plot No. 70/D/D 3 alongwith building standing a Ramya Kunj, 2nd Road, Golibar, Santacruz East, Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE/8746/84-85, dt. 1-8-1984

Dated : 12th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अई-2/37-ईई/9936/84-85 :- अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पञ्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स फ्लैट नं. 001, जो, ग्राउंड फ्लोर, ट्रेगेलेट विला, प्लॉट नं. 976, एस नं. 16, एच नं. 4, जुहू व्हिर्लेज फ्लाइटिंग क्लब के पास, बम्बई-49 में स्थित है।

(और इसका उपाय अन्वयन में आर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्टिकोण प्रतिकूल के लिये अन्तर्गत को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्टिकोण प्रतिकूल में ऐसे दृष्टिकोण प्रतिकूल के पक्ष प्रतिकूल में अधिक है और अन्तर्गत(को) और अन्तर्गत(यो) के बीच ऐसे अन्तर्गत के लिए तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तर्गत लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तर्गत में हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में मदद के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निताओं की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्तर्गत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-रत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उद्योजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मदद के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. मैमर्स इंग्ले इन्टरप्राइजेस। (अन्तर्गत)
2. श्री कार्मो एफ. राडिज और श्रीमती
मी बी राडिज (अन्तर्गती)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है,
कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जत के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति व अर्जत के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के हस्त लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 001, जो, ग्राउंड फ्लोर, इरोलेट विला, प्लॉट नं. सी. टी. एस. 976, एस. नं. 16, एच. नं. 4, जुहु विलेज, फ्लाईंग क्लब के पास, बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स अई-2/37ईई/9936/84-85 और जो सक्षम प्राधिकार बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

तारीख 12-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|9936|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 001 Ground Floor, Irolette Villa, Plot No. 976, S. No. 16, H. No. 4, JUHU Village Near Flying Club, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Irolette Enterprises (Transferor)
2. Mr. Carmo F. Rodrigue, & Mrs. Tessie B. Rodrigues (Transferee)
3. Transferor
(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 001, Ground Floor, Irolette Villa, Plot No. C.T.S. 976, S. No. 16, H. No. 4, Juhu Village, Near Flying Club, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9936|84-85, dt. 10-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10092/84/85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000-रु. से अधिक है और जिसकी मठ. फ्लैट नं. 5, जो, 3री मंचिन, पाम ग्रेन्स को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि. टी. पी. एस. 4, वेस्ट अँव्हेन्यू रोड, सांताक्रुज (प), बम्बई-54 में स्थित है) (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और

अंश रिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री. जुगल किशोर अग्रवाल । (अन्तरक)
2. श्री.शम्भु दयाल गुप्ता और श्रीमती. चन्द्रा लेखा एस. (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 5, उरी मंजिल, पाम ब्रीजे को-ऑप. हाउसिंग सोसायटी लि., टी.पी. उ.स. 4, वेस्ट ग्रोव न्यू रोड, साताकूश (प). बम्बई-54 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी क्र. सं.आई-2 37-ईई 10092-84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

तारीख 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10092/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 5, 3rd Floor, Palm Breeze Co-op. Hsg. Soc. Ltd., T.P.S. IV, West Avenue Road, Santacruz (West), Bmbay-400054 (and more been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Jugal Kishore Aggarwal (Transferor)
2. Mr. Shambhu Dayal Gupta & Mrs. Chandra Lekha S. Gupta (Transferee)
3. Transferor
(Person in occupation of the property)
4. Family Members
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 5, 3rd Floor, Palm Breeze Co-op. Housing Society Ltd., T.P.S. IV, West Avenue Road, Santa-cruz (W), Bombay-400054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10092/84-85 on 18-8-1984.

Dated : 4th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10399/84-85:—अप:

मुझे. लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000-रु. से अधिक है जिसकी सं. फ्लैट नं. 11, 11वीं मंजिल, मोनल अपार्टमेंट्स, मुकुंदम प्रायवेट स्किल, सांताक्रुस, बम्बई-54. में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 23/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(को) और अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स गुं चा बिल्लत । (अन्तरक)
2. श्री. अजोत सिंग ग्रानंद । (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 11, जो, 11वीं मंजिल, मोनल अपार्टमेंट्स, मुकुंदम प्रायवेट स्किल, सांताक्रुस, बम्बई-54 में स्थित है

अनुसूची जैसा की अमू सं. अई-2/37-ईई 100399 /84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई 18 दिनांक 28-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR.II|37EE|10399|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 11, 1st Fl., Sonal Apts, Guzdar's Pvt. Scheme, Santacruz, Bombay-400 054 situated at Bombay (and more described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Gundecha Builders (Transferor)
2. Mr. Ajit Singh Anand (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 11, First Floor, Sonal Apartments, Guzdar's Private Scheme, Santacruz, Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A.R. II|37EE|10399|84-85 on 28-8-1984.

Dated 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. आई-2/37-ईई 8932/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000-रु. से अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं. बी-2, जो, ग्राउंड फ्लोअर, इमारत "बी", एस. ती. रोड, सांताक्रुस (प), बम्बई में स्थित है) (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

1. मेसर्स विनस डेव्हलोपमेंट कॉर्पोरेशन (अन्तरक)
मैसर्स जयकमल इंटरप्रायजेस । (अन्तरिती)

3.

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“दुकान नं. बी-2, जो ग्राउंड फ्लोअर, इमारत बी, एस. टी. रोड, सांतक्रुज (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. आई-2/37-ईई/9832-84-85 और जो मशम प्राधिकारी बम्बई द्वारा

तारीख : 4-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8932/84-85.—Whereas, I, Iaxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Shop No. B-2, Ground Fl., “B” Bldg., G.T. Road Santacruz (W), Bombay (and more described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Venus Development Corporation
(Transferor)
2. M/s. Jaizal Enterprises
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette for a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. B-2, Ground Floor, in Building-B, S.T. Road, Santacruz (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8932/84-85 on 4-8-1984.

DDated : 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10243 84-85:—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम कहा गया है) का धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000—रु. में अधिक है और जिसको मं. फ्लॉट नं. 506, जो, जमुना महल, प्रभात कॉलोनी, प्लॉट नं. 73 टा.पा.एस., सांताक्रूज़ (पूर्व), में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रो है तारीख 01/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरगत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल में ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिता (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मेसर्स जमनादास एम. चोकसी आर आसोसिएट्स।
(अन्तरक)

राजकमल गोविंदलाल ठक्कर। (अन्तरिती)

3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जासता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी

अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ ' नं. 506, जो, जमुना महल, प्रभात कॉलोनी, प्लॉट नं. 73 टो.पो.एस., सांताक्रूज़पूर्व, बम्बई में स्थित है।

अनुसूचा जिसका क्र. सं अई-2 37-ईई 10243-84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 12-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Act. No. AR.II/37EE/10243/84-85.—Whereas, 1, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 506, Jamuna Mahal, Prabhat Colony, Plot No. 73, T.P.S., Santaacruz (East), Bombay- situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Jamnadas M. Choksi & Associates
(Transferor)
2. Shri Rajkamal Govindlal Thakkar
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 506, Jamuna Mahal, Prabhat Colony, Plot No. 73, T.P.S. Santacruz (East) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A.R.II/37FE/10243 84-85 on 24-8-1984.

Dated : 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10029/84-85 ;— अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 201, जो 2री मंजिल इमारत नं. 15 व्हिलेज ओगिवरा बेहराम बाग केह पीछे, जोगेश्वरी (त), बम्बई में स्थित है)

(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क.ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है. तारीख 20/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल

के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में गृहिधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृहिधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री. भिया उददीन बत्तारी (अन्तरक)
2. नर्स म. कासी (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति जिनके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 201 जो, 2री मंजिल, इमारत, नं. 15, नर्वे 41, विल्हेज ओगिवरा बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई में स्थित है

अनुसूची जैसा की क्रम. अर्द्ध-2/37ईई/10029/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

तारीख 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू नहीं उसे गट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10029/84-85.—Whereas, 1, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 201, 2nd Floor of Bldg. No. 15 forming Part of S. No. 41 of village Ochivera, Opp. Behiram Baug, Jogeshwari(W) Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)
2. Nazim Oazi (Transferee)

3. ---

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor of Building No. 15 forming part of Survey No. 41 of village Ochivera, Opp. Behiram Baug, Jogeshwari (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10029/84-85 dt. 11-9-1984.

Dated : 11-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अर्द्ध-2/37ईई/10344/84-84 — अतः; मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 8 जो 2 री मंजिल रामकण्ठ इमारत एम. वि रोड एल. आय. सी. आफिस के पास विलेपार्ले (प) बम्बई-56, में स्थित है (और इसमें उदाहरण अनुसूची में से वर्णित है), और जिस पर करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में इस के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित/(की) और अन्तरित/(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री. के.बी.कारिया और (अन्तरक)
श्रीमति. इला के. कारिया
2. श्रीमति. पुष्पा छबिलभाई ठक्कर (अन्तरिती)
3. अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किंवा अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 8, जो 2री मंजिल रामकृष्ण इमारत, एन. बि. रोड, एल.आर्.सी. ग्राफिस के पास, विले पार्ले (प), बम्बई-56 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्रम. 2/37ईई/10344/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 12-04-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Bombay, the 12th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/10344/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 8, 2nd Floor, Ramkrishna Building, S. V. Road, near LIC Office, Vile Parle (West) Bombay-400 056 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. K. B. Karia & Mrs. ILA K. Karia
(Transferor)
2. Smt. Pushpa C. Thakkar (Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd Floor, Ramkrishna Building, S.V. Road, near LIC Office, Vile Parle (W) Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10344/84-85, dt. 25-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10226/84-85 :— अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और और जिसकी सं. फ्लैट नं. 64, जो, इमारत नं. 10, जहू रजनी गंधा को-आप, हाउसिंग सोसाइटी लि. इमारत, जे. वि. पी. डी. एच. ग्रायजी स्किम, गुलमोहर क्रास रोड नं. 11 जुहू विले-पार्ले, बम्बई -49. में स्थित है है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 23-8-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल ने पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अन्तरिनी(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित दृश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाहान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तःक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए ।

अतः, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. जयसिंग दौलतसिंग रावल । (अन्तरक)

2. पटेल विठ्ठलभाई गोकलभाई । (अन्तरिनी)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें उक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 64 जो, इमारत नं. 10, जहू रजनीगंधा को-आप, हाउसिंग सोसाइटी लि. निर्माणाधीन इमारत, जे. वि. पी. डी. एच. ग्रायजी. स्किम, गुलमोहर क्रास रोड नं. 11, जुहू, विले पार्ले, बम्बई-49 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि अ. अई-2/37ईई/10226/84-85 और जो सक्षम प्राधिकार बम्बई द्वारा दिनांक 23-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 12-04-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10226/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 64, Bldg. No. 10, Juhu Rajanigandha Co-op. Reg. Sec. Ltd. JVPD Scheme Gulmohur cross Road No. 11, Juhu Vile Pearle, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- Jaysingh Daulatsingh Rawal (Transferor)
- Patel Vithalbhai Gokalbhai (Transferee)
- Transferee
(Person in occupation of the property)
-

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 64, Bldg., No. 10, Juhu Rajanigandha Co-op. Reg. Sec. Ltd., J.V.P. HIG Scheme, Gulmohur cross Road, No. 11, Juhu-Vile Pearle, Bombay 49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10226/84-85, dt. 23-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10076/84-85 :— अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. प्लेट नं. 52 जो, इमारत. 1, गोलडमिस्ट को-ऑपरेटिव सोसाइटी गुलमोहर रोड, जे. वि. पी. डी. स्कीम मम्बई-49. में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध श्रमसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(कों) और अन्तरिनी(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगमें बढ़ने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए ।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों कथित :—

- श्री. मुकेश शांतीलाल पटेल । (अन्तरक)
- श्री राज कुमार गहाबादी । (अन्तरिनी)
-

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 52, जो, इमारत नं. 1, गोल्डमिस्ट को-ऑप. सोसाइटी, गुलमोहरी रोड, जे.वि.पी.डी.स्किम, एच.आय.जी. अडवेंस कन्ट्रीब्यूशन स्किम, बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जैसा क्रम.-2/37ईई/10076/84-95 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10076/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 52, Building No. 1, Gold Mist Co-op. Society, Gulmohar Road, JVPD Scheme HIG Advance Contribution Scheme, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such

apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. Mukesh Shantilal Patel (Transferor)
2. Mr. Rajkumar Shanabadi (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 52, Bldg., No. 1, Gold Mist, Co-op. Society, Gulmohar Road, J.V.P.D. Scheme HIG Advance Contribution Scheme, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10076/84-85, dt. 17-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. आई-2/37-ईई/9084/84-85:—अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु. से अधिक और जिसकी स. फ्लैट नं. 3-सी, जो, मधुगंधा को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., बामणवाडा, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-99 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा अधिभार अधिनियम की धारा 269-क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (यों) और अत-रिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किमी आय की शबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियां की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री. गेराल्ड अन्थोनी फर्नांडीस । (अन्तरक)
2. श्रीमती. अंजली अशोक दिवेकर । (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर

सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण .—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 3-सी, जो, मधुगंधा को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., बामणवाडा, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-99 में स्थित है ।

अनुसूची जैमा की क्र. सं. आई-2/37-ईई/9084/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हों उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9084/84-85.—Whereas, J. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 3-C, Madhugandha Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Bamanwada, Vile Parle (E), Bombay-99 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the

transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. Gerard Anthony Fernandes (Transferor)
2. Mrs. Anjali A. Divekar (Transferee)
3. —————
(Person in occupation of the property)
4. —————
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3-C, Madhugandha Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Bamanwada, Vile Parle (E), Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9084/84-85, dt. 4-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable)

बम्बई, 8 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9982/84-85.—अन: मुझे, लक्ष्मण दास. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु मे अधिक है और जिसकी से. ब्लॉक नं. 2ए, जो, श्री आदुंबर निवास को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, पी.एम. रोड, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-57, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण

रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शायद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भरन लक्ष्मण चव्हाण । (अन्तरक)
2. श्री पदमाकर यादवराव जानवे और श्रीमती मोहिनी पदमाकर जानवे । (अन्तरिती)

3. —————
(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

4. —————
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अवोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में भीतर हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लॉक नं. 2ए, जो श्री औदुंबर निवास को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, पो.एम.रोड, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है।

अनुसूची में जैसा कि क्र. सं. अई-2/37-ईई/9982/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-8-1981 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे वाट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9982/84-85.—Whereas, I, Laxman Dus, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Block No. 2A, Shri Audumbar Niwas Co-op. Hsg. Soc., P.M. Road, Vile Parle (E), Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Bharat Laxman Chavan (Transferor)
2. Shri Padmakar Yadavrao Janve & Smt. Mohini P. Janve (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Block No. 2A, Shri Audumbar Niwas Co-op. Hsg. Society, P.M. Road, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9982/84-85, dt. 13-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अई-2/37-ईई/9054/84-85—अनं मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक और जिसकी सं. फ्लैट नं. 2, जो, प्राउड फलोअर, दि विरेण्वर विहार को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., प्लॉट नं. 6, नेजपाल रोड, विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अन्तरिनी (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण में लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(1) अंतरण में हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(2) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (2) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. प्रविण केशवलाल मेहता और कुसुम प्रविण मेहता
(अन्तरगत)
2. महेंद्र कुमार पुखराज जैन। (अन्तरगती)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अर्थ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 2, जो, ग्राउंड फ्लोअर दि विरेश्वर विहार को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि., प्लॉट नं. 6 तेजपाल रोड, विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं अई-2/37-ईई/9054/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 12/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे वाट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37E/9054/84-85.—Whereas, 1. Luxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 000/- and bearing No. Flat No. 2, Gr. Floor, The Vireshwar Vihar CHSL, Plot No. 6, Tejpal Road, Vile Parle (E), Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Pravin Keshavlal Mehta & Kusum Pravin Mehta (Transferor)
2. Mahendrakumar Pukhraj Jain (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, Gr. Floor, Vireshwar Vihar Co-op. Housing Soc. Ltd., Plot No 6, Tejpal Road, Vile Parle (E) Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II/37E/9054/84-85, dt. 9-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

SFAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8441/84-85:—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. में अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. बी-53-573, जो, ग्रांड फ्लोर, बांद्रा (पूर्व), बम्बई-51. में स्थित है (और उससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजी-स्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूविषा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मदद के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री. जगदीप सिंग चोपड़ा। (अन्तरक)
2. श्री. लेखा राज टंडन। (अन्तरिती)
3. अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानना है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए गार्हदाहियां शुरू करना हैं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. बी-53-573, जो, ग्रांड फ्लोर, एम.आय. जी. कॉलोनी, बांद्रा (पूर्व), बम्बई-51 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र.सं. अई-2/37-ईई/8441/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12/4/1985

मोहर : “

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8441/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. B/53/573, Gr. Floor, MIG Colony, Bandra (E), Bombay-51 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Jagdeep Singh Chopra (Transferor)
2. Mr. Lekh Raj Tandon (Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B/53/573, Gr. Floor, M.I.G. Colony, Bandra (E) Bombay-51.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8441/84-85, dt, 10-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

बम्बई, 10 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/10247/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000—रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. ए-4 जो, ग्राउंड फ्लोर, ए-विंग हैपी हाउस, प्लॉट नं. 1282 टी. पी. एस. 4, ओल्ड प्रभादेवी रोड, माहीम बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से-कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. बसंत धुंडीराज पाटणकर दत्ता धुंडीराज पाटणकर
(अन्तरक)
2. श्रीमती विना शंकरलाल वर्मा की
(अन्तरिती)
3. अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. ए-4, जो, ग्राउंड फ्लोर, ए-विंग हैपी हाउस प्लॉट नं. 1282, टी. पी. एस. 4, ओल्ड माहीम बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई-2/37-ईई/10247 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Bombay, the 10th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/10247/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. A-4, Gr. Floor, A Wing, Happy House, Plot No. 1282, TPS IV, Old Prabhadevi Road, Mahim, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Vasant Dhundiraj Patankar and Datta Dhundiraj Patankar (Transferor)
2. Mrs. Veena Shankarlal Varma (Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 4-A, Gr. Floor, A Wing, Happy House, Plot No. 1282, TPS IV, Old Prabhadevi Road, Mahim, Bombay.

The Authority has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10247/84-85, dt. 13-8-1984.

Dated : 10-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

बम्बई, 12 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9083/84-85.— अतः मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 रु. से अधिक है और जिसको सं. 25 प्रतिशत प्राप्ति में “हरी निवास” एल जे रोड, शिवाजी पार्क बम्बई-25 में स्थित है (इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिती/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती मणिबेन एम. चौहान (अन्तरक)
2. केशव जी कानजी चौहान एच. यू. एफ. श्री दामोदर कानजी चौहान और श्री जेटालाल कानजी चौहान (अन्तरिती)

3. 151 भाड़ून (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 — (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) में अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

25 प्रतिशत प्रापर्टी में, "हरी निवास", एल. जे. रोड, शिवाजी पार्क, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसाको क्र. सं. अई-2/37ईई/9086/84-85 और सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 12/4/1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Bombay, the 12th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/9086/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 25 per cent Share in Property known as "Hari Niwas" as L. J. Road, Shivaji Park, Bombay-25 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considera-

tion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Smt. Maniben M. Chuvan (Transferor)
- Huf of Keshavji Kanji Chuhan, Shri Damodar Kanji Chauhan and Shri Jethalal Kanji Chauhan (Transferee)
- 151 tenants
(Person in occupation of the property)
- None
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

25 per cent Share in Property known as "Hari Niwas" at L.J. Road, Shivaji Park, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9086/84-85, dated 9-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable)

निर्देश स. अई-2/37-ईई/8876/84-85.— अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्यादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसका दुकान नं. 5, जो. बा-इमारत, भावेश्वर मंशन को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., दिलीप गुप्ते मार्ग, माहिम, बम्बई-16 में स्थित है (और दर्ज उदाहरण अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निम्ने अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के दृष्टि प्रतिफल से अधिक है और आरक(कों) और अंतरिती(गो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 में अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती. पी.मुलोज्ञद। (अन्तरक)
2. मैमर्न दासवर्गे आर्ट प्रिटिंग। (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोदृष्टाक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दि. के भीतर उक्त ग्वांर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"दुकान नं. 5, जो. बा-इमारत, भावेश्वर मंशन को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., माहिम गुप्ते मार्ग, माहिम, बम्बई-16 में स्थित है।

अनुसूचा जिसका क्र. सं. अई-2/37-ईई/8876/-84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिया)

Ref. No. AR-II/37EB/8876/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Shop No. 5 in B Bldg., Bhaveshwar Mansion, CHSL, Lt. Dilp Gupte Path, Mahim, Bombay-400016 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this

notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Parvatiben Moolchand (Transferor)
2. Basavray Art Printing (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 5 in B Building, Bhaveshwar Mansion Co-op. Housing Society Ltd., Lt. Dilip Gupte Path, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8876/84-85 dated 3-8-1984.

Date : 12-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

बम्बई, 10 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. अदे-2/37-ईई/10137 84-85:—अतः मुझे लक्ष्मण दास आचर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) को धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्हावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी फर्स्ट ल. 8, जो, दूसरी मंजिल, समद अपार्टमेंट, बलमिया रोड, माहोम बम्बई-16 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आचर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त

सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आचर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आचर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आचर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उपयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अब्दुल रझाक हाजी जुसब (अन्तरक)
2. श्री पुराकन आलम कुरेणी (अन्तरिती)
3. अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त म्हावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आचर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 8, जो 2री मंजिल, “समद अपार्टमेंट”, बलमिया लेन, माहोम, बम्बई-16 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क.स. अई-2/37ईई/10137/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Bombay, the 10th April, 1985

Ref No. AR-II|37EE|10137|84-85.—Whereas, I, LANMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 8, 2nd floor, Samad Apartment, Balmiya Road, Mahim, Bombay-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

1. Shri Abdul Razak Haji Joosab (Transferor)
2. Shri Purqan Alam Oureshi (Transferee)
- 3 Transferor
(Person in occupation of the property)
- 4 —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publi-

cation of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd floor, 'Samad Apartment' Balmiya Ranc, Mahim, Bombay-400016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10137|84-85, dated 13-8-1984.

Date : 10-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

बम्बई, 11 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10003/84-85 :— अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000—रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 4, जो, ग्राउंड फ्लोअर, बी-इमारत, "मंजू महल" 35, पाली हिल रोड, बम्बई-50. में स्थित है) (और इसमें उदावद्ध अनुसूची में और पर्णपत्र में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कों) और अंतरिती (त्रों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बाम्बविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायि में से कमी करने या उसमें बढ़ने में मद्दिधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आभिनयों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री. हितेन चौधरी । (अन्तरक)
2. श्री. वाय. एन. नगरवाला और (अन्तरिती)
एस. एन. मर्चन्ट ।
3. अन्तरितियों
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. अन्तरितियों
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 4, जो, ग्राउंड फ्लोअर, बी-इमारत, “मंजू महल”, 35, पाली हिल रोड, बम्बई-50 में स्थित है।”

अनुसूची जैसा की क्र.सं.अई-2/37ईई/10003/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख: 11-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Bombay, the 11th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/10003/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, Ground Floor, Bldg B “Manju Mahal”, 35, Palli Hill Road, Bombay-50 (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Hiten Choudary (Transferor)
2. Mr. Y. N. Nagarwala & S. N. Meehrant (Transferee)

3. Transferee
(Person in occupation of the property)

4. Transferee
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 4, Ground Floor, Bldg. B, Manju Mahal, 35, Palli Hill Road, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10003/84-85, dated 14-8-1984.

Date : 11-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म अई-2/37-ईई/8967/84-85 :— अतः, मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें डाके पत्रान्त, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) के धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 1, जो, ग्राउंड फ्लोअर, प्लॉट 383, ब्लू रोज सोसाइटी, 15वां रास्ता (30 वां रोड के पास), बांद्रा, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकर्ष के निम्ने अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर्ष में ऐसे दृश्यमान प्रतिकर्ष के 15 प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नष्ट पाया गया प्रतिकर्ष, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं को अर्जित करता हूँ :—

1. श्री आई बी. मनसुखानी । (अन्तरक)

2. श्री किशन एच गोहरा । (अन्तरिनी)

3. अन्तरक और उक्त परिदार

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

146 GI 85

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी लंबी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के दायित्व लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 1, जो, ग्राउंड फ्लोअर, प्लॉट नं. 383 ब्लू रोज सोसाइटी, 15 वां रास्ता, (30 वां रास्ता के पास), बांद्रा, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र.सं. अई-2/37ईई/8967/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8967/84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Flat No. 1, Ground Floor, Plot 383, Blue Rose Society, 15th Road, Near 30th Road, Bandra, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri I. B. Mansukhani (Transferor)
2. Shri Kishan H. Rohra (Transferee)
3. Transferor & His Family
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1, Ground Floor, Plot No. 383, Blue Rose Society 15th Road, Near 30th Road, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8967/84-85 dated 4-8-1984.

Date : 11-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8838/84-85 — अतः

मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मसम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 10,00,00-रु से अधिक है और जिसकी सं. सी.टी.एन सं.-बी-686, जो प्लॉट नं. 100ए, सेंट सेंट्रैस्टिन को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि., ग्रेन्वेल्लो रोड, बांद्रा बम्बई में स्थित है और (इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क के अधीन मसम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कों) और अन्तरिनी (याँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की राशन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे इन्ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्मियों की इन्ने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-र. अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के द्योक्तार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता आह्वान था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिति :-

1. श्रीमति. एम. अल्मेडा और अन्य । (अन्तरक)
2. श्री.ज्युड लोबो । (अन्तरिनी)
3. श्री. डी.जे. डिमोहा और अन्य
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. श्रीमती और कन्या
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सच्चा मारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्ज के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्ज के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तन्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सूचना सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सी.टी.एम.-बी-686, जो, प्लॉट नं. 100-A, सेंट सेबेस्टियन को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि, रीबेल्लो रोड, बान्द्रा बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र.सं.अई-2/37ईई/8838/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 11/4/1985

मोहर :

(जा लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8838/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C.T.S. B-686, Plot No. 100-A, St. Sebastian Co-op. Housing Society Ltd., Rebello Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mrs. M. Almeida & others
(Transferor)
2. Mr. Jude Lobo
(Transferee)
3. Shri D. J. D'souza & Others
(Person in occupation of the property)
4. Mrs. & Daughter
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

C.T.S. B-686, Plot No. 100-A, St. Sebastian Co-op. Housing Society Ltd., Rebellow Road, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8838/84-85 dated 2-8-1984.

Date : 11-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अई-2/37ईई 10123/84-85 —अनः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं. 9, जो, इलेजन्ट शापिंग सेंटर, 26-38, हिल रोड, बान्द्रा बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अनः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सुलतानअली रेहमतुल्लाह और श्री ताजदीन रेहमतुल्लाह । (अन्तरक)
2. 1. श्री मोहमद कासम हाजी फक्रुदीन, (अन्तरिती)
2. मोहमद फारूख हाजी फक्रुदीन और
3. मोहमद इस्माईल हाजी फक्रुदीन ।
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि सम्पत्ति में हित-बद्ध है)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं. 9, जो, इलेजन्ट शॉपिंग सेंटर, 26-38 हिल रोड, बांद्रा. बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र०सं. अई-2/37ईई/10123/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10123/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 9, Elegant Shopping Centre, 26-38, Hill Road, Bandras Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Sultanally Rehmatulla & Mr. Tajdin Rehamatullan (Transferor)
2. (1) Mohamed Kasam Haji Fakrudin
(2) Mohamed Farooq Haji Fakrudin &
(3) Mohammed Ismile Haji Fakrudin (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 9, Elegant Shopping Centre 26-38, Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10123/84-85 on 18-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8961/84-85---अतः मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्यादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 311, जो, साउंड मेरी अपार्टमेंट, पिटर हायम रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन, मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तरियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य कानून अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. सा. एम. पिरानी और अमीन एम. पिरानी (अन्तरक)
2. नाजरीन मुसा साताजा और श्रीमती, मेहमूद मुसा नाजरीन मुसा । (अन्तरिती)

3. अन्तरका

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त म्यादर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्वय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अन्वय से दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 311, जो, साउंड मेरी अपार्टमेंट, पिटर हायम रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची तैयारी : क. सं. अई-2/37ईई/8961/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 11/4/1985

मोहर :

(जो लागू नहीं उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8961/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 311, Mount Merry, Apts., Peter Dias Road, Bandra, Bombay-400050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Sakar S. Pirani & Amin S. Pirani
(Transferor)
2. Tajdin Moosa Khwaja & Smt Mehmuna Tajdin Moosa
(Transferee)
3. Transferor
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned known to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 311, Mount Merry Apartments, Peter Dias Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8961/84-85 dated 4-8-1984.

Date : 11-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निदेश सं. आई-2/37-ईई/10380/84-85 - अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्याद सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. ए. लैंड विथ स्ट्रक्चर स्टैडिंग अट चंपेल रोड, एच. नं. 157 सी जी, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका कारगरनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 27/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तर्लिखित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरको और अंतरिनी/अंतरिनीयों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक जो दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आगित्यों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्लिखित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसूची में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्रीमती एस्पेरान्स सिल्वेरा । (अन्तरः)
2. श्री रफायेल विभन डिमिल्ला, और श्री मिल्टन आर. डिमिल्ला । (अन्तर्गती)
3. भाइत
4. — (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पक्षों की सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पक्षों की व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ए. लैंड विथ स्ट्रक्चर स्टैंडिंग अट चैपेल रोड, गल्ले नं. 157 सी, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई-2/37ईई/10380/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ता. : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II 37LE/10380/84-85. —Whereas, I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing a Land with structure standing at Chapel Road, H. No. 157-C, Bandra, Bombay-400050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 256AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. Esperance Silveira (Transferor)
2. Riphah Simon D'Silva and Milton R. D'Silva (Transferee)
3. Tenants (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

A Land with structure standing at Chapel Road,
H. No. 157-C, Bandra, Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EF/10380/84-85 on 27-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9072/84-85—अतः मझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 10, जो, याउंड फ्लोर, मंजू महल, 35, पाली हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कथारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगरे बचने से सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दियोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उधति :—

1. श्रीमती मंरेश शर्मा । (अन्तरक)

2. श्रीमती अंबिका प्रसाद । (अन्तरिती)

3.—

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.—

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं. 10, जो याउंड फ्लोर, जी-बिंग, मंजू महल, 35, पाली हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैता की क्र. सं. अई-2/37ईई/9072/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ता : 4-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9072/84-85.—Whereas I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 10, Ground Floor, Manjoo Mahal, 35, Pali Hill Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of

such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. Sudesh Sharma (Transferor)
2. Smt. Ambika Prasad (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 10, Ground Floor, D-Wing, Manju Mahal, 35 Pali Hill Road, Bandra, Bombay 400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A.R. II/37EE/9072/84-85 on 9-8-1984.

Dated : 4th April, 1984.

SEAL :

(Strike off where not applicable)

166 GI/85—62

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10261/84-85:- अतः मुझे लक्ष्मण दास आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसी पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथावत सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. है अधिगत है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 9, जो, 2री मंजिल, जल तामरीका को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., प्लॉट नं. 1439, 273, आफ गार्डन रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसकी अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका आर-नामा आधकर अधिनियम की धारा 269 बख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 24-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिगत है और अंतरक(कों) और अंतरित(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिगत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की द्वाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आगित्यों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. नूरबानू वाली लाखा । (अन्तरक)
2. ताहेरा अमीन गनी । (अन्तरित)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसे अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसे बारे में अग्रोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 9, जो, 2री मंजिल, जल सागरिका को-ऑपरेटिव सोसाइटी लि., प्लॉट नं. 1439, 273 ऑफ कार्टर रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-2/37ईई/10261/84-85 और जो उक्तम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ता. : 4-4-85

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10261/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 9, 2nd Floor, Jal Sagarika Co-Op. Hsg. Soc. Ltd., 273, Off Carter Road, Bandra Bombay-400 050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Neornanu Vali Lakha (Transferor)
2. Tahera Amin Gani (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd Floor, Jal Sagarika Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 1439, Off. Carter Road, Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10261/84-85 on 24-8-1984.

Dated : 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10364/84-85:—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) (की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 706, जो, 7वीं मंजिल, “माउंट मेरी अपार्टमेंट्स” इमारत, बान्द्रा, बम्बई में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है,

तारीख 27/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदार्थ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अन्तरित(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से व्यक्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मुरादअली नाज़रअली सुरानी । (अन्तरक)

2. श्री सद्दुद्दीन कासम्भाई गिलानी और फरीदा एन. गिलानी (अन्तरितों)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भरोह-पात्रों जानता है, को वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में भीतर हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 706, जो 7वीं मंजिल, “माउंट मेरी अपार्टमेंट” इमारत, बांद्रा, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-237/ईई/10364/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ता० 4-4-84

मोहर :

(जो लागू न हो उस काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10364/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 706, 7th Floor, Mount Mary Apts, Building, Bandra, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 209A/B of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mooradali Nazarali Surani (Transferor)

2. 1. Shri Sadruddin Kasambhai Gilani, &
2. Smt. Farida S. Gilani (Transferee)

3. Transferor
(Person in occupation of the property)

4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 706, 7th Floor, Mount Merry Apartments Building, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10364/84-85 on 27-8-1984.

Dated 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10146/84-85 :—अतः मझे मक्षम दात आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उबिन बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट न. 402-बी, जो. 4 थी मन्जिल, कल्पना अपार्टमेंट्स-बी, गेली राजन रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसी आकृष्ट अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका उगारनामा आधर अधिनियम को धारा 269 बख के अधीन, मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्वह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक(को) और अन्तरता(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पादा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में साम्बविक रूप में कथित नहीं दिया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आयियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धर-यार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इयोम्गर्त अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, रिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (i) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के लिये —

1. श्रीमती रेणमा एम० भावेन (अन्तरक)
2. श्री विनोद कुमार चोप्रा (अन्तरिती)
3. अन्तरिता और उनके परिवार मस्य

(वह व्यक्ति, जिसके अधिर्माण में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में आवेष्टनाक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हिस्सद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीता शुरू करवा हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, व भीतः पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हिस्सद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के साम लिखित में किए जा सकेंगे।

मण्टीकरण :—इसमें प्रस्तुत शर्तों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, तथा अर्थ तथा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न. 402-बी जो. 4 थी मन्जिल, कल्पना अपार्टमेंट्स-बी गेली राजन रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37ईई/10146/84-85 जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4-4-1985

मोहर.

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10146/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 402-B, 4th Floor, Kalpana Apartments-B, Sherley Rajan Road, Bandra Bombay-400 050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. Reshma S. Sawant (Transferor)
2. Shri Vinodkumar Chopra (Transferee)
3. Transferee & family members.
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later :

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 402-B, 4th Floor, Kalpana Apartments-B, Sherley Rajan Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10146/84-85 on 18-8-1984.

Date : 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37-ईई/8741/84-85:—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है (और जिसकी सं. फ्लैट 2री मंजिल पर, जो, "दिल खुश" इमारत, 28, सेंट पाल्स रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टरी है तारीख 1/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में,
 मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन,
 निम्नलिखित व्यक्तिओं के अन्तर्गत :—

1. श्री अताफ अब्दुल फतिह फर्निचरवाला (अन्तरक)
2. श्रीमती बर्था मरिया डिकोस्टा (अन्तरित्री)
3. —
 (यह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
 (यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है,
 कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध
 में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो
 अर्थ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
 अन्वय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
 अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“कनेट 22री मजिल, “डिल खुश” इमारत, 28, सेंट पॉल
 रोड, बंद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/8741/84-85
 और जो सभ्य प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984
 का रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8741/84-85.—Whereas, I,
 LAXMAN DAS, being the Competent Authority
 under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43
 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’),
 have reason to believe that the immovable property,
 having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-
 and bearing Flat on 2nd Floor, “Dil Khush” Bldg.
 28-St. Paul’s Bandra, Bombay 400 050 (and more
 fully described in the Schedule annexed hereto), has
 been transferred and the agreement is registered under
 section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the

Office of the Competent Authority at Bombay on
 1-8-1984 for an apparent consideration which is
 less than the fair market value of the aforesaid prop-
 erty and I have reason to believe that the fair market
 value of the property as aforesaid exceeds the apparent
 consideration therefore by more than fifteen per cent
 of such apparent consideration and that the considera-
 tion for such transfer as agreed to between the parties
 has not been truly stated in the said Instrument of
 Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
 liability of the transferor to pay tax under
 the said Act, in respect of any income arising
 from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income
 or any money or other assets which have not
 been or which ought to be disclosed by the
 transferee for the purposes of the Indian
 Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
 said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of
 the said Act, I hereby initiate proceedings for acqui-
 sition of the aforesaid property by the issue of the
 notice under sub-section (1) of Section 269D of the
 said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Altaf Abdul Latif Furniturerwala
 (Transferor)
2. Smt. Bertha Maria Decosta (Transferee)
3. —
 (Person in occupation of the property)
4. —
 (Person whom the under-signed knows to be
 interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said
 property may be made in writing to the under-signed—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
 period of 45 days from the date of publi-
 cation of this notice in the official Gazette
 or a period of 30 days from the service of
 the notice on the respective persons which-
 ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said
 immovable property within 45 days from
 the date of the publication of this notice in
 the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used
 herein as are defined in Chapter XXA of
 the said Act, shall have the same meaning
 as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat 2nd Floor, “Dil Khush” Building, 28-Saint
 Paul’s Road, Bandra, Bombay 400 050.

The agreement has been registered by the Compe-
 tent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/
 37EE/8741/84-85 on 1-8-1984.

Date : 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश न अई-2/37ईई/10031/84-85 —अतः मुझे सक्षमता प्राप्त आहूत अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे आगे संशोधन अधिनियम "कहा गया है) को तारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सफाई 3री मजिल पर, जो, "दिल खुश", इमारत, 28, पाल्स रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (जो इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वस्थ सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(को) और अन्तरिती(यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तदुपाय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आदर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्तरक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा एकत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए

इस आ उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) की अधीन वर्गीकृत व्यक्तियों अर्थात् —

1. रत्नाफ म. फनिवरवाना । (अन्तरक)

2. श्री बामिन डिमोडा । (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करा है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के बारे में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट 3री मजिल पर, "दिल-खुश" इमारत, 28, सेड पाल्स रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है ।"

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37ईई/10031/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 4-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10031/84-85.—Whereas, J. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat on 3rd Floor, Dil Khush Bldg., 28-St. Paul's Road, Bandra, Bombay-400 050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the 'said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Altaf A. Furnituriwala (Transferor)
2. Shri Basil D Souza (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat on 3rd Floor, "Dil Khush" Building 28-St. Paul's Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10031/84-85 on 16-8-1984.

Date : 4-4-1985.

Seal

(Strike off where not applicable.)

निर्देश नं. जई-2/37ई/10083/84-85 :—अतः मैंने लक्ष्मण दास जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अर्जित सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि सदावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं-

पट्ट नं. 64, जो, 6 वीं मजिल, "सी" इमारत, काशी-होम को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि., 261, पानी हिण, नारा, बम्बई-50 में स्थित है (जो इसमें इसमें प्रत्यक्ष से और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करगनात अन्तर अविनियम की धारा 269 के अर्जित सश्रम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 17-8-1984 को पूर्ववर्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरगत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्ववर्ति सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पद्धत प्रतिशा से अधिक है और अन्तरगत/अन्तरगत और अन्तरगत/अन्तरगतियों के बीच ऐसे अन्तर के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विनिमय में बाजार मूल्य में अन्तर नहीं पाया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारदात, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरगत के दायित्व में कमी करने या उससे इससे से सविधान के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीन अन्तरगतियों द्वारा एकत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान्वे में लिये के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को निर्देश :—

1. श्री शामस डिगोडा, और श्रीमती एस. एम. डिगोडा (अन्तरगत)
2. श्री होशियार सिंग, और श्रीमती पनवीर कौर। (अन्तरित)

3. अन्तरितियाँ

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. वांछनीय को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति में हितग्रह है)

को यह सूचना जारी करके पद्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पद्योक्त —

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर न्याय की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अधिक अवधि में समाप्त होती है, के भीतर पद्योक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हस्ताक्षर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 64, जो, "सी" इमारत, काजीहो हाउसिंग सोसाइटी लि., 251, पाली हिल, 6वीं मंजिल, बान्द्रा, बंबई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37 ईई/10083/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट देंगिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10083/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 64, 6th Floor, 'C' Building, Cozihom Co-op. Hsg. Soc. Ltd; 251-Pali Hill, Bandra, Bombay-400050 (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Thomas D'Souza. &
Smt. S. M. D'Souza (Transferor)
2. Shri Hoshiyar Singh. &
Smt. Manjit Kaur (Transferee)
3. Transferee.
(Person in occupation of the property)
4. Cozihom Co-op. Housing Society Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. 64, 6th Floor, 'C' Building, Cozihom Co-operative Housing Society Ltd; 251-Pali Hill, Bandra, Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/10083/84-85 on 17-8-1984.

Date : 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8934/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दाय, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 18, जो, फ्लैट नं. 227ए, "आशियाना" पॅरागॉन को-ऑप. सोसाइटी, रोड नं. 31, टी. पी. एस. 3 बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा

आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक(का) और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दानत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-धन अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री के. टी. गजरीया । (अन्तरक)
2. श्री एफ. आर. भागवागर और कुमारी कुमी आर. भागवागर । (अन्तरिती)

3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ निम्नलिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 18, जो, प्लॉट नं. 227ए, "आशियाना" परागाना को-ऑप. सोसाइटी, रोड नं. 31, टी. पी. एस. 3, बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ज. म. अई-2/37ईई/8934/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 4/4/1985.

मोहर .

(जो नामू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8934/84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 18, Plot No. 227-A Ashiana Paragon Co-op. Hsg. Society, Road No. 31, T.P.S. 3, Bombay-400050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri K. T. Gajaria (Transferor)
2. Shri F. R. Bhakwagar and
Kum. Kumari R. Bhagwagar (Transferee)
3. —

(Person in occupation of the property)

4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 18, Plot No. 227-A, "Ashiana" Paragon Co-op Hsg. Society, Road No. 31, T.P.S. 3, Bombay-400 050

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EF/8934/84-85 on 4-8-1984.

Dated 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं अई-2/37ईई/10332/84-85—अन. मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ व अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 201, जो 2री मंजिल निर्माणाधीन इमारत, प्लॉट नं. 86, मालमेडटे रो-ऑफ. हाउसिंग सोसाइटीज इस्टेट प्लान नं. 1, मेट्रो डोमिनिक रोड, वांद्रा, बम्बई-59 में स्थित है (जो इसमें उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल है निम्न अन्तर की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिजन से अधिक है और अन्तरक (को) और अन्तरिती (या) के बीच ऐसे अन्तरण के निम्न तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कतिन नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय या धन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे दान में या अन्तरक के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए

अन अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसार म, से उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थात् —

- 1 मुहल कन्ट्रक्शन्स । (अन्तरक)
- 2 श्रीमती मुनीता मरीयान मोटेरो और श्री क्लारेम पिटरमोटेरो । (अन्तरिती)
- 3 1 श्रीमती एफ. फर्नान्डीस, आनर,
2 श्री ड. पी. रांड्रिक्स, भाडून, और
3 श्री आम्बाल्ड अन्नाडे, भाडून ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

1.

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 201, जो, 2री मंजिल, निर्माणाधीन इमारत, प्लॉट नं. 86, मालमेडटे रो-ऑफ. हाउसिंग सोसाइटीज इस्टेट प्लान नं. 1, मेट्रो डोमिनिक रोड, वांद्रा, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि अ. म. अई-2/37ईई/10332/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 4/4/1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10332/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 201, 2nd Floor, Prop. Bldg. Salsatte Co-op. Hsg. Societies Estate Plan No. 1, St. Domnic Road, Bandra, Bombay, (and more described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Suhail Constructions (Transferor)
2. Smt. Sunita Mariyan Monterro, & Shri Clarence Peter Monterro (Transferee)
3. Smt. F. Fernandes, Owner
 2. Shri E. P. Rodricks, and
 3. Shri Oswald Andrade, Tenant
 (Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor, Prop. Building, Plot No. 86, Salsatte Co-operative Hsg. Societies Estate, Plan No. 1, St. Domnic Road, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10332/84-85 on 25-8-1984.

Dated : 4-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

बम्बई, 10 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10219/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 7, जो, 3री मंजिल, डी-डोल को-कॉप. हाउसिंग सोसाइटी लि., पाली माला रोड, प्लॉट नं. 32, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आम्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उक्त धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती मार्था मंधोरा । (अन्तरक)
2. श्रीमती जी. कार्बेल । (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 7, जो, 3री मंजिल, डी-डोल को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., पाली माला रोड, प्लॉट नं. 32, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-2/37ईई/10219/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख: 10/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

BOMBAY, 10 April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/10219/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 7, 3rd floor, DI-Dol Co-op. Hsg. Sec. I td., more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or order assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Martha Mandhara (Transferor)
2. Mrs. Genevieve Cabrel (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty-five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 7, 3rd floor, DI-Dol Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Pali Mala Road, Plot No. 32, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10219/84-85, dt. 13-8-1984.

Dated : 10-4-1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10153/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. सी-7, जो, युनिवर्सल को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, सेंट जॉन बाप्टिस्ट रोड, बांद्रा (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) आर अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री धनवंत ब्रजलाल व्होरा । (अन्तरक)
2. डॉ. विनोदकुमार बाबूलाल जैन । (अन्तरिती)
3. अन्तरक । (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है ।)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. सी-7, जो, युनिवर्सल को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, सेंट जॉन बाप्टिस्ट रोड, बांद्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-2/37ईई/10153/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख :- 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10153/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. C-7, Universal Co-op. Housing Society, St. John Baptista Road, Bandra (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Mr. Dhanvant Vrajlal Vora (Transferor)
2. Dr. Vinodkumar Babulal Jain (Transferee)
3. Transferor
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. C-7, Universal Co-op. Housing Society, St. John Baptista Road, Bandra (W) Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10153/84-85, dt. 13-8-1984.

Dated : 10th April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8874/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 8, जो, इमारत ए, शांती सदन को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि०, 36वां रास्ता, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में दस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की डा धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

1. जीत सिंह कोहली । (अन्तरक)
2. हरमिंदर सिंह कोहली । (अन्तरिती)
3. अन्तरक और अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हुआ जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“प्लैट नं. 8, जो, इमारत नं. ए, शान्ती सदन को-ऑप.
हाउसिंग सोसाइटी लि., टी. पी. एस. 282/283,
36वां रस्ता, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।”

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/8874/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1/8/1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 10/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8874/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 8, Building A, Shanti Sadan Co-op. Housing Society Ltd., 36th Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Jit Singh Kohli (Transferor)
2. Harminder Singh Wohli (Transferee)
3. Transferor & Transferee
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 8, Building A, Shanti Sadan Co-op. Housing Society Ltd., T.P.S. 282/283, 36th Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8874/84-85, dt. 1-8-1984.

Dated : 10th April, 1985

SALE :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8997/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं. 25, जो, ग्राउंड फ्लोअर, बिना शॉपिंग सेंटर प्रिमायसेस सोसाइटी लि., बांद्रा (प), बंबई-50 में स्थित है) और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 6/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी ढाग या किसी धन या अन्य आस्मियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ढयोक्तार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्मिता के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उा धारा (1) के अन्तर, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

- 1 मैपर्स डिवाइज कन्स्ट्रक्शन कपनी (अन्तरक)
- 2 श्रीमती ताजुनिसा एम. एम. मुखिया । (अन्तरिती)
- 3 अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ओ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान नं. 25, जो ग्राउंड फ्लोर, विना शॉपिंग सेंटर प्रिमायसेस मोसाइटी लि., बांद्रा (प.), बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र. स अई-2/37ईई/8997/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 12/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिया)

166 GI/85—64

Ref. No. AR-II/37EE/8997/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 25, Ground floor, Veena Beena Shopping Centre Premises Soc. Ltd., Bandra (W), Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1967 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Divine Construction Co. (Transferor)
2. Mrs. Tajunisa S. M. Mukhia (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(8) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Shop No. 25 on ground floor, Veena Beena Shopping Centre Premises Society Ltd., Bandra (W), Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/8997/84-85, dt 6-8-1984.

Dated : 12th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10182/84-85—अन. मूजे. लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लैट नं. 601, जो, 6वीं मंजिल, "इमारत अंकरेज", सी. टी. एम. नं. 553, सेंट अलेक्सीअस रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मूजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दियोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अन. अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के दस्तमूरत में, सं. उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) में अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों उर्ध्वान् —

1. वनाशा कान्ट्रक्शनस प्राइवेट लि. (अन्तरक)
2. श्री मनाहरलाल वासुदेवा (अन्तरिती)
3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए पर्याप्त शुरु करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं. 601, जो, 6वीं मंजिल, इमारत "अंकरेज", सी. टी. एम. नं. 553, सेंट अलेक्सीअस रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची तैयारी क्र.म. अई-2/37ईई/10182/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10182/84-85 --Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 601, 6th floor, 'ANCHORAGE' Bldg., C.T.S. No. 553, St. Alexis Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Natasha Constructions Pvt. Ltd.
(Transferor)
2. Mr. Manoharlal Vasudeva (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor, 'ANCHORAGE' C.T.S. No. 553, St Alexius Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37FE]10J82[84-85, dt. 18-8-1984.

Dated : 12th April, 1985

Seal .

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन म. अई-2/37-ईई/9951/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी म. फ्लैट नं. मी-4, जो, 15वीं मंजिल, कांती अपार्टमेंट, माउंट मेरी रोड, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दियोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स कमल अण्ड कंपनी । (अन्तरक)
2. श्री उत्तम चंद एम. अलिमचदानी, श्रीमती राधारानी यू. अलिमचदानी, श्री हिरालाल यू. अलिमचदानी, और श्रीमती निशा एच अलिमचदानी । (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. सी-4, जो, 15वीं मंजिल, कान्ती अपार्टमेंट, माऊंट मेरी रोड, बान्द्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई-9951/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट देंजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9951/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. C4/15th Floor, Kanti Appartment, Mount Mary Road, Bandra (W), Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- M/s. Kamal & Co. (Transferor)
- Mr. Uttam Chand S. Alimchandani, Mrs. Radharani U. Alichandani, Mr. Hiralal U. Alichandani and Mrs. Nisha H. Alichandani, Ambica (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. C4/15th Floor, Kanti Appartment, Mount Mary Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9951/84-85, dt. 10-8-1984.

Dated : 12th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9993/84-85 :—अन. मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 1, जो, ग्राउंड फ्लोअर, निर्माणधीन इमारत, रेव्हीन्यू विहलेज, बान्द्रा, सिटी सर्वे नं. सी/758, बम्बई में स्थित है इसका उक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है और जिसका उक्त अधिनियम अध्याय 269क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 14-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

वतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स रोहित विल्डर्स एण्ड कान्स्ट्रक्टर्स ।
(अन्तरक)
2. श्री थामस जार्ज कोल्लानपाडीकल और श्रीमती यास्मिन थामस कोल्लानपाडीकल ।
(अन्तरिती)
3. —————
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —————
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 1, जो, ग्राउंड फ्लोअर, निर्माणधन हमारन, रेव्हेन्यू विहलेज, बान्द्रा, सिटी सर्वे नं. सी 758, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37 ईई/9993-84-85 और जो महसूम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 11-4 1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट देंगे)

Ref. No. AR-II|37EE|9993|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1, Ground Floor, Revenue Village, City Survey No. C/758, Bandra, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Rohit Builders & Contractors
(Transferor)
2. Mr. Thomas George Kollanpadical and Mrs. Yasmin Thomas Kollanpadical (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1, Ground Floor, Bldg. No. 3, Revenue Village, Bandra, City survey No. C-758, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9993/8485, dt. 14-8-1984.

Dated : 11th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश स. अई-2/37ईई/10315/84-85 —अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. प्लॉट नं. 12, जो, 3री मंजिल, हिल फ्रेस्ट को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., 16 वा रस्ता, वाद्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरली (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,

निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दाखल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या
(ख) ऐसे किसी आय या किराी धन या अन्य आयों की विन्दन भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्रीमती चंद्र मोहिनी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नंदकुमारी सैगल और श्री विनोद कुमार
निलक सैगल

(अन्तर्गता)

- 3 —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग से सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अर्धहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हैं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के उक्त स्यावर सम्पत्ति में भीतर हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"प्लॉट नं. 12, जो, 3री मंजिल, हिल फ्रेस्ट को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., 16वा रस्ता, वाद्रा (प), बम्बई 50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. स. अई-2/37ईई/10315/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दो)

Ret No. AR-II/37EE/10345/84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "Said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12, 3rd Floor, Hill Crest Co-op. Housing Society Ltd., 15th Road, Bandra (W), Bombay-50 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- Mrs. Chander Mohani (Transferor)
- Mrs. Nand Kumari Saigal and Mr. Vinod Tilak Saigal (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of

the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd Floor, Hill Crest Co-op. Housing Society Ltd., 16th Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37/EF/10345/84-85, dt. 25-8-1984.

Dated : 11th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश न. अई-2/37ईई/10293/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 44, जो. धर्म ज्योत 2, न्यू कांट्रिब्यूटरी रोड, बान्द्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है (और हममें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कों) और अन्तरिनी (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त आरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की उचित भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उपयोगार्थ अन्तरिनी द्वारा एकत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए ;

अतः वन उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित करता हूँ :—

- श्रीमती अमलिया बरेट्टी, और श्री विल्यम जे बरेट्टी।

(अन्तरक)

- श्री स्वदेश गम. भारद्वाज, और श्रीमती जमजीत भारद्वाज।
- (अन्तरिनी)

3. अन्तरांग
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोःस्थापना जानना है,
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन का संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोःस्थापना के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अर्थानियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 44, जो, धरम ज्योत 2, न्यू कान्टवाडी रोड, बांद्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10293/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 11/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10293/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 44, Dharam Jyot II, New Kantawadi Road, Bandra (W), Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mrs. Acelia Barretto & Mr. William J. Barretto (Transferor)
2. Mr. Swadesh S. Bharadwaja and Mrs. Jasjit Bharadwaja (Transferee)
3. Transferor

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 44, Dharam Jyot II, New Kantwadi Road, Bandra, (W), Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10293/84-85, dt. 25-8-1984.

Dated : 11th April, 1985

Seal :

(Strike off where no applicable.)

बम्बई, 12 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8910/84-85.—अन सजे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं., फ्लैट नं. 24, जो, 2री मंजिल, निब्वना, पाली हिल रोड, वाद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में आर पूर्णरूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के नित्य अन्तरिणी की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिणी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अन अर उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्रीमती कुसुम कुमारी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती यशोदा देवी।

(अन्तरिणी)

3. श्री एं. के. मिश्रा एम. डी. के. आर. एल (इंडिया) प्राइवेट लि.

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

166 GI/85—65

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 24, जो, 2री मंजिल, "निब्वना", पाली हिल रोड, वाद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37ईई/8910/84-85- और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 12/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Bombay, the 12th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/8910/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 24, 2nd floor, NIBBANA Palli Hill Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor or pay tax under the said Act, in respect of any income-arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Smt. Kusum Kumari (Transferor)
2. Smt. Yashoda Devi (Transferee)
3. Mr. B. K. Mishra, M. D. KRL (India) Pvt. Ltd.
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 24, 2nd floor, "NIBBANA" Palli Hill Road, Bandra, Bombay-50

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EF/8910/84-85, dt. 10-6-1984.

Dated : 12th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-जी/3659/अगस्त, 84:—अतः मझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. सी. सर्वे नं. 41 (अंश), खाजन क्षेत्र, एल-एजेंट, विल्हेज ऑशियरा, वर्गावा, विन्कोली रोड, अंधेरी, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दाखल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूल्किता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी उद्योग या किसी धन या अन्य आम्निधियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दियोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूल्किता के लिए

उक्त अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उ. धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी वेगमजी जिजिभाय प्राडवेर लिमिटेड । (अन्तरक)
2. श्री/श्रीमती/कुमारी बेलवाई देवणी, अमरीतबेन मावणी, तानजी सोजपार, और चापगी देवणी । (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसाकि विलेख सं. डॉक-2564/67 (न्यु नं. 3341/84) ओर जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37G/3659/Aug. 84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Cadastral Survey No. 41 (Pt.), Khajan Lane, L Plot, Village Oshiwara, Versova, Vikhroli Road Andheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Byramji Jeejeebhoy Pvt. Ltd.
(Transferor)
2. Mrs. Velbai Devshi, Amritben Malshi, Nanji Sojpar & Chapshi Devshi (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective person, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2564/67 (New No. 3341/84) and registered on 8-8-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

Date : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-II/37-जो/3663/नेष्ट-84 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 100,000 रु. में अधिक है और जिसका सं. "श्रियस इमारत", तमरी मजिल, सी. टी. एस. नं० 127/1, 127/2, 127/3 और म्युनिसिपल वार्ड नं० 6031 (1) स्ट्रीट नं० 113, जयप्रकाश रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है। तथा जो बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मद्दिष्टा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती चंपाबेन रामणलाल (अन्तरक)
पारीख
2. (1) श्री दाउद युसुफअली. (अन्तरिनी)
और (2) कुमारी फरीदा दाउद युसुफअली।
3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुपूर्वाञ्च

अनुसूची जैसा कि विनियम सं. एम.-2129/83 और जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37G/3663/Sept. 84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason of believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shreyas Building, 3rd floor, CTS No. 127/1, 127/2, 127/3, & Mun. Ward No. K-6031 Street No. 113, Jayaprakash Road, Andheri (West), Bombay-400053 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 18-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Smt. Champaben Ramanlal Parikh (Transferor)
2. Dawood Yusufali & Miss Farida Dawood Yusufali (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No S-2129/83, and registered on 18-9-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

Date : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-II/37-जी/3661/अगस्त, 84 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. जमीन के खण्ड एवं अंश, न्यु सर्वे सं. 2 आर और जे/35, सी. टी. एस. नं. 995, माहिम डिविजन, बम्बई, है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई हिस्सा प्राप्त हो बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपमे बचने में सुविधा के लिए, और या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या दिया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब अधिनियम की धारा 269-B के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वथी 1. कुर्बानअली नोरोजअली (अन्तरक)
हिरजी, और 2. कुर्बानअली नोरोजअली हिरजी
2. श्री कुट्टकल अय्याकुट्टी बामू। (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिनके अधिमोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं. बॉम-945/81, और जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 12-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37G/3661/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason of believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land bearing New Survey No. 2 I & J/35, C.T.S. No. 995 of Mahim Division, situated at Mahim (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269E of the said Act to the following persons, namely :

1. Shri Kurbanali Nowrojati Hirji,
Nurali Nowrojati Hirji (Transferor)
2. Sh. Kottukal Ayyappakutty Vasu (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM 945/81 and registered on 17-8-1984 with the Sub-Registrar, Bombay.

Date : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-II/37-जी/3664/निम्बर-84 अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन, सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. जमीन प्लॉट नं. 21, मिटी सर्वे नं. 1731, माहीम डिवीजन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे

उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-8-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरतियाँ) के बीच में अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय, या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री रजनी पी. नाडकर्णी। (अन्तरक)
2. श्री खिमजी एस. सामनिया (अन्तरिता)
3. साहू—

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधिहस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

का यह सूचना जगत् करके पूर्वोक्त भारत के अर्थ के लिए कार्यवाही शुरू करवा है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समवर्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अध्याय बाद में उत्पन्न होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा, या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सप्ताह सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरों के नाम निम्नलिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची त्रैमासिक विवेक सं. बॉम-1749/80 और जो
उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 21-9-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-85

महूर.

(जो लागू न हो उसे हट जायिये)

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी,

न्यायिक न्याय और आवृत्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज।

Ref. No AR-II/37G/3664/Sept. 84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 21, C.S. No. 1731 of Mhm Division (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 21-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the

acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

1. Sh. Rajani P. Nadkarni (Transferor)
2. Sh. Khimji M. Mamna (Transferee)
3. Tenants

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.-1749/80 and registered on 21-9-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

Date : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

LAXMAN DAS, Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.

